

#### प्राप्तिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं• 44]

मई बिस्ली, शनिवार, नवेम्बर 3, 1984/कार्तिक 12, 1906

No. 44]

NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 3, 1984/KARTIKA 12, 1906

इस भाग में भिन्न बुष्ठ संबंधा को कार्ती है किससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

> भाग II—सग्द 3—उप-सग्द (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) मारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किये तथे सोविधिक छावेश और अधिमूचनाएं Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence)

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(Legislative Department)
New Delhi, the 18th October, 1984
CORRIGENDUM

S.O. 3407.—In the first line of the declaration contained in the notification of the Government of India in the Ministry of Law, Justice and Company Affairs (Legislative Department No. S.O. 614(E), dated the 22nd August, 1984, and published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, section 3, sub-section (ii), dated the 22nd August, 1984:—

for the word "provisional",

read "provision".

[F. No. 13(3)/84-Lcg. 11]H. C. SUMAN, Under Secy.

वित्त मंद्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 7 ग्रगस्त, 1984

श्रायकर

का. थ्रा 3408---ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उप-खण्ड (iii) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा कालम 2 के नीचे उल्लिखित व्यक्तियों को जो केन्द्रीय सरकार के राजपन्नित प्रधिनारों हैं कालम 4 के नीचे उल्लिखित प्रधिनंचन करते हुए कालम 3 के नीचे उल्लिखित कर वसूली प्रधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करेंगे:—

	प.श्र.की	जिन क.व.ग्र.	पुरानी म्रधि-
संख्या शक्	तयों का	के स्थान पर	सूचना संख्या
प्रयोग	ए करने	कालम 2 में	और तारीख,
के वि	लेए प्राधि-	उलिखित व्यक्तियों	जिसका अधि-
🕅 🤻 कुत	किये जाने	को प्राधिकृत् किया	लंघन किया
वाले	व्यक्तियों	जाना है, उनके	जाना है।
के न	तम् । .	नाम।	
1	2	3	4
1. श्री	र्. एन.	श्रीमती किरण	सं. 5059/
ভাৰি <u>।</u>	<b>ट्यां</b>	एन, दबे	28-1-83
			398/1/83
			भ्रा.का.(ब.)

1	2	3	4
2. শ্ব	ो एम एन	—	सं. 5067/
3	रेगी	मेहता	28-1-83
			398/1/83
			म्पा.क. (ब.)
3. শ্ব	ो जी.बी.भगत	श्रीजेवी.	सं ० ै 5 0 7 3/
		नाडियाद्रा	28-1-83
•			398/1/83-
			भा.कः. (व.)
4. প্র	ो एसजे. क्रिवेदी	श्रीपी. सी० व	गाह्सं० 5071∫
			28-1-83
			398/1/83
			मा.क. ( <b>ब</b> .)

3138

2. यह श्रिधिसूचना तत्काल लागू होगी भीर जहां तक कालम 2 में उल्लिखित व्यक्तियों का संबंध है, यह श्रिधसूचना उनके द्वारा कर वसूली श्रिधकारियों के रूप में कार्यभार ग्रहण किए जाने की तारीखों से लागू होगी।

[सं. 5927 (फा. सं 398/6/84 मा.क. (ब.)]

## MINISTRY OF FINANCE (Department of Revenue)

New Delhi, the 7th August, 1984

#### **INCOME-TAX**

S.O. No. 3408:—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises the persons mentioned below column 2 being Gazetted Officers of the Central Government to exercise the powers of Tax Recovery Officer under the said Act in place of the Tax Recovery Officers mentioned below column 3 in supezssession of the Notifications mentioned below column 4:

SI. Name of the No. persons to be authorised to exercise powers of T.R.O.	Name of T.R.O. in place of whom the persons mentioned in col. 2 are to be authorised.	Old Notification No. No. & date to be superseded
1 2	3	4
S/Shri	S/Shri	
1. A.N. Chabaria	Smt. Krian N. Dr ve	* (- : + CD > C(   DC - 1 - C)
		398/1/83-IT(B)
<ol><li>M.N. Quroshi</li></ol>	P.T. Mehta	No. 5067 dt. 28-1-83
		398 1/83-IT (B)
3. G.B. Bh≏gat	J.V. Nadiadra	No. 5073 dt 28-1-83
		398/1/83-IT(B)
4. S.J. Trivedi	P.C. Shah	No. 5071 dt. 28-1-83
		398/1/83-IT(B)

<sup>2.</sup> This Notific tion shall come into force with immediate effect and in so for as the persons mentioned in column 2 from the dates they toke over charges as Tax Recovery Officers.

[No. 5927(F. No. 398/6/84-IT(B)].

का. था. 3409.— ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (iii) के अनुसरण में श्रौर भारत सरकार के राजस्व विभाग की दिनांक 10-8-1982 की ग्रधिसूचना सं 4863 (फा. सं 398/8/81 ग्रा. क. (ब.) का ग्रधिलंघन करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री भोपाल सिंह को, जो केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री भोपाल सिंह को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपितत ग्रधिकारी हैं, उक्त ग्रधिनियम के भ्रतंगत कर वसूली ग्रधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह प्रधिसूचना, श्री भोपाल सिंह द्वारा कर वसूली प्रधिकारी के रुप में कार्यभार ग्रहण किए जाने की तारीख से लागू होगी।

> [सं. 5931 (फा. सं. 398/23/84-मा. क. (ब.)] बी० ई० अलेक्जेंडर, अवर सचिव

S.O. 3409.—In pursuance of sub-clause (ili) of Clause (44), of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and in supersession of Notification of the Government of India in the Department of Revenue No. 4863 (F. No. 398/8/81-IT(B) dated 10-8-1982, the Central Government hereby authorises Shri Bhopal Singh, being a gazetted officer of the Central Government to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This notification shall come into force with effect from the date Shri Bhopal Singh takes over charge as Tax Recovery Officer.

> [No. 5931(F. No 398/23/84-IT(B)] B. E. ALEXANDER, Under Secy.

## नई दिल्ली, 11 सितम्बर, 1984

#### (भायकर)

का. आ, 3410:-- आयकर श्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 80-छ की उपधारा (2) (ख) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतददारा, उक्त खंड के प्रयोजनार्थ, "अकलिंग मिर्यम्मन् मंदिर, उडमलपेठ" को संपूर्ण तिमलनाडु राज्य में विख्यात सार्वजनिक पूजा स्थल के रूप में श्रीधस्चित करती है।

[सं. 6018 (फा. सं. 176/40/84-धा.क. (नि.-1)]

New Delhi, the 11th September, 1984

#### (INCOME-TAX)

S.O. 3410.—In exercise of the powers conferred by subsection (2)(b) of section 80-C of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Arulmigu Mariamman Temple Udamalpet" to be a place of public worship of renown throughout the State of Tamil Nadu.

## नई विल्ली, 17 प्रक्तूबर, 1984

#### (म्राय-कर)

का. श्रा. 3411. — ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23ग) के उपखंड (5) द्वारा प्रदक्ष शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीया सरकार, एतद्द्वारा, उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ, "मलंकारा सीरियन कन्नाया चर्च, चिंगवनम, कोट्टायम" को कर निर्धारण-वर्ष 1984-85 से 1986-87 के ग्रंतर्गत ग्राने वाली श्रयधि के लिए श्रधिमुचित करती है।

[सं. 6021 फा. सं. 197 | 40 | 82 - आर. क. (नि-1)] ग्रार. के. तिवारी, श्रवर समिव

### New Delhi, the 17th October, 1984 INCOME-TAX

S.O. 34!1.—In exercise of the powers conferred by subclause (v) of clause (23C) of Section 10 of the Incomt-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Malankara Syrian Knanaya Church, Chingavanam, Kottayam" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1984-85 to 1986-87.

[No. 6021/F No. 197/40/82-IT(AI)]

R. K. TEWARI, Under Secy.

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड नई दिस्ली, 8 जून, 1984

(भ्रायकर)

का. आ 3412 - आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए और इस संबंध में इससे पहले जारी की गई सभी अधिसूचनाओं के अधिलंघन में केन्द्रीय प्रत्यक्षकर बोर्ड एतद्वारा निदेश देता है कि इसके साथ संजन्न अनुमूची के स्तम्भ (1) में विनिर्दिष्ट आयकर आयुक्त, जिस की प्रधान कार्याला उकत अनुसूची के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट है, अनुसूची के स्तम्भ (3) में उल्लिखित आयकर आयुक्त के क्षेत्राधिकार में आने वाले ऐसे क्षेत्रों अथवा ऐसे व्यक्तियों अथवा ऐसे मामलों अथवा मामलों की श्रेणियों के संबंध में, अपने कार्यों का निर्वहण करेगा, वशर्ते कि ऐसे क्षेत्र 2/व्यक्ति/मामले अथवा मामलों की श्रेणियां स्तम 2 में उल्लिखित सिटी के श्रंतर्गत आते हों।

परन्तु यह कि आयकर श्रायुक्त, ऐसे व्यक्तियों श्रथवा ऐसे मामले के संबंध में भी कार्य करेगा जो केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बार्ड द्वारा उसके श्रधीनस्थ किसी भी श्रायकर, अधिकारी को सौंपे गये हों, श्रथवा सौंपे जाएं। परन्तु यह भी कि श्रायुक्त ऐसे व्यक्तियों श्रथवा मामलों के संबंध में कार्य नहीं करेगा, जो उसके क्षेत्राधिकार के बाहर किसी श्रायकर प्राधिकारी को सौंपे गये हों, श्रथवा सौंपे जाएं।

	श्र <b>न्</b> सूची	r	
ष्रायकर धायुक्त	प्रधान कार्या	स्य	क्षेत्राधिकार
I		2	3
(जांच)	<b>मं</b> गली र		कर्नाटक-1
<b>बंगलौर</b>			कर्नाटक-2

यह श्रधिसूचना धिनांक 15-6-1984 से प्रभावी होगी। [सं. 5854 (फा. सं. 187/16/84-मा. क. (नि-1)]

#### CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

New Delhi, the 8th June, 1984 (INCOME-TAX)

S.O. 3412.—In exercise of the power's conferred by subsection (1) of Section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and in supersession of all earlier notifications issued in this regard the Central Board of Direct Taxes, hereby directs that the Commissioner of Income-tax specified Column (1) of the schedule here annexed with headquarters specified in column (2) thereof shall perform his functions in respect of such areas or such persons or of such cases or classes of cases as are comprised in the jurisdiction of the Commissioner of Income-tax referred to in column (3) of the said schedule subject to such areas/persons/cases or classes of cases falling within the city mentioned in column 2.

Provided that the Commissioner of Income-tax shall also perform his functions in respect of such persons or such cases as have been or may be assigned by the Central Board of Direct Taxes to any Income-tax authority subordinate to him. Provided further that the Commissioner shall not perform his functions in respect of such persons or such cases as have been or may be assigned to any Income-tax authority outside his jurisdiction.

#### **SCHEDULE**

Commissioner of Income-Tax	Hoaquarters	Jurisdiction
1	2	3
(Investigation), Bangalore, This notification	2	Karne teke-T, Karne teke-H, ffect from 15-6-1984.
	INC	o, 5854 (F.Nc. 187/16/84-ITAI)

## नई दिल्ली, 4 जुलाई, 198i (भ्रायकर)

का. आ. 3413. — आयकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड अपनी दिनांक 30-11-1981 की श्रीधसूचना संख्या 4344 (का. सं. 187/32/81-आ. का. (नि.-1) द्वारा बनाये गये भायकर श्रायुक्त (जांच) लुधियाना के श्रीधकार क्षेत्र को 7 जुलाई, 1984 से एतद्द्वारा समाप्त करती है।

[सं. 5895/फा. सं. 187/19/84-मा. क. (नि.-1)] भार. के. तिवारी, भवर सचिव केन्द्रीय प्रस्थक्ष कर बोर्ड

#### New Delhi, the 4th July, 1984 (INCOME-TAX)

S.O. 3413.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of Section 121 of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby abolishes the charge of Commissioner of Income-tax (Investigation), Ludhiana, created by it, vide its notification No. 4344 (F. No. 187/32/81-IT(AI) dated 30-11-81 with effect from 7th July, 1984.

[No. 5895/F. No. 187/19/84-IT(AU]] R. K. TEWARI, Under Secy. Central Board of Direct Taxes

> वित्त मंत्रालय (राजस्य विभाग)

नई दिल्ली, 20 ग्रक्तूबर, 1984

श्रावेश

स्टाम्प

का. आ 3414:—भारतीय स्टाम्प प्रधिनियम 1899 (1899 का 2) की घारा 9 की उपघारा (1) के खंड (ख) ब्रारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्रारा में. टाटा कैमिकल्स लि. बम्बई को माल एक लाख, छिहत्तर हजार, छः सौ प्रठासी रुपये तथा पचहत्तर पैसे के उस समेकित स्टाम्प शुल्क की घ्रदायगी करने की धनुमति देती है जो उक्त कम्पनी द्वारा ऋण पत्नों (1 से 2,35,585 की अम संख्या की श्रृंखला सं. III) के रूप में जारी किये जाने वाले दो करोड़, पैतीस लाख, घ्रठावन हजार पांच सौ रु. के घ्रंकित मूल्य के बन्धपत्नों पर स्टाम्प शुल्क के कारण प्रभार्य है।

[सं. 58/84-स्टाम्प/फा. सं. 33/56/84 बि. क.]

MINISTRY OF FINANCE (Deptt. of Revenue)

New Delhi, the 20th October, 1984

ORDER

#### **STAMPS**

S.O. 3414.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby permits M/s. Tata Chemicals Ltd. Bombay to pay consolidated stamp duty of rupees one lakh, seventy six thousand, six hundred, eighty eight and palse seventy five only, chargeable on account of the stamp duty on bonds in the form of debentures (Series No. III, bearing serial numbers 1 to 2, 35, 585) of the face value of two crores, thirty five lakhs, fifty eight thousand, five hundred of rupees to be assued by the said company.

[No. 58/84-Sterops-F. No. 33/56/84-ST]

का. था. 3415:—भारतीय स्टाम्प ग्रधिनियम 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रवस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा मैसर्स टाटा कैमिकल्स लि. बम्बई को केवल दो लाख, साठ हजार, पांच सौ रुपये के उस समेकित स्टाम्प शुक्क को भदा करने की श्रनुमित देती हैं जो उक्त कम्पनी द्वारा जारी किए जाने वाले तीन करोड़, पचास लाख, रु. के ग्रंकित मूल्य के (1 से 3,50,000 की क्रम संख्या धाले ऋणपत्नों सीरीज सं. 1) के रूप में बन्ध्रपत्नों पर स्टाम्प शुक्क के कारण पर प्रभार्य है।

[संख्या 59/84-स्टाम्प फा. सं. 33/57/84-वि. क.]

S.O. 3415.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby permits M/s. Tata Chemicals 'Ltd.; Bombay to pay consolidated stamp duty of two lakhs, sixty two thousand, five hundred rupees only, chargeable on account of the stamp duty on bonds in the form of debentures (Series No. I, bearing serial numbers 1 to 3,50,000) of the face value of three crores fifty lakhs of rupees to be issued by the said Company,

[No. 59/84-Stamps-F. No. 33/57/84-ST]

का. आ 3416:—भारतीय स्टाम्प ग्रिधिनयम 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खंड (ख) ब्रारा प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्रारा मैं. टाटा केमिकल्स लि. बम्बई को केवल पचहलर हजार रुपये के उस समेकित स्टाम्प शुल्क की ग्रदायगी करने की ग्रनुमित देती हैं जो उक्त कंपनी ब्रारा ऋण पक्षों (1 से 1,00,000 की क्रम संख्या की सीरीज संख्या 2) के रूप में जारी किए जाने वाले केवल एक करोड़ रुपये के ग्रंकित मूल्य के बन्धपन्नों पर स्टाम्प शुल्क के कारण प्रधार्य है।

[सं. 60/84/स्टाम्प एफ. सं० 33/53/84--वि० क०] भगवान दास, भ्रवर सचिव

S.O. 3416.—In exercise of the powers conferred by clauses (b) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby permits M/s. Tata Chemicals Ltd., Bombay to pay consolidated stamp duty of seventy five thousand rupees only, chargeable on account of the stamp duty on bonds in the form of debentures (series No. II bearing serial numbers 1 to 1,00,000) of the face value of one crore of rupees to be issued by the said Company.

[No. 60/84 Stamps-F. No. 33/53/84-ST] BHAGWAN DAS, Under Secy.

(भाषिक कार्यविभाग) (बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 10 अक्तूबर, 1984

का. भा. 3417 .— प्रादेशिक ग्रामीण बैंक भ्रधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 11 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एत्व्द्वारा श्री के. एन. नायर को चम्पारण क्षेत्रीय ग्रामीण वैंक , मोतीहारी का भ्रध्यक्ष चियुक्त करती है तथा 5 सितम्बर 1984 से प्रारम्भ होकर 30 सितम्बर, 1987 को समाप्त होने वाली श्रवधि को उस श्रवधि के रूप में निर्धारित करती है जिसके दौरान श्री के एन. नायर अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे।

[संख्या एफ. 8-12/80-आर मार बी]

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 10th October, 1984

S.O. 3417.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 11 of the Reigonal Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government hereby appoints

Shri K. N. Nair as the Chairman of the Champaran Kshetriya Gramin Bank, Motihari and specifies the period commencing on the 5th September 1984 and ending with the 30th September 1987 as the period for which the said Shri Nair shall hold office as such Chairman.

[No. F. 8-12/80-RRB]

का. श्रा. 3418.— प्रादेशिक बैंक श्रिधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 11 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिनतयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्-द्वारा श्री के जयगोपाल को श्री श्रनन्ता ग्रामीण बैंक, श्रनन्त पुर का अध्यक्ष नियुक्त करती है तथा 1-8-1984 में प्रारम्भ होकर 31-8-1987 को समाप्त होने वाली श्रवधि को उस श्रवधि के रूप में निर्धारित करती है जिसके दौरान श्री के जयगोपाल श्रध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे।

[संख्या एफ. 2-59/82 ग्रार भार बी] एस. एस. हसूरकर, निदेशक

S.O. 3418.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 11 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government hereby appoints Shri K. Jayagopal as the Chairman of the Sree Anantha Grameena Bank, Anantapur and specifies as the period commencing on the 1-8-1984 and ending with the 31-8-1987 as the period for which the said Shri Jayagopal shall hold office as such Chairman.

[No. F. 2-59/82-RRB] S. S. HASURKAR, Director

## नई दिल्ली, 15 शक्तूबर, 1984

का. आ. 3419:--सरनारी स्थान (ध्रप्राधिकृत ध्रधि-भोगियों की बेवखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त सिक्तयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, बैंकिंग विभाग के दिनांक 12 जुलाई, 1975 की का.आ. संख्या 2175 की श्रधिमूचना में निम्नलिखित संशोधन करती है, प्रथात:--

उक्त श्रिधसूचना की तालिका में, कालम (1) श्रौर
(2) में, "पारसर श्रिधकारी भारतीय स्टेट बैंक, नई
दिल्ली" से संबंधित प्रविध्यियों के स्थान पर निम्निणिखित
प्रविध्यां की जाएंगी, अर्थात् ——

र्याधकारी का पद नाम सार्वजानक परिसरों की श्रेणियां मौर श्रेजाधिकार की स्थानीय सीमाएं

 $(1) \qquad (2)$ 

"प्रबंधक (सम्पदा), भारतीय स्टेट बक, नई दिल्ली भुष्य श्रेतीय प्रबंधक, दिल्ली के नियंत्रणा-धीन परिसरों को छोड़कर, संघ राज्य श्रेत्र, दिल्ली में भारतीय स्टेट बैक से सम्बद्ध श्रथवा पट्टे पर निये गये श्रथवा भामग्रहीत श्रथवा भारतीय स्टेट बैक की श्रीर से निये गये परिसर।  $(1) \qquad (2)$ 

मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक, . भारतीय स्टेट देंक, नई रिक्सी प्रबंधक (सम्पदा) नई दिल्ली के नियंत्रणाधीन परिसरों को छोड़कर, संघ राजा केन, दिल्ली तथा हरियाणा राज्य के गुड़गांव, फरीदाबाद और सोनोपक के जिलों में, भारतीय स्टेट केंक से सम्बद्ध अथवा पट्टे पर लिये गये अथवा के अपहों अथवा भारतीय स्टेट केंक के अपहों सुख्या भारतीय स्टेट केंक के आर से लिये गये परिसर।

मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधकः, भारतीय स्टेट बैंक, जयपुर राजस्थान राज्य में भारतीय स्टेट बैक से सम्बद्ध श्रथवा पृट्टे पर लिये गये ग्रथवा श्रभिग्रहीत श्रथवा भारतीय स्टेट बैंक की श्रीर से लिये गये परिसर ।

भुष्य क्षेत्रीय प्रबंधक, . भारतीय स्टेट वैंक, आभरा । उत्तर प्रवेश राज्य के श्रागरा, भलीगढ़, मथुरा, भैनपुरी भौर एटा जिलों में भारतीय स्टेट बैंक से सम्बद्ध अथवा पट्टे पर लिये गये, श्रथवा भिमम्हीत. श्रथवा भारतीय स्टेट बैंक को भोर से लिये गये परिसर।

मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक, मेरठ

उत्तरप्रदेश राज्य के मेरठ, गाजियाबाद, बिजनीर, बुलन्दशहर, सहारनपुर घीर मुजपफरनगर में भारतीय स्टेट बैंक से सम्बद्ध अथवा पट्टे पर लिये गये अथवा अभिग्रहीत अथवा उसकी भ्रोर से लिये गये परिसर।

मुख्य क्षेत्रीय प्रबंध क, भारतीय स्टेट वैंक, देहराषून उत्तर प्रदेश राज्य के देहरावून, जमोली, उत्तरकाशी, पौड़ी गढ़वाल और टिहरी गढ़वाल जिलों में भारतीय स्टेट बैंक से सम्बद्ध प्रथवा पट्टे पर किये गये प्रथवा अभिग्रहीत अथवा उसकी भोर से लिये गये परिसर।

[सं. 36/41/84-बी, भ्रो.-**HI**]

New Dolhi, the 15th October, 1984

S.O. 3419.—In exercise of the powers conforred by section 3 of the Public Promises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971) the Central Government hereby makes the following amendments in the notified from of the Government of India in the Ministry of Finance, Dep. 14ment of Banking, No. S.O. 2175, dated the 12th July, 1975, namely:—

In the Table to the said notification, in columns (1) and (2), for the entries relating to the "Premises Officer, State Bank of

India, New Dolhi", the following entries shall be substituted, nemaly :-

Dosign tion of the efficer

Categories of public premises and local limits of jurisdiction

(I)

"Mam ger (Fatate). St to Bank of India, New Delhi.

Plemises belonging to or tilken on let se or requisitioned by or on behilf of te B nk of India in the Union and story of Dolhi other than the premises under the control of the Chief Regional Manager, Delhi,

ger, Strite Brink of India, New D lhi.

Chief Region 1 M. nr - Premies belonging to on taken on lease or requisitioned by or on behalf of the State Bank of India in the Union Territory of Delhi other than the premises under the control of the M: nager (Est. to), New Dolhi and the Districts of Gurgaon, Faridabed and Sonep. t in the State of H ryana.

Chief Region 1 M noger, St to Bank of India, Jaiour.

Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on beh If of the St to Bink of India in the State of Rejesthen.

Chief Region 1 Ms.n: ger, St to Bank of India, Agra.

Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of the State Back of India in the Districts of Agra, Aligarh, M: thura, M inpuri and Etah in the State of Utt r Pradesh.

Chief Region 1 Mannger, St te Bank of Inoia, Mecrut.

Premises bolonging to or token on lease or requisitioned by or on beht if of the State Bank of India in the Districts Ghaziabi d, Bilnor, Meerut, Saharanpur and Bulandshahr, Muzeffar Nagar in the State of tittar Pradesh.

Chief Regional Manager, St. te Bank of Indie, Dehra Dun.

Premises belonging to or taken on loase or requistioned by or on behilf of the Ste to Bank of India in the Districts of Dohra Dun, Chameli, Uttar Krshl, Pauri Garhwal and Tchri Garhwal in the State of Uttar Pr. desh".

[No. 36/41/84-B.O. 111]

## नई दिल्ली, 19 अन्त्बर, 1984

्रकाः ग्राः 3420-वैककारी विनियमन ग्रिधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हये केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व मैंक की सिफारिश पर एतद्द्वारा घोषणा करती है कि उक्त प्रधिनियम की धारा 9 के उपबंध कर्नाटक बैंक लिमिटेड, मंगलौर पर और एक वर्ष की अवधि के वास्ते अर्थात् 29 दिसम्बर 1985 तक उस मीमा तक लागु नहीं होंगे जहां तक उनका संबंध इसके द्वारा कुडगल, जिला धाराबाड, कर्नाटक में धारित 810, 811 ग्रीर 812 म्यूनिसिपल संख्या वाली युकान व टीन के गोदामों सहित दो मंजिला मकान की भ्रचल सम्पति से है।

[सं. 15/32/83--वी. अो. III]

#### New Delhi, the 19th October, 1984

S.O. 3420.—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949). the Central Government on the recommandation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of section 9 of the said Act shall not apply to the Karnataka Bank Limited. Mangalore, for a further period of one year i.e. upto the 29th December, 1985 in respect of the immovable property of a two storeyed house including shop and tin godowns bearing Municipal Nos. 810, 811 and 812 held by it at Kundgol, Dharwar District. Karnataka.

[No. 15/32/83-B.O. III]

का. प्रा. 3421 - बैंककारी विनियमन प्रिधिनियम, 1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त मन्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर, एतदहारा यह घोषणा करती है कि उक्त ग्रधिनियम की धारा 10-ख की उपधारा (1) के उपखंड 17 दिसम्बर 1984 तक बैंक शाफ कोचीन, एनिकुलम नहीं होंगें।

(सं. 15/7/84-बी. अो.-III]

S.O. 3421.—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendations of the Reserve Bank, hereby declares that the provisions of subsection (1) of section 10-B of the said Act shall not apply to the Bank of Cookin Ltd. Fernivalers. to the Bank of Cochin Ltd., Ernakulam, till the December, 1984.

[No. 15/7/84-B. O. III]

का. श्रा. 3422 - बैंककारी विनियमन श्रधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर एनद्द्रारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनित्म की धारा 10ख की उपधारा (1) भौर(2) के उपबंध गणेश बैंक श्राफ कुरूडवाड लि., करूडवाड पर 19 सितम्बर 1984 से 18 दिसम्बर, 1984 तक की तीन महीने की श्रवधि के बास्ते या जब तक उस बैंक के लिये नियमित रूप से पर्ण क्वालिक अध्यक्ष तथा मस्य भार्यपालक अधिकारी की नियमित नहीं हो जाती, इन दो में से जो भी पहले हो, लागू नहीं होंगे।

[सं. 15/25/84-बी. भी. III]

माधव लाल, प्रवर सचिव S.O. 3422.—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949)

the Central Government, on the recommendations of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sub-sections (1) and (2) of section 10-B of the said Act, shall not apply to the Ganesh Bank of Kurundwad Ltd., Kurundwad, for a period of three months from 19th September. 1984 to 18th December, 1984 or till the appointment of a regular wholetime Chairman and Chief Executive Officer for that bank, whichever is earlier.

[No. 15/25/84-B. O. III] MADHAV LAL, Under Secy.

#### वाणिका अंत्रालय

आदेश

नई विल्ली, 27 अक्तूबर, 1984

का०आ० 3423 --- भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए घरेलू विद्युत उपकरणों' को निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के अधीन लाने के लिए कतिपय प्रस्ताय, निर्यात (क्वालिष्टी नियंत्रण और निरीक्षण नियम, 1964 के नियम 11 के उपनियम (2) की अपेक्षानुसार भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश सं0 का0आ0 1144 तारीख कि अप्रैल, 1984 के अप्रीन भारत के राजपक्ष भाग-II, खंड-3 उपलंड-(ii) तारीख 7 अप्रैल, 1984 में प्रकाशित किए गए थे;

और उक्त आवेश के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीला से 45 दिनों के भीतर उन सभी व्यक्तियों ने आक्षेप और मुझाव मांगे गए थे जिनके उनसे प्रभावित होते की संभावना थी ,

और उक्त राजपत्न की प्रतियां जमता को 24 अप्रैल, 1984 को उपलब्ध करा दी गयी थी;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रस्तावों पर जनता से प्राप्त आक्षेपों और मुझावों पर विचार कर लिया है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की घारा 6 हारा प्रदल शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निर्यात निरीक्षण परिषद् से परामर्श करने के पण्चात् अपनी यह राय होने पर कि भारत के निर्यात क्यापार के विकाम के लिए ऐसा करना आवश्यक तथा संमीकीत है, इसके द्वारा :---

- (1) अधिसूजित करती है कि घरेलू विद्युत उपकरणों का निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण किया जाएगा;
- (2) "बरेलू बिद्युत उपकरणों" का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1984 के अनुसरण में क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के प्रकार की क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के प्रकार की क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के ऐसे प्रकार के रूप में विनिर्दिष्ट करती है जो निर्यात से पूर्व ऐसे "बरेलू विव्युत उपकरणों" पर लागू होंगें;
  - (क) राष्ट्रीय और अन्तराष्ट्रीय मानकों तथा निर्यात निरीक्षण परि-क्षण परिषद द्वारा मान्यसा प्राप्त अन्य निकायों के मानकों को;
  - (ख) सुसंगत राष्ट्रीय या अग्तरराष्ट्रीय विनिर्देशों में निर्धारित के अनुसार सभी विव्युत और यांत्रिक परीक्षणों को पुरा करते हुए संवाहक या सीसा तार यदि कोई हो, के सहित "प्रतेलू विद्युत उपकरणों" के अधीन रहते हुए विदेशी केना और निर्यानकर्ता के मध्य करार पाए संविदारमक विनिर्देशों को; और
  - (ग) ऐसे संविदाओं के लिए विदेशी केता और निर्यातकर्ता के मध्य करार पाए गए संविदातमक विनिर्देशों को जैसे कि इस आदेश के राजपत्न में प्रकाशित होने से ठीक पूर्व किए गए थे तथा इसके पश्चात् उकत तारीख से 90 दिनों के भीतर निर्यात किए गए;

"बरेलू बिद्युत उपकरणों" के लिए मानक विनिर्देशों के रूप में मान्यता देती है ।

- (4) अन्तराराष्ट्रीय व्यापार के दौरान ऐसे घरेलू विद्युत उएकरणों के निर्यात को तब तक प्रतियिद्ध करती है जब तक कि उसके भाष निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की छारा 7 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त था स्थापिन अभिकरणों में से किसी एक द्वारा जारी किया गया इस आशय का प्रमाण-पन्न न हो की घरेलू विद्युत उपकरण उक्त मानक विनिर्वेणों के अनुरूप है तथा निर्यात योग्य है या उन पर उक्त अधिनियम की छारा 8 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त सील या चिन्ह न लगा हुआ, हो।
  - 2. इस आवेश की कोई भी बात :--
  - (क) भाषी केताओं को भूमि, बायु या जलमार्गद्वारा एक ही प्रकार और डिजाइन के वो से अनाधिक घरेलू विद्युप उपकरणों के नमूनों के निर्मात को लागून नहीं होगी।
  - (ख) ''घरेलू थिद्युत उपकरण'' के उन परेषणों पर लागू नहीं होगी जो राजपत्न में प्रकाणित होने की तारीख से टीक पहले निर्योतकर्ता/विनिर्माता के परिसर से जा चुके हैं।

 इस आदेश में "घरेलू बिद्युत उपकरण" से नीचे दी गयी अनुसूची में दिए गए उपकरणों में से कोई एक अभिन्नेत हैं—

#### अनमृची

#### कम मं. धरेलू विद्युत उपकरण

- 1. विद्युत इमरणन जल उदमायक
- 2. मंग्रहणी प्रकार के स्वषालित विद्युत हीटर
- 3. घरेलुएवं उसके समक्ष प्रयोजनों के लिए स्विच
- 4. विष्युत प्रेस
- 5. विद्युत स्टोब
- 6. विद्युत हाट प्लेट
- 7: घरेलू बिद्युत खाद्य मिश्रक (इव मिश्रक सथा प्राइंडर)
- विद्युत टोस्टर
- 9. विद्युत काफी भरकोलेटर (बिना रेग्यूकेटर)
- 10. धरेल् और सामान्य प्रयोग के लिए विद्युत केतली और जग।
- 11. कपड़े धोने की बरेलू विद्युत मशीन (बिना स्सचालित के)
- 12. विव्युत रेडिएटर
- 13. पानी उकालने का विद्युत यंत्र।
- 14. केश मुखाने का मुख्य परिचालित विश्वास धंता
- 15. खाना पकाने के अरेलू विव्युत औवन।
- मुख्य परिचालित विष्युत शेवर।
- 17 स्टोम प्रेसां
- 18. घरेलू प्रयोग के लिए हीटींग पैड के नम्य विद्युत यंद्र।
- 19. सुबाह्य मुख्य हस्तचालित मसाजर।
- 20. सुबाह् यधीमी गति वार्ला खाद्य मिश्रक मशीम।
- 21. संयोजक उपकरण सथा लगाए हुए उपकरण (अत्रितिवर्सी प्रकार के तीन पिन)
- 22. संयोजक उपकरण तथा लगाए हुए उपकरण (अप्रतिवर्ती प्रकार के तीन पिन) प्रवेशिक उपकरण।
- 23. विद्युत जल हीटर के साथ प्रयुक्त वर्मोस्टेट।
- 24. गोलों की तरह तापन अवयव (असन्निहिस)
- 25. हीटिंग ऐलिमेंट के लिए प्रतिरोधक तार, पद्दियां तथा धारियां।
- 26. अन्तःस्थापित प्रकार के ठौस हीटिंग ऐलिमेंट
- 27. खनिज से भरा आवृत्त हीटिंग ऐसिमेंट।
- 28. विश्वत ओवन के सामान्य प्रयोग के लिए धर्मीन्टेट।
- 29. अभ्रक युक्त उपमारीधी हीटिय ऐलिमेंट
- 30. घरेलू तथा सामान्य प्रयोगों के लिए स्विच 2 ए एम पी एस
- 31. विव्युत के सुवाह्य लैंप स्टेंड तथा क्रेकिट।
- 32. तीन पिन प्लग तथा साकिट निर्गम।
- 33. लचकवार सामान्य से बनाए हुए तीन पिन प्लग।
- 34. बयोनेट लैंप होल्डर।
- 35. क्षणिक पानी गर्म करने के लिए विव्युत हीटर।
- 36. एक सतही वैकिंग अंकिन।
- 37. ताप संवाहक।
  - 4. यह आदेश राजपक में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगा।

#### नई दिल्ली 27 अस्तुब,र 1984

- का.धा. 3423(क).—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियक्षण भौर निरीक्षण) प्रधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 के खंड (घ) के उपखंड (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती हैं, प्रयति:—
- संक्षिप्त नाम भौर प्रारम्भ :---(1) इन नियमों की संक्षिप्त नाम भरेलू विश्वत उपकरण निर्यात ('क्वालिटी नियंत्रण भौर निरीक्षण) नियम 1964 है।
  - (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
  - 2. परिभाषाएं :----इन नियमों में जब तक कि संवर्ध से मन्यया मपेक्षित म हो:---
    - (क) "मधिनियम" से निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण मौर निरीक्षण) मधिनियम, 1963 (1963 का 22) मिश्रेन हैं;
    - (ख) "ग्रिमिकरण" से ग्रिधिनियम की धारा 7 के ग्रिधीन बम्बई, कलकत्ता, कोचीन, दिल्ली भीर मद्रास में स्थापित कोई भ्रिम-करण ग्रिथित हैं;
    - (ग) "परिषव" से मधिनियम की धारा 3 के मधीन स्थापित निर्यात निरीक्षण परिषव ऋभिप्रेत हैं;
    - (घ) "बरेलू विद्युत उपकरणों" से धनुसूची I में उल्लिखित कोई भी उपकरण अभिन्नेत है;
    - (क) "अनुसूची" से इन नियमों से संलग्न अनुसूची अभिन्नेत है।
  - 3. निरीक्षण का भ्राधार:—िनरीक्षण किए जाने वासे घरेलू विश्वत उपकरणों का निरीक्षण इस दृष्टि से किया जाएगा कि घरेलू विश्वत उपकरण भ्रधिनियम की धारा 6 के भ्रधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्य विनिवेंशों के धनुरूप है, ग्रथांतु:—
    - (1) राष्ट्रीय और अन्तरीष्ट्रीय मानक और निर्यात निरीक्षण परिषद द्वारा मान्य अन्य संस्थाओं के मानक ;
    - (2) सुसंगत राष्ट्रीय या भन्तराष्ट्रीय विनिर्देशों में निर्धारित के भनुसार सभी विद्युत और योजिक परीक्षणों को पूरा करते हुए, संवाहक या सीसा तार यदि कोई हो, के सहित "घरेलू विद्युत उपकरणों" के प्रधीन रहते हुए विदेशा केता भीर निर्यातकर्ता के बीच मध्य करार पाए संविदात्मक विनिर्देशों के; और
    - (3) ऐसे संनिवाओं के लिए विदेशी जेता धौर निर्यातकर्ता के के मध्य करार पाए गए संविवात्मक विनिर्देश जैसे कि कि इस धादेश के राजपत्न में प्रकाशित होने से ठीक पूर्व किए गए थे तथा इसके पश्चान् उक्त तारीख से 90 विनों के भीतर निर्यात किए गए;
    - जो घरेलू विद्युत उपकरणों के लिए मानक विनिर्देशों के रूप में मान्यता प्राप्त हैं।

गा

(क) यह सुनिम्बित करते हुए किया आएगा कि उत्पाद का विनि-र्माण उत्पादन के दौरान द्यावस्थक क्वालिटी नियंत्रणों का प्रयोग करते हुए किया गया है जो इस ग्रिधिसूचना के उपाबंध - र्से विनिर्दिष्ट है।

या

(ख) इस ध्रधिस्चना के उपाबध-II में विनिदिष्ट रीति के ध्रमुसार किए गए निरीक्षण तथा परिक्षण के घाधार पर किया जाएगा

- 4. निरोक्षण की प्रक्तिया:—(1) घरेसू विद्युत उपकरणों के परेषण का निर्यात करने का इच्छुक निर्यातकर्ती निर्यात संविदा या आदेण की एक प्रति के साथ संविदात्मक विनिवेश का क्योरा वेते हुए, अभिकर ण को लिखित सूचना देगा जिससे प्रभिकरण नियम 3 के भूनुसार निरोक्षण कर सकें:
- (2) घरेलू विद्युरत उपकरणों का निर्मात करने के लिए जिनका विनिर्माण उपायंध्र-ों. में प्रधिकियत उत्पादन के दौरान पर्याप्त क्वालिटी नियंत्रण का प्रमोग करके और परिषद द्वारा इस प्रयोजन के लिए गठित विशेषज्ञों के पैनल द्वारा ग्रह न्याय निर्णयन के बाद कि उत्पादन के दौरान यूनिट में पर्याप्त क्वान्तिटी नियंत्रण ड्रिलें हैं, किया गया है निर्यातकर्ता उपनियम (1) में उल्लिखित सूचना के साथ यह घोषणा भी देगा कि निर्यात के लिए भागयित घरेलू विद्युत उपकरणों के परेषण का विनिर्माण उपायंध-I में भ्रष्टिकथित पर्याप्त क्वालिटी नियंत्रणों का प्रयोग करके किया गया है भौर परेषण इस प्रयोजन के लिए मान्यता प्राप्त विनिर्देशों के अनुल्य है।
- (3) निर्यातकर्ता प्रभिक्तरण को निर्यात किए जाने वाले परेषण पर लगाए जाने वाले पहुचान जिल्ह भी देगा।
- (4) उपरोक्त उपनियम (1) के प्रयोग प्रत्येक सूचना विनिर्माता के परिसर से परेषण के भेजे जाने के कम से कम सात विभ पूर्व दी जाएगी; जबकि उपनियम (2) के प्रधीन घोषणा सहित सूचना त्रिनिर्माता परिसर से परेषण के भेजे जाने से कम से कम तीन विन पूर्व दी जाएगी।
- (5) उपनियम (1) के म्राप्तीन सूचना भौर उपनियम (2) के म्राप्तीन घोषणा, यदि कोई हो की प्राप्ति पर भ्रभिकरण—
  - (क) विनिर्माण की प्रक्रिया के दौरान प्रथमा यह समाधान कर करे लेने पर कि विनिर्माता ने उपाबंध Î मे प्रधिकथित पर्याप्त क्वासिटी नियंत्रणों का प्रयोग किया है धौर धौर धूस प्रयोजन के लिए मान्यता प्राप्त मानक विनिर्देशों लों के धनुष्य उत्पाद का विनिर्माण करने के संबंध में परिषद/प्रभिकरण द्वारा जारी किए गए अनुदेशों, यदि कोई हों, का पालन किया गया है, तीन दिन के भीतर यह घोषणा करते हुए प्रमाण पत्न जारी करेगा कि घरेलू विद्युत उपकरणों का परेषण निर्यात योग्य है।
  - (ख) जहां जिनिर्माता निर्यातकर्तानहीं है वहां भी परेपण का का भौतिक रूप से सत्थापन किया जाएगा भौर ऐसा सत्यापन तथा या निरीक्षण प्रदिधावश्यक हो, भ्रिकरण द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए किया जाएगा कि उपरोक्त शक्तों का पालन किया गया है।
- (6) (क) प्रभिकरण निर्यात के लिए प्राथित कुछ परेषणों की स्थल पर हीं जांच करेगा भीर विनिर्माण एककों द्वारा भपनाई गयी उत्पादन के बौरान क्वालिटी निर्यक्षण ड्रिलों की पर्याप्तता का सरवापन करने के लिए नियमित मंतरालों पर विनिर्माण एकक में जाएगा । यदि यह पाया जाता है कि विनिर्माण एकक में विनिर्माण के किसी भी प्रक्रम पर भ्रपेक्षित क्वालिटी नियंवण उपायों का प्रयोग नहीं किया गया है या परिषद । भिकरण की सिफारियों का भगुपालन नहीं किया गया है तो यह घोषणा कर दी जाएगी कि यूनिट के पास उत्पादन के बौरान पर्याप्त क्वालिटी नियंवण कि वें रान पर्याप्त क्वालिटी नियंवण कि यूनिट के पास उत्पादन के बौरान पर्याप्त क्वालिटी नियंवण कि वें रान क्वालिटी नियंवण कि यूनिट के स्थाप रखने के बारे में भ्रधिनिर्णय करने के लिए पि,र से मानेवन करेगा।

(०) जहां निर्यातकर्ता ने उपनिषम (२) के अधीत यह घोषित नहीं किया है कि उपाबध-! में अधिकथित पर्याप्त क्वालिटी नियंत्रण का प्रयोग किया गया है वहां अपना यह समाधान करने पर कि घरेंस् विद्युत उपकरणों का परेषण हम प्रयो-जन के लिए मान्यताप्राप्त मानक विनिर्देशों के अन् मप है उपाबध-! में यथा अधिकथित किए गए निरीक्षण और परीक्षण के सान दिन के भीतर यह घोषित करते हुए प्रमाणपत्र जारी करेगा कि घरेंत् विद्युत उपकरणों का

परन्तु जहाँ, प्रधिकरण का इस प्रकार समाधान नहीं होता है वहां यह घोषित करने हुए कि घरेलू विश्वन उपकरणों का परेषण निर्मात योग्य है प्रमाण-पत्न जारी करने से इंकार कर देगा और ऐसे इंकार किए जाने की सचना निर्मानकृति को उसके कारणों सहिस सान दिन के धीनर दे दी जाएगी।

(7) उस दशा में जहां विनिर्माता उपनियम (5) (ख) के प्रधीन निर्यातकर्ता नहीं है या परेषण का उपनियम (6) के प्रधीन निरीक्षण किया गया है, वहा प्रक्रिकरण निरीक्षण की समाप्ति के पश्चाने नुरुन्त परेषण में से पैकेजों को इस रीति से मृहर बंद करेगा जिससे यह सुनिश्चित हो जाए कि मृहर बंद पैकेजों में फेरमथल नहीं की जा सकती है। परेषण के प्रस्वीकृत किए जाने की दशा में यदि निर्यातकर्ती ऐसा चाहे तो परेषण प्रक्रिकरण द्वारा मृहरम्बर नहीं किया जाएगा परन्तु ऐसे मामलों में निर्यातकर्ता ग्रस्वीकृति के विरुद्ध प्रपील करने का हकदार नहीं होगा ।

#### निरीक्षण का स्थान:---इन नियमों के प्रधीन प्रत्येक निरीक्षण :

- (क) ऐसे उत्पादों के धिनिर्माता के परिसर पर या (ख) उन परिसरों पर किया जाएगा जहां निर्मातकर्ता द्वारा माल प्रस्तुत किया जाना है परन्तु यह तक जब कि वहां निरीक्षण के लिए अपेक्षित सुविधाएं विद्यमान हों।
- निरीक्षण फीस'-- यथास्थित विनिर्मात्भौं/निर्मातकर्ताभ्रों द्वारा स्रिकरण को निरीक्षण फीस निस्तानुसार दी जाएंगी'--
  - (1) नियम 3(क) के प्रधीन निरोक्षण करने के लिए उत्पादन के दौरान क्वालिटी नियलण के प्रधीन प्रनुमादिन यूनिटों द्वारा निर्यान के लिए आणियन तथा विनिधित बस्तुओं के प्रति परेषण न्युननम 20 तथा, के प्रधीन रहते हुए पोन पर्यन्त नि. गुल्क मूल्य के 0.2 प्रतिशत की दर में ।
  - (2) परेषणानुसार निरीक्षण के लिए नियम 3 (ख) के प्रधीत निरीक्षण करने के लिए न्यूननम 20 कपए प्रति परेषण के प्रधीन रहते हुए, पोन पर्यन्त निःणुलक मृत्य के 0.1 प्रतिभन की दर से।
  - (3) उत्पादन के दौरान क्वालिटी नियंत्रण स्तरों की पर्याप्तता रखने बाली युनिटों द्वारा निर्मित तथा मर्चेट व्यापारी द्वारा निर्मात किए गए उत्पादों के लिए स्पृततम 20 स्वाए प्रति परेषण के ब्रधीन रहते हुए पात पर्यन्त नि प्राप्त के 0.3 प्रतिशत की दर से 1
  - (4) (1) (2) तथा (3) में दी गयी निरीक्षण फीस । पर 10 प्रतिभान की छूट उन लख्यु उद्योग एकका को बी जाएगी जो संबंधित राज्य सरकारों या संघराज्य क्षेत्रों के पास रिजस्ट्रीकृत हैं ।
- प्राप्यताप्राप्त चिन्ह का चिवकाना और उसकी प्रक्रिया——भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) अधिनियम, 1952 (1952 का 36) भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) नियम, 1955 और 975 G1/84—2

भारतीय मानक संस्था प्रमाणन चिन्न विनियम, 1955 उपभव निर्यान से पूर्व घरेल् विद्युत् उपकरणो पर माध्यता प्राप्त चिन्त या साल चिपकाने की प्रक्रिया के संबंध्य से यथा संभव लोगू होंगे और इस प्रकार चिन्तित घरेल् विद्युत् उपकरण निर्यात से पूर्व नियम उ.के अधीन किसी भी निरीक्षण के अधीन नहीं होंगे।

- 8 अपील. (1) नियम 1 के उपनियम (5) के अधीन प्रसिक्षण द्वारा प्रमाण-पक्ष जारी करने से इंकार करने से व्यथित काई व्यक्ति ऐसे इकार किये जाने की सूजना प्राप्त होने के 10 दिन के भोतर इस प्रयोजन के तिये गठित विशेषकों के पैनल की. जो केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त कम से कम तीन और अधिक से अधिक भात व्यक्तियों से मिलकर बना होगा अपील कर सकेगा।
  - (2) पैनल में विणेषज्ञों के पैनल की कुल गदस्यता के दो-तिहाई गदस्य गैर सरकारी होंगे।
  - (3) पैनल की गणपूर्ति तीन से होगी।
  - (4) अर्पाल प्राप्त होते के पत्झह दिन, नेः भीतर निषटा दी जाएगी।

#### उपायन् $\mathbf{z} - \mathbf{I}$

[नियम 3(क), 4(2), 5(क), 5(ख्र) देखिए]

विनिर्मानाः धरेल् विद्युत् उपकरण का क्वालिटी नियन्नण अनुसूची

II में दिये गये नियंत्रण के स्तरों महित्र अधिकथित उत्पादों के विनिर्माण,
संरक्षण तथा पैकिंग के विभिन्न स्तरों पर निस्तिलिव नियन्नणों को लागु
करते हुए प्रयोग करेगा।

- । कम की नमी सामग्री तथा संघटकों का नियंत्रण :
- (क) विनिर्माता प्रयुक्त किये जाने वाली सामग्री या संघटकों की विशेषक्षाओं और सद्यताओं सिंहत विस्तृत विमाओं को समाविष्ट करते हए, कय विनिर्देश अधिकथित करेगा।
- ख) स्वीकृत परेषणों के साथ या तो अप विनिर्देशों की अपेक्षाओं की सपृष्टि करते हुए उत्पादक का परीक्षण प्रमाण-पन्न होंगा या ऐसा परीक्षण प्रमाण-पन्न ते होते पर, अस विनिर्देशों हसकी अनुरूपता की जांच करने के लिये, प्रत्यक परेषण में में नमनों की वियमित जांच की जायेगी। उत्पादक के परीक्षण प्रमाण-पन्न की णढ़ता सत्यापित करने के लिये पाल परेषणों में कम में असम एक बार पनः जांच की जायेगी।
- (ग) आने बाले परेषण का निरीक्षण और पर्शक्षण, माख्यिकी योजना के अनुमार क्रय विनिर्देशों के अनुम्पता मुनिश्चित करने के लिये किया जायेगा।
- (घ) निरीक्षण और परीक्षण किये जाने के पण्चान् दोषों के निपटाने तथा उचित पृथककरण के लिये व्यवस्थित पद्धतिया अपनाई जाएगी।
- (इ) अपर निर्दिष्ट नियंत्रणों के संबंध में पर्याप्त अभिलेखा व्यवस्थित रूप से रखें जायेंगे।
- 2 प्रक्रिया नियम्रण :--(क) विनिर्माता विनिर्माण की विभिन्न प्रक्रियाओं के लिये ब्योग्वार प्रक्रिया, विनिर्देश अधिकथित करेगा ।
  - खा) प्रक्रिया किनिदेश में अधिकथित प्रक्रियाओं को नियंत्रित करने के लिये उगम्कर या उपकरणों की पर्याप्त गविधाएं होंगी।
  - (ग) प्रसंस्कृत सामग्री की प्रसंस्कृत विनिर्देशों के साथ अनुरूपता की कांच के लिये नस्ता (जहां कही अपेक्षिम टो) अधिलेखिक अन्वेषण पर आधारित होगा ।

- (घ) जिनिर्माण की प्रिक्षिया के दौरान अपनायें गये निर्मक्षणों का सस्यापन करने के लिये पर्याप्त अभिलेख रखे जायेंगे।
- 3. उत्पाद नियंत्रण :(क) मान्यताप्राप्त विनिर्देशों के अनुमार उत्पाद का परीक्षण करने के लिये विनिर्माता के पास या नो अपनी परीक्षण मुनिधायें होंगी या उनकी पहुंच वहां नक होगी जहां.ऐसी परीक्षण मुनिधायें उपलब्ध हैं।
  - (खा) परीक्षण के लिये नमूना लिया जाना (आहां अपेक्षित है) अभिलेखित अन्बेषणों पर आद्यारित होगा।
  - (ग) विनिर्माता किये गये परीक्षणों के संबंध में पर्याप्त अभिलेख नियमित और व्यवस्थित रूप में रखेगा।
- 4. साप संबंध नियंक्षण : उत्पादन और निरीक्षण में प्रयुक्त गेजों और उपकरणों की कालिक जांच या अशंशोधन किया जायेगा और अभिनेत्र वृक्तकाई के रूप में रखे जायेगे।
  - 5. परिरक्षण नियंत्रण : (क) विनिर्माता उत्पाद की मौसम के प्रतिकृत प्रभावों सुरक्षित करने के लिये विस्तृत विनिर्देश अधिकथित करेगा।
  - (ख) उत्पाद को भंडारकरण और अभिवहन, दोनों के दौरान अव्छी तरह से परिरक्षित किया जायेगा।
- 6. पैकिंग नियंत्रण : उत्पाद (ओं) की पैकिंग तथा नियति किये जाने वाले पैकेओं के लिये विनिर्देश अधिकथित किये आर्येगे और उनका कटोरता मे प्रानिया पालन किया जायेगा।

#### उपार्वध---11

#### [नियम 3,4(6) (**स**) देखें]

- घरेलू विद्युत उपकरणों के परेक्षणों का निरीक्षण तथा परीक्षण यह मृतिण्चित करने के लिये किया जायेगा कि वे अधिनियम की धारा 6 के अधीन मान्य मानक विनिर्देशों के अनुरूप हैं।
- 2. तमूना लेने और अनुरूपता के मानवं**टों के संबंध** में संविदातमक विनिर्देशों में किसी विशिष्ट अनुबंध के न होने की दक्ता में वही अनुबंध लागू होंगे जो नीचे दी गयी सारणी में अधिक**धित हैं।**
- 2.1 सारणी-र्रे में दिये गये लाटों मे से **चुने गये** नमूनो मे से सुसंगत राष्ट्रीय मानकों पर दिये गये स्थीकृत परीक्षण किये जायेगे और लाटों को सारणी-र्रे में दिये गये अनुरूपता के मानवंशों के आधार पर स्थीकृत या अस्थीकृत किया जायेगा।

सारणी-II समना, आंकार और पृष्टि के **लिये मानदंड** 

लॉट आकार	प्र <b>य</b> म नम्ना	द्वि संध्य सम्ना	स्वोकृत सं <b>क्</b> या	प्र <b>य</b> म अस्बीकृत सं <del>ख्</del> या	द्वितीय अस्वीकृत संख्या
(1)	(2)	(3)	(4)	<b>(</b> 5)	(6)
50 <b>त</b> क	5	5	0	2	2
51 से 100 तक	8	, 8	B 0	*2	2
101 से 300 तक	13	3 1.	3 <b>0</b>	2	2
301 से 500 तक	20	20	0	2	3
501 और अधिक	32	32	2 0	3	4

नोट:---लॉट से एक परेषण में एक ही बनाबट, माडल तथा प्रकार के एकवित किये गये सभी उपकरण अभिप्रेत है।

- 2.2 चुनाव की बेतरतीबी को सुनिश्चित करने के उद्देशय में आई एम 4905---1968 में दी गयी प्रक्रिया का अनसरण किया जाएगा।
- 2.3 सारणी-1 के स्तम्भ (1) तथा (2) के जनुसार एक माय भूने गये उपकरणों का अलग-अलग उपकरण विनिर्देश में विनिर्देश्ट स्वीकृत परेषण किया जायेगा कोई उपकरण स्वीकृत परीक्षणों में से किसी की भी पूर्ति करने में असमये होता है तो उसे दोषपूर्ण समझा जायेगा। यदि नसूने के दोषों की संख्या स्वीकृत संख्या (स्तम्भ 4 देखें) के बरावर या कम पायी जाती है तो लाट को अपेक्षाओं के अनुरूप समझा जायेगा और यदि नसूने में दोषों की संख्या पहली अस्वीकृत संख्या (स्तम्भ 5 देखें) के बरावर या अधिक है तो उसे अस्वीकृत कर दिया जायेगा। यदि दोषों की संख्या स्वीकृत संख्या और पहली अस्वीकृत संख्या के मध्य आती है तो उसी आकार का दूसरा नमूना (स्तम्भ 3 देखों) उसी समय लिया जायेगा और परीक्षण किया जायेगा। यदि दोषों की संख्या मिश्रित नसूनों में दूसरी अस्वीकृत संख्या (स्तम्भ 6 देखों) के बरावर या अधिक पायी जाती है तो लॉट अस्वीकृत कर दिया जायेगा। अन्यथा स्वीकृत कर दिया जायेगा।
- 2.4 निरीक्षण करने से पहले अभिकरण अपना समाधान कर लेगा कि प्रत्येक उपकरण पर दैनिक परीक्षण जैमा कि सुसंगत मानक में दिया गया है, निर्यातकती/विनिर्माता द्वारा परेवण करा दिया गया है
- 2.5 विनिर्माता/नियित्वर्ता द्वारा निरीक्षण के लिये विधे गये एक ही प्रकार तथा दर के उपकरणों के दम निरुत्तर परेषणों के (या एक वर्ष में कम से कम एक बार) एक में में दो नमून लिये जायेंगे और मानक विनिर्देशों में दिये गये के अनुसार प्रकार परीक्षण किया जायेंगा और दोनों नमूनों को प्रकार पर्का में पास होना चाहिये। तथापि, इस अधिसूचमा के प्रकाशन की नारीख से ।: महीने की अविधि के लिये अभिकरण दन परीक्षणों के संबंध में निर्यानक्ती/विनिर्माता द्वारा प्रस्तुत कियें गये दस्तावेंजी प्रमाण स्थीकार करेगा । ऐसं दस्तावेंजी प्रमाण दम अधिसूचना के प्रकाशन की नारीख से छः महीनों से अधिक पुराने नहीं होंगे।
- 2.6 परीक्षण की पद्धति: यदि निर्यात सिवदा में अन्य । शिनिदिष्ट न हो परीक्षण प्रतिया सुसंगत राष्ट्रीय मानक विनिर्देश के अर सार या भारतीय मानक विनिर्देशों का नवीनतम रूपान्तर होगा । अधिनियम के भाग 6 के अधीन मान्यता प्रान्त मानक विनिर्देश के अर्ल्याद नमूनों के सभी परीक्षण किये आर्योगे।

•	नियम 2(म) देखें
 कम	सं० विद्युत घरेलू उपकरण
1.	विद्युत् इंगरणने जल उष्मायक
2.	संप्रहृणी प्रकार के स्वचालित विद्युत् हीटर
3.	घरेलू एवं उसके समक्ष प्रयोजनों के लिये स्थिव
4.	विधुत् प्रैस
5.	विद्युत् स्टोव
6.	विद्युत् ह्रॉट प्लेट
7.	भरेलू विद्युत् कार्य मिश्र (इन मिश्रक तथा साईडर)
8.	विद्युत् टोस्टर
9.	विश्वत् काफ परकोलेटर (जिना रेग्यूलेटर)
10.	घरेलू और सामान्य प्रयोग के लिये विद्युत् केतली और जग

11. कपड़े श्रीने की घरेलू विश्वत् मशीन (विनास्वशालित के)

1 2	
12. विद्युत् रेडिएटर	24 गोला को नरह तापन अवयव
13. पानी उवालने का विद्युत् यंत्र	25. हीटिंग एलिमेंट के लिये प्रतिरोधन तार, पट्टियां तथा धारियां
<ol> <li>केण सुखाने का मुख्य परिचालित विद्युत् यत्न</li> </ol>	26 अन्त स्थापित प्रकार के ठोस वियुत् होटिंग एलि रेंट
15. <b>खाना</b> पकाने के घरेलू विद्युत् औषन	<ol> <li>श्वनिज से भग आवृत्त हीटिंग ऐलिमेंट</li> </ol>
6. मु <del>ख</del> ्य परिचालित विद्युत् क्षेत्र <sup>र</sup>	28. विद्युत् आंत्रन के सामान्य प्रयोग के लिये थर्नोस्टेट
7. स्टीम मैंस	29 अञ्चल युक्त उल्मारोधी हीटिंग ऐलिमेंट
<ol> <li>घरेलु प्रयोग के लिये हीटिंग पैंड के नम्य विश्वत्यंत</li> </ol>	30. घरेलू तथा मामान्य प्रयोगों के लिये स्थित 2 एएम दी एस
9. <b>स्वाह्य मु</b> ख्य हस्त्रचालित मसाजर	31. विद्युत् के सुबाह्य लैंप स्टेंड तथा ब्रेक्ट
o. मुबाह्य धीमी गित वाली स्ताब मिश्रक मशीन	32 तीन पिन लग तथा साकिट निर्वम
	33. लचकदार सामान से बनाये हुए तीन पिन प्लग
<ol> <li>संबोजक उपकरण तथा लगाम गर्म उपकरण (अप्रानवना अकार केतीन पित्र) संयोजक उपकरण</li> </ol>	.34. बेयोनंट लैप होल्डर
	35. क्षणिक पानी गर्म करने के लिये विद्युत् हीटर
<ol> <li>संयोजक उपकरण तथा लगाय हुए उपकरण (अप्रात्यता प्रकार के तीन प्रकार के पिन) प्रवेशिक उपकरण</li> </ol>	31. एक सतही बेकिंग ओवन
<ol> <li>विद्युत् लज हीटर के साथ प्रयुक्त धर्मोस्टेट</li> </ol>	37. ताप संवाहक

श्रनुसूर्चा-II (उपाबध II देखे) नियंत्रण के स्तर

(उत्पाद के लिए लागृ मान्य मानकों के सीमित परीक्षण)

कम सं.	निरीक्षण/परीक्षण की विणेषताएँ	श्रपेकाएं	नेमृना श्राकार	लॉट आक्रार	टिप्पण
	1 2	3	4	5	6
1.	कच्ची सामग्री भीर खरीदे गए संघटक				·····
	(क) चाक्षुण निरीक्षण (कार्य कौजल झोर फिनिण सहिन)	मानक जिनिष्णों के घनुसार	म्रभिलेखित भ्रस्वेषणों के श्राधार गर नियत किया जाए।		
	(ख) विमाएं (i) कान्तिक (ii) अन्य	मानक विनिर्देणों के भ्रनुसार	म्रभिलेखिल श्रन्तेयणों के श्राधार पर नियन किया जाए।	प्रत्येक लॉट	
	(ग) संबदकों के लिए विद्युत परीक्षण	मानक विनिर्देशों के प्रनुसार	भ्रभिलेखित भ्रन्येषणों के भ्राधार पर नियत किया जाए।	प्रत्येक लांट	**************************************
	(व) अन्य कोई भेपेक्षाएं	मानक विनिर्देणों के भ्रनुसार	श्रीभलेखित श्रन्वेषणों के श्राधार पर नियत किया जाए।	प्रत्येक लाट	
2.	तेमी परीक्षण सुसंगत मानक विनिर्देशों में दिए गए मन्य को परीक्षण तथा उपयुक्तता पर निर्भर होते हुए विनिर्माण यूनिटों से उत्पादित प्रत्येक उपकरण पर नेमी परीक्षण किया जाएगा।	,,			
	(क) <b>ৰাধ্য জা</b> ন तथा निरीक्षण	मानक विनिर्देशों के श्रनुसार	प्रत्येक उपकरण		
	(सा) विद्युत वात के सुरक्षा	मानक विनिवेंशो के धनुसार	प्रत्येक उपकरण		· —
	(ग) उच्च बोल्टता परीक्षण (फलेश परीक्षण)	्मानक विनिर्देशों के धनुसार	प्रत्येक उपकरण		
	(म) उप्मारोधी प्रतिरोधी परीक्षण (मृष्क)	मानक विनिर्देशों के श्रनुसार	प्रस्येक उपकरण		

3 148	THE GAZETTE OF INDIA	: NOVEMBER 3, 1	984/KARTIKA 12, 1906	5 [PART II—S	EC. 3(ii)]
1	2	3	4	5	
(ま)	भुमोजन सम्पर्क .		·· प्रत्येक उपकरण		
• •	ं न परोक्षण	मानक विनिर्देशों के अनुसार	प्रत्येक उपकरण	<del></del>	
•	उपयुक्तता पर निभार रहते हुए यहां नीचे विणत उपकरणोः पर निम्नलिखित ग्राह्म परीक्षण किए जाएंगे ।	3		•	
(।) विद्युत	इसरणान ग्रम उप्मायक	मानक विनिर्देणों के अनुसार	श्रभिलेखित श्रस्वेषणों के श्राधार पर नियत किया जाए।		
(2) (3) (4)	उच्च बाल्टना रिसाब करेंट निर्वेण नामगान गोगा नर्मा परीक्षण				
(2) सग्रहण जल ह	पे प्रकार के स्वचालित बिज्यून टिटर -	मानक विनिर्देशों के श्रन्सार	प्रभिलेखित मन्वेथणीं के पाधार पर नियत किया जाए।	gain As-	
(2) (3) (4) (5) (6)	उच्च बोल्टना दाव परीक्षण मृल क्षमता नापमान बृद्धि नियेण स्थिर हानि ग्रामकार्षिक डायल का विचलन				
	ृषं उसके संगक्ष प्रयोजन के लिए स्थिच उन्च बोल्टना	मानक विनिर्देशों के प्रनृभार	ग्रभिलेखित श्रन्थपणों के श्राधार पर नियत किया जाए।	<del></del>	*******
(2) (3) (4) (5) (6) (7)	उच्च वास्ट्या नमी प्रतिरोधता मन्तर्क रोध तथा तापमान थिंद्ध उच्च बोल्टना तथा प्रधिक करेंट धारिना क्षमता परीक्षा ऐसी प्रेरक परिपथ के लिए हिंच यास्त्रक शक्ति ग्रिथिकतम खिचाव				,
(4) विद्युत	प्रेम	मानक विनिर्देशों के श्रनुयार	ग्रभिलेखिन श्रस्केषणीं के श्राक्षार पर नियत किया जाए।		
(2) f (3) 5 (4) f (5) 6	उच्च बाल्टता रिसाय करेट (गर्म) तमी प्रतिरोध नियंश तापमान वृद्धि उपमा समय मोल प्लेट नापमान को माप				
(5) विद्युत र	न्टांथ -	भोनक विनिर्देशों के धनुसार	श्रभिलेखिन धन्येयणो के श्राधार पर नियत किया जाए।		<del></del> ,
(७) विद्युत ह		मानक विनिर्देशी के श्रनुसार	स्रभिलेखित स्रत्वेषणी के स्राधार पर नियत किया जाए।	<del></del>	
(2) f	उच्च बाल्डना रेसाव करेड स्मी प्रतिरोध				

<del>ا</del> ا 	2		4	5	6
	(4) निवेश (5) नापमान सीमा (6) थर्मल वक्षना	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·			
(7)	, .	मासक जितिदेंणीं के अन्सार	श्रीभलेखित श्रन्त्रेवणों के श्राधार पर नियंत किया जाए।		
	(।) निवेश				
	(2) बिद्युत उप्मारोध तथा परिचालित तापमान पर रिमाव करेंट				
-	(३) नमी प्रविरोध				
	( 1) उष्मारोधी प्रतिरोध विव् असना				
	(5) परिचालन परीक्षण				
	( ७) बाउल के लिए सह परीक्षण प्रापमान				
(8)	विद्युत टॉस्टर	मानक जिनिद्दणों के अनुसार	ग्रभिलेखित अखेतणा के ग्राधार पर नियत किया जाए।		
	(1) उच्च बोल्टना		-11 , 1		
	(2) रिसाव करेंट				
	(3) नमी प्रतिरोध				
	(1) सिबेण टॉस्टिंग परीक्षण				
	(5) टोम्टिंग परीक्षण				
	(6) तापमान मीमा				
(9)	वरेलू और सामान्य प्रयोग के लिए विद्युत केतली तथा जग	मानक विनिर्देशों के श्रनुसार	क्रमिलेखित क्राचेवणों के श्रोद्यार पर नियत किया आए।		
	(1) परिचालित नापमान पर विद्युत उष्मारोधन,	•	ચા∵ુ (		
	रिमाव करेंट (गर्म) (2) नमी प्रतिरोध (3) निवेश (4) उबालने की द्वरीय क्षमता का समय (5) तापमान वृद्धि				
(10)	विद्युत कॉफी परकोलेटर	मानक विनिर्देशों के घनुसार	भ्रमिलेखित ग्रन्येयणीं के		
	(बिना रेग्यूलेटर के)		भाधार पर नियत किया जाए।		
	(1) उच्च थोल्टना				
	(2) रिसाब करेंद्र				
	(3) निवश				
	(4) तापमान मीमा				
	(5) नापमान प्रतिरोध				
	(७) थर्मात्र क्षमता				
	कपड़े धोने की घरेलू विद्युत संशीन (बिना स्वजालित	) मानक विनिर्देशों के झनुसार ।			
	(i) उच्च शेल्टिना		माधार पर नियत किया		
	(ii) रिसाब करेट		जाएं ।		
	(iii) नमी प्रतिरोधना				
	(iv) निवेश				
	(४) नापमान वृद्धि		•		
	$({f vi})$ निष्पादन	·			
12)	रिष्म् रेडिएटर	मानक विनिर्देशों के अनुकार	प्रभिलेखिल रिक्त भन्वेषणों के भाघार पर नियम किया जाए।		
(	i) उ <del>क्क भो</del> ल्टना		•		
(	ii) नमी प्रतिरोधता				
	(iii) निवेश				
	(iv) तापमान मीमा	•			
	(v) निष्पादन				
	(ví) रिसाव करेंट				

(vii) श्रितभार पर संचालन (viii) नियमित संचालत (ix) तिवेश (x) स्टार्टेटिंग

1	2	3	4		
(20)	सुबाह्य धीमी गति वाली खाद्य ग्राइडिंग मगीन			5	6 
	<ul> <li>(i) फिनिश</li> <li>(i) गिराव (गीले भाइंडर के लिए)</li> <li>(iii) महतापमान (केंबल प्लास्टिक नथा कागज के</li> </ul>		श्रोधार पर नियत किया आए।		
	हापर के लिए)। (iv) रिमान करेंट (v) उच्च बोल्टता (vi) ममी प्रतिरोधना				
	(vii) निवेश $(viii)$ तापमान वृद्धि $(ix)$ संवालन धौर निष्पादन				
(21)	सथोजक उपकरण तथा लगाए हुए उपकरण। (भ्रप्रतिवर्ती प्रकार के तीन पिन) संयोजक उपकरण। (i) विसाधों का विस्तार (ii) उच्च बोल्टना (iii) प्रभावकारी स्पर्ण (iv) निकासी खोचना (v) तसी प्रतिरोधना (vii) क्षमता	मानक विनिर्देशों के धनुसार	सभिलेखित अन्वेषणों के के साधार पर नियन किया आए।	·	
(22)	भंग्रोजक उपकरण तथा लगाए गए उपकरण (बिना प्रतिवर्ती के तीन प्रकार के पिन) प्रवेशिका उपकरण। (i) विमामों का विस्तार (ii) उच्च वोस्टना (iii) नमी प्रतिरोधना	मानक विनिर्देशों के सनुसार	श्रभिलेखित ग्रन्वेदणों के ग्राधार पर नियत किया जाए।		
(23)	पानी गर्म करने वाले विद्युत हीटर के प्रयोग के लिए पर्मोस्टेट। (i) उपम वोल्टना (ii) रिसाव करेंट (iii) नमी प्रतिरोधना (iv) नापमान सीमा (v) उपमीय विशेवनाएं	मानक विनिर्देणों के श्रनुभार	मभिनेश्वित भ्रन्वेचणों के म्राक्षार पर नियन्न किया जाए ।		÷
(24)	गोली की तरह तापन श्रवयब (बिना श्रम्त स्थापित श्रकार)। (i) उच्च बोल्टता (ii) रिसाब करेंट (iii) नमी प्रतिरोधता (iv) निवेश	ज्ञानक जिनिवेंशों के भनुसार	ग्रभिलेखिल श्रन्वेषणों के श्राधार,पर नियल किया जाए।		
	हीटिंग एलिमेंट के लिए प्रतिरोधक नार पट्टिया तथा धारियां। (i) भौतिक दशा (ii) भौतिक दिमाएं (iii) काम करने का श्रेष्ठिकता नापमान (iv) तनन विशेषताएं (v) प्रतिरोधता (vi) प्रतिरोधता को एकस्मता (vii) भपेटना (viii) क्षमना परीक्षा		प्रभिलेखित अस्त्रेषणों के भाषार पर नियन किया जाए।	<b>~</b>	
(26)	म्रन्तःस्थापित प्रकार का ठोम विद्युत हिटिंग ऐलिमेंट (i) उच्च कोल्टता (ii) रिसाव करेंट (iii) नमी प्रतिरोधता	मानक विनिर्देशों के ब्रनुसार	स्रभिलेखित अन्वेदणों के स्राधार पर नियत किया आए।		_ <del></del>

3152

1 2	3	4	5	6
(34) वेयोनेट लैम्प होल्डर (i) गेज परख (ii) उष्मारोधकता प्रतिरोधक (iii) उष्च वोल्टता	मानक विनिर्देशों के भनुसार	ग्रभिलेखित श्रश्येषणों के भाषार पर नियत किया जाए।	_ :	
(iv) तनन परीक्षण (v) मूशसश दबाव परीक्षण (vi) नियंत्रिक रस्सी				
(35) क्षणिक पानी गर्म करने के लिए विद्यु (i) दक्षाव (ii) तापमान वृद्धि (iii) निवेश (iv) रिसाव करेंट	त हीटर मानक विनिर्वेशों के श्रनुसार	ध्रभिलेखिल धन्त्रेषणों के ध्राघार पर नियत किया जाए।	<del></del>	-
(v) उच्च बोस्टता (vi) स्थिच प्रवाह का संचालन (vii) निकासी जल तापमान	•			
(36) एक परत बेंकिंग भ्रोषेम (i) उच्च बोल्टता (ii) रिसावट करेंट (iii) निषेश	मानक विनिर्येशों के घनुसार	ममिलेखित धन्येषणों के भाषार पर नियत किया जाए।	_	
(iv) तापमान की एकरूपता (v) तापमान की वृद्धि प्रकार परख		0.00		
संगत मानक विनिवेशी में विए (i) अग्नि प्रतिरोक्षक विशेवसाएं	गए इस परीक्षण तथा उपमुक्त पर निर्भर होते मानक विनिर्देशों के अनुसार		जहां और जैसे <del>शब</del> ्दी	
(ii) रबड़ के लिए काल परीक्षण (iii) खिचाव की प्रतिरोधता (iv) योजिक दाव	•	माधार पर नियत किया जाए।	सामग्री का प्रकार बदला जाता है जैसे हीटिंग ऐलिमेंट ग्रावि तो सभी प्रकार के परीक्षण वो कमूनों का परीक्षण कि <i>वा</i> जाएगा।	
(v) टिकाऊ पद (vi) बहुमुखी केवलों तथा रस्सी (vii) पुर्जों के बीच कोई गार्च धौ (viii) पेंच धौर संयोजक (ix) सिर्रे∣				
(x) यांत्रिक प्रक्ति (xi) जंग प्रतिरोधशा (xii) फिनिश के लिए परीक्रण (xiii) तापमान वृद्धि				
(xiv) संचालन तापमान पर रिसाव करेंट (गर्म)। (xv) नमी प्रतिरोधक (xvi) उष्मारोधी प्रतिरोधक	•			
तया विद्युत मक्ति। (xvii) निवेश (xviii) एलका	(34)			
(xix) घसाधारण संचालन (xx) दूरी तथा स्पष्टीकरण सम् (xxi) तापस्थायी तथा उष्मा रोष् (xxii) घष्टिक भार के मधीन	क का निष्पादन			
वोल्टता सुरक्षात्मक यं (xxiii) मोटर संचालन उपकरण (xxiv) क्षमता परीक्षा				

#### New Delhi, the 27th October, 1984 ORDER

S.O. 3423.—Whereas for the development of the export trade of India certain proposals for subjecting 'Household Electrical Applicances' to quality control and inspection prior to export were published as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection Rules, 1964, in the Gazette of India, Part-II, Section 3 Subsection (ii), dated the 7th April, 1984 under the Order of Government of India, in the Ministry of Commerce No. S.O. 1144 dated the 7th April, 1984;

And whereas objections and suggestions were invited from all persons likely to be affected thereby within 45 days of the publications of the said Order in the Official Gazette.

And whereas the copies of the said Gazette were made available to the public on the 24th April, 1984.

And whereas objections and suggestions received from the public on the said proposals have been considered by the Central Government.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government, after consulting the Export Inspection Council being of opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of Export Trade of India, hereby:—

- (1) notifies that 'Household Electrical Applicances' shall be subject to quality control and inspection prior to export;
- (2) specifies the type of quality control and inspection in accoordance with the Export of 'Household Electrical Appliances' (Quality Control and Inspection) Rules, 1984, as the type of quality control and inspection which shall be applied to such 'Household Electrical Appliances' prior to export;

#### (3) recognises:-

- (a) National and International Standards and Standards of other bodies recognised by Export Inspection Council;
- (b) The contractual specifications as agreed upon between foreign buyer and the exporter subject to 'Household Electrical Appliances' including connectors and lead wires, if any, meet with all the Electrical and Machanical tests as stipulated in the relevant National or International epecifications; and
- (c) The contractual specifications as agreed upon between the foreign buyer and exporter for such contracts as were entered into immediately prior to the publication of this Order in the Official Gazette and thereafter exported, within a span of 90 days from the said date;

as the standard specifications for 'Household Electrical Appliances'.

- (4) Prohibits the export in the course of International Trade of such Household Electrical Appliances unless the same are accompanied by a certificate issued by any one of the agencies recognised or established by the Central Government under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), to the effect that the Household Electrical Applicances conform to the aforeward standard specifications and are exportworthy: or are affixed with a seal or mark recognised by the Central Government under section 8 of the said Act:
  - 2. Nothing in this order shall apply to the export of
    - (a) samples of Household Electrical Appliances by land, sea or air to prospective buyers not exceeding two in number of each type and design.
    - (b) the consignments of 'Household Electrical Appliances' which might have already left the premises of the exporter/manufacturer immediately prior to the date of publication of this Order in the Official Gazette.

3. In this Order Household Electrical Applicances shall mean any of the applicances mentioned in the Schedule given below:—

#### THE SCHEDULE

#### Sl. Household Electrical Appliances

#### No.

- 1. Electric immersion water heaters.
- 2. Storage type automatic electric water heaters
- 3. Switches for domestic and similar purposes.
- 4. Electric Irons.
- 5. Electric Stoves.
- 6. Electric Hot Plates.
- Domestic Electric Food mixers (liquidizers, blenders and grinders).
- 8. Electric Toasters.
- 9. Electric Coffee percolaters (non-regulator type).
- 10. Electric Kettels and Jugs for Household and similar
- 11. Domestic Electric Clothes Washing Machines (Non-automatic).
- 12. Electric rediators.
- 13. Electric water boilers.
- 14. Mains-operated electric hair dryers.
- 15. Domestic electric cooking ovens.
- 16. Mains-operated electric shavers.
- 17. Steam Irons.
- 18. Flexible, Electric Heating Pads for domestic use.
- 19. Portable, hand-held mains-operated electric massagers.
- 20. Portable low speed food grinding machine.
- Appliance-connectors and appliance inlets (non-reversible three pin type) Appliance connectors.
- Appliance—connectors and appliance inlets (non-reversible three pin type) Appliance inlets.
- 23. Thermostats for use with Electric Water Heaters.
- 24. Cartridge type heating elements (non-embeded type).
- 25. Resistance Wires, tapes and strips for heating elements.
- 26. Solid embeded type electric heating elements.
- 27. Mineral filled sheathed heating elements.
- 28. Thermostates for general purpose electric ovens.
- 29. Mica insulated heating elements.
- 30. 2 Amps. switches for domestic and similar purposes.
- 31. Electric portable lamp stands and brackets.
- 32. Three pin plugs and socket-outlets,
- 33. Thee pin plugs made of resilient materials.
- 34. Bayonet lampholders.
- 35. Electric instantaneous water heaters,
- 36. Single walled baking oven.
- 37. Heat Convectors.
- 4. This Order shall come into force from the date of its publication in the Official Gazette.

#### New Delhi, the 27th October, 1984

- S.O. 3423(A).—In exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (2) of section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963; 22 of 1963, the Central Government hereby makes the following Rules, namely:—
- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Export of Household Electric Appliances (Quality Control and Inspection) Rules, 1984.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette,
- 2. Definitions.—In these rules unless the context otherwise requires:—
  - (a) "Act" means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963);
  - (b) "Agency" means any one of the Export Inspection Agencies established at Bombay, Calcutta, Cochin, Delhi and Madras under section 7 of the Act;

- (c) "Council" means the Export Inspection Council established under section 3 of the Act;
- (d) "Household Electrical Appliances" means any of the appliances mentioned in Schedule I.
- (e) "Schedule" means the Schedule appended to these rules.
- 3. Basis of Inspection.—Inspection of Household Electrical Appliances for export shall be carried out with a view to seeing that the Household Electrical Appliances conform to the specifications recognised by the Central Government under section 6 of the Act, namely:—
  - National and International Standards and standards of other bodies recognised by Export Inspection Council;
  - (ii) The contractual specifications as agreed upon between the foreign buyer and the exporter subject to Household Electrical Appliances including connectors and lead wires, if any; meet with all the Electrical and Mechanical tests as stipulated in the relevant National or International specifications; and
  - (iii) The contractual specifications as agreed upon between the foreign buyer and exporter for such contracts as were entered into immediately prior to the publication of the Order in the Official Gazette and thereafter exported, within a span of 90 days from the said date;

as the standard specifications for 'Household Electrical Appliances';

#### either

(a) by ensuring that the products have been manufactured by exercising necessary inprocess quality controls as specified in Annexure-I to this notification;

οľ

- (b) on the basis of inspection and testing carried out in the manner specified in Annexure-II to this notification.
- 4. Procedure of Inspection—(1) An exporter intending to export a consignment of Household Electrical Appliances shall give an intimation in writing to the agency furnishing therein details of the contractual specifications alongwith a copy of the export contract or order to enable the agency to carry out inspection in accordance with rule 3.
- (2) For export of Household Electrical Appliances manufactured by exercising adequate inprocess quality control as laid down in Annexure-I and the manufacturing unit adjudged as having adequate inprocess quality control drills by a Panel of Experts constituted by the Council for this purpose, the exporter shall also furnish alongwith the intimation mentioned in sub-rule (1) a declaration that the consignment of Household Electrical Appliances intended for export has been manufactured by exercising adequate quality control as laid down in Annexure-I and that the consignment conforms to the standard specifications recognized for the purpose.
- (3) The exporter shall furnish to the agency the identification marks applied to the consignment to be exported.
- (4) Every intimation under sub-rule (1) shall be given not less than seven days prior to the despatch of the consignment from the manufacturer's premises, while in the case of intimation alongwith declaration under sub-rule (2) shall be given not less than three days prior to the despatch of the consignment from the manufacturer's premises.
- (5) On receipt of the intimation under sub-rule (1) and the declaration if any, under sub-rule (2), the Agency-
- (a) on satisfying itself that during the process of manufacture, the manufacturer has exercised adequate quality control as laid down in Annexure I and followed the instructions, if any, issued by the Council/Agency in this regard to manufacture the product to conform to the standard specifications recognised for the purpose shall within three days issue a certificate declaring the consignment of Household Electrical Appliances as exportworthy.

- (b) in case where the manufacturer is not the exporter, the consignment shall be physically verified and such verification and/or inspection, it necessary, shall be carried out by the Agency to ensure that the above conditions are complied with
- (6)(a) The Agency shall, however, carry out the spot-check of some of the consignments meant for export and also visit the manufacturing unit at regular intervals to verify the maintenance of the adequarcy of inprocess quality control drills adopted by the unit. If the manufacturing unit is found not adopting the required quality control measures at any stage of manufacture or does not comply with the recommendations of the Council/Agency the unit shall be declared as not having adequate inprocess quality control drills. In such cases, the unit, if so desires, shall apply afresh for adjudgement of the maintenance of adequacy of inprocess quality control drills.
- (b) In case where the exporter has not declared under sub-rule (2) that adequate quality control as laid down in Annexure-I had been exercised on satisfying itself that the consignment of Household Electrical Appliances conforms to the standards specification recognised for the purpose, on the basis of inspection and testing carried out as laid down in Annexure-II, shall within seven days of carrying out such inspection issue a certificate declaring the consignment of Household Electrical Appliances as exportworthly;

Provided that where the Agency is not so satisfied it shall refuse to issue a certificate to the exporter declaring the consignment of Household Electrical Appliances as exportworthy and shall communicate such refusal within seven days to the exporter along with the reasons thereof.

- (7) In case where the manufacturer is not the exporter under sub-rule (5)(b) or consignment is inspected under sub-rule (6)(b) the agency shall, immediately, after completion of the inspection, seal and packages in the consignment in a manner so as to ensure that the sealed packages cannot be tampered with. In case of rejection of the consignment, if the exporter so desires, the consignment may not be sealed by the agency but in such cases, however, the exporter shall not be entitled to prefer any appeal against the rejection.
- 5. Place of inspection.—Every inspection under these rules shall be carried out either—(a) at the premises of the manufacturer of such products; or (b) at the premises at which the goods are offered by the exporter, provided that the required facilities for inspection exists therein.

6. Inspection fee.—The inspection fee shall be paid by the manufacturer/exporter to the agency as under:—

- (1) For inspection under rule 3(a) @ 0.2%, of f.o.b. value, subject to minimum of Rs. 20 per consignment goods manufactured and intended for export by approved unit under In-process Quality Control.
- (2) For inspection under rule 3(b) @ 0.4% of f.o.b. value subject to minimum of Rs. 20 per consignment for consignmentwise inspection.
- (3) For goods manufactured by the units having adequate in-process quality control levels and exported by merchant exporters @ 0.3% of f.o.b. value, subject to a minimum of Rs. 20 per consignment.
- (4) A rebate of 10% on the rate of inspection fee given in (1), (2) and (3) shal be given to small scale units registered with the concerned State Governments or Union Territories.
- 7. Affixation of recognised mark and procedure thereof,—The provisions of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 (36 of 1952), the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955 and the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955 so far as may apply in relation to the procedure of affixation of the recognised mark or seal on Household Electrical Appliances prior to export and Household Electrical Appliances so marked shall not be subjected to any inspection under Rule 3.
- 8. Appeal.—(1) Any person aggrieved by the refusal of the agency to issue a certificate under sub-rule (5) of rule 4 may within 10 days of the receipt of the communication of such refusal by him, prefer an appeal to a panel of experts constituting of not less than three but not more than seven persons appointed for the purpose by the Central Government.

- (2) The Panel shall consist of atleast two-thirds of non-officials of the total membership of the panel of experts.
  - (3) The quorum for the panel shall be three.
- (4) The appeal shall be disposed of within fifteen days of its receipt.

#### ANNEXURE-I

[See under rule 3(a), 4(2)/(5)(a), (5) (b)]

The quality control of the Household Electrical Appliances shall be exercised by the manufacturer by effecting the following controls at different stages of manufacture, prevention and packing of the products as laid down together with the levels of control as set out in Schedule-II.

- 1. Bought out materials and components control.—
  (a) Purchase specifications shall be laid down by the manufacturer incorporating the properties of materials or components to be used and the detailed dimensions thereof with tolerances.
- (b) The accepted consignment shall be either accompained by a producer's test certificate corroborating the requirements of the purchase specifications or in the absence of such test certificates, samples from each consignment shall be regularly tested to check up its conformity to the purchase specifications. The producer's test certificate shall be counterchecked atleast once in five consignments to verify their correctness.
- (c) The incoming consignment shall be inspected and tested for ensuring conformity to purchase specifications against statistical sampling plans.
- (d) After inspecting and testing systematic methods shall be adopted for proper segregation and disposal of defectives.
- (e) Adequate records in respect of the above mentioned controls shall be systematically maintained.
- 2. Process Control.—(a) Detailed process specifications shall be laid down by the manufacturers for various processes of manufacture.
- (b) Equipment and instrumentation facilities shall be adequate to control the process as laid down in the process specification.
- (c) Sampling (wherever required) for checking the conformity of the processed materials with the process specifications shall be based upon the recorded investigations.
- (d) Adequate records shall be maintained to enable the verification of the controls adopted during the process of manufacture.
- 3. Product Control.—(a) The manufacturer shall either have its own testing facilities or shall have access to such testing facilities existing elsewhere to test the product as per the standard specifications.
- (b) Sampling (wherever required) for testing shall be based on recorded investigations.
- (c) Adequate records in respect of test carried out shall be regularly and systematically maintained by the manufacturer.
- 4. Metrological Control.—Gauges and instruments used in the production and inspection shall be periodically checked or calibrated and records shall be maintained in the form of history cards.
- 5. Preservation Control.—(a) A detailed specification shall be laid down by the manufacturer to safeguard the product from adverse effects of weather conditions.
- (b) The products shall be well preserved both during storage and during transit.
- 6. Packing Control.—Specifications shall be laid down for packing the product (s) and as well as for export packages and the same shall be strictly adhered to.

#### ANNEXURE-II

#### [See rules 3, 4, (6) (b)]

- 1. The consignment of Household Electrical Appliances shall be subjected to inspection and testing to ensure conformity of the same to the standard specifications recognised under section 6 of the Act.
- 2. In the absence of any specific stipulation in the contractual specifications as regards sampling and criteria of conformity, the same as laid down below shall become applicable.
- 2.1 The acceptance tests as given in the relevant National Standards shall be carried out on the samples selected from the lots as given in Table-I and the lots shall be accepted or rejected on the basis of criterion for conformity given in Table-I.

TABLE—I SAMPLE SIZE AND CRITERION FOR CONFORMITY

Lot Size	First samples	Second sample	-	First rejection number	тејес-
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Upto 50	5	5	0	2	2
51 to 100	8	8	0	. 2	2
101 to 300	13	13	0	2	3
301 to 500	20	20	0	2	3
501 and above	32	32	0	3	4

Note: The lot shall mean all appliances of the same make, model and type grouped together in a consignment.

- 2.2 In order to ensure the randomness of selection, procedure given in IS: 4905—1968 shall be followed.
- 2.3 The appliances selected at random according to columns (1) and (2) of Table-I, shall be subjected to the acceptance tests specified in the individual appliance specification. An appliance failing to satisfy any of the acceptance tests, shall be considered as defective. The lot shall be considered as conformity to the requirements, if the number of defectives found in sample is less than or equal to the acceptance number (see column 4) and shall be rejected if it is greater than or equal to the first rejection number (see column 5). If the number of defectives lies between the acceptance number and first rejection number, the second sample of the same size (see column 3) shall be chosen at random and tested. If the number of defectives found in the combined samples is greater than or equal to the second rejection number, the lot shall be rejected, otherwise the lot shall be accepted.
- 2.4 Before undertaking the inspection, the Agency shall satisfy itself that the routine tests on each appliance as given in the relevant standard have been carried out on the consignment by the exporter/manufacturer.
- 2.5 Two samples out of one of ten consecutive consignments (or atleast once in a year) of Household Electrical Appliances of the same type and rating offered for inspection by exporter/manufacturer shall be drawn and tested for type tests as given in the standard specifications and both the samples should pass the type test. However, for a period of six months from the date of publication of this notification, the Agency may accept the documentary evidence produced by the exporter/manufacturer in respect of type tests. Such documentary evidence shall not be more than six months old from the date of publication of this notification.
- 2.6 Methods of testing.: If not otherwise specified in the export contract the testing procedure shall be as prescribed in the relevant national or latest version of Indian Standards Specifications. The samples shall be subjected to all tests as per standard specification recognised under section 6 of the

#### SCHEDULE-I

#### [See rule 2 (d)]

#### Sl. No. Household Electrical Appliances

- 1. Electric immersion water heaters.
- 2. Storage type automatic electric water heaters,
- 3. Switches for domestic and similar purposes.
- 4. Electric Irons.
- 5. Electric Stover.
- 6. Electric Hot Plates.
- Domestic Electric Food Mixers (Liquidizers, blenders and grinders).
- 8. Electric Tossters.
- 9. Electric Coffee Percolaters (Non-regulator type).
- 10. Electric Kettle and Jugs for household and similar use.
- Domestic Electric clothes washing machine (non-automatic).
- 12. Electric radiators.
- 13. Electric water boilers.
- 14. Mains-operated electric hair dryers.
- 15. Domestic electric cooking ovens.
- 16. Mains-operated electric shavers.
- 17. Steam Irons.

- 18. Flexible Electric Heating Pads for domestic use.
- 19. Portable, hand-held mains-operated electric massagers.
- 20. Portable low speed food grinding machine.
- Appliance-connectors and appliance inlets (nonreversible three pin type) Appliance connectors.
- 22. Appliance-connectors and appliance inlets (non-reversible three pin type) Appliance inlets.
- 23. Thermostats for use with Electric Water Heaters.
- Cartridge type heating elements (non-embeded type).
- 25. Resistance wires, tapes and strips for heating elements.
- Solid embeded type electric heating elements.
- 27. Minerals filled sheated heating elements.
- 28. Thermostate for general purpose electric ovens.
- 29. Mica insulated heating elements.
- 30. 2 Amps switches for domestic and similar purposes.
- 31. Electric portable lamp stands and brackets.
- 32. Three pin plugs and socket-outlets.
- 33. Three pin plugs made of resilient materials.
- 34. Bayonet lampholders.
- 35. Electric instantaneous water heaters.
- 36. Single walled baking oven.
- 37. Heat convectors.

#### SCHEDULE-II

#### (See Annexure-I)

#### LEVELS OF CONTROL

(Tests restricted to recognised standards as applicable to the product)

.No.	Particulars of Inspection/Test	Requirements	Sample Size	Lot Size	Remarks
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
	RAW MATERIAL & BOUGHT OUT COMPONENTS				
(	<ul> <li>a) Visual Inspection (including work- manship and finish)</li> </ul>	As per Standard Specification	To be fixed on the basis of recorded investiga- tion	Each lot	
(	b) Dimensions	As per Standard Specification	To be fixed on the basis of recorded investiga-	Each lot	
	(i) Critical (ii) Others				
(0	e) Electrical tests for components	As per Standard Specification	To be fixed on the basis of recorded investiga- tion	Each lot	-
(d	Any other requirements	As per Standard Specifi- cation	To be fixed on the basis of record investiga- tion	Each lot	~

#### 2. ROUTINE TESTS

Depending upon the applicability and any other test as given in the relevant standard specification following routine tests will be carried out on each appliance produced in the manufacturing unit:

(v) Temperature rise (vi) Heating up time

(vii) Measurement of soleplate

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
	Electric Stoves	As per standard specification.	To be fixed on the basis of recorded investiga-		(6)
•	<ul><li>(i) High voltage</li><li>(ii) Leakage current</li><li>(lii) Moisture resistance</li><li>(iv) Input</li></ul>		tion.		. •
	(v) Temperature limit (vi) Thermal efficiency.				
(6)	Electric Hot plates	As per standard specification.	To be fixed on the basis of recorded investiga- tion.	<del></del>	
	(i) High voltage (ii) Leakage current (iii) Moisture resistance (iv) Input				1.1
	(v) Temperature limit (vi) Thermal efficiency				ا س
(7)	Domestic Electric Food-mixers (liquidizers and Grinders).	As per standard specification.	To be fixed on the basis of recorded investigation.	-	. <del>-</del>
	<ul> <li>(i) Input</li> <li>(ii) Electrical insulation and leakage current at operating temperature.</li> <li>(iii) Moisture resistance</li> <li>(iv) Insulation resistance and electric strength</li> <li>(v) Operational tests</li> <li>(vi) Temperature withstand test for bowl.</li> </ul>		•		
(8)	Electric Toasters	As per standard specification.	To be fixed on the basis of recorded investiga-	<del></del>	, <del>- ,</del> , , ,
	<ul> <li>(i) High voltage</li> <li>(ii) Leakage current</li> <li>(iii) Moisture resistance</li> <li>(iv) Input</li> <li>(v) Toasting test</li> <li>(vi) Temperature limit</li> </ul>				
(9) 1	Electric Kettle and Jugs for House- hold and similar use	As per standard Specification.	To be fixed on the basis of recorded investiga-	<u>-</u>	
	<ul> <li>(i) Electrical insulation at operating temperature, leakage current (hot).</li> <li>(ii) Moisture resistance</li> <li>(iii) Input</li> </ul>				
	(iv) Time to boil rated capacity (v) Temperature-rise.		r		
10)	Electric Coffee Percolaters (Non, regulator type),	As per standard specification.	To be fixed on the basis of recorded investiga- tion.		<b>-</b>
	<ul> <li>(i) High voltage</li> <li>(ii) Leakage current</li> <li>(iii) Input</li> <li>(iv) Temperature limit</li> <li>(v) Moisture resistance</li> <li>(vi) Thermal efficiency</li> </ul>		HOII.	-	
	Domestic Electric Clothes Washing machine (non-automatic)	As per standardd specification.	To be fixed on the basis of recorded investigation.	. <del>_</del>	<del></del>

(iv) Input

4.1 Temperature limit

1		3	. 4		6	
(18)	Flexible Electric Heating pads for	As per standard	To be fixed on the basis	<del></del>		
	Domestic use.	specification	of recorded investiga- tion.			
	(i) Strain relief	•	tion,			
	(ii) Dielectric strength (iii) Insulation resistance	•				
	(iv) Input					
	(v) Surface temperature					
	(v) Surface temperature					
	(vi) Moisture resistance					
	(vii) Waterproofness (applicable to					
	Waterproof pads only)					
(19)	Portable hand-held mains operated		To be fixed on the basis	_		
	electric massegers	specification	of recorded investigation			
	(i) High voltage					
	(ii) Leakage current					
	(iii) Operation at over-voltage and under voltage					
	(iv) Moisture resistance					
	(v) Temperature limit					
	(vi) Performance					
	(vii) Operation under overload (viii) Abnormal operation					
	(ix) Input					
	(x) Starting					
	(A) Starting		,	,	ė	
20)	Portable low speed food Grinding Machine	As per standard specification.	To be fixed on the basis of recorded investigation	-		
	(i) Finish			•		
	(ii) Spillage (for wet grinder)					
	(iii) Temperature withstand (for plastic and glass hopper only)					
	(iv) Leakage current					
	(v) High voltage					
	(yi) Moisture resistance					
	i(vii) Input					
	(viii) Temperature-rise					
	(ix) Operation and performance					
21)	Appliance-connectors and Appliance / Inlets (non-reversible three pin type) Appliance connectors	As per standard specification.	To be fixed on the basis of recorded investigation.	-		
	(i) Guaging of dimensions					
	(ii) High voltage					
	(iii) Effectiveness of contacts					
	(iv) Withdrawal pull					
	(v) Moistur resistance					
	(vi) Temperature limit					
	(vii) Breaking capacity		•			
22)	Appliance-connectors and Appliance inlet non-reversible three pin type) Appliance Inlets	As per standard specification.	To be fixed on the basis of recorded investigation.		-	,
	(i) Gauging of dimensions	•				
	(ii) High voltage					
	(iii) Moisture resistance					

3162 THE GAZETTE OF IND	IA:NOVEMBER 3	, 1984/KARTIKA 12, 1906	[PART IISFC. 3
1 2	3	4	5 6
(23) Thermostats for use with Electric Water Heaters	As per standard specification	To be fixed on the basis of recorded investigation	
(i) High voltage			
(ii) Leakage current			
(iii) Moisture resistance			
(iv) Temperature limit			
(v) Thermal characteristics	,		
(24) Cartridge Type heating elements (non-embeded type)	As per standard specification.	To be fixed on the basis of recorded investigation.	
(i) High voltage sized off n	es for a December		
(ii) Leakage current (iii)	i bobacca		
(iii) Molsture resistance			
(i ) Input			
	•	, , , , , , , , , , , , , , , , , , ,	•
(25) Resistance Wires, Tapes and strips for heating elements	As per standard specification.	To be fixed on the basis of recorded investigation.	<u> </u>
(i) Physical condition			
(iii) Maximum working		,	
temporature (iv) Tensile properties			
(v) Resistance			
(vi) Uniformity of resistance			
(vii) Wrapping			
(viii) Endurance		,	
ao ari atata da taribu	Atadawl	To be fixed on the basis	
(26) Solid embeded type electric heating element.	As per standard specification.	of recorded investigation.	
(i) High voltage			
(ii) Leakage current			
(iii) Moisture resistance			
(27) Mineral filled sheathed heating elements.	As er standard	To be fixed on the basis of seconded investigation.	
(i) Loakage current:			
(ii) High voltage			
(iii) Moisture resistance			
(iv) Input			
(v) Insulation resistance			
(vi) Hydrostatic pressure			
(28) Thermostats for general purpose electric ovens	As per standard specification.	of recorded investigation.	
f on the basis of	To be fixed		
(ii) High voltage	C C C C C C C C C C C C C C C C C C C		
(iii) Moisture resistance	,		
(iv) Calibration accuracy			
(v) Range			
(1) 11000			

[PART II--SFC. 3 (ii)]

नान II—ऋष्ट ३ (ii)]		भारत का राजपत्र : नवम्बर 3, 1984/कार्तिक 12, 190		6 .	316	
1	2	3	4	5	3164 6	
(i) ] (ii) !	i insulated heating elements Leakage current High voltage Moisture resistance	As per standard specification.	To be fixed on the basis of recorded investigation.		(36)	
and s (i) 1 (ii) 1 (iii) 6 t (iv) 6 (v) 7 (vi) 8	aps, switches for domestic similar purpose High voltage Moisture resistance Contact resistance and emperature-rise Overvoltage and overcontrent capacity Endurance Mechanical strength AC Inductive Circuits	As per standard specification.	To be fixed on the basis of recorded investigation.			
brack (i) (ii) F (ii) L (iii) L	tic portable lamp stands and ets  Operational test figh voltage .eakage current loisture resistance fest for switches	As per standard specification.	To be fixed on the basis of recorded investigation.			
lets (i) II (ii) M (iii) M (iv) T (v) B (vi) II (vii) M (viii) E (ix) E	rpin plugs and socket out- interchangeability ligh voltage Moisture resistance emperature-rise ireaking capacity isulation resistance Mechanical strength effectiveness of contact ontact indurance (for shutters only) (ithdrawal pull.	As per standard specification	To be fixed on the basis of recorded investigation.			
materi (i) In (ii) Ir (iii) H (iv) M (v) Te (vi) Br (vii) M	plugs made of resilient als als atterchangeability isulation resistance igh voltage folsture resistance emperature rise reaking capacity lechanical strength fectiveness of contact	As per standard specification.	To be fixed on the basis of recorded investigation.	_		
(i) Ga (ii) In (iii) Hi (iv) Te (v) Pl	et Lampholders auge Test sulation resistance igh voltage maion test unger depression test ord-grip	As per standard specification.	To be fixed on the basis of recorded investigation.	- i		
(35) Electric heaters (i) Pr (ii) Te (iii) In (iv) Le (v) Hi (vi) Or	e instantaneous water  essure withstand omperature rise	As per standard specification.	To be fixed on the basis of recorded investigation.			

3164 THE GAZETTE OF INDIA: NOVEMBER 3, 1984/KARTIKA 12, 1906 [PART II—Sec. 3 (ii)] 1 6 To be fixed on the basis (36) Single walled baking oven. As per standard of recorded investigation. (i) High voltage specification. (ii) Leakage current (iii) Input (iv) Uniformity of temperature (v) Temperature rise. 4. TYPE TESTS Depending upon the applicability of the tests as given in the relevant standard specifications, following type tests will be carri-To be fixed on the bais As and when the (i) Fire resisting properties. As per standard of recorded investigation type of raw material (ii) Agening test for rubber specification. is changed viz. with a minimum of two (iii) Resistance to breaking heatinbg element (iv) Mechanical hazards. samples. (v) Stability. etc. two samples shall be tested for (vi) Test for multiple supply all the type tests cables and cord grip. and they shall pass (vii) Cord guard and relative disbefore production of appliance placement between parts. made out of new (viii) Crew and connections (ix) Terminals materrial is commenced (x) Mechanical strength (xi) Resistance to rusting. (xii) Test for finish. (xiii), Temperature rise. (xiv) Electrical insulation at operating temperature, leakage current (hot). (xv) Moisture resistance.

As per standard

specification.

(xvi) Insulation resistance, leakage current (cold) and electric strength.

(xvii) Input

xviii) Spillage.

(xix) Abnormal operation.

(xx) Creepage distances clearances.

(xxi) Performance of thermostat and thermal cut-outs.

(xxii) Operation under overload conditions and test for overload protective device.

(xxili) Starting of motor-operated appliances.

(xxiv) Endurance.

To be fixed on the basis of recorded investigation with a minimum of two samples.

As and when the type of raw material is changed viz. heating element etc. two samples shall be tested for all the type tests and they shall pass before production of appliance made out of new material commenced.

[No. 6(5)/82-EI & EP] N.S. HARIHARAN, Director

(टैक्सटाइल विभाग)

मई दिल्ली 25 जुलाई, 1984

का. आ 3424.--केन्द्रीय सरकार, आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 (1955 का 10) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों की योग करते हुए, आर्ट सिल्क, टैक्सटाइल (उत्पादन और वितरण) नियंत्रण आदेश, 1962 का और संशोधन करने लिए निम्नलिखित आंदेश करती है, अर्थातु:--

- 1. (1) इस आदेश का संक्षिप्त नाम आर्ट सिल्क टैक्सटाइल (उत्पादन और वितरण) नियंत्रण संशोधन आदेश. 1984 है।
  - (2) यह तुरम्त प्रवृत्त होगा।

- 2. आर्ट सिल्क टैक्सटाइल (उत्पादन और वितरण) नियं-त्रण आदेश, 1962 में, खण्ड 9 के पण्चात् निम्नलिखित खण्ड अन्तःस्यापित किया जाएगा, अर्थात्ः—
  - "9 क. (1) जहाँ आर्ट सिल्क के कपड़े या आर्ट सिल्क के सूत के किसी वर्ग या विनिर्धेश के सम्बन्ध में किए जाने वाले चिन्हों कन और उसमें चिन्हों कित करने का समय और रीति खण्ड 9 के साथ पठित खण्ड 4 (2) के अधीन विनिर्दिष्ट किए गए हैं, वहां:—
  - (क) ऐसे आर्ट सिल्क के कपड़े या आर्ट सिल्क के सूत का यथा स्थिति, विनिर्माता या व्यवहारी विनिर्दिष्ट समय पर और रीति से उस पर चिन्हांकन करवाएगा;
  - (ख) ऐसे विनिर्माता या व्यवहारी से भिन्न कोई भी व्यक्ति किसी ऐसे आर्ट सिल्क के कपड़े या आर्ट सिल्क के सूत पर चिन्हांकन नहीं करवाएगा;
  - (ग) विनिर्माता से भिन्न किसी व्यक्ति के कब्जे में या उसके नियंत्रण के अधीन कोई ऐसा आर्ट सिल्क कपड़ा या आर्ट सिल्क सूत जो इस प्रकार चिन्हांकित नहीं, नहीं होगा, जब तक कि वह वास्तविक व्यक्ति गत आवश्यकताओं के लिए नहीं;
  - (घ) कोई भी ध्यक्ति उसकी वास्तविक व्यक्तिगत आवश्यकताओं से अन्यथा, उसके द्वारा धारित किसी ऐसे आर्ट सिल्क के कपड़े या आर्ट सिल्क के सूत पर किए गए किसी चिन्हांकन का परि-वर्तिन या विरूपित नहीं करेगा या परिवर्तित या विरूपित नहीं करवाएगा या करने की अनुज्ञा देगा;
  - (ङ) कोई भी व्यक्ति किसी आर्ट सिल्क के कपड़े या आर्ट सिल्क के सूत पर विहित चिन्हांकन से मिलता-जुलता कोई चिन्हांकन नहीं करेगा;
  - (भ) किसी भी क्यक्ति के कब्जे या उसके नियंत्रण के अधीन, उसकी वास्तिवक आवश्यकताओं से अन्यथा, कोई ऐसा आर्ट सिल्क कपड़ा या आर्ट सिल्क सूत नहीं होगा जिसमें का चिन्हांकन परिवर्तित हो या विरूपित हो या मद(ड) में विनिर्विष्ट स्वरूप का हो।"

[फा. सं. 11011/2/84 ए एण्ड एम० एम० टी] जे. के. बागची, संयुक्त सिवव (Department of Textiles)

New Delhi, the 25th July, 1984

#### ORDER

- S.O. 3424.—In the exercise of the powers conferred by Section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955) the Central Government hereby makes the following order further to amend the Frt Silk Textiles (Production and Distribution) Central Order, 1962 namely:—
- 1. (1) This order may be called the Art Silk Textiles (Production and Distribution) Control Amendment Order, 1984.
  - (2) It shall come into force at once.
- 2. In the Art Silk Textiles (Production and Distribution, Central Order, 1962 after clause 9, the following clause shall be inserted namely:—
- "9A(1) Where the markings to be made and the time and manner of making it in espect of any class or specification of art silk cloth or art silk yarn have been specified under Clause 4(2) read with Clause 9;—
  - (a) The manufacture of, or as the case may be, the dealer in such art silk cloth or art silk yarn shall cause the markings to be made thereon at the time and in the manner specified:
  - (b) no person other than such manufacturer or dealer shall cause the marking to be made on any such art silk cloth or art silk yarn;
  - (c) no person other than the manufacturer shall have in his possession or under his contral any artsilk cloth or art silk yarn which is not as marked, unless it be or bonafide personal requirements;
  - (d) no person shall alter or deface or cause or permit to be altered or defaced any marking made on any such art silk cloth or art silk yarn, held by him otherwise than for his benefits personal requirements;
  - (e) no person shall make on any art silk cloth or art silk yarn marking resembling the prescribed marking;
  - (f) no person shall have in his possession or under his central otherwise than for his bonafide personal requirements any art silk cloth or art silk yarn the marking wherein is altered or defaced or is of a character specified in item (e)".

(F. No. 11011/2/84-A&MMT]
J. K. BAGCHI, Jt. Secy.

(संयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रायात-नियति का कार्यालय)

ं मई दिल्ली, 17 अक्तूबर, 1984

#### आदेश

का. था. 3425.—सर्वश्री हिन्दुस्तान पैट्रोलियम कार्पो-रेणन लि० 17, जमणेदजी टाटा रोड, धर्चगेट, बम्बई-20 को स्वतन्त्र विदेणी मुद्रा के अधीन लाइसेंस के लिए संलग्न सूची के अनुसार आपटिकल फाइबर केबल कम्यूनिकेशन सिन्टम के भायात के लिए 1,18,71,400 इपए (एक करोड़ अठारह लाख, इकहत्तर हजार चार सौ उपए मान्न) का एक भायात लाइसेंस सं० आई०/सी० जी/2040824 दिनांक 11-4-84 प्रदान किया गया था। फर्म ने उपर्युक्त लाइसेंस की अनु लिए मुद्रा बिनिमय नियंत्रण प्रति के लिए इस आधार पर अविवन किया है कि लाइसेंस का मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति खो गई या अस्थानस्य हा गई है। आगे यह भी बताया गया है कि लाइसेंस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति किसी भी सोमा-शुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत नहीं करवाई गई थी। अतः मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति का बिल्कुल भी उपयोग नहीं किया गया था।

2. अपने तर्क के सम्यंग मैं लाइसेंसधारी ने नोटरी पिक्लक के सम्मुख शपथ लेते हुए स्टाम्प कागज पर एक शपथ -पन्न दाखिल किया है। मैं तदनुसार संतुष्ट हूं कि फर्म द्वारा आयात लाइसेंस सं० 2040824 दिगाँक 11-4-84 की मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति खो गई अथवा अस्थानस्थ हो गई हैं। यथासंशोधित आयात नियंत्रण आदेश 1955 दिनौंक 7-12-1955 की उप-वारा 9 (सी सी०) के अधीन प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, सर्वश्री हिन्तुस्तान पैट्रोलियम कार्पोरेशन लि०, बम्बई को जारी की गई उक्त मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति सं० 2040824 दिनौंक 11-4-84 एतद्द्वारा रह की जाती है।

3. पार्टी को अनत लाइसेंस की अनुलिपि मुद्राविनियम नियंतण प्रति अलगं से जारी की जा रही है।

[सी की • H/पी •एण्ड सी • / 68/83-84/601]

पाल बेक,

उप मुख्य नियंत्रक (आयात निर्यात) कृते मुख्य नियंत्रक (आयात-निर्यात)

(Office of the Chief Controller of Imports & Exports)
ORDER

New Delhi, the 17th October, 1984

S.O. 3425.—M/s. Hindustan Petroleum Corporation Ltd, 17-Jamshedji Tata Road, Churchgate, Bombay-20 were granted an Import Licence No. I/CE/2040824 dated 11-4-34 for Rs. 1,18,71,400 (Rupces One crose eighteen lakhs seventy one thousand and four nundred only) for import of Optical Fibre Cable Communication System as per list attached under Free Foreign Exchange.

The firm has applied for issue of Duplicate copy of Exchange Cotrol copy of the above mentioned licence on the ground that the original Exchange Control copy of the licence has been lost or misplaced. It has further been stated that the Ex. Control copy of the licence was not registered with any Customs Authority and as such the value of Exchange Control copy has not been utilised at all.

2. In support of their contention the licensee has filed an affidavit on stamped paper duly sworn in before a Notary Public Bombay. I am accordingly satisfied that the original Ex. Control copy of Import Licence No. 2040824 dated 11-4-84 has been lost or misplaced by the firm. In exercise of the powers conferred under sub-clause 9(cc) of the Import Control Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended the said original Ex. Control copy No. 2040824 dated 11-4-84 issued to M/s. Hindusan Petroleum Corporation Ltd., Bombay is hiereby cancelled.

3. A duplicate Exchange Control copy of the said licence is being issued to the party separately.

[CGII/P&C/68/83-84|601]

PAUL BECK, Dy. Chief Controller of Imports & Exports, for Chief Controller of Imports & Exports.

(केन्द्रीय लाइसेंस क्षेत्र) निरस्त बादेश नई दिल्ली, 30 बगस्त, 1984

हा. आ. 3426. सर्वश्री सुपर एक्सपोर्टन, डी-68, राणा प्रताप बाग, देहली-110007 को अति।रक्क लाइसेंस संव पीव्डब्ल्यू / 0406790/धी/एक्स-एक्स/89/डी/83 दिनांक 19-10-83 बास्ते हव 7,13,800 अप्रैल मार्च प्रायात नीति के अपैन्डिक्स पांच और सात में दर्शाई हुई मदों (भ्रपैन्डिक्स 26 में दर्शाई हुई मदों को छाड़कर) के प्रायात हेतु जारी किया गया था।

ग्रावेदक फर्म ने यह सूचित किया है कि उक्त लाइसेंस की कस्टम प्रयोजन कापी बिना किसी कस्टम प्राधिकारी के पास पंजीकृत किये एवं बिना बिहकुल उपयोग किये ही कहीं अस्थानस्य हो गई है। लाइसेंस कुल रकम राशि 7,13,800 ए० के लिये जारी किया गया था एवं दुव्लीकेंट कस्टम कापी कुल राशि 7,13,800 ए० के लिये मांगी गई है।

श्रावेदक फर्म ने इस कथन के समर्थन में एक शप्य-पत्न श्रायात, निर्यात की कार्यविधि पुस्तिका 1984-85 के पैरा 352-354 के श्रन्तर्गत श्रस्तुत किया गया है।

मैं सन्तुष्ट हूं कि उक्त प्रायात लाइसेंस की मूल कस्टमः प्रयोजन काफ़ी खो गई है / प्रस्थानस्थ हो गई है।

श्रत: श्रायात व्यापार नियंत्रण श्रादेश, 1955 दिनाक 7-12-55 (यथा लंगोधित) की घारा 9 (डी) में प्रदत्त श्रिधिकारों ा प्रयोग करते हुए मैं उपरोक्त लाइसेंस संब 0406790 दिउ 19-10-83 की मूल कस्टम प्रयोजन कामी को निरस्त करने का श्रादेश देता है।

प्रावेदक की प्रर्थना पर भव भ्रायात-निर्यान की कार्य विधि-पुस्तिया 1984-85 के पैरा 352-354 के भनुसार उक्त लाइसेंस सं० 0406790 दि० 19-10-83 की कस्टन प्रयोजन जापी की भनुलिप (डुपलिकेट कापी) जारी करने पर विवार किया जायेगा।

 $[\ddot{\mathrm{H}}$  . ऐंडीशनल/ल इसेंस/81 /एएम . १4/एएलएस H/सीएलए125] एम० एन० चौहान,

जप मुख्य नियंत्रक, भाषात-निर्यात, कृते संयुक्त मुख्य नियंत्रक श्रायात-निर्यात

## (Central Licensing Area) CANCELLATION ORDER

New Delhi, the 30th August, 1984

S.O. 3426.—M/s. Super Exports D-6/8 Rann Partap Bagh, Delhi-110007, was granted Additional Licence No. P|W| 0406790|C/XX/89/D|83 dt. 19-10-1983 for Rs. 7.13.800 for import of items appearing in Appendices 5 & 7 excluding items appearing in Appendix 26 of AM. 84 Import Policy.

The firm have reported that Custom Clearance Purpose copy of the said licence has been misplaced without having been registered with any custom authorities and unutilised at all. Licence was issued for Rs. 7.13,800 and duplicate Custom Purpose Copy applied for is for Rs. 7,13,800.

The firm have filed an afflavit in support of the above statement as required under para 352-354 of Hand Book of

Import-Export Procedures, 1984-85. I am satisfied that the original Custom Clearance Purpose Copy of the said licence has been misplaced.

In exercise of the power conferred on me under section 9(d) of Imports (Control) Order, 1955 dt. 7-12-1955 as amended upto date, I hereby order of cancellation of the said original Custom Clearance Purpose Copy of the licence.

The applicant's case will now been considered for issue of Duplicate Custom Clearance Purpose copy in accordance with paras 352-354 of Hand Book of Import-Export Procedure, 1984-85.

[No. Addl]Lic|81|AM. 84/ALS. II/CLA/1251] S. I. CHOHAN, Dy. Chief Controller of Imports and Exports

[No CMD/13:7]

#### खाद्य एवं नागरिक प्रति मंत्रास्थय

(नागरिक पूर्ति विभाग)

भारतीय मानवः संस्था

सई दिल्ली, 15 अस्तुत्रर, 1984

का, आ. 3427.--समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रभागा जिल्ल) विनियम, 1955 के विनियम 5 के उपवित्तियम (1) के अनुसार एतवृद्धारा अधिसूचित किया जाता है कि उन भारतीय मानकों के ब्यौरे नीचे अनुसूची में दिए गए हैं ये रह फर दिए गए हैं और वापस ले लिए गए हैं।

#### अनम्बी

	इ किए गए भारतीय मातक <b>की संख्</b> पा और शीर्षक	गजट अधिपूजना की एसओ संख्या और तारीख जिसमें भार- तीय मानक के निर्धारण की सूचना छपी थी	विवरण
1	2	3	4
	1831965 दूध के लिए प्रयुक्त धनत्व हाइ- : की निमिष्टि	भारम के राजपत्न भाग II, खंड 3, उपखंड (ii) दिनांक 1965-10-92 में एमजो 3059 दिनांक .1965-09-21 में प्रकाशित	धर्योकि अब इस प्रकार के हाइड्रा-माटर देश में प्रयुक्त नहीं हो रहे हैं और केवल अपेकित गुरुत्य नीउटोमोटर प्रतीम किए जा रहे हैं। नैक्टोमीटर की अपेकाएं IS: 9585- 1980 में गामिल की गई हैं अंप इसके प्रयोग संबंधी पढ़ित्यां IS: 10083- 1982 में शामिल की गई हैं।
			[संख्या सीएमडो/13:7]

# MINISTRY OF FOOD & CIVIL SUPPLIES (Department of Civil Supplies)

#### INDIAN STANDARDS INSTITUTION

New Delhi, the 15th October, 1984

S.O. 3427.—Li pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 5 of the Indian Standards Institution (C. riff cat'or Met)s. Regulations, 1955 as amended from time, to time, it is, hereby, notified that the Indian Standard, particulars of which is mentioned in the Schedule given hereafter, has been cancelled and stands withdrawn:

#### SCHEDULE

	S.O. No. & Date of the Gazette Notification in which Establishment of the Indian Standard was notified	n Remarks		
1 2	3	4		
	S.O. 3059 dated 1765-69-21 published in the Gazette of Ind a Part-11, Seed hero, dubscetton (ii) dated 1965-10-92	Since this type of hydrometers are not being used in the country and only the specific gravity lactometers are being used. The requirements for lactometer are countried in IS: 9585—1980 and the methods of its use is covered in IS: 10083—1932.		

3168

ŀЯ संख्या

(1)

का. आ. 3428 -- समय-संस्था पर संगोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन किल्ल) विनियम 1955 के विनियम 5 के उपविनियम (1) के अन-सार अधिशक्तित किया जाता है कि भारतीय मानकों के व्योरे की वे अनुसूची में विए गए हैं वे रक्क कर विए गए हैं और वापस ले लिए गए हैं।

सनुसूचा						
रहु किए गए	भारतीय मानक की संख्या व	भारत के राजपन्न के एस ओ संख्या सचा तारीख जिसके	विवरण			
गोर्षक		अधीन भा. मानकों के निर्धारण की सूचना छपी थी				
,	(2)	(3)	(4)			

1. IS: 3356-1965 कोट के रूपड़े के लिए सूठ मारत के राजपन्न भाग II खण्ड 3 उपखण्ड (ii)रेशम की बिशिष्टि दिनांक 1966-04-09 में एस जो 1981 दिनांक

क्योंकि अब देश में झठ रेशम निमित महीं किया जाता है।

1966-03-25 के अधीन प्रकाशित

[संख्या सीएमडी/13:7]

S.O. 3428.—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 5 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regula tion: 1955 as amended from time to time, it is, hereby, notified that the Indian Standard, particular of which is mentioned in the Schedule given hereafter, has been cancelled and stands withdrawn:

#### **SCHEDULE**

SI. No. & Title of the Indian Standard No. Cancelled		S.O. No. & Date of the Gazette Notification in which Establishment of the Indian Stan- dard was Notified			
(1)	(2)	(3)	•	(4)	
1. IS: 3356—	1955 Specification for jhoot silk	S.O. 1081 dated 1956-03-25 published in the Gazette of India, Part-II, Section-3, Subsection (ii) dated 1956-04-09		hoot silk coating is no mon d in the country.	re manu

[No. CMD/13:7]

का. न्या. 3429 ---भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिक्क) नियम श्रीर विनियम, 1955 के नियम. 3 के उपनियम (2) श्रीर विनियम 3 के उपयिनियम (2) तथा (3) के अनुसार, भारतीय मानक संस्था द्वारा यह प्रधिसुचित किया जाता है कि नीचे अनुसूची में जिन मानकों के विवरण दिए गए हैं. वे 1981-03-31 को निर्धारित किये गए हैं:

#### अनुसूची

कम सं.	मिर्घारित भारतीय मानक की प और सीर्षक		मानक द्वारा र <b>ढ़</b> किए गए भारतीय मान , की पदसंख्या और शीर्पक	नक टिप्पणी यदि कोई ह	ो ।	`	
(1)	(2)		(3)		(	4)	
सष्ट	: 7-1980 साधारण साप कार्य के लि : मिट्टी की ईटों ग्रुप बीकी विशिष्टि :रीक्षण)	एभ्रग्नि- IS: 7-1967 (जौषा मिही की क्षण)	7 साघारण ताप कार्ये के लिए मरि ईटों मुप बी की विशिष्टि (तीसरा पून	नसह री- - ,			i
	S : 507~1980 सामान्य कार्य ग्रीज की	,	1970 सामान्य कार्य ग्रीज की विणि	ष्ट <sup>#</sup> भाना संस्था प्र	त्रमाणन मृहर	योजना	à

(पहला प्नरीक्षण) (दूसरा पुनरीक्षण)

उद्वेषयों के लिए IS: 507~1980 1981-07-01 से लाग होगा।

- डिजाइन भीर निर्माण की रीति संहिता (पहला पूनरीक्षण)
- 4. IS: 1367 (भाग 5)-1980 इस्पात के जुड़ी-दार बंधनों की तकनीकी पूर्ति शर्ते भाग 5 तनन-प्रतिबल से मक्त मेट स्कृ भीर ऐसे ही चुड़ीदार बंधनों के यांक्षिक गुण और परीक्षण परतियां
- 5. IS: 1448 (भाग 97)-1980 पेट्रोलियम भीर इसके उत्पादों की परीक्षण पद्मतिया भाग 97 विमानन टरबाइन इंधन की ताप भाक्सीकरण सम्बन्धी स्थिरता (जेएफटी मोटी पद्मति)
- 6. IS: 1448 (भाग 100)-1980 पेट्रोलियम भौर इसके उत्पादों की परीक्षण पद्धतियां भाग 100 पायमनीय कर्तम तेलों की ताप स्थिरता श्रात करना

3. IS: 1080 - 1980 साधारण बाली नीवों के IS: 1980 - 1962 साधारण डाली नीवों के डिजाइन, भौर निर्माण की रीति संहिता

(1	) (2)	(3)	(4)
	IS: 1528 (धार्ग 1)-1980 कष्मासह बस्तुमों के बमूने खेने भीर भौतिक परीक्षण की पद्धतियां भाग 1 उत्तापमापी शंकू तुल्योक (पीसीई) प्रथवा मार्देश किन्दु कात करना (शूसरा पुमरीक्षण)	IS: 1528(भाग 1)—1974 उष्मासह बस्तुओं के नमूने लेने धौर भौतिक परीक्षण की पद्धित्यां: भाग 1 उत्तापसापी शंकु तुलयांक (पीसीई) झववा मार्वेव बिन्दु ज्ञात करना (पहला पुनरीक्षण)	
8.	प्राप्त क्षित्र कार्य कर्ता (प्राप्त कुमराजव)  IS: 1528 (भाग 9)-1980 अध्मासह वस्तुओं के समूने भेने धौर धौतिक परीक्षण की वश्वतियां: भाग 9 यर्षाच विश्विष्ट धनस्य धौर धनस्य करना (द्वसरा पुनरीक्षण)	IS: 1528 (भाग 9)1974 ऊष्मासह वस्तुभों के नमूने लेने भौर भौतिक परीक्षण पद्धतियां भाग 9 यथीर्थ विशिष्टि अर्मल ग्रौर यथार्थ अनत्व ज्ञात करना (पहला पुनरीक्षण)	1981-02 28 को निश्वारित
9.	IS: 1540 (धाय 1)-1980 रसायन उद्योगों के खिए धनकुत्ते और जनयोजित चूने की वि- मिष्टि, धाय 1 धनसुता कूना (दूसरा पुनरीक्षण)	IS: 1540 (भाग 1)—1967 रसायन उद्योगे के लिए ग्रनयुष्टों भीर जसयोजित चूने की विजिष्टि, माग 1 ग्रनयुष्टा चूना (पहला पुनरीक्षण)	
10.	IS: 1833-1980 बायजिनोंन तकनीकी की वि- व्यिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	IS: 18331961 डायाजिनाम तकनीकी की विशिष्ट	~
11.		IS: 19051969 इमारतों की मेरचनात्मक सुरक्षा की रीति संहिता: चिनाई दीवार (पहला पुनरीक्षण)	· <del></del>
12.	IS: 1963-1981 बुने हुए वस्त्रों में प्रति इकार्ड सम्बाह में घागे भास करने की पद्धतियां (दूसरा पुनरीक्षण)	IS: 19631969 बुने बुए वस्त्रों में प्रति वैसीमीटर में धारी कास करने की पड़तियां (पहला पुनरीक्षण)	<del></del>
13.	*IS: 1970 (भाग 2)—1979 हस्ताचालित नेपसैना वाथ फुहारे की विशिष्टि भाग 2 दाथ धारक टाइप	IS: 29281973 दावधारक नैपसैक फुहारकी वि- मिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	1980-04-30 को निर्वारित कैमामा संस्था प्रमाणन मुहर योजना के उद्देश्यों के लिए IS: 1970 (भाग 2)—1979 1981-07-15 को लागू होगा ।
14.	IS: 2110-1980 इमारतों में मृदा सीमेंट से दीवारों के स्वस्थान निर्माण की रीति संहिता (पहला पुनरीक्षण)	IS: 2110—1962 मृदा सीमेंट से इमारतों में बीवारों के स्वस्थान निर्माण की रीति संहिता	<del></del> - ·
15.	IS: 2116-1980 चिनाई मसालों के लिए रेत की विक्रिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS: 2116-1965 चिनाई मसावों के लिए रेत की विशिष्टि	<b>-</b> .
16.	IS : 2119-1980 ईंट भीर कंक्रीट मिश्रित (मद्रास टरेस) फर्ग शौर छत के निर्माण की रीति मंहिता (पहुना पुनरीवाण)	IS: 2119-1962 ईंट घीर कंकीट मिश्रित (मद्रास टरेस) कर्ण घीर छत के निर्माण की रीक्षि संहिता	· <del>-</del>
17.	<sup>●</sup> IS 2318~1980 फोटोग्राफी ग्रेड के सिल्बर भाइट्रेंट की विभिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	नाइट्रेट की विशिष्टि	*भाभा सस्या प्रमाणम मुहर योजना के उद्देश्यों के लिए IS: 2318—1980
18.	IS: 2446 1980 पिसी हल्दी की विकिष्टि (पहचा पुनरीक्षण)	IS: 24461963 पिसी हल्दी की विशिष्टि	1981-07-31 से लागू होगा।
19.	IS: 24751979 धूमिल सूकर मांस की विशिष्टि (पहुंक्ता पुनरीक्षण)	IS: 2475—1963 घूमित सुकर मांस की विशिष्टि	1980-11-30 को निर्घारित
20.	IS: 28931980 बसूलों के लकड़ी के हत्यों की विकिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS: 28931964 बसूलों के लकड़ी के हरणों की विविधिट	<del>-</del>
21.	IS: 29301980 धमकल प्रयोग के लिए होज बाने टेंडर की कार्यकारिता सम्बन्धी घपेक्षाएं (पहला पुनरीक्षण)	IS: 29301964चमकल प्रयोग के लिए होज । वाला टेंडर	981-02-20 को निर्घारित
	IS: 2974 (माग 2)—1980 मणीन नीवों के किजाइन और निर्माण की रीति संहिता माग 2		, ,
	IS: 30971980 मुलम्मा चढ़े पार्टीकल क्षेत्रे । की विकिष्टि	IS: 30971965 मुलम्मा चढ़े पार्टीकल बोर्ड की विशिष्टि	
	IS: 32351980 चिकिस्सा प्रयोग के लिए सिरिजों की सामान्य भपेकाएं (पह्ला पुनरीकण)	IS: 32351965 चिकित्सा प्रयोग के लिए सिरिजों की सामान्य प्रपेकाएं	<del>-</del> `.

(1)	(2)	(3)	(4)
	IS: 3338—1980 पत्राचार लिफाफों के माकार		
	(पहला पुनरींबण)	उठ्डल-1905 नमानार त्यमाना के आनार	
26.	IS: 3400 (भाग 2)—1980 बल्कनित रवड़ की तरीक्षण पद्धतियां भाग 2 कठोरता (पहला पुनरीक्षण)	IS: 3400 (माग 2)1965 वल्कनित रबड़ की परीक्षण पश्चतियां भाग 2 कड़ीरता	
1	IS: 3671 (भाग 1)—1980 बायु परावधूत परिवर्ती समस्वरण संधाःरस्रों की विशिष्टि भाग। परीक्षण भौर सामान्य भपेकाएं (पहला पुनरीक्षण)	IS: 3671 (मार्ग 1)—मायु पराधकुत संघारिकों की विजिटिट भाग 1 परीक्षण भीर सामान्य भपेकाएँ	·
28.	IS: 4323—1980 एंडोसल्फान पायसनीय सान्द्रीं की विकिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS: 43231967 <mark>एंडोसल्फान पायसमीय</mark> साम्द्रों की विशिष्टि	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
	IS: 4590—1980 दितीयक श्रेणी तलमापी की विभिन्ध्ट (पहला पुनरीक्षण)	IS: 45901967 इंबीनियर भेणी तलमापी की विशिष्टि	·
	IS: 4887—1980 प्रसाधन सामग्री उद्योग के के लिए पेट्रोलियम जेली की विक्षिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS: 48871968 प्रसाधन सामग्री उद्योग के लिए पेट्रोलियम जेली की विशिष्टि	) j
	IS: 4902—1981 सभी प्रकार की ऊनी वस्तुओं का सही बीजक चार ज्ञात करने की पश्चित (पेहला पुनरीक्षण)	IS: 4902—1968 कनी भीर वस्टेंड धार्गों का सही बीअक भार भीर भाईता कात करने की पढाति	
	IS: 5233—1980 मांचा की मंतः संपुटी चिमटियों भारत भीर एत्पनिंग ममूने की विशिष्टि (पहुला पुनरीक्षण)	IS: 5233—1969 लाख की ग्रंतः संपुटी विमिटयों (ग्रॉरग ग्रीर एस्पॉनंग समूने की) विशिष्टि	
	IS: 52341980 श्रीच की बाह्य संपुटी की चिमिटियां, कापर नमूने की, विशिष्टि (पहला पुर्वरीक्षण)	IS: 52341960 श्रीच की संपुरी की चिमटियों (कापर नमूने की) की विशिष्टि	<del></del>
	IS: 52881980 गरियम क्लोराइब, की विभिष्टि (पहला पुनरीकण)	IS: 5288—1969 बरियम क्लोराइड की विशिष्ट	*मामा संस्था प्रमाणन मुहर योजना ने उद्देश्यों ने लिए IS: 5283—1980 1981 07-01 से लागू होगा।
3 5.	IS: 5949—1980 ईबीटीए के प्रयोग द्वारा कलिशयम और भगनिशयम के भायतनी निर्धारण की पद्धतियां	IS: 5949-1970 ईडीटीए के प्रयोग द्वारा कलाशियम भीर मेगनेशियम के मायतनी निर्दारण की पश्चतियां	
	(पहला पुनरीक्षण) IS: 6305—(भाग 1)1980 शक्ति चालित	IS: 6305 (भाग 1)1971 शक्ति चालित	•
36.	मौद्योगिक ट्रकों की सुरक्षा संहिता भाग 1 प्रयोग चालन मौर रखरबाव (पहला पुनरीक्षण)	भीषोगिक ट्रकों की सुरक्षा संहिता भाग 1 भाजन और रखरबाब	<del>-</del>
37.	IS: 66621980 सकड़ी की पैकेजबन्दी के उपयुक्त इमारती सकड़ी की प्रजातियों की विविद्धि (पहला पुनरीक्षण)	IS: 6662 1972 सकत्री की पैकेजबन्दा के उपयुक्त इमारती लकत्री की प्रजातियों की विशिष्टि	
38	IS: 7018 (भाग 2) 1980 मापकों की तकनीकी पूर्ति शर्ते माग 2 सावा प्लग मापकों (1 से 250 मिमी माकार वाले) का समुख्यय भीर पहचान	<del>-</del>	<del></del>
39.	IS: 74611980 शुंडाकार रोसर वेयरिंग की बाहरी सीमा की भागों की सामान्य रूपरेखा	elina.	<b>*</b>
	IS: 8198; (भाग 10) 1980 संपीकृत गैसीं के लिए इस्पात सिलिडरों की रीति संहिता भाग 10 मेथिलडोमाइड गैस	-	_
	IS: 86741980 पालीइबाइलीम रस्तियों की [विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS: 86741978 पालीक्योइलीन रस्सियों की विभिष्टि	

(1) (2)	(3)	(4)
42. IS: 8872(भाग 2, आंड 5) 1980 परिवर्सी प्रतिरोधकों की विभिष्टि भाग 2 सामान्य कार्यः खण्ड 5 टाइप की मार जी 5 सी		****
43. IS: 9080 (भाग 2/वांक 3)—1981 नियुत्त ताप संस्थापमाणों से सुरक्षा प्रपेकाएं: भाग 2 प्रतिरोध तापन उपकरणों के लिए विशेष प्रपेक्षाएं खण्ड 3 पोटाशियस भीर सोडियम भाइट्रेट मीर भाइट्रेट बाब पट्टियों में सुरक्षा		••••
44. IS: 9298 (माग 2)—1980 टेलीबिजन नमूने के जनिजों की विविध्टि माग 2 मापन पद्धतियां		, <del></del> -
46. IS: 9535—1980 8 मिर्मी टाइप एस चलिक की कज्जी स्टाक फिल्म के माप		
46. IS: 9551 (भाग 4)1980 उच्च तवरूपता वाले अवण उपस्कर भीर संजों की विभिष्टि भाग 4 रिकाब बजाने वाले उपस्कर		* • • • • • • • • • • • • • • • • • • •
47. IS: 95831981 घापती प्रकाश इकाइयों की विशिष्टि		
48. IS: 9607-1980 तुतीयक श्रेणी तलमापी की विशिष्टि		*** <u>*</u>
49. $ extbf{IS}$ : 9613-1980 प्रथम श्रेणी तलमापी की विशिष्टि	~~	<b></b> ₩
50. IS: 9618-1980 द्रवीकृत पेट्रोल्वियम गैस के लिए सड़क टैकरों की विभिष्टि	~	<del>~</del>
51. IS: 96211980 कोच के उत्पत्तव वनत्त्वमापियों के निर्माण भीर समायोजन के सिक्षान्त		
52. IS: 9624-1980 थायुगान में यात्री सीटों घीर सामिकामों के बिजाइन सम्बन्धी माप वण्ड	<del>-</del>	<del>-</del>
53. IS: 9628-1980 "एन" टाइप सुरका वाली तीम केजी प्रेरण मोटरों की विकिष्टि	- and	77
54. IS: 9634~1980, 25.4 मिमी व्यास वाले ऐरोन्बाल- वास्त्र की विशिष्टि	·	** !
55. IS: 9635~1980 ऐरोसाल वास्य के नमूने चेने की पद्मतियां		W
56. IS: 9638 (भाग 1)—1980 विष्ट्रभारा के स्थिर- पालीएस्टर फिल्म परावेषुत संव। रिल्लों की विभिष्टिः भाग 1 सामान्य भ्रपेकाएं भौर परीक्षण पद्धतियां।		·/
57. IS: 9639-1980 अस्पवाधपर बेस्ब किए इस्पात के नवनिर्मित गैस सिलिबरों के दृश्य निरीक्षण की रीति संहिता।	<del>-</del> ,	· <u>-</u> ·
58. $ extbf{IS}$ : 9640—1980 स्प्लट स्पून सैम्पलर की विविधिट	,	<u> </u>
59. IS: 96431980 टायरों के लिए एकल टाइप विसट घरोधी जैन समुख्यम की विविद्धि	<b></b>	
60. IS: 9646-1980, 1100 बोल्ट तक की मोल्टता वाले केवलों के लिए कलवां राल से बने टी 'जोड़ों के लिए उप- युक्त माओं क माप		· <b>-</b>
61. IS: 9652-1980 विद्युत प्रधाय के लिए प्रयुक्त मेग- नेटिक ग्रायसाइब कोड़ों (ईसी कोड) और सम्बद्ध कुंडली फरमों के माप		
62. IS : 9653-1980 सगवेटिक ग्रावसाइड की निवर्गे, पिनों ग्रोर छड़ों के मापीं में छुटें		***************************************

(1)	(2)	(3)	(4)
63.	IS: 9654-1980 द्रांसफार्मर भीर अर्थ कोडों के निर्मातामी द्वारा प्रदत फेराइट वस्तुमी से सम्बद्ध जानकारी	<del>-,,=</del>	
	IS : 9656-1980 ट्राव्डेमार्फ पायसनीय साम्ब्रों की विश्विष्टि	<del>- ,</del>	<b>-</b>
65.	IS : 96571980 मिल्क पिपेट बुक्यों की विधिष्टि		
66.	IS: 9658-1980 दुग्ध-नमूणा बोतलों की बुक्शों की विशिष्टि	-	<del></del>
67-	IS: 9659-1980 ब्यूटोरोमीटर भुक्तों की विशिष्टि		
68-	IS: 96691980 सीबीबार साचीं और इसके सहाय- कांगों की विशिष्टि ।		. —
69.	IS: 9676-1980 विद्युत उपस्करों के लिए संदर्भ परिवेश तापमाप		~
70.	IS: 96791980 पर्यावरण मानीटरी कार्य (धायु- बाह्यित प्रयूषक की रीति संहिता)	•	<del></del>
71.	IS : 9681-1980 प्रसाधन सामग्री उद्योग के लिए स्टिएरिक ग्रम्ल की विशिष्टि ।		<del>.</del>
72.	IS: 9685-1981 असह भीर क्यूप्रामोनियमसह रेत के बोरों की विशिष्टि		
73.	. IS: 9688-1980 भेंगापन चिकित्सा में प्रयुक्त न्यूखर नमूने के मांकड़े की विभिष्टि		'
74	. 🗜 : 9689 1980 माइकोटोम चाकुर्यों की विक्रिष्टि 📜 🍃	<del></del>	***
75	. IS: 9692(माग 1)-1980 उपस्कर धनुरक्षणीयता की मार्गवस्तिका माग 1 धनुरक्षणीयता परिचय	~ <del>-</del>	-
76	. IS: 9692 (मांग 2)-1980 उपस्कर अनुरक्षणीयता की मार्गविक्ति भाग 2 विभिष्टियों और संविदायों में अनुरक्षणीयता अपेकाएँ।	_	-
77	. IS: 9693—1980 मृह्यार शुष्ककों के लिए रबरीवार कामोककापत	——	
78	. IS: 9694 (भाग 2)-1980 कृषि प्रमोग के लिए अतिज अपकेन्द्री पस्पों के चयन, संस्थापन, परिचालन ग्रीर रखरखान की रीति संहिता भाग 2 संस्थापना		
79	. IS: 9694 (भाग 3)-1980 कृषि प्रयोग के लिए श्रतिज प्रपकेन्द्री पथ्यों के जयम, संस्थापन, परिचालन ंग्रीर रचारखाव की रीति संहिता भाग 3 परिचालमः।	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	<del>-</del> -
80	. IS: 9694 (भाग 4)-1980 कृषि प्रयोगः के लिए श्रातिज श्रपकेन्द्री पम्पों के चयन, संस्थापन, परिचालन भीर रखरखाब की रीति संहिता, भाग 4 रखरखाब।		· <del>1</del>
81	. 🗜 : 9695-1980 हेलमिटों के नमूने लेने की पद्धतियां । 🭦		****
82	LS: 9698-1980 नहरों में झर्ल्य बनत्बबाली पालिए- बिलीन परत बिछाने की रीति संहिता ।	<del></del>	<del>-</del>
83	<ul> <li>IS: 97011980 सिन्त चालित भौद्योगिक ट्रेकों की क्रेक कार्यकारिता।</li> </ul>	. —	

इन भारतीय मानकों की प्रतियां विकी के लिए भारतीय मानक संस्था, मानक भवन 9 बहादुरसाह जफर भागें नई दिल्ली़-110002 भीर भ्रष्ट्रमदाबाद, बंगलीर, मोपाल, भृवनेश्वर, बस्बई, कलकत्ता, चंडीगढ़, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, पटना भीर किबेन्द्रम स्थित शाखा कार्यालमीं में उपलब्ध हैं। S.O. 3429.—In pursuance of sub-rule (2) of Rule 3 and Sub-regulations (2) and (3) of regulation 3 of Indian Standards Institution Cartification Marks) Rules and Regulations, 1966, the Indian Standards Institution hereby notifies that the Indian Standard(s), particulars of which are given in the Schedule hereto annexed, have been established on 1981-03-31:

## SCHEDULE

	SCHEDULE	
1. No. and Title of the Indian Standards No. Established	No. and Title of the Indian Standard of Standards, if any, superseded by the new Indian Standard.	Remarks, if any
1 2	3	4
1. IS:7—1980 Specification for moderate heat duty fireday refractories, group B. (fourth revision)		heat ,
2. IS: 507—1980 Specification for general purpose grease (second revision)	IS:507—1970 Specification for general purpose grease (first revision)	*Por purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS: 507—1980 shall come into force with effect from 1981-07-01
<ol> <li>IS: 1080—1980 Code of practice for design and construction of simple spread foundations (first revision)</li> </ol>	IS: 1080—1962 Code of practice for de- sign and construction of simple spread foundations	·
4. IS: 1367 (Part V)—1980 Technical supply conditions for threaded steel fasters Part V Mechanical properties and test methods for set screws and similar threaded fasteners not under tensile stresses.	t	<del></del>
5. IS: 1448 (P:97)—1980 Methods of test for petroleum and its products: P:97 Thermal oxidation stability of aviation turbine fuels (JFTOT Methods)		_
6. IS: 1448(P:100)—1980 Methods of test for petroleum and its products: P:100 Determination of thermal stability of smulaifiable outting oils	·	
<ol> <li>IS:1528 (Part I)—1980 Methods of sampling and physical tests for refractor materials: Part I Determination of pyrometric cone equivalent (PCE) or softening point (second revision)</li> </ol>	y ling and physical tests for refractor materials: Part I Determination of pyro	'y <del>-</del>
8. IS:1528 (Part IX)—1980 Methods of sampling and physical tests for refractory materials: Part IX Determination of true specific gravity and true density (second revision)	materials: Part IX Determination of tru	y
9. IS:1540 (Part I)—1980 Specification for quick lime and hydrated lime for	quick lime and hydrated time for chem	
chemical industries: Part I Quick li me (second revision)  10. IS:1833—1980 Specification for diazinor	cal industries: Part I Quick lime (first revision)  1. IS: 1833—1961 Specification for diazino	n, —
technical (first revision)  11. IS:1905—1980 Code of practice fo structural safety of buildings: Masonr	technical r IS:1905—1969 Code of practice for struct y tural safety of buildings; Masonry wa	
walls (second revision)	(first revision) n IS: 1963—1969 Methods for -determine	a- <del>-</del>
(second revision)  13. *IS:1970 (Part II)—1979 Specification for hand-operated compression knapsack sprayer: Part II Pressure-retaining type	retaining knapsack sprayer (first revision)	Established on 1980-04-30  For purposes of ISI Certification Marks
retaining type		Scheme; IS:1970 (Part II) 1979 shall come into force with effect from 1981-07-15

	1	.2			3	4
2.	IS:5233-1980. Specification for forceps,				forceps	
	eye, intracapsular, Arruga's and Eisching's pattern					
33.	(revised) 18:5234-1980 Specification for forceps,	IS:5234—1969	Specification	for	forceps.	·
	eye, extra capsule, Couper's pattern (first revision)		(Couper's patt		,	•
34.	*IS:5288—1980 Specification for barium chloride	IS:5288—1969 chloride	Specification	for	barium	*For purposes of ISI Certification Marks Scheme;
	(first revision)	_				IS:5288-1980 shall come into force with effect from 1981-07-01
35.	IS:5949—1980 Methods for volumetric determination of calcium and magnesium using EDTA	IS:5949-1970 termination of using EDTA	of calcium and			
	(first revision)	70-C10# (De-# )	0 1071 Co.C-4		F	
10.	IS:6305 (Part I)—1980 Safety code for po- wered industrial trucks: part I Applica- tion, operation and maintenance	IS:6305 (Part ) ered industri and maintena	al trucks:Part			•
_	(first revision)					
37.	IS:6662—1980 Specification for timber species suitable for wooden packaging (first revision)	IS:6662—1972 species suita	Specification ble for woode			_
38.	IS:7018 (Part II)1980 Technical supply		_			
	conditions for gauges: Part II Assembly and indentification for plain plug gauges					
19.	(size range 1 to 250 mm)  IS-7451 -1930 General plan of boundary	IS:74611974	General plan o	í bou	ndarv	_
	dimensions for tapered roller bearings		or tapered rol		_	
40	(first revision)					'.
<b>4</b> U.	IS:8198(Part X)—1980 Code of practice for steel cylinders for compressed gases:		-			
	Part X Methyl bromide gas					
41.	IS:8674-1980 Specification for polye-		Specification	for p	olyethy-	
	thylene ropes (first revision)	lene ropes				-
42	. IS:8872 (Part II/Sec 5)—1980 Specifi-					<del>_</del>
	cation for variable resistors: Part II					
43	General purpose: Section 5 Type VRG 5C. IS:9080 (Part II/Sec 3) —1981 Safety					
1	requirements in electro-heat installations:					
	Part II Particular requirements for resis-					
	tance heating equipment: Section 3 Pro-					
	tection in postassium and sodium nitrate and nitrite bath furnaces					•
44	. IS:9298 (Part II)—1980 Specification for		•			
	television pattern generators: Part II					
4.	Methods of measurements 5. IS:9535—1980 Dimensions for 8mm type		_			_
43	S motion-picture raw stock film					
46.	IS:9551 (Part IV) -1980 Specification for					<del></del>
	highfidelity audio-equipment and systems:					
44	Part IV Record playing equipment					
4/	. IS:9583—1981 Specification for emer- gency lighting units					
	3. IS:9607—1980 Specification for tertiary level	,				* <u>-</u>
49	). IS:9613—1980 Specification for primary level					_
50	. IS:9618-1980 Specification for road tan-		· 			<b>_</b>
	kers for riqueiled petroleum gas 1. IS:9621—1980 Principles of construction		·			
יב	and adjustment of glass hydrometers		- <del></del>			_
5:	<ol> <li>IS:9624—1980 Design criteria for aircraft passenger seats and berths</li> </ol>		·			-
5	3. IS:9628-1980 Specification for three- phase induction motors with type of pro-		~-			<u>.</u>
	tection 'n'					

		<del></del>	
1	2	3	4
54.	IS:9634—1980 Specification for aerosol valve25.4 mm diameter		
<b>5</b> 5.	IS:96351980 Methods for sampling of aerosol valves	<b>—</b> ,	
<b>5</b> 6,	IS:9638 (Part I)-1980 Specification for		<del></del>
	fixed polyester film dielectric capacitors for direct current: Part I General require-		•
57.	ments and methods of tests IS:96391980 Code of practice for visual	T.	
<b>#</b> 0	inspection of newly manufactured low pressure welded steel gas cylinders		
58.	IS:9640—1980 Specification for split spoon sampler	<del>_</del>	
59,	IS:9643-1980 Specification for non-skild	<b></b>	_
	type chain assembly for tyres-single type		
60.	IS:9646—1980 Dimensions for moulds suita- ble for cast resin-based tee-joints for cables	<del></del>	- <del>-</del>
	for voltages up to and including 1100 V		
61.	IS:9652—1980 Dimensions for magnetic	-	<del>-</del> ,
	oxide cores and associated coil formers for		
	use in power supplies (EC-cores)		
62.	IS:9653—1980 Tolerances on dimensions		<del></del> ·
63	of tubes, pins and rods of magnetic oxides IS:9654—1980 Information on ferrite	<u></u>	
03.	materials to be supplied by manufacturers	_	<b>~</b> ■
	of transformers and inductors cores		
64.	IS:9656—1980 Specification for tride- morph emulsifiable concentrates	-	-
65.	IS:9657—1980 Specification for brushes, milk pipette		
66.	IS:9658—1980 Specification for brushes, milk sample bottle	<del>-</del>	<b>-</b>
67.	IS:9659—1980 Specification for brushes, butyrometer	-	<b>-</b> .
68	. IS:9669—1980 Specification for CBR moulds and its accessories	, , , , , , , , , , , , , , , , , , ,	' <del>-</del>
69.	IS:9676-1980 Reference ambient temperature for electrical equipment	-	· -
70.	IS:9679—1980 Code of practice for work environment monitoring (airborne conta- minate)	,	and '
71.	IS:9681—1980 Specification for stearle acid for cosmetic industry	•	<del></del> '
72.	IS:9685—1981 Specification for sand bags, unproofed and cuprammonium proofed	<del>'</del>	
73.	IS:9688—1980 Specification for hook,	<u>-</u>	<u> </u>
74.	strabismus, Culler's pattern IS:96891980 Specification for micro		_
,., <u>.</u>	tome knives		
75,	IS:9692 (Part I)—1980 Guide on maintainability of equipment; Part I Introduction to maintainability	<del>-</del>	_
76	IS:9692 (Part II)—1980 Guide on main-		
,,,	tainability of equipment: Part II Maintainability requirements in specifications and contracts		_
77.	IS:9693—1980 Purchaser's data sheet.for spray dryers	<del>-</del> .	<del>-</del> ·
78.	IS:9694 (Part II)—1980 Code of practice for the selection, installation operation	<del>-</del>	_
	and maintenance of horizontal centrifugal pumps for agricultural	,	•
	applications : Part II Installation		

1	2	3	4
for and fug	9694 (Part III)—1980 Code of practice the selection, installation operation i maintenance of horizontal centri- al pumps for agricultural applications: t III Operation	~	<del>_</del>
for and fugs	9694 (Part IV)—1980 Code of practice the selection, installation, operation maintenance of horizontal centrial pumps for agricultural applications:	<del>-</del>	<del></del>
	9695—1980 Methods for sampling of mets	-	
	9698—1980 Code of practice for lining canals with low density polyethylene	<del>-</del>	••
	9701 1980 Brake performance of po- red industrial trucks	_	<del>_</del>

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Indian Standards Institution, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and also from its branch offices at Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Patna and Trivandrum.

[No. CMD/13:2] A.S. CHEEMA, Addl. Director General

# कर्जा मंत्रालय

(पैट्रोलियम विभाग)

नई दिल्ली, 15 श्रवत्वर, 1984

का. भा. 3430. — यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवण्यक है कि गुजरात राज्य में श्रहमदाक्षाद - 14 से डब्ल्यू एच आई श्रहमदाकाद 18 तक तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस श्रायोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए;

भौर यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पबाद अनुसूची में विणित भूमि में उपयोग का अधिकार अजित करना श्रीवश्यक है;

अतः अब पैट्रोलियम और खिनिज पाईपलाईन (भूमि में उप-योग के अधिकार का मर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है

बंशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम आंधकारी तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देख-भास प्रभाग, मकरपुरा रोड़, बड़ोदरा-9को इस अधिसुचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा;

ग्रीर ऐसा भाक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टत्या यह भीक्ष्यन करेगा क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत । 975 GI/84—6

## ग्रनुसूची

भ्रहमदाबाद 14 से डब्ल्यू एच भ्राई भ्रहमदाबाद 18 तक पाइप लाइन दिछ।ने के लिए

राज्य गुजरात जिला अहमदाबाद ताल्का दसकोई

गांव	सर्वे नं.	हैक्टेय	र घ्रार से	न्टीयर
रामाल	241	0	07	60
	r- 0			3 -2- 1

[सं०O-12016/100/84 घाएन जो डी. 4]

### MINISTRY OF ENERGY

(Department of Petroleum)

New Delhi, the 15th October, 1984

S.O. 3430.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Ahmedabad-14 to WHI Ahmedabad-18 in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purposes of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user herein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Divison, Makarpura Road, Vadodra (390009),

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be hear in person or by legal practitioner.

#### **SCHEDULE**

Pipeline from Ahr	nedabad 14	to WHI A	BAD-	18.
State : Gujarat Village	Survey No.			Centair
RAMOL	241	0	07	60
		No. O-12016	100/84-0	D.VG -D-4

# नई दिल्ली, 17 वस्तूबर, 1984

का० आ० 3431.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय, पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का० आ० सं० 212 तारीख 7-1-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूभियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अजित करने का अपना आगय घोषित कर दिया था:

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उन्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है;

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिदिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है;

अब, अतः उनतं अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त पाक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एसद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिद्धिट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अजित किया जाता है;

और आगे उस घारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त भाक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा;

अनुसूची कृप नं० एस० एम० ए०ए० से एस० डक्ल्यू० एम० डी० तक पाइप लाइन

राज्य--गुजरात जिला-मरूच तालुका-अंकलेश्वर

गौव	व्लॉक नं०	<b>हे</b> क्टेअर ए	भारई	सेंटीअर
रोहिद	416	0	0.2	60
	415	0	10	40
	414	0	13	65
	446	0	06	63
	445	0	15	21
	444	0	10	79
	449	0	08	58
	450	0	07	80
	<b>4</b> 5 3/₹	0	03	90
•	4 5 4 वी	0	04	81
	455	0	04	03
	456	0	02	60
	457/C	σ	10	01

[सं॰ ओ-12016/152/83-प्रोह]

## New Delhi, the 17th October, 1984

5.O. 3437.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy Department of Petroleum S.O. 212 dated 7-1-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of user in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE
Pipeline from Well No. SMAA to SWMD.
State: Gujarat District: Bharuch Taluka: Ankleshwar

Village .	Block No.	Hectare	Are	Centiare
ROHID	416	0	02	60
	415	0	10	40
	414	0	13	65
	446	0	06	63
	445	0	15	21
	444	0	10	
	449	0	08	58
	450	0	07	80
	453/A	0	03	
	<b>4</b> 54/ <b>B</b>	0	04	
-	455	0	' 04	
	456	0	02	
	457/A	,0	10	01

[No.O-12016/152/83-Prod.]

का० आ० 3432.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (मूम में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय, पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का० सं० 4144 तारीख 24-10-83 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिद्धि भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अजित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था;

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा
6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है,

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोंट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है; अब, अतः उन्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा ऑजत किया जाता है।

और, आगे, उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैंस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित हांगा।

अनुसूची एस० इ० ऐन ० से एस० बी० ए० बी० तक पाईप लाइन बिछाने के लिए राज्यः गजरात जिला व तालकाः मेहसाणा

गाँव	ब्लॉक नं०	 हेक्टेअर	एआ रई	सेंटीअर
काचवा	कार्ट ट्रैक	0	00	84
	3	0	21	24
	9	0	20	64
	12	0	08	16
	14	0	03	00
	13	0	06	24
	कार्ट ट्रैक	0	00	96

[सं॰ भी-12016/127/83-प्रीड]

S.O. 3432.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Petroleum S.O. 4144 dated 24-10-83 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it tention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And, whereas, the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And, further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And, further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from S.E.N. to S.B.A.B.

State: Gujarat District & Taluka: Mchsana

Village .	Block No.	Hectare	Are	Centiare
KOCHVA	Cart track	0	00	84
	3	0	21	24
	9	0	20	64
	12	0	08	16
	14	0	03	00
	13	0	06	24
	Cart track	0	00	96

[No. O-12016/127/83-Prod]

का० आ० 3334 .—यतः पैट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिन्यम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय, फैट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का० आ० सं० 276 तारीख 9-1-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाईपलाइनों को बिछाने के लिए अजित करने का अपना आश्रय गोषित कर दिया था।

और, यतः, सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी हैं।

और, आगे, यतः, केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पक्ष्वात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनि-दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनि-क्ष्य किया है।

अब, अतः, उन्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग कर हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इंस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उनत भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अजित किया जाता है।

और, आगे, उस घारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैंस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुमूची एन० के॰ डी॰ एक्स॰ से पाईपलाइन--65 से सीटी एफ तक पाईप लाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुज	ारात	जिला	और	तालुकाः मे	हिसाणा
मेमदपुरा	80 <sub>1</sub> 1		0	04	80
	81/2	•	Q	08	05
	32		0	09	10

[सं॰ O-12016/150/83-प्रो**ब**]

S.O. 3433.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy Department of Petroleum S.O. 276 dated 9-1-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And, whereas, the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And, further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And, further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this data of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE
Pipeline From Nkdx to Pipeline 65 to CTF

State : Gujarat	rat District & Taluka: Mehsana				
Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiar	
Memadpura	80/1	0	04	80	
•	81/2	0	08	05	
	32	0	09	10	

[No. O, 12016/150/83-Prod.]

का० आ० 3434.—यतः, पेट्रोलियम और खनिज पाईप-लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधि नियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जी मंत्रालय पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का० आ सं० 210 तारीख 7-1-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्विष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अजित करने का अपना आग्रय घोषित कर दिया था।

और यतः, सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट दे दो है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपार्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनि-विष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनि-श्चय किया है।

अब, अतः, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त मित का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्-द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट एक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप-लाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अजित किया जाता है।

और, आगे, उस धारा की उपधारा (4) बारा प्रदत्त शिवतयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी वाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची जे० एन० ए० डो॰ से जोटाणा-1 जी० जी० एस०

राज्य---गुजरात जिला और तास्का---मेहसाणा

गांव	व्लाक नं०	हक्टेंअर	एभार्द	सेंटं।अर
मादीपुर	126	0	11.	52
1	125	0	03	00
	—			

[सं० ओ-12016<sub>|</sub> 154<sub>|</sub> 83-प्रांड]

S.O. 3434.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy Department of Petroleum S.O. 210 dated 7-1-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline,

And, whereas, the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And, further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act the Central Government hereby declares that the light of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And, further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands significant in the Government vests on this conferred Government vests on this conferred Gas Commission free from encumbrances.

 $S\ C\ H\ E\ D\ U\ L\ E$  Pipeline From Jnad to Jetana-1 GGS

	District & Taluka: Mehsana					
Survey No.	Hectare Are		Centi- are			
26		11	52			
25	0	03	00			
	26	26 0	26 0 11			

का० आ० 3435.—यतः, पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधि-नियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का० आ सं० 211 तारोख 7-1-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संल<sup>2</sup>न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलानों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और, यतः, सक्षम प्राधिकारी ने अक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपीर्ट दे दी हैं।

और, आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पक्ष्वात इस अधिसूचना से संल<sup>3</sup>न अनुसूची में विनि-दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनि-स्वय किया है।

अब, अतः अक्त अधिनियम की घारा 6 की अन्धारा (1) द्वारा प्रदत्त मिक्त का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिद्धित उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अजित किया जाता है।

और, आगे, उस धारा की अपधारा (4) द्वारा प्रदत्त गामितयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों मे उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैंस आयोग में, सभी वाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अमुसूची कूप नं० एस० डो॰ ए० डो॰ से मोटबान जी॰ सी॰ एस० तक पाइपे लाइन बिछाने के लिए

च किस्तु ह	٠	ਸਾਲਾਸਰ	क्रिश्ला—	-97 K T	ALTER'	अ कलेश्वर
7104	•	201 /1/1	ioliti.	41 4 4.	ALC: Tank	2) 1/14-14

	<u> </u>				
गांव		जिला	<b>है</b> क्टेअर	एक्षारई	सेंटीअर
रोहिद	292		0	07	80
	309		0	02	60
	292		0	04	55
	316		0	39	65
	326		0	50	70
			F 1 2		

[सं॰ ओ-12016/155/83-प्रोह्र]

S.O. 3435.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Petroleum S.O. 211 dated 7-1-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And, whereas, the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And, further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And, further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this section in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE
Pipeline From Well No. Sdad to Motwan GCS.
State: Gujarat District: Bharuch Taluka: Ankleshwar

Block No. Hectare Are			Cent- iare		
292	0	07	80		
309	0	02	60		
292	0	04	55		
316	0	39	65		
326	0	50	70		
	292 309 292 316	292 0 309 0 292 0 316 0	292 0 07 309 0 02 292 0 04 316 0 39		

[No. O. 12016/155/83-Prod]

## नई दिल्ली, 19 भन्तूबर, 1984

का.श्रा. 3436- यतः, पट्टोलियम ग्रीर खिनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के मिलिकार का मर्जन) मिलियम, 1962 (1962 का का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के मधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय, पट्टोलियम से विभाग की मिलियम का ग्रा.सं. 3620 तारीख 6-9-83 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस मिलियम से मंलग्न मनुसूची में विनिविष्ट भृमियों में उपयोग के भ्रधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए ग्रजित करने का मपना भाग्य मोषित कर विया था।

श्रीर, यतः, सक्तम प्राधिकारी ने उक्त श्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के शर्धःन सरकार को रिपोट दे के  $\mathbf{g}$ ।

ग्रीर, ग्रागे, यतः, केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विश्वार करने के पण्यात इस ग्रिष्ठसूचना से संलग्न ग्रानुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का ग्रिष्ठकार ग्राजित करने का विनिश्चय किया है।

ध्रव, श्रतः, उक्त धिक्षित्यम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त मृक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतवढ़ारा घोषित करती है कि इस ग्रधिसूचना में संस्थान श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का ग्रधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतढ़ारा ग्रजित किया जाता है।

श्रीर, धागे, उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती हैं कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के अजाय तेल और प्राकृतिक गैम श्रायोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस क्षारीक्ष को निहित होगा

मन<u>ृ</u>स्ची

एस.एन.बी.जी. से एस. एम.बी.जे. तक पाइपलाइन विछाने के लिए। राज्य: गुजरात जिला भीर तालुका: मेहसाणा

गोध	स नं	हैक्टेंयर	ए प्रार ई	सेन्टीयर
संयाल	644	0	. 02	16
	851/2	0	00	6:0
	851/1	0	07	92
	850	0	01	08
	854/2(2)	0	04	20
	854/1	0	11	40
	855	0	• • 3	80

[सं. 0-12016/104/63-प्रो**व**.]

## New Delhi, the 19th October, 1984

S.O. 3436.—Whereas, by notification of the Government of S. O. 3620 dated 6-9-83 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And, whereas, the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And, further, whereas, the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to the notification:

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And, further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall insted of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE
Pipeline from D.S. No. SNBG To SNBJ.

State : Gujarat	District &	t Taluk	a : M	lehsana
Village	Survey No.	Hec- tare	Are	Con-
Santhal	644	0	02	16
	851/ <b>2</b>	0	00	60
	851/1	0	07	92
	850	0	01	08
1	854/2(2)	0	04	20
•	854/1	0	11	40
	855	0	01	80

[No. O-12016/104/83-Prod.]

## मई विल्ली, 16 अक्तूबर, 1984

का॰ आ॰ 3437. — यतः, केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि सोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हर्ज रा — बरेली — जगवीशपुर पाइप लाइन तक पैट्रोलियम के परिवहनं के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग ढांरा बिछाई जानी चाहिए।

और, यतः, प्रतीत होता है कि 'एँसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदृहारा अनुसूची में बर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अजित करना आवश्यक है।

अतः, अत्र, पैट्रोलियम और खितिज पाइपलाइन (भूमि में जपयोग के अधिकारका अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आगय एतबद्वारा घोषित किया है।

कार्ते कि उक्त भूमि में हितबद कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग बी-58/बी, अलीगंज, सखनऊ-226020 यूपी, को इस बिस्थना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा। नौर ऐसा आक्षेप करने वाला हुर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कवन करेगा कि क्या यह पाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची हाजिरा-बरेली-जगदीशपूर तक पाइप लाइन बिछाने हेत्

जिला	त <b>ह</b> सील	परगना	भाम ग	गाटा	अजिस	क्षेत्र-
		•		सं.	फल ए	क इंमें
				1	0	03
जासोन	जालोम	जालोन	करतलापुर	2	0	37
				3	0	43
				4	4	60
				5	0	02
				11	0	02

[सं॰ 14016/33/84-जा॰पी॰]

### MINISTRY OF ENERGY

(Department of Petroleum)

New Delhi, the 16th October, 1984

S.O. 3437.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdispur in Ustar Pradesh State Pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And, whereas, it appears that lot the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipellne under the land to the Competent Authorty, Oil & Natural Gas Commission, H. B. J. Pipeline Project B-58/B Aligan, Lucknow (226020).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hazira—Bareilly—Jagdishpur Pipeline.

District	Tehsil	Pargana		Village Plot No.	
1	2	3	4	5	6
Jalaun -	Jalun	Jalun	Kartalapur	1	0.03
			-	2	0.37
				3	0.43
	-			4	0.60
				5	0.02
		•		11	0.02
			[No.	14016/3	33/84-GP]

का०आ०3438.--यतः, केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि होकहित में यह आवंप्रयक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगवीपापुर पाइप लाइन तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और, यतः, प्रतीत होता है कि एँसी लाइमों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदहारा अनुसूची में वर्णित मूमि में उपयोग में अधिकार अजित करना आवश्यक है। अतः अवं पैट्रोलियम और खिनिख पाइपलाइन (मूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) (अधिनियम, 1962) (1962 का 50) की धारा 3 की उपयारा (1) द्वारा प्रवस्त गिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आस्य एतवृद्वारा घोषित किया है।

बगर्ते कि उपन भूमि में हितबदा कोई व्यक्ति इस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप समझा प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-2260 20 यू.पी.को इस अधि- सूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

जौर ऐसा आक्षेप करने बाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टता यह भी कथन करेगा कि क्या यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसाई की मार्फेस।

अनुसूची हाजिला-बरेली-जगवीशपुर तक पाइव लाइन विछाने हेत

जिला	तहसील	पर्गना	गांव	गाटा सं.	<b>अ</b> जित फल ए	
1	2	3	4	5	(	3
जालीन	जासीन	जलीन	भिजीवा	19	0	03
	•			30	0	4:
		•		31	0	42
				32	0	20
				33	0	0
				34	0	1
				35	0	0.8
				39	0	02
				43	0	60
				44	0	7
				45	0	0 1
				49	0	02
				51	0	3 6
				53	0	0:
				54	0	78
				55	0	8 (
				56	0	4
				172	0	0
				173	0	2
				174	1	0
				176	0	0
		a.		168	0	0
				164	0	0
				165	0	1

सिं॰ O-14016/34/84-जी॰पी॰]

S.O. 3438.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, H. B. J. Pipeline Project B-58/B Aliganj, Lucknow (226020).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE
Hazira—Bareilly—Jagdishpur Pipeline.

District	Tchsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in Acre
1	2	3	4	5	6
Jalaun	Jalaun	Jalaun	Ghilava	19	0.03
				30	0.42
				31	0.04
				32	0.20
				33	0.03
				34	0.11
				35	0.08
				39	0.02
				43	0.60
				44	0.70
				45	0.01
				49	0.02
				51	0.36
				53	0.02
				54	0.78
				55	0.80
				56	0.45
				172	0.02
				173	0.21
				174	1.03
				176	0.03
				168	0.03
				164 165	0.02 0.15

[No. O-14016/34/84 GP]

का॰आ॰ 3439. - —यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रवेश में 'हुजीरा —वरेली → जगदीशपुर पाइपलाइन तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन सेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा विछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतवुद्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अजित करना आवश्यक है।

अतः अब पैट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (मूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) (अधिनियम, 1962) (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एसदृशरा चौथित किया है।

बणतें कि उक्त भूमि में हितबब कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्तम प्राधिकारी, तेल तथा प्राइतिक गैस आयोग बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-2260 20 यू.पी. को इस अधिसुचना की सारोख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्देष्टता यह भी कपना करेगा कि क्या यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो य किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

हारि	अनुसूची हाजिरा-बरेसी-जगदीशपुर तक पाइप लाइन बिछाने हेतु									
जिला	तहसील	परगना	ग्राम गरव	ासं. ऑ एकः	जत क्षेत्रफल में					
1	2	3	4	5	(	;				
—— जालीन	कोंभ	कोंच	नगेपुरा	37	0	0				
				33	0	04				
				34	1	26				
				43	0	95				
				40	0	03				
				44	0	02				
				45	1	20				
				47	1	02				
				48	0	39				
				49	0	01				
				50	0	30				
				51	0	30				
				52	0	03				
				58	1	75				
				57	0	01				
				56	0	40				
				55	0	15				

[सं O-14016/35/84-जी .पी.]

S.O. 3439.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission H. B. J. Pipeline Project B-58/B Aliganj, Lucknow (226020).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE Hazira-Bareilly-Jagdishpur Pipeline

District	Tehsil	Fehsil Pargana Villa <b>ge</b>		Plot No.	Area in acreas
1	2	3	4	5	6
Jalaun	Konch	Konch	Nagegura	37	0 03
				33	0 04
	•			34	1 26
				43	0 95
				. 40	0 03
•				44	0 02
<del></del> .				_ 45	1 20

		Contract of the Contract of th	CONTRACTOR OF THE PROPERTY OF THE PARTY OF T		عجب بين
1	2	3.	4	5 -	6
			-	47	1 02
-				48	0 39
				49	0 01
				50	0 30
				51	0 30
				52	0 03
				58	1 75
				57	0 01
				56	0 40
				55	0 15
			[No.	O-14016/35	/84-GP1

का०आ० ३४४० -- यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रवेश में हजिर-अरेलं:-जगदीशपुर पाइपलाइन तक पैट्रोलियम के परिक्हन के लिए पाइपलाइन तेल तथा

प्राक्तिक गैस आयोग द्वारा विश्वाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतवृक्षारा अनुमुची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अजित करना आवश्यक है।

अतः अब पैट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) (अधिनियम, 1962) (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अधिव करने का अपना आशय एतवृद्धारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबदा कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गीस आयोग बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-2260 20 गृत्पी० को इस अधिसूचना की तारंख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिदिष्टता यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की 'माफंत ।

हाजिरा-अरेली-अगदीशपूर पाइप लाइन विछाने हेतू

জিলা	तहसील	परगना	ग्राम		स क्षे १कड़	
1	2	3	4	5		6
झांसी	— झांसी	मांसी	डंगरवाहा	927/3	0	30
				929	0	.0.5
				930/2	1	7 1
				933	0	80
				934/2	1	07
				943	0	17
				945/3	0	16
				946/1	0	34
				948	0	0:
				1108	0	0 2
				1109/1	0	20
				1109/3	0	60
				1113	0	3 :
				1114/2	0	1
				1115/1	0	2
				1116/2	0	5

1	2	3	4	5		6	S.O. 34	40.—Wherea	as it appear n the publi	s to the C	entral that f	Government or the trans-
मांसी	— मांसी	 झासी	<u>डंगरवाहा</u>	1118	0	78	port of i	petroleum	from Hajir	a-Bareilly	to Ja	gdishpur in by the Oil &
			_	1119	0	03		desii State Jas Commis		amound of	141(1 1	ly the On Se
				1124/1	0	06	And w	hereas it app	ears that fo	or the pur	pose o	f laying such
			١	1135	0	30		it is necessaribed in the				f user in the
				1136/10	0	80					-	erred by sub-
				1137/1	0	30	section (1	l) of the Se	ction 3 of	the Petro	leum :	and Minerals e Land) Act,
				1138/2	0	90	1962 (50	of 1962), t	he Central	Governme	nt he	reby declares
				1139	0	12		lon to acquir				
				1140	0	06	Provide within 21	ed that any	person inte	rested in	the sa ification	id land may, on, object to
				1141/1 $1142/1$	0	60 15	the laying	of the pip	eline under	the land	to th	<ul> <li>Competent</li> </ul>
				1143	0	70	Authority, Project B	. Oil & Nati -58/B Aliga	urai Gas nj, Luckno	ommission w (226020)	, H. I ),	3. J. Pipeline
				1143	1	94						all also state
				1146/1	0	02	specificall legal prac		ie Wishes to	be hear	d in	person or by
				1147/1	0	27	togat place	V 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	SCHED	III E		
			•	1369/2	0	10	I	NDEX FOR			AS PT	PE LINE
				1439/1	1	75	District	Tehsil				
				1442/2	0	60	District	1 CASH	Pargana	viitage	No.	Area acquired in acres
				1441	0	0.5			<del>_</del>	·		
				1445/2	0	01	1	2	3	4	5	6
				1446	0	60	Jhansi	Jhansi	Thansi	Dangar	- 927/3	0.30
				1448	0	25		<b>V</b>		waha	929	0.05
				1449	,0	0.5					930/2	
				1450/1	0	45					933	0.80
				1451/1	0	45			٤		934/2 943	1.07 0.17
				1462	0	02					945/3	
				1464/2	0	02					946/1	
				1515	0	47		ņ,			948	0.03
				1517	0	65		•			1108	0.02
				1535	1	90					1109/ 1109/	
				1536	1	00					1113	0.32
				1537	0	08					1114/	
				1538	0	80					1115/	
				1539	0	18					1116/	
				1646	0	15					1118 <sub>,</sub> 1119	0.78 0.03
				1547	0						1124/	
				1549/1	2						1135	0.30
				1550/1	0						1136/	10 0.80
				1559	1						1137/	
				1560/1	0	10					1138/ 1139	2 0.9 <sub>0</sub> 0.12
				1648/2	0	03					1140	0.12
				1649/1	1						1141/	0.60
				1651	0					•	1142	0.15
				1655	0				-		11/2	0.70
				1658	0					-	1143 1144/	
				1659	0						1146	
				1661	0						1147	0.27
				1369/2	0				,		1369	
				1463	0						1439/	1 1.75
				1589/1	0						1442	/2 0.60
				1657/1	0						1441	0.05
				1660	0						1445	0.01
				1663/2	0	0 1					1446	
			,		0						1446 1448 1449	0.25

<del></del>		<del></del> _		_=	<del></del>
1	<sup>2</sup> <u>.</u>	3	4	5	6
Jhansi	Jhansi	Jhansi	Dangar-	1451/1	0.45
	•		waha	1462/	0.02
				1464/2	0.02
				1515	0.47
				1517	0.65
				1535	1.90
				1536	1.00
				1537	0.08
				1538	0.80
				1539	0.18
				1546	0.15
				1547	0.75
				1549/1	2.59
				1550/1	0.04
				1559	1.42
				1560/1	0.10
	,			1648/2	0.03
				1649/1	1,10
				1651	0.95
				1655	0.15
				1658	0.45
				1659	0.90
				1661	0.15
				1369/2	0.40
				1463	0.10
				1589/1	0.01
				1657/1	0.0
				1660	0.07
				1663/2	0.0
				1668	0.03

[No. O-14016/37/84-GP]

का. था. 3441 यतः केग्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तरप्रवेश में हणीरा~बरेली-जगदीशपुर पाइपलाइन तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैंस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि एँसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुद्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अजित करना आवश्यक है।

अतः अब पैद्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) '(अधिनियम, 1962) (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एत्युद्वारा घोषित किया है।

बगर्ते कि उनत भूमि में हितयद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-2260 20 यू.पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर मंकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्विष्टता यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुमवाई व्यक्तिगत हो या किसी विक्रि व्यवसायी की मार्फत ;

		अ:न <u>ु</u> भून	fī			
जिला		परगना	ग्राम	गाटा सं.	लिया क्षेत्रफ एकड्	ल
हटावा	वीरैया		फरीदपुर	124	1	28
				126	0	08
				127	0	86
				129	1	15
				142	0	08
				143	0	16
				144	0	30
			योग	7		एकड़/ 80 <b>ह</b> .
~					20/043	

[सं. O-14016/39/84-जी.पी.]

S.O. 3441.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hazira in Gujrat State to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, H. B. J. Pipeline Project B-58/B Aliganj Lucknow, U.P. (226020);

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

#### **SCHEDULE**

District	Tehsil	Pargana	Viillage	Plot No.	Area Taken
1	2	3	4	5	6
Etawah	Auralya	Auraiya	Farid-		
			pur	124	1.28
				126	0.08
				127	0.86
				129	1.15
				142	0.08
				143	. 0.16
				144	0.03
		Total		7	3.91
					1.580
					H.

का. आ. 3442— यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि शोकहित मैं यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा—बरेली— अगरीशपूर पाषपलावन तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पावपलावन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जीनी चाहिए।

भीर यतः प्रतीत होता है कि एसी लांडमों को बिछाने के प्रयोजन केलिए एतवद्वारः अमुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अख्यि करना आवश्यक है।

अता अब पैद्वोलियम और खनिज पाइपलाइम (सूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) (अधिनियम, 1962) (1962 का 50) की खारा 3 की उपयोग (1) द्वारा प्रवत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना साक्षय एतच्छारा घोषित किया है।

बशारों कि एक्त भूमि में हितबक्क कोई व्यक्ति उस भूमि के मीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सकाम प्राधिकारी, तेल सथा प्राकृतिक गैस आयोग बी-58/बी, जलीगंज, लखनऊ-2260 20यू.पी.की इस अधिसूचना की तारीक से 21 विन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसी आसीप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्विष्टता यह भी कथन करेंगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

		भनुस्	चा			
जिला	तहसील	' परगमा	ग्राम	गाटा सं .	लिया क्षेत्रप एक क्	
1	2	3	4	5		6
<b>इंटा</b> बा	ंअरिया	औरैया	भरतपुर	1	0	1
				4	0	58
				5	0	9
				7	0	03
				11	0	38
				62	0	7:
				63	0	0.1
				64	0	0
				65	0	4:
				66	0	5
				67	0	21
				68	0	0;
				12	0	01
				17	, 0	0
				69		36
				योग 1		. 38/ 73 <b>t</b>

S.O. 3442.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hazira in Gujarat State to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the

Land) Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the Said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission. H. B. J. Pipeline Project B-58/B Aliganj Lucknow, 225020 U.P.;

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

		Anne	ture		
District ·	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area takon in acres
1	2	3	4	5	6
Etawah	Auraiya	Auraiya	Bharat-	1	0.13
	_	. •	pur	4	0.58
			•	5	0.92
				7	0.03
				11	0.38
				62	0.73
				63	0.01
				64	0.01
				65	0.42
				66	0.55
				67	0.21
				68	0.03
				12	0.01
				17	0.01
				69	0.36
	Tot	al		15	4.38
					1,773 H
			[No. O-	14016/40	0/84-G. P.

का. आ . 3443—यतः केल्बीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगवीशपुर पाइप लाइन तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा निष्ठाई जानी चाहिए।

और यतं: प्रतीत होता कि एँसी लाइनों को बिछाने का प्रयीक्षण के लिए एतव्हारा असुसूची में बींगत भूमि में उपयोग का अधिकार अजित करना आवश्यक है।

अतः अवं पेंट्रेलियम और खेनिज पाइएंसाइन (शूम में उपयोग के अधि-कार का अर्जन) (अधिनियम 1962) (1962 का 50) की घारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गिलियों का प्रयोग करते हुए केखीय संस्कार ने उस में उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आग्रय एसबुद्वारा भोषित किया है।

बगलों कि उनत भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आओप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्रावृत्तिक गैस आयोग बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू.पी. को इस अधिस्थान को तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने धाला हर व्यक्ति विनिधिष्टता यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई यक्तिगत हो या किसी विश्वि व्यक्तायी की मार्थक ।

योग

		re	Annexu				अनुसूची						
Area taken i ares	Plot No.	Village	Pargana	Tehsil	trict	बरण	लिया त्रफल वि पंकाइ	गाटा सं . सं	ग्राम	पर्गना	तहसील	.————————————————————————————————————	
6	. 5	4	3	2	1	<b>6</b>	<u> </u>	5		<u></u>	2	1	
		Kakha-	Auraiya	Auraiya	wah	09	0	21	वखाबसू		 औरैया		
	21	vatu				94	1	17	4-14		जारना	टा <b>वा</b>	
	17						0	42					
	42 44					24							
	33					15	0	44					
	54					14	0	33					
	65					11	0	54					
	66					03	0	65					
	77					78	0	66					
	83					02	0	77					
	- 82		_			59	0	83					
	84	-				01	0	82					
	80					23	0	84					
	79			•	1								
	90					57	0	80					
	91 92					35	0	79					
	133					07	0	90					
	134					86	0	91					
	142					12	0	92					
	135					03	0	133					
	143					44	1	134					
	131					01	0	142					
	148					02	0	135					
	124					19	0	143					
	123												
	120					22	1	131					
1 0.2	121					13	0	148					
8 11.3	28			lotal .		02	0	124					
0 11,3	40			LOIGI		53	1	123					
40591 I						24	0	1 20					
6/45/84-G.P	140451	I No. O				21	0	121					

[तं O-140 16/45/84-जी ०पी ०]

28

11. 34/

4. 891 हैक्टर

S.O. 3443.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hazira in Gujarat State to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, H. B. J. Pipeline Project B-58/B Aligani Lucknow, 226020 U.P.;

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

का.आ. 3444.—यतः केन्द्रीय स<sup>र</sup>कार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा—वरेली—जगदीशपुर पाइपलाइन तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन सेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा विछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइमों को विश्वामे के प्रयोजन के लिए एतव्हारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अजित करना आवस्यक है।

अतः अब पैट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) (अधिनियम, 1962) (1962 का 50) की धारा 3 की उपघारा (1) द्वारा प्रवत्त समितयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आश्रय एत्वृद्वारा वोधित किया है।

क्यांतें कि उपत भूमि में हितकद कोई व्यक्ति उस भूमि के धीचे पाइप लाइन विछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-2260 20 यू॰पी॰ को इस अधिसूजना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वालाहर् व्यक्ति विनिर्दिष्टता सह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसीयी की मार्फता।

		अ <b>नुसू</b>	भी					Anne	gure		
जिला	तहसील	पश्गना	ग्राम	गाटा सं०	लिया गया क्षेत्र फल एकड़ में	District	Tehşil	Pargana	Village	Plot No.	Area taken in acres
इटावा	और या	औरैया	रदीली	34	0.28	1	2	3	4	5	6
				35	0.55	Etawah	Auraiya	Auraiya	Rudauli	34	0.28
				36	0.02					35	0.55
				44	0.01		٠			36	0,02
				45	0.54					44	0.01
				46	1. 34					45	0.54
										46	1.34
				47	0.64					47 48	0.64 0.02
				48	0.02	•				50	1.46
				50	1.46					261	0.02
				261	0.02					248	0.04
				248	0.04					247	0.59
				247	0.59					245	0.13
				245	0.13					249	0.46
				249	0.46					254	0.02
				254	0.02					231	0.40
				231	0.40					230	0.13
				230	0.13					<b>22</b> 8 <b>2</b> 73	0.67 0.03
										225	0.16
				228	0. 67					226	0.24
	1			273	0. 03					224	1.63
				225	0.16					215	0.03
				226	0.24					207	0.11
				224	1.63					206	0.70
				215	0.03					203	0.9
				207	0.11					204	
				206	0.76					201	0.02
				204	0.91					253	0.0
				203	0.39		Total			30	11.6
				201	0.02	•					A 700
				253	0.01				[Ño. (		4.700 H

[No. O-14016/46/84-G.P.]

[सं. O-14016/46/84-जी.पी.]

30 収率導 11.61/

हेक्टैयर 4,700

S.O. 3444.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hazira in Gujarat State to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

कुल योग

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, H. B. J. Pipeline Project B-58/8 Aliganj Lucknow-226020, U.P.;

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

का. धा. 3445 .----थतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह धावश्यक है कि उत्तरप्रवेश में हुजौरा-बरेली-जगवीशपुर पाइप शाइन तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपशाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस धायोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

बौर यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को विछाने के प्रयोजन के किए एतद्वारा बनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का ब्रधिकार बर्जितू करना बावस्थक है।

सतः स्रव पट्टोलियम सौर खनिज पाइपसाइन (सूमि में उपयोग के प्रधिकार का सर्जन) (शिक्षिनियम, 1962) (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त गनित्रयों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उस में उपयोग का प्रधिकार प्रजित करने का भपना शाशय एतव्हारा घोषित किया है।

क्यार्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस सूमि के मीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए भ्राक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राइतिक गैस मायोग बी-58 बी, मलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस मधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

भौर ऐसा भाक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टता यह भी कथन करेगा कि भ्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यक्सायी की मार्फत ।

			<b>प्रमुस्</b> ची				within 21	that any p	the
जिला	तहसील	परगना	प्राम	गाटा सं.	लिया		Authority,	ng of the pi Oil & Nat	ural
					धी.	<b>फ</b> .		t B-58/B A	
					एकड़	में —————	state speci	ery person fically when	her .
प्रठावा	भीरया	भौरया	औरा	411		0.05	or by lega	l practition	
				423		0.30	<del> :</del>	<del></del>	
				424		0.02	District	Tehsil	Pa
				427		0.39	-	- ,	
				428		0.32	1	2	
				429		0.32	<del></del>	<del></del>	
				430		0.22	Etawah	Ayraiya	Αu
				431		1.39	0		
				439		0.01			
				450		0.01	-		
				451		0.53			
				452		0.01	•		
				458		0.36			
				459		1.08			
				461		0.10		-	
				466		0.01			
				478		0.57	-		
				480		0.49 .			
				481		0.02		-	
				482		0.23			
				483		0.09			
				486		0.01			
				487		0.50			
				488		0.60	,		
				494		0.66			
				510		0.01			,
				513		1.20			
				539		1.04		-	
				538		0.12			
				546		0.20			
				547		0.57			
				548		1.60			
				556		0.01			•
			यौग 3 3	13,04/	5.279	₹.		Total:	
				 14016/47/:	o 1 <del></del>	पी.]	,	TOTAL :	
			[" \ <del>-</del>	7 = 0 1 Ol # 1/	o- <u>4</u> —чі.	11 · J			

S.O. 3445.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hazira in Gujarat State to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, H. B. J. Pipeline Project B-58/B Aliganj Lucknow, 226020 U.P.;

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

		Annexu	TĈ		
District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area taken it acres
1	2	3	4	5	6.
Etawah	Auraiya	Auraiya	Jaura	411	0.0
				423	0.30
				424	0.02
				427	0.39
				428	0.32
				429	0.32
				430	0.22
				431	1.39
				439	0.01
				450	0.01
	-			451	0.53
				452	0.0
				458	0.30
				459	1.0
	_			461	0.10
				466	0.0
				478	0.5
				480	0.49
				481	0.02
				482.	023
,				483	0.0
				486	0.0
			•	487	0.5
		•		488	0.6
				494	0.5
	_			510	0.0
				513	1.20
				539	1.0
				538	0.13
				546	0.0
				547	0.5
		•		548 556	1.60 0.0
	Total:			33	13.0
				22	5.279 H

[No. O-14016/47/84-G.P.]

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों की विद्याने के प्रयोजन के लिए एतव्हारा मनुभूषी में वर्णित भूमि में उपयोग का मधिकार भर्जित करना मावस्यक है।

मंतः संव पेंट्रेलियम मौर खेलिक पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के सिधकार का मर्जन) (अधिनियम, 1962) (1962 का 50) की खारा ३ की उपयोग (1) द्वारा प्रवस किन्तमों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आश्राय एतबुद्वारा ओबित किया है।

बगतें कि उक्त भूमि में हितबब कोई व्यक्ति उस भूमि के तीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए माक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस धायोग बी-58 बी, मलीगंज, लखनऊ-226020, यू. पी. को इस प्रधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

भौर ऐसा भाक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिधिष्टतथायह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसाई की मार्फत ।

भनुसूची

सहसील <b>भौरै</b> या	परगमा भौरेया	ग्राम माल् <b>रेपुर</b>	गाटा सं . 40 41 42 51 53 145 147 148 149 150 154	「
भौरैया	भौरेया	माल्हेपुर	41 42 51 53 145 147 148 149	0.75 0.08 0.33 0.63 0.03 0.65 0.25 0.20 0.32
घारया	भारमा	मा <i>ल्ह्</i> पु र	41 42 51 53 145 147 148 149	0.08 0.33 0.63 0.03 0.65 0.25 0.20 0.32
			42 51 53 145 147 148 149	0.33 0.63 0.03 0.65 0.25 0.20 0.32
			51 53 145 147 148 149	0,63 0,03 0,65 0,25 0,20 0,32
			53 145 147 148 149	0,03 0,65 0,25 0,20 0,32
			145 147 148 149 150	0,65 0,25 0,20 0,32 0,32
			147 148 149 150	0.25 0.20 0.32 0.32
			148 149 150	0.20 0.32 0.32
			149 150	0.32 0.32
			150	0.32
			154	
				0.80
			169	0.08
			170	0.04
			178	0.80
			179	0.01
			180	0.51
			181	0.18
			182	1.37
			260	0.36
			171	0,12
			261	1, 32
			262	0.0
			263	0.73
			264	0.30
			265	0,0
				2.1
				0.0
				0.10
				0.10
				0.0
				1,3
				0.0
				0.0
				1.7
				1.0
				0.8
		_		0.1
				266 267 279 257 258 259 282 283 289 291 292 293 योग: 37 17.44/

S.O. 3446.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hazira in Gujrat State to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, H. B. J. Pipeline Project B-58 B Aliganj Lucknow, U.P. (226020);

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Annexure

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area taken in acres
1	2	3	4	5	6
Etawah	Auraiya	Auraiya	Malhe-		
			pur	40	0.75
		•		41	0.08
				42	0.33
				51	0.63
				53	0.03
				145	0.65
				147 148	0.25 0.20
				149	0.20
				150	0.32
				154 169	0.80
				170	0.04
				178	0.8
				179	0.0
				180	0.5
				181	0.1
				182	1.3
*				260	
				171	
				261	1.3
				262	
				263	
				264	0.0
				265	0.0
				266	<b>2</b> .1
				<b>2</b> 67	
				279	
				257	
				258	
				259	
				282	
				283	
				289	
				291	
	1			292	
				293	0.1
			Total	. 37	17.4

Total:

37 17.44

7.061 H.

[No. O-14016/48-/84-G.P.]

का0 मां0 3447.--यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह भावश्यक है कि उत्तर प्रवेश में हजीरा-बरेली-जगवीशपुर पाइपलाइन तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस भायोग द्वारा विछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को विद्याने का प्रयोजन के लिए एतवृद्धारा धनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोगका छिषकार प्रजित करना धावस्थक है।

मतः ग्रंथ पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के प्रधिकार का ग्रंजैन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदंत शिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार प्रजित करने का अपना ग्राणय एतवृद्वारा घोषित किया है।

बसर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति भूमि के नीचे पाइपद्याइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारों, तेल तथा प्राकृतिक गैस धायोग बी-58/बी भलीगंज, लखनऊ-226020, गू०पी० की इस प्रधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

भीर ऐसा भाक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्विष्टता यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसाई की मार्फत ।

घनुसूची

जिला	तहसील	पर. ग्राम	गाटा सं 0	लिया गया क्षे 0
			,	फ0 एक ड्रमें
इटावा	मोरैया	ग्रानेपुर	256	0.95
;			258	●.20
			259	●. 18
			250	0.20
			203	0.03
			264	0.01
			265	0,01
			266	0.30
			267	0.30
			268	0.30
			269	0.20
			270	0.01
			271	0.01
			284	0.01
			285	0.01
			286	0.01
			287	1.60
			294	0.01
			296	0.03
			299	0.03
			324	0.50
			326	0.89
			329	0.05
			292	0.02
	-			
		•	योग 24	5.86/2.372 हेक्टर

[सं. का.-14016/49/84-जी. पी.]

S.O. 3447.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hazira in Gujrat State to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, H. B. J. Pipeline Project B-58/B Aliganj Lucknow, U.P. (226020);

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner,

#### Annexure

District	Tehsil	Pargana Village	Plote No.	Area taken in acres	
Etawah	Auraiya	Auraiya	Aneypu	ır 256	0.95
				258	0.20
				259	0.18
	,			250	0.20
				263	0.03
				264	0.01
				265	0.01
				266	0.30
				<b>2</b> 67	0.30
				<b>2</b> 68	0.30
				269	0.20
				270	0.01
				<b>27</b> 1	0.01
				284	0.01
				285	0.01
				286	0.01
				287.	1.60
				294	0.01
				296	0.03
				299	0.03
				324	0.50
				326	0.89
•				329	0.05
		-		292	0.02
	Tot	tal:		24	5.86/ 2.372
•					Hector

[No. O-14016/49/84-GP]

का. आ. 3448:—थतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर पाइपलाइन तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस भायोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

भीर यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा भनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का प्रविकार भजित करना भावश्यक है ।

Hactare

मतः मब पेट्रोलियम भौर खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के मधिकार का मर्जन) मधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपवारा (1) द्वारा प्रदश्त मिक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का मधिकार मजित करने का प्रपना माशय एतंब्रुकारा भोषित किया है।

बगर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप-लाइन बिछाने के लिए धाक्षेप सक्तम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक भाषोग बी-58/बी, भलीगंज, लखनऊ-226020, यू०पी० को इस भधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

भीर ऐसा भाक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टता यह भी कवन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसाई की मार्फेत।

877	
717	941

जिला	तहसील	पर०	ग्राम		गाटा स्०	लिया गया क्षे०फ०एकड् में
इटावा	<b>पं</b> \रैया	मौरैया	खरका		480	1,44
					484	0,43
					508	1.63
					509	0,22
					<b>510</b>	1.09
					561	0.35
					522	0.74
				योग :	7	5.90/2.389 <b>है</b> क्टर

[सं.O-14016/50/84-जी०पी०]

S.O. 3448.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hazira in Gujrat State to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, H. B. J. Pipeline Project B-58/B Aliganj Lucknow, 226020 U.P.;

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

975 GI/84-8

		Annext	ıre		
District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area taken in acres
1	2	3	4	5	6
Etawah	Auraiya	Auraiya	Kharka	480	1 .44
				484	0.43
				508	1.63
				509	0.22
				510	1.09
				561	0.35
				522	0.74
		. 1	- Cotal :	7 \$4	.90/2.389

. - . .

[No. O-14016/50/84-G.P.]

का. मा. 3449:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह भावश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगवीशपुर पाइपलाइन तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस भायोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

भौर यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को विद्याने का प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का मिक्कार प्रजित करना भावश्यक है।

मतः मन पेट्रोलियम भौर खनिज पाइपलाइन (मूमि में उपयोग के मिश्रकार का मर्जन) मिश्रिनियम, 1962 (1962 का 50) की घारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का मिश्रकार मजित करने का मपना मानय एतंब्द्वारा घोषित किया है।

बार्त कि उक्त भूमि में हिनबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप-लाइन बिछाने के लिए घाक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस भायोग थी-58/बी भलीगंज, लखनऊ~226020, यू.पी. को इस प्रधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर, कर सकेगा।

भौर ऐसा भाक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टता यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसाई की मार्फत ।

धनुसूची

जिला	तहसील	परगना	ग्राम नाम	गाटा		क्षेत्रफल	
				संख्या	बीचा	बिस्वा	विष
1	2	3	4	5	6	۸	
——— कानपुर	 कानपुर	कानपुर	सैन पश्चि	1म		<u> </u>	
शहर	सहर	शहर	पारा	1301	0	3	10
				1302	4	0	0
				1303	. 0	1	5
				1304	0	7	5
				1305	1	2	0
				1306	0	0	10
				1307	0	7	12
				1308	0	15	12
				1320	0	.5	8

1	2	3	4		5	6				SCHEDUI	LE				
			1347	0	13	0	District	Tehsil	Parga	na Village name		Gata No.		Аге	а
			1348 1350	1	1	7		i				Big -ha	-	Bisw	an
			1363 1365	0	17 1	10 0	<u> </u>		3	<del></del>		5		6	—
			1366	0	18	0	Kanpur	Kan-	Kan-	Sainpa-		301	0		1
			1375	0	2	0	city	pur	pur	schhaim		1001	U	,	1
			1379	0	1	16		city	city	Para					
			1388	1	5	0						302	4	0	
			1389	0	8	0						1303	0	1	
			1390	1	7	0				•		1304 1305	0 1	7 2	
			1453	1	17	0						1306	0	0	1
			1454	0	17	0						1307	0	7	1
			1455	0	9	1 0						1308	0	15	1
				0	1	0						1320	0	5	
			1456	0	2	0						1347		13	
			1457		5	0						1348 1350	1	4	
			1462	1 ,	8	0						1363	0	17	1
			1468	0								1365	0	1	
			1469	0	11	0						1366	0	18	
			1470	0	1	6						1375	0	2	
			1471	1	6	8						1379 1388	0 1	1 5	1
			1482	0	4	0						1389	0	8	
			1483	0	1	0						1390	1	7	
			1484	0	11	10				,		1453	1	17	
			1485	1	11	0						1454	0	17	
												1455	0	9	1
			किता 34	24-	7-9 41 	12-34 एकड़						1456 1457	0	1 2	
												1462	1	5	
												1468	0	8	
			सिं∘ О-1	4016	51/8	4 –जी० पी०]						1469	0	11	
			į <b></b>		, - ,	- ·· · · ·						1470	0	1	
												1471 1482	1	6 4	
0.0	0.1.10 TT				Ø4:	1						1483	0	1	
						al Govern- hat for the						1484	0	11	1
transpor	rt of petro	oleum fro	m Hazira	to E	arcilly	Jagdishpur						1485	1	11	•
			Pradesh Sta I Gas Con			should be					— Kitta	34	24	7	_
tain by	TITE OIL C	տ 1∡α≀ուկ	i Gas Coll	тптізд	ЮΠ,							-		Or	
A n/l	mhereog it	unne0r	that for t	h	urnosa	of laving							12	-34	acı

[No. O-14016/51/84-G.P.]

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission H. B. J. Pipeline Project B-58|B-Aliganj Lucknow, 226020 U.P.:

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

का. आ. 3450.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा—बरेली—जगवीशपुर पाइप लाइन तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को विछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अस पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपयारा (1) द्वारा प्रवक्त शिक्तरों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना धाशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

शिवाय का	[—— <b>6</b> [0\$	3 (11)]					भारतकारा	गपन्नः नवस्थारः :	3; 1984	काशक	12, 190	06 ,			3193
			में हितबब शुक्रोप			मूमि तेल तथा	⇒ के नीचे प्राकृतिक	1	2	3	4	5		6	
						यू. पी.						986	. 0	2	0
			2.1 विजन				,					987	0	4	1
							>.					988	0	1	0
						विष्टता यह						989	0	2	11
				उसकी मृ	नवाई व्य	पक्तिगत हो	या किसी					990	0	9	. 0
विधि र	ध्यवसाई ।	की मार्फत	1									993	0	2	0
												999	0	4	16
			अनुः	मूची								1001	0	3	16
जिना	nathr.	परगना	<b>3</b> 70 770	गाटा सं	,	 क्षेत्रफल						1420 1421		1 17	16 0
1जसा	06414	परमम	חות חווי	गाटा स								1422		17	0
					बीघा	विस्वा	ॉब, ———.					976	0	0	16
1	2	3	4 '	5	1	6						979.	0	3	12
कानपुर	कानपुर	कानपुर	अहिरवा									1423	0	3	0
गहर	महर	शहर										1424	0	9	0
	(सवर)			67 <b>5</b>	0	9	4					1425	0	4	16
	( , - )			696	0	14	8					1426	0	14	15
				697	0	1	15					1428	0	2	16
				698	0	8	n					1429	0	14	16
				701	0	17	10					1432	0	15	0
				702	0	8	0					1433	0	0	16
				712	0	2	5					1440	0	14	17
				713	0	2	4					1441	0	3	6
	-			714	0	10	0					1455	0	3	5
				717	0	11	6					1456	0	19	15
			-	718	0	2	0					1457	0	14	0
				719	0	6	. 0					1458	0	0	10
				726	0	16	0					1459	0	9	0
				728	0	1 I	5					1460	1	4	0
				729	0	17	0					1461	0	4	0
				763	0	6	10					1475	0	18	0
				764	0	4	16					1476	0	3	7
				765	0	6	10					1477	0	1	0
				787	0	2	16					1478	0	6	0
				818	0	15	0					1479	0	5	2
				819	0	3	0					1480	0	15	0
				823	0	18	18					1045	0	6	10
				828	0	5	oʻ					1046	0	2	8
				829	0	10	11					1047	0	6	10
				838	0	15	0					692	0	1	10
				843	0	10	14						<del>_</del> _		
				844	0	10	0						31	17	18
				851	e	15	0					गाटा		या	
				852	0	1	0						16		
				855	0	13	2							15 एकड	
				948	0	10	0					[₦. O-	1401	6/52/84- <b>ज</b> ी	ा. पी. ]
				949	0 '	1	10	** -	4.50	, JL	_ :-		, la	C-241 4	~
				974	0	2	10	ment (ha	t it is	necess	ary in	the public	e inte	Central (	for the
				975	0	5	0	transport	of pet	roleun	n from	Hazira	to Ba	ireilly Jag	dishpur
				980	0	18	0	Pipeline laid by t	Project the Oil	an U	uar Pra atural (	adesii Sta Gas Com	missio	peline sho on;	Julia DE
				981	0	3	4	_							lavina
				982	0	4	0	such pipe	line, it	is nec	pears n	to acquire	e the	urpose of right of	user in

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedele annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and

3196	THE	GAZE	TTE OF	INDIA:1	ОИ	VEN	1BE
Land) Act	t, 1962 (	(50 of	ition of R 1962), the on to acqui	Central	Gov	егпп	nent
within 21	days fro	m the	interested i	is notifica	ation	ı, ol	oject
Authority,	Oil & N	'atural (	under the I	ssion, H.	В. '	J. F	
And eve state speci	ry persor fically wh	n makin ether h	d Lucknow, ug such an e wishes to	objection	a c	all	also rson
or by lega	l practitio	oner.	SCHEDU	LE -			_
D istrict	Tehsil	Pargar	na Village	Gata No.	A	геа	- <b>-</b>
					В.	В.	В.
1	2	3	4	5		6	
Kanpur City	Kan- pur	Kan pur	Ahirwan	675	0	9	4
	city	city		coc	^	1.4	o
			• .	696 697	0	14	8 15
				698	ŏ	8	0
				701	0	17	10
				702 712	0	8	0 5
				713	0	2	4
				714	0	10	0
				717 718	0	11	6 0
				719	0	6	ő
				726	0	16	0
				728	0	11	5
				729 763	0	17 6	0 10
				764	ō	4	16
				765	0	6	10
				787 818	0	2 15	1 <sub>6</sub>
				819	0	3	0
				823	0	18	18
				828	0	5	0
				829 838	0	10 15	11 0
				843	Ö	10	14
				844	0	10	0
				851	0	15	0
				852 855	0	1 13	0
				855 948	0	10	· 6
				949	0	1	10
				974	0	2	10
				975	0	8 18	0
				980 981	0	3	4
				982	0	4	0
				983	0	1	12
			,	984 985	0	4 18	1 0
				986	Õ	2	ő
				987	0	4	1
				988	0	1	0
				989 990	0	2 9	11 0
				993	0	2	
				999	0	4	16
		_		1001	0	3	16

/84/KA	KIIKA 1. 	2, 1900 	[PA]	RT 11	DEC:		(II).
1	2	3	4	5		6	
				1420	0	1	16
ı				1421	0	17	0
				1422	0	17	0
-1				976	0	0	16
74				979	0	3	12
				1423	0	3	0
				1424	0	9	
				1425	0	4	
				1426	0	14	15
				1428	0	2	16
				1429	0	14	16
				1432	0	15	0
				1433	0	0	16
				1440	0	14	17
				1441	0	3	6
				1455	0	3	5
				1456	0	19	15
				1457	0	14	0
				1458	0	0	10
				1459	0	9	0
				1460	1	4	0
				1461	0	4	0
				1475	0	18	0
				1476	0	3	
				1477	0	1	0
				1478	0	6	0
				1479	0	5	2
				1480	0	15	0
				1045	0	6	10
				1046	0	2	8
				1047	0	6	10
				692	0	1	10
				80	31	17	 18
				Kitta		Or	_
					16		acre
<u> </u>			[No	o. O-1401	16/52	/84-	GP]

का. मा. 3451.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह भावश्यक है कि उत्तर प्रवेश में हजीरा—अरेली—अगदीशपुर पाइप लाइन तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस मायोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

ग्रीर यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को खिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्दारा ग्रनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का भ्रधिकार ग्राजिस करना भावश्यक है।

मतः अब पेट्रोलियम भौर खिविज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के मिर्मिकार का मर्जन) (मिर्मिनियम, 1962) (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का मिर्मिकार भीजित करने का मध्यम एतव्वारा घोषित किया है।

बगरों कि उक्त भूमि में हितश्रद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए प्राक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस प्रायोग बी-58/बी, प्रलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस प्रधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

भौर ऐसा भाक्षेप करने नाला हर स्थक्ति विनिर्विष्टता यह भी कथन करेगा कि क्या वह काइता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसाई की मार्फत ।

<b>प्र</b> नुसूची											
जिला	तहसील	परगना	ग्राम का	गाटा		क्षेत्रफल					
		.——	नाम	संख्या	बीषा	बिस्वा	वि०				
1	2	3	4	5		6					
कानपुर	कानपुर	कानपुर	कटरी	-		,					
<b>शहर</b>	(सदर)	शहर	जाना	46	3	17	0				
				47	1	6	0				
				48	0	1.5	0				

3 किला 5-18-0 या 2-99 एकड़

[सं. 0-14016/53/84-जी. पी.]

S.O. 3451.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hazira to Bareilly Jagdishpur Pipeline Project in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, H. B. J. Pipeline Project B-58/B Aliganj Lucknow, 226020 U.P.;

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## **SCHEDULE**

District	Tehsil	Pargana	Village name	Gat	a No.	<b>A</b> r	ea	Bigʻ
			·	<b>B</b> r	igha	Bi	swa	nsi
1	2	3	4		5		6	
Kanpur city	Kanpur city	Kanpur city	Katri	Jana	46	3	17	0
	(Sadar)	-			47	1	6	0
					48	0	15	0
				3	Kitta	5	18 O	
						2	99	acre
			·	[No. (	D14016	5/ <b>5</b> 3/	84-	— G.P.]

का. मा. 3452.—यतः केन्द्रीय सरकारको यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह मावश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर पाइपलाइन तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल सथा प्राकृतिक गस मायोग द्वारा विद्याई जानी चाहिए।

भौर यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतव्दारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का प्रधिकार शर्जित करना आवश्यक है। भतः धन पेद्रोलियम भीर खिनिज पाइपलाइन (भूमि में खपयोग के सिक्षकार का मर्जन) मिनियम, 1962) (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) डारा प्रदक्ष शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का मिन्निय मिनिय करने का मपना आश्रय एतबुद्धारा थोषित किया है।

अशर्त कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप-लाइन बिछाने के लिए आकोप सक्तम प्राधिकारी, तेल सथा प्राकृतिक गैस आयोग बी-58/बी, भलीगंज, लखनऊ-226020, यू. पी. को इस प्रधि-सूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

भौर ऐसा भाक्षेप करने वाला हर ज्यक्ति विनिधिष्टता यह भी कचन करेगा कि क्या यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो था विधि व्यवसायी की मार्फत ।

मनुसूची हाजीरा-बरेली-जगदीशपुर पाइपलाइम

	हाजीरा-बरेली-जगदीशपुर पाइपलाइम										
	गया रक्षा	लिया	गाटा सं .	ग्राम नाम	परगना	तहसील	जिला				
	सत्रफल										
- विक	वि.	षी.									
	6		5	4	3	2	1				
				मनोहर	<b>स्ट्रहा</b>	उम्नाब	उन्ना <b>व</b> ु				
0	7	0	247	पुर							
10	4	0	248								
C	4 -	0	249								
10	12	0	250			,					
10	8	0	251								
0	6	0	268								
0	8	0	269								
10	4	0	279								
0	14	0	280								
6	0	0	281								
0	10	0	282								
10	5	0	284								
(	3	0	291								
0	0	1	292								
C	14	0	293								
16	1	0	494								
(	18	0	495								
ŧ	2	0	496								
(	11	0	498								
	8	0	499								
(	6	0	486								
10	5	0	487								
1	4	0	501								
(	8	0	502								
	7	0	503								
1	5	0	515								
	1	0	516								
	1 2	0	512								
1	15	0	517								
1	3	0	518								
	1	0	514								
,	0	0	513								
. 1	5	0	570								
1	13	0	663								
1	2	1	660								

1	0	3	4		5		6	1	2	3	4	5			6
<b>जन्नाव</b>		श्रुवहा	मनोहरपुर	661	0	6	01	Unnao	Unnao	Haraha	Малоһаг	501	0	4	10
			- •	662	0	12	8				pur.	502	0	8	0
				490	0	0	5					503	0	7	0
				450	U	U	5					515	0	5	0
					-		<del>-</del>					516	0	1	1
			योग •	38	14	11 या	1 बीधा					512	0	12	0
					2 6	ा 3818 हेव	देगर					517	0	15	12
					J. (							518	0	3	15
			_									514	0	1	0
				सं पी-	14016	/ 5 5/ 8 <b>4-</b> 3	ी. पी. ]					513	0	0	5
												570	0	5	10
80	3452 _	Where	as it appe	nero to	. the	Central	Govern-					663	0	13	16
							at for the					660	1	2	16
гаперог	t of	petroleu	m from	Hajira	Bareil	lly to I	lagdishpur					661	0	6	10
n Uttai	Prade	esh Stat	ie Pipeline	shoul	d be l	aid by	the Oil &					662	0	12	8
Vatural	Gas	Comm	ission:									490	0	0	4

Total 38 14 11 1 Bighas 3 68 OR 18 Hectares [No. O-14016/55/84-GP]

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, H. B. J. Pipeline Project B-58/B Aliganj Lucknow (226020).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

INDEX Hajira Bareilly Jagdishpur Pipeline

District	Tahsil	Par <b>g</b> ana	Gatta No.	Area in Bighas,			
1	2	3	4			6	
Unnao	Unnao	Haraha	Manchar	247	0	7	0
			pur.	248	0	4	10
				249	0,	4	0
				250	`o	12	10
				251	0	8	10
				268	0	6	0
-				269	0	8	0
				279	0	1	10
				280	0	14	0
				281	0	0	5
				282	0	10	0
				284	0	5	10
				291	0	3	0
				292	1	0	0
				293	0	14	0
				494	0	1	15
				495	0	18	0
				496	0	2	5
				498	0	11	0
				499	0	8	8
				486	0	6	0
,				487	0	5	10

का, आ. 3453-यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीश-पर पाइप लाइन तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा पिछाई जानी चाहिए।

और यत : प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्वारा अनुसूची में वर्णित मुमि में उपयोग का अधिकार अखित करना भावस्यक है।

अत : अब पेट्रोलियम और बनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग का अधिकार का अर्जेन) (अधिनियम, 1962) (1962 का 50) की घारा 3 की उपघारा (1) क्षारा प्रवस शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आणय एतवद्वारा घोषित स्थित है।

बलतें कि उक्त भूमि में हिसबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आओप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैम आयोग थी-58 / बी, अलीगंज, लखनऊ 226020 यू. पी. को इस अधिसुचना की तारीचा से 21 दिन के मीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्विष्टता यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसाई की मार्फत।

अनुसूची हाजिरा-बरेली अगदीशपर पाइप लाइन

	4				
	 तहसील	परगना	— -— ग्रीम	नम्बर	— .— क्षेत्रफल कीघा में
1	2	3	4	5	6
उम्नाव	उन्नाध	हड़हा	बेहटा	797	1-0-10
				795	0-6-10
				798	0-9-17
				796	0-7-16
				808	0-13-0
				804	0-2-5
				829	0-12-7
				830	0-15-12

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
				835/1	0-19-5					39	0-7-13
				•					8	40	0-2-0
				836	0-9-15				8	41	0-1-10
				837	0-4-16				9	86	0-7-5
				839	0-7-13				9	88	0-7-0
				840	0-2-0				9	91/4, 5	0-13-5
				841	0-1-10					029	0-3-0
				986	0-7-5					024	0-0-10
				988	0-7-0					028	0-16-10
										027	0-3-8
				991/4,5	0-13-5					026	0-0-10
				1029	0-3-0	-				025	0-10-1
				1024	0-0-10					06.	0-0-10
				1028	0-16-10					88	0-0-5
				1027	0-3-8					27	0-0-5
									,	92	0–1–16
				1026	0-0-10				-	7 0 17	16 Di Lee
				1025	0-10-15				2		15 Bighas
				806	0-0-10						6 Hectares
				788	0-0-5				[No	o. <b>Q-14</b> 01	6/56/84-GI

9-17-15 Bighas योग 27 2-5016 Hectares

0-0-5

0-1-16

[सं. O-14016 / 56/ 84 - जी, पी.]

827

992

S.O. 3453.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hajira-Bareilly-Jagdishpur to in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of in the land described in the schedule annexed hereto; the right of user

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, H. B. J. Pipeline Project B-58/B Aligan, Lucknow (226020).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

INDEX

		UN	DEX		
Hajira	-Barcilly-	Jagdishpu	r pipeline		
District	Tehsil	pargana	Village	Gatta No. No.	Area in Bighas.
Unnao	Unnao	Haraha	Behat	797	1-0-10
				795	0-6-10
				798	0-9-17
				796	0-7-16
				808 -	0-13-0
				804	0-2-5
				829	0-12-7
				820	0-15-12
				835/1	0-19-5
				836	0-9-15
				837	0-4-16

का, आ. 3454--यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रवेश में हजीरा-बरेली- जगवीशपर पाईप लाईन तक पेटोलियम के परिवहन के लिए पाईपलाईन होल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और, यत:, प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतवारा अनुसन्ती में वर्णित भिम में उपयोग का अधिकार अजित करना आवश्यक है।

अत:, अब, पेट्रोलियम और खानिज पाईपलाईन (भूमि में उपयोग के स्राधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की घारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवस माक्तियों की प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जिन करने का अपना आगय एतदारा घोषित किया है।

बशर्से कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाईप लाईन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग बी- 58 /बी, अलीगंज- लखनऊ 226020 यू.पी. को इस अधिमुचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति जिनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसाई की मार्फत।

अनुसुची हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर पाईप लाईन बिछाने हेत्

	·(			· ·	
जिला	तहसील	पर्गना	ग्राम	गादा सं.	अजिंस क्षेत्रफल एकड् में
1	2	3	4	5	6
 झांसी	, भोठ	मीठ	करई	578	0-35
				579	0-43
				580	0-02
				581	0-4
				586	0-76
				604	0-02
				645	0-39
	,			646	0-04
				647	0-98

	2	3	4	5	6		1	2	3	4	5	6
	<del></del>			648	0-05					604		0.0
				649	0-80					645		0.3
							ν			646		0.0
				655	0-02		V			647		0.9
				659	1 → 78					648		0.0
				660	0-04	•				649		0.80
				661	0-10					655		0.02
				662	0-03					659		1,78
-				687	0-26					660		0.04 0.10
										661		0.10
				688	0-56					662		0.03
				692	0-02					687		0.20
				693	0-04					688 692		0.02
				694	0-20					693		0.04
				697	0-03					694		0.20
				698	2-08					697		0.03
				703	0-03					698		2.08
										703		0.03
				885	1- 59					885		1.59
				887	0-02					887		0.02
				889	0-78					889		0.78
				890	0-80					890		0.80
	,			891	0-09					891		0.0
				892	0-04					892		0.0

[सं.फा. - 14016 | 64 | 84 जी. पी.]

का. आ. 3455 यत—: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रवेश में ृहजीरा-बरेली-जग-

तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा विकाध जानी चाहिए।

S.O. 3454.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bereilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And, whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, H. B. J. Pipeline Project B-50/B Aliganj Lucknow, 226020.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

INDEX
Index For O.N.G.C. HBJ Gas pipe Line

District	Tehsil	rehsil Pargana Village Gatta I		Gatta No.	Area Acquired in Acres.
1	2	3	4	5	6
Jhansi	Moth	Moth	Karai	578	0.35
				579	0.43
				580	0.02
				581	0.04
				586	0.76

और, यत : प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को विछाने का प्रयोजन के लिए एतद्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अफित करना आवश्यक है।

अत : अव, पेट्रोलियम और और खनिज पाईपलाईन (मूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (i) द्वारा प्रवत्त मक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आगय एतवारा घोषित किया है।

बगर्ते कि उक्त भूमि में हितबब कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाईप लाईन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक कैंस आयोग बी-58 | बी, अलीगंज, लखनऊ -226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिष्टिता यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता हैं कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवस्था की मार्फत ।

अनुसूची हाजिरा बरेली जगदीशपुर पाईप लाईन बिछाने हेपु

जिला ∮	तहसील	परगना	ग्राम	गाटासं .	अजित एकड़	क्षेत्रफल में
1	2	3	4	5		6
	झांसी	मांसी	कोटखेरा	134		1-65
				131		0-36

कि लोकहिल में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रवेश में ृहजीरा-बरेली-जग-दीशपुर पाईप लाईन तकपेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाईपलाईन तेल

[No. O-14016/64/84-GP]

1 '	2	3	<u> </u>			,	1	2	3	4	5	1,
— प्रांमी–जारी	भांसी	स्रांमी	 क <b>टखो</b> रा	132		0.2	मंसी-आरी	झांसी	सांसी 🕴 य	- गेट <b>खोरा</b>	506	1) () 9
			•	123		03					507	0 1
				122	0	45					508	0.09
				121		02					509	1) 1) 3
				119		02					510	0 05
				118		82					512	, 0 20
				117		03					513	0 25
				116		02					514	0 10
				115		22					521	0 6.
				114	ŋ	75					522	n 0,
				111	F)	02					533	0 4
				110	1	25				•	536	0 40
				108	0	0.5					537	0 15
				107	ú	03					535	0 2
				-106	0	1 5					569	0 54
				105	0	5.5					568	0 5
				104	0	1 0					567	0 80
				103	0	32					566 * c =	0 0:
				102	11	0.8					565 531	1 6
				179	υ	1 7					1	0 1
				339	υ	27					112	0 0
				339	0	90					269	0 0
				337	0	0.3						
				332	0	55				{सं. O-1	4016   65	८४ - जी, पी
				334	0	48	S.O. 34	155.—W.	hereas it	app <del>r</del> ars to	the Centra	al Gove
				331	n	1.4	ment that	it is n	ecessary in	the publi	c interest	that for t
				$\frac{330}{328}$	9	30	in Uttar	Pradesh	State Pipe	om Hajira dine should	-Bareilly to d be laid b	y the Oil
				325	0 ,	0.9	Natural (					
				299	()	30	And W	/hereas : line, it	it appears is necessar	thát 10r v 10 scau	the purpo ire the righ	se of lay t of user
				301	1 0	60	the land	describe	d in the	schedule	annexed her	reto ;
				304	0	1 1					e powers o	
				293	. 0	25 1 0					of the Pe Right of	
			•	294	0	0.5	Land) A	ct, 1962	(50 of	1962), th	e Central	Governm
				305	. 0	0.2	hereby do	clares i	ts intentio	n to acq	uire the r	i <b>gh</b> t of u
				292	. 0	30	therein;	.1 41-4			l im 4hai	.i 10.m.d ===
				306	0	45					l in the sai is notificatio	
				307	0	08					land to the	
				308	0	03				cknow (2	lssion, H. B 226020).	. ј. Рирел
				309	0	30	-				n objectio	n shall a
				286	θ	20	state spec	cifically	whether I	e wishes	to be hear	d in per
			•	287	0	51	or by leg			B.J. <b>Gas</b> P.	ine I ine	
				285	o	03					ipe cine	
					•		District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Агса
				278	0	.51					1	Acquire in
				278 279	0 0	31 46						111
				/	0 0 0	4 6						Acres.
				279	0	4 6 04	<sub>1</sub>				<del></del>	Acres.
				279 276	0	4 6 0 4 1 0	1		3	4	5	6
				279 276 272	0 0	4 6 0 4 1 0 3 3	1 	2 Jhansi	<del></del>	4 Kotkhera	134	6
				279 276 272 273	0 0 0	4 6 0 4 1 0 3 3 4 2	1 Jhansi					$\frac{6}{1.0}$
				279 276 272 273 274	0 0 0 0	4 6 0 4 1 0 3 3 4 2 0 6	1 1 Jhansi				134 131 132 123	6 1.0 0.0 0.0
				279 276 272 273 274 270	0 0 0 0 0	4 6 0 4 1 0 3 3 4 2 0 6 6 5	1 Jhansi				134 131 132 123 122	6 1.0 0.2 0.0 0.0
				279 276 272 273 274 270 255 268	0 0 0 0 0 0	4 6 04 1 0 3 3 4 2 0 6 6 5 1 0	1 Jhansi				134 131 132 123 122 121	6 1.0 0.2 0.0 0.0 0.0
				279 276 272 273 274 270 255	0 0 0 0 0 0 0	4 6 0 4 1 0 3 3 4 2 0 6 6 5	1 				134 131 132 123 122	

ਹ <b>ਕੈ</b> '	प्रतोत होत	कार को यह	नदीय सर	यत । वे	156 :	ा. अस. ३	<b>4</b> 5	6	5	4	3	2	1
	_	क्षिमें हजीर						0.02	116	Kotkhera	Jhansi	Jhansi	ansi
		के लिए पाईप						0.22	115				
1 4	लाइन तल							0.75	114				
		चाहिए।	गई जामी	रा विश	रोग र	क गंम अ	प्राकृति	0.02	111				
प्रयोज	काने ≄त १	गर्दनों को बिर	ਨ ਜੀਵਰਿਕ	<del>as</del> \$ f	ਮਿਤ ਵ	रियन प	д³	1.25	110				
				-				0.02	108				
अधिन	। का	में उपयोग	व्यत मूाम		•			0.03	107				
			,	ξ i	श्यक	करना अ	अजिल	0.15	106				
	à <del>r</del>	ईपलाईन (भूति	ਰਿਤ ਸਮੁੱ	: a^h	h Barr	च ∙ अस्तर्ग	ar	0.55	105				
a								0.10	104				
		१) (1962 क						0.32	103.				
	-	यों को प्रयोग						0.08	102				
आ	का अपना	र्गाजत करने	धिकार अ	गका अ	उपय	र्ने उस्	सरका	0.17	179				
				है।	किर	रा धौषि	गृतद्वा	0.27	339				
	_						-	0.90	338				
न	,	ार्डब्य <b>भि</b> भ उस						0.03	337				
गक्त	तेल तथाप्र	प्राधिकारी,	पि मक्षम	नए आध	ने के	लाईन विष	पाईप ह	0.55	332				
को	य पी	5 -226020	<b>ग. लस्क</b> न3	अलीगं	8 / र्ब	योगर्बा-	गैस आ	0.48	334				
•	•	∡∡००∡० तिर कर सकेग			,			0.14	331				
								0.14	330				
क	टतः यहभी	क्ति विनिर्विष्	गहर व्य	रमे वा	<b>अ</b> प	रेग्सा	अ	0.09	328				
Ts.	-	सुनवाई व्यवि					-	0.30	325				
. 17	עי	*****	. 3.177		-	व्यवसाई •		1.60	299				
					, 41°	-ववस[३	(ମ) ଧ	0.11	301				
			र <b>नु</b> सूची	1				0.25	304				
		حــ		,		.c. >		0.10	293				
		बिछाने हेतु	ध्य साइन	रापुर पा	-अगद	।(जरा-बरे	ह	0.05	294				
		Tree +÷		-T-			·	0.02	305				
क्षेत्र		गाटा सं.	ग्राम	रगना	साल '	· <b>ल</b>	<u> जिला</u>	0.30	292				
	एकड़ में							0.45	306				
		5		3				0.08	307				
<u>_</u>		.,)	4					0.03	308				
3	0	120	रकमा	गंसी	र्गे ।	झ	झांसी	0.30	309				
	0	121						0.20	286				
								0.51	287				
)	0	122						0.03	285				
)	0	123						0.31	278				
1	1	127						0.46	279				
)	0	150						0.04	276				
0	G	120						0.10	272				
								0.33	273				
	0	143						0.42	274				
0		144						0.06	270				
,	λ <sub>0</sub>	145						0,65	255				
	0	147						0.10	268 504				
	e e	149						0.06 0.10	504 505				
								0.10	505 506				
)	. 0	155						0.08	506 507				
ý	G	371						0.Q <b>9</b>	508				
)	U	372						9.03	50 <del>9</del>				
D	C	373						0.05	510				
0		375						0.20	512				
								0.25 0.10	513 514				
0		37 <b>6</b>						0.10 0.63	514 521				
0	1	380						0.09	522				
		381						0.45	533				
Θ	;	382			-			0.40	536				
								0.15 0.21	537 535				
0		13.45 4						0.21 0.5 <b>4</b>	วงจ 569				
0		384							- 17 5				
0		384 385						0.55	568				
0									568 567				
0	ŀ	385				,		0.55	568				
0 0 0	; ;	385 388 - 396						0.55 0.8• 0.02 0.02	568 567 566 565				
0 0 0	; ;	385 388 - 396 1400						0.55 0.80 0.02 0.02 1.60	568 567 566 565 551				
0 0 0 0 0 0	i i	385 388 - 396 '400 401				,		0.55 0.80 0.02 0.02 1.60 0.15	568 567 566 565 551				
0 0 0 0 0	i i	385 388 - 396 1400						0.55 0.80 0.02 0.02 1.60	568 567 566 565 551				

जारा-11 संबंध 3 (11)]					(  Til (1947)				·	·	
1 2	3	4	5	— —,,	6	1	2	3	4	5	6
<b>क्रां</b> मे		रक्सा	398	O		Jhansi	Jhansi	Jhansi	Raksa	123	0.32
			399	1	50					127 150	1.15 0.16
			410	0	40				-	128	0.10
			509	0	69					143	0.13
				0	0.2					144	0.32
			510							145	0,0
			513	Û	17					147	0.65
			514	0	54					149	0.02
			515	0	16					155	0.06
			519	0	66					371	0.12
			522	0	62					372	0.16
			523	0	49					373	0.16
			524	()	81					375	0.04
			640	υ	95					376	0.32
										380	0.04
			642	0	80					381	0.22
			682	. 0	61					382 384	$0.16 \\ 0.09$
			683	U	37					385	0.03
			684	0	i 8					388	0.3
			688	O	3.2					396	0.11
			690	0	7 <b>5</b>					400	0.9
			692	0	06					401	0.12
			689	. 0	46					124	0.02
			693	0						560	0.70
					•					398	0.90
			694	1						399	1.50
			627	-0	0.8					410	0.40
•			628	0	0.8					509	0.69
			629	0	0.8					510	0.02
			411	0	30					513	0.1
<u> </u>	· · · - —									514	0.54
		[#o-	14016/66/	৪4—জী৹	पा०]					515 510	0.1
,										519 522	0.66 0.63
S.O. 3456.—WI			to the Cer							523	0.4
ment that it is ne transport of petro	ecessary i	in the publ	ic interest	that f	or the					524	0.8
Uttar Pradesh Sta	neum mu ate Pinel	an majaa-e line shouid	be laid b	v the	Oil &					640	0.9
Natural Gas Com			-	,	J., -					642	0.8
And whereas in		e thut for	the nurno		loving					682	0.6
such pipeline, it i										683	0.3
in the land descri										684	1.0
Now, therefore,	in exe	reise of the	powers o	onferre	d by					,688	0.3
sub-section (1) c	of the !	Section 3	of the P	troleui	na and					690	0.7
Minerals Pipeline										692	0.0
Land) Act, 1962 hereby declares it										689	0.4
therein;	re mrano	ioti to acc	գսու <b>ւ</b> լш	ingiil C	ון נומטו					693	0.3
		intenest-	.1 in th	id las	d mar					694	1.5
Provided that a within 21 days f										627	0.0
the laving of the										628	0.0

[No. O-140/6/66/84-GP]

0.08

629

411

का॰मा॰ 3457 बनः केन्द्रीय सरकार का वह प्रतीस होता है कि लोकहिन में वह प्रावश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-सरेली-जगदीशपुर पाइय लाइन तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपक्षाईन लेस

नथा प्राकृतिक नैस प्रामोग द्वारा बिकाई भार्ता चाहिए।

श्रीर पतः प्रतीत होता है कि एसी लाइनो को विकाने के प्रयोजन को लिए एसदब्रास श्रमुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का श्रधिकार श्रीजत करना श्रावश्यक है ।

স্থল: श्रव पेट्रोलियम ग्रीर वानिज पाइपलाइन (भृति में उपयोग के অधिकार का ग्रर्जन) (प्रधिनियम, 1962) (1962 का 50) की धारा

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, H. B. J. Pipeline Project B-50/B Aliganj Lucknow (226020).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Index for O.N.G.S. H.B.J. Gas Pipe Line

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquired in Acres
<sub>1</sub>	2	3	4	5	6
Jhansi	Jhansi	Jhansi	Raksa	120	0.32
				121	0.33
				122	0.35

श्रजित क्षेत्रफल

जिला

तहमील

परमना

2 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का स्रधिकार स्रगित करने का अपना स्रासय एनदद्वारा घोषित किया है।

बमर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए घाक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राम्नतिक गैस आयोग बी-58/बी, भ्रलीगंज, लखनऊ-226020 यू0 पी0 को इस श्रिष्मुचना की नारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

भौर ऐसा भ्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टना यह भी कथन करेगा कि क्या यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

सनुसूची हाजिस-करेली-अगदीणपुर पाइप लाइन बिछाने हेतु

गाटा मं.

				सं.	ப் கு	ड़ में.
1.		3	4	5	6	
	भौसी	झांमी	राजापुर	71	, <sub>()</sub>	02
				72	0	90
				73	9	03
				75	0	09
				76	0	60
				79	0	25
				87/1	1	90
				91	. 0	0.8
				92	U	70
				106	0	50
				. 109	0	03
				110	0	80
				111	0	50
				113	0	92
				114	0	4.0
				120/1	0	0.3
				121	O	70
				129	0	92
				138	0	37
				139	0	63
				140	. 0	08
				141	0	20
				327	0	30
				328	0	75
				329	0	75
				330	0	80
				432	. 0	- 88
				433	0	0.5
				434	1	03
				435	0	50
				469	0	50
				485	0	30
				486	o	02
				487	0	80
				488	Ď	40
				489	0	40

83

468

430

O

0

0.2

03

15

	2	3	4.	5	h
मांसी	झांसी	झ।सी	राजापर	382	(1 5.
•	,			390	0 50
				484 -	U 13
				29	0 01
				307	0.08
				378	0.05
				379	0 •0
				431	0 - 2i
				7.4	0 05
				8,1	9 03
				133	0.00
				400	0 01

S.O. 3457.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Barcilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be Jaid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laving such pipeline, it is accessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, H. B. J. Pipeline Project B-58/B Aliganj Lucknow-226020;

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Index ONGS GAS pipeline Hazira-Bareilly-Jagdishpur

District	Tahsil	Pargana	a Village	Plot No.	Area Acguired in Acres
1	2	3	4		. 6
Jhansi	Jhansi	Jhansi	Rajapur	71	0.02
				72	0.9
•				73	0.0
				75	0.0
				76	0.6
7				79	. 0.2
				87/1	1.9
				91	0.0
	_			92	0.7
	•			106	0.5
				109	0.0
				, 110	0.8
				1111	0.5
				113	0,9
	,		-	114	0.4
				120/1	0.0
				121	10.70
				129	0.9
			-	138	0.3

	2	3	4	5	6				धनुसूची		
		·	13		0.63		हाजिरा	बरेली	जगबीगपुर	पाईप ल	गर्दन -
			. 14		0.08 0.20						
			14 32		0.30	जिला	तहसील	परगमा	प्राम	नम्बर	सिया गया
			32		0.75						रकमा वि० वि०
			32		0.75		<u> </u>				वि०
			33		0.80	1	2	3	4	5	6
			43. 43.		0.88 0.0 <b>5</b>			<del></del>			
			43		1.03	राय <b>ब</b> रेली	महाराज	हरदोई	पुरासी	110	0-10-10
			43		0.50		गंज			111	0-18-15
	71	70 7490								127	0-15-0
	Jhansi	Jhansi'Ra	ijapur 469 48		0.50 0.30					126	0-3-0
			48		0.02					159	0-07-17
			48		0.80					134	0-11-5
			48	8	0.40					160	0-3-0
			49		0.40					161	0-3-10
			83		0.02					162	0-2-10
			46 48		0.03 0.15					163	0-14-0
			38		0.15					178	0-0-2
	•		38		0.50					179	0-14-0
			48	4	0.11					181	0-5-6
				_ '	0.01					182	<b>0-</b> 0- 1 5
			30 37		0.05					180	0-0-9
			37		0.08 0.01					183	0-2-0
			43		0.20					184	0-0-1
			74		0.05					185	0-19-0
			84		0.03					187	0-0-5
			13		0.03					188	0-9-10
			49	v	0.01					190	0-3-5
_			INIA	O-14016/67/84	CDI					199	0-15-0
			ft.o.	~-14010\0\1\04	-011					200	0-4-0
										201	0-3-0
,	ष्मा० 3458	?:∽–यतः केन्द्र	ीय सरकार को	यह प्रतीत हो 🗆	है कि					202	0-2-0
Г	में यह प्रायम	स्यक है कि उ	त्तर प्रदेश में	स्क्रीय अनेकी	वीशपर					204	0-0-3
	_			હુળારા – ભારભા–							
र ला	ईन तक पेट्रे	नियम के प	रिवहन के लिए	६्णारा −थरलः- १ पाईपलाईन तेरु	न तथा					205	<b>0</b> <del></del> 3−0
ं ला ते <b>क</b>	ईन तक पेट्र गैस द्यायोग	ोलियम के प क्षारा <mark>बिछाई</mark>	रिवहन के लिए जानी <b>चा</b> हिए।	र पा <b>ई</b> पलाईन तेर	तथा						0-3-0
ह्या 1 <b>क</b>	ईन तक पेट्र गैस द्यायोग	ोलियम के प क्षारा बिछाई	रिवहन के लिए	र पा <b>ई</b> पलाईन तेर	न तथा					205	0-3-0 0-4-0
FF.	गैस यायोग	क्षारा विछाई	रिबहुन के लिए जानी <b>चा</b> हिए।	र पाईपलाईन ते <b>ल्</b>						205 206	0-3-0 0-4-0 0-0-10
क ौर	गैस यायोग यतः प्रतीत	क्षारा बिछाई होता है कि	रिवहन के लिए जानी चाहिए। ऐसी लाईनों व	र पाईपलाईन तेर को बिछाने का	प्रयोजन					205 206 210	0-3-0 0-4-0 0-0-10 1-4-0
	गैस आयोग यतः प्रतीत एतद्द्वारा धनु	क्षारा बिछाई होता है कि	रिवहन के लिए जानी चाहिए। ऐसी लाईनों व	र पाईपलाईन ते <b>ल्</b>	प्रयोजन					205 206 210 211	0-3-0 0-4-0 0-0-10
₹ 	गैस यायोग यतः प्रतीत	क्षारा बिछाई होता है कि	रिवहन के लिए जानी चाहिए। ऐसी लाईनों व	र पाईपलाईन तेर को बिछाने का	प्रयोजन					205 206 210 211 212	0-3-0 0-4-0 0-0-10 1-4-0 0-13-0 0-1-12
ह ।र ग्रा श्र	गैस धायोग यतः प्रतीत एतद्बारा धनु ावश्यक है।	क्षारा बिछाई होता है कि प्रुचीमे वर्णित	रिबहुत के लिए जानी चाहिए। ऐसी लाईनों व ा भूमि में उपर	र पाईपलाईन तेल हो बिछाने का ोग का श्रधिकार	प्रयोजन प्रजित					205 206 210 211 212 322 327	0-3-0 0-4-0 0-0-10 1-4-0 0-13-0 0-1-12 0-6-16
कि ग्र ख स्त	मैस थायोग यतः प्रतीत एतद्हारा धनु वश्यक है।	क्षारा बिछाई होता है कि सूचीमे वर्णित प्रयम श्रीर स	रिवहन के लिए जानी चाहिए। ऐसी लाईनों व प्रभूम में उपयं	र पाईपलाईन तेल हो बिछाने का रोग का श्रधिकार न भूमि में उप	प्रयोजन श्रक्तित योग के					205 206 210 211 212 322 327 328	0-3-0 0-4-0 0-0-10 1-4-0 0-13-0 0-1-12 0-6-16 0-11-10
क रि ए अ ात	गैस धायोग यतः प्रतीत एतद्द्वारा धनु वश्यक है। : प्रज पेट्रोरि का प्रजन	हारा बिछाई होता है कि सूची में वर्णित जयम प्रीर ख प्रधिनियम,	रिवहन के लिए जानी चाहिए। ऐसी लाईनों व प्रभूमि में उपर प्रनिज पाईपलाई 1962 (196	, पाईपलाईन तेल हो बिछाने का ोग का श्रधिकार न भूमि में उप 2 का 80) की	प्रयोजन प्रजित योग के घारा					205 206 210 211 212 322 327 328 329	0-3-0 0-4-0 0-0-10 1-4-0 0-13-0 0-1-12 0-6-16 0-11-10 1-2-0
क गौर ए ग्र ग्र गर ः उ	गैस थायोग  यतः प्रतीत  एतद्द्राग अनु  वश्यक है।  : प्रब पेट्रोहि  का धर्जन  प्रधारा (1)	होता है कि होता है कि सूची में अणित जयम श्रीर ख श्रिधितथम, द्वारा प्रदक्त	रिवहन के लिए जानी चाहिए। ऐसी लाईनों व भूमि में उपर इनिज पाईपलाई 1962 (196 प्रेन्तियों की प्र	र पाईपलाईन तेल हो बिछाने का ोग का ध्रधिकार न भूमि में उप 2 का 80) की योग करते हुए	प्रयोजन प्रजित योग के । धारा केन्द्रीय					205 206 210 211 212 322 327 328 329 332	0-3-0 0-4-0 0-0-10 1-4-0 0-13-0 0-1-12 0-6-16 0-11-10 1-2-0 0-0-2
ह र ष त त र	गैस थायोग  यतः प्रतीत  एतव्हारा थनु  वश्यक है।  : प्रक पेट्रीरि  का प्रजैन  प्रधारा (1)  ने उस में उ	होता है कि होता है कि मुची में पॉणत प्रयम श्रीर स श्रिधिनयम, द्वारा प्रदस्त उपयोग का श्र	रिवहन के लिए जानी चाहिए। ऐसी लाईनों व भूमि में उपर इनिज पाईपलाई 1962 (196 प्रेन्तियों की प्र	, पाईपलाईन तेल हो बिछाने का ोग का श्रधिकार न भूमि में उप 2 का 80) की	प्रयोजन प्रजित योग के । धारा केन्द्रीय					205 206 210 211 212 322 327 328 329 332 331	0-3-0 0-4-0 0-0-10 1-4-0 0-13-0 0-1-12 0-6-16 0-11-10 1-2-0 0-0-2 0-0-2
कि ग़ैर ए <sup>ा</sup> ग़ित गर र र	गैस थायोग  यतः प्रतीत  एतद्द्राग अनु  वश्यक है।  : प्रब पेट्रोहि  का धर्जन  प्रधारा (1)	होता है कि होता है कि मुची में पॉणत प्रयम श्रीर स श्रिधिनयम, द्वारा प्रदस्त उपयोग का श्र	रिवहन के लिए जानी चाहिए। ऐसी लाईनों व भूमि में उपर इनिज पाईपलाई 1962 (196 प्रेन्तियों की प्र	र पाईपलाईन तेल हो बिछाने का ोग का ध्रधिकार न भूमि में उप 2 का 80) की योग करते हुए	प्रयोजन प्रजित योग के । धारा केन्द्रीय					205 206 210 211 212 322 327 328 329 332 331 333	0-3-0 0-4-0 0-0-10 1-4-0 0-13-0 0-1-12 0-6-16 0-11-10 1-2-0 0-0-2 0-0-2 0-0-7
तेक घौर लिए । घि घत कार ते उ	गैस थायोग  यतः प्रतीत  एतव्हारा थनु  वश्यक है।  : प्रक पेट्रीरि  का प्रजैन  प्रधारा (1)  ने उस में उ	होता है कि होता है कि मुची में पॉणत प्रयम श्रीर स श्रिधिनयम, द्वारा प्रदस्त उपयोग का श्र	रिवहन के लिए जानी चाहिए। ऐसी लाईनों व भूमि में उपर इनिज पाईपलाई 1962 (196 प्रेन्तियों की प्र	र पाईपलाईन तेल हो बिछाने का ोग का ध्रधिकार न भूमि में उप 2 का 80) की योग करते हुए	प्रयोजन प्रजित योग के । धारा केन्द्रीय					205 206 210 211 212 322 327 328 329 332 331 333 354	0-3-0 0-4-0 0-0-10 1-4-0 0-13-0 0-1-12 0-6-16 0-11-10 1-2-0 0-0-2 0-0-2 0-0-7 0-16-0
तिक ष्यौर लेए । श्रत कार ते उ	गैस थायोग  यतः प्रतीत  एतद्द्वारा थनु  वश्यक है।  : प्रक पेट्रीवि  का प्रजैन  प्रधारा (1)  ने उम में उ	हारा विछाई होता है कि मुची में पणित प्रियम प्रीर स प्रियम प्रीर स प्रियमियम, द्वारा प्रदस्त उपयोग का प्र	रिबहुत के लिए जानी चाहिए। ऐसी लाईनों व प्रभूम में उपय प्रनिज पाईपलाई 1962 (196 प्रनितयों की प्र	र पाईपलाईन तेल हो बिछाने का ोग का श्रिधिकार न भूमि में उप 2 का 80) की योग करते हुए करने का ग्रपना	प्रयोजन प्रजित योग के धारा केन्द्रीय भागय					205 206 210 211 212 322 327 328 329 332 331 333 354 355	0-3-0 0-4-0 0-0-10 1-4-0 0-13-0 0-1-12 0-6-16 0-11-10 1-2-0 0-0-2 0-0-2 0-0-2 0-0-7 0-16-0 0-4-0
चीर बीर लिए । ना भ्र भ्रत भ्रेकार की उ कार <sup>हे</sup> बहारा	मैस यायोग  यतः प्रतीत  एतद्द्वारा थनु  वश्यक है।  : प्रक पेट्री  का प्रजैन  पधारा (1)  ने उस में उ  घोषित कि	होता है कि होता है कि सूची में अणित प्रधिनियस, द्वारा प्रदत्त उपयोग का श्र म्या है।	रिवहन के लिए जानी चाहिए। ऐसी लाईनों व भूमि में उपयं प्रनिज पाईपलाई 1962 (196 णेन्तियों की प्र धिकार ग्राजित	र पाईपलाईन तेल हो बिछाने का रेग का श्रिधकार न भूमि में उप 2 का 80) की योग करते हुए करने का ग्रपना	प्रयोजन प्रजित योग के धारा केल्द्रीय भाषाय					205 206 210 211 212 322 327 328 329 332 331 333 354 355 365	0-3-0 0-4-0 0-0-10 1-4-0 0-13-0 0-1-12 0-6-16 0-11-10 1-2-0 0-0-2 0-0-2 0-0-2 0-0-7 0-16-0 0-4-0 0-7-0
तिक भीर लिए प्र भ्रत भ्र भ्रत श्रेकार की उ ब्हारा स्थार	गैस यायोग  यतः प्रतीत  एतप्रहारा अनु  ावश्यक है।  : प्रब पेट्रोहि  का प्रजैन  प्रधारा (1)  ते उस में र  घोषित कि	हारा विछाई होता है कि सूची में अणित अधितयम, द्वारा प्रदक्त उपयोग का अ त्या है। भृमि में हिं के लिए भ्राइ	रिवहन के लिए जानी चाहिए। ऐसी लाईनों व प्रभूम में उपर प्रमित्र पाईपलाई 1962 (196 पंक्तियों की प्र धिकार प्रजित	र पाईपलाईन तेल हो बिछाने का रेग का श्रिधकार न भूमि में उप 2 का 80) की योग करते हुए करने का ग्रपना स्त उस भूमि के हारी, तेल तथा	प्रयोजन प्रजित योग के धारा केल्द्रीय प्राशय जीक्					205 206 210 211 212 322 327 328 329 332 331 333 354 355 365 366	0-3-0 0-4-0 0-0-10 1-4-0 0-13-0 0-1-12 0-6-16 0-11-10 1-2-0 0-0-2 0-0-2 0-0-2 0-0-7 0-16-0 0-4-0 0-7-0 0-5-0
तेक श्रीर श्रीर श्रीत श्रीत श्रीत श्रीत श्रीत श्रीत श्रीत	गैस थायोग  यतः प्रतीत  एतप्रांग अनु  विश्यक है।  : प्रक पेट्रीटि  का घर्जन  पधारा (1)  ते उस में २  घोषित कि  ते कि उक्त	होता है कि होता है कि सूची में जिल्हें अयम श्रीर ए श्रिष्टित्यम, हारा प्रदक्त अयोग का श्र स्था है।  भृमि में हिं के लिए भ्राप्टें - 58 बी,	रिवहन के लिए जानी चाहिए। ऐसी लाईनों व भूमि में उपर अनिज पाईपलाई 1962 (196 मेंक्तियों की प्र धिकार प्रजित	र पाईपलाईन तेल हो बिछाने का तेग का ध्रिधकार न भूमि में उप 2 का 80) की योग करते हुए करने का भ्रपना का उस भूमि के हारो, तेल तथा 5 226020 यू	प्रयोजन प्रजित योग के धारा केल्द्रीय प्राप्तय र सीचे जाकु-					205 206 210 211 212 322 327 328 329 332 331 333 354 355 365 366 367	0-3-0 0-4-0 0-0-10 1-4-0 0-13-0 0-1-12 0-6-16 0-11-10 1-2-0 0-0-2 0-0-2 0-0-7 0-16-0 0-4-0 0-7-0 0-5-0 0-6-15
कि हिंद् हिंदू श्राप्त श्राप्त श्राप्त श्रीस स्मा	गैस यायोग  यतः प्रतीत  एतद्द्राग अनु  त्वश्यक है।  श्रम पेट्रीहि  का घर्णन  पद्यारा (1)  ते उस में उ  घोषित कि  विकास	होता है कि होता है कि सूची में अणित अधितियम, द्वारा प्रदक्त अपित में कि स्पि में कि के लिए भाके कि तारीख के	रिवहन के लिए जानी चाहिए। ऐसी लाईनों व भूमि में उपर अनिज पाईपलाई 1962 (196 पानितयों की प्र धिकार प्रजित पाइक कोई व्यक्ति पा सक्तम प्राधिः प्रलीगंज, लखनः 1 21 दिन के	र पाईपलाईन तेल हो बिछाने का ोग का धिकार व भूमि में उप 2 का 80) की योग करते हुए करने का ग्रपना कारो, तेल तथा 5 226020 यू भीतर कर सके	प्रयोजन प्रजित योग के धारा केन्द्रीय प्राप्तय जन्द्रीय प्राप्तय					205 206 210 211 212 322 327 328 329 332 331 333 354 355 365 366 367 368	0-3-0 0-4-0 0-0-10 1-4-0 0-13-0 0-1-12 0-6-16 0-11-10 1-2-0 0-0-2 0-0-2 0-0-2 0-0-7 0-16-0 0-4-0 0-7-0 0-5-0 0-6-15 0-1-0
तक गीर प्रा प्रत गर उ गिरा चिस चीस इस	गैस यायोग  यतः प्रतीत  एतद्द्राग अनु  त्वश्यक है।  श्रम पेट्रीहि  का प्रजैन  प्रधारा (1)  ते उस में उ  घोषित कि  र्म विछाने  श्रम्योग बी  प्रधिसूचना  रेसा प्रायो	होता है कि होता है कि सुची में अणित अधिनियम, द्वारा प्रदक्त अधिनियम, द्वारा प्रदक्त अधिनियम, द्वारा प्रदक्त अधिनियम, द्वारा प्रदक्त अधिनयम, द्वारा प्रदक्त	रिवहन के लिए जानी चाहिए। ऐसी लाईनों व भूमि में उपर विकास पाईपलाई 1962 (196 पेन्तियों की प्र धिकार प्रजित पेप सक्षम प्राधिः प्रलीगंज, लखनः त 21 दिन के ता हर व्यक्ति	र पाईपलाईन तेल हो बिछाने का ोग का धिकार न भूमि में उप 2 का 80) की योग करते हुए करने का ग्रपना कारी, तेल तथा 5 226020 यू भीतर कर सके	प्रयोजन प्रजित योग के प्रधारा केन्द्रीय प्राप्तय प्राप्तय प्राप्त					205 206 210 211 212 322 327 328 329 332 331 333 354 355 366 367 368 370	0-3-0 0-4-0 0-0-10 1-4-0 0-13-0 0-1-12 0-6-16 0-11-10 1-2-0 0-0-2 0-0-2 0-0-2 0-0-7 0-16-0 0-4-0 0-7-0 0-5-0 0-6-15 0-1-0 0-6-0
ं र जिल्ला स	गैस यायोग  यतः प्रतीत  एतप्दारा अनु  वश्यक है।  : प्रक पेट्रीरि  का प्रजैन  पधारा (1)  ने उस में उ  घोषित कि  प्रिंचित्र कि  प्रायोग बी  प्रिंचित्र कि  रिसे प्रायोग बी  प्रिंचित्र कि	होता है कि होता है कि होता है कि हम्ची में अणित प्रियम प्रीर स प्रिधिनयम, द्वारा प्रदस्त उपयोग का प्र स्मा है। भूमि में हिंगु के लिए प्राप्त के लिए प्राप्त के तारीख है प करने बाह यह चाहना है	रिवहन के लिए जानी चाहिए। ऐसी लाईनों व भूमि में उपर विकास पाईपलाई 1962 (196 पेन्तियों की प्र धिकार प्रजित पेप सक्षम प्राधिः प्रलीगंज, लखनः त 21 दिन के ता हर व्यक्ति	र पाईपलाईन तेल हो बिछाने का ोग का धिकार व भूमि में उप 2 का 80) की योग करते हुए करने का ग्रपना कारो, तेल तथा 5 226020 यू भीतर कर सके	प्रयोजन प्रजित योग के प्रधारा केन्द्रीय प्राप्तय प्राप्तय प्राप्त					205 206 210 211 212 322 327 328 329 332 331 353 354 355 366 367 368 370 373	0-3-0 0-4-0 0-0-10 1-4-0 0-13-0 0-1-12 0-6-16 0-11-10 1-2-0 0-0-2 0-0-2 0-0-2 0-0-2 0-0-7 0-16-0 0-4-0 0-7-0 0-5-0 0-6-15 0-1-0 0-6-0
हि रिष्यं तर उन्हें रिस	गैस यायोग  यतः प्रतीत  एतद्द्राग अनु  त्वश्यक है।  श्रम पेट्रीहि  का प्रजैन  प्रधारा (1)  ते उस में उ  घोषित कि  र्म विछाने  श्रम्योग बी  प्रधिसूचना  रेसा प्रायो	होता है कि होता है कि होता है कि हम्ची में अणित प्रियम प्रीर स प्रिधिनयम, द्वारा प्रदस्त उपयोग का प्र स्मा है। भूमि में हिंगु के लिए प्राप्त के लिए प्राप्त के तारीख है प करने बाह यह चाहना है	रिवहन के लिए जानी चाहिए। ऐसी लाईनों व भूमि में उपर विकास पाईपलाई 1962 (196 पेन्तियों की प्र धिकार प्रजित पेप सक्षम प्राधिः प्रलीगंज, लखनः त 21 दिन के ता हर व्यक्ति	र पाईपलाईन तेल हो बिछाने का ोग का धिकार न भूमि में उप 2 का 80) की योग करते हुए करने का ग्रपना कारी, तेल तथा 5 226020 यू भीतर कर सके	प्रयोजन प्रजित योग के प्रधारा केन्द्रीय प्राप्तय प्राप्तय प्राप्त					205 206 210 211 212 322 327 328 329 332 331 333 354 355 366 367 368 370	0-3-0 0-4-0 0-0-10 1-4-0 0-13-0 0-1-12 0-6-16 0-11-10 1-2-0 0-0-2 0-0-2 0-0-2 0-0-7 0-16-0 0-4-0 0-7-0 0-5-0 0-6-15 0-1-0 0-6-0

1	2	3	4	, 5	6 .
रायमरेली	महाराज	हरदीई	पुराक्ष	387	0-2-10
	गंज			389	0-9-5
				166	81-0-0
				337	0-0-11
				338	0-0-10
	•		योग	53	16-7-11
					10-236 দ্ধত
					41462 हैक्टर

S.O. 3458.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hajira Barelly-Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, H. B. J. Pipeline Project B-58/B. Aliganj Lucknow 226020.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner,

INDEX Hajira Barelly Pagdishpur Pipeline

District	Tehsil	pargana	Village	No.	Area Acquired B.B.B.
1	2	3	4	5	6
Raebareli	Maharaj	Hardoi	Purasi	110	0-10-10
	Ganj,			111	0-18-15
	-			127	0-15-0
				126	0-3-0
				134	0-11-5
				159	0-0-17
				160	0-3-0
				161	0-3-10
				162	0-2-10
				163	0-14-0
				178	0-0-2
				179	0-14-0
				181	0-5-6
				182	0-0-15
				180	0-0-9
				183	0-2-0
				184	0-0-1
				185	0-19-0
				187	0-0-5
				188	0~9-10
				190	0-3-5

1 .	2	. 3	4	5	·6
Raebareli	Maharaj	Hardoi	Purasi	199	0-15-0
	Ganj			200	0~4-0
				201	0-3-0
	,			202	0-2-0
				204	0-0-3
				205	0-3-0
•				206	0-4-0
				210	0010
				211	1-4-0
				212	0-13-0
				322	0-1-12
				327	0-6-16
				328	0-11-10
				329	1-2-0
				331	0-0-2
				332	00-2
				333	0-0-7
				354	0-16-0
				355	0-4 <b>-0</b>
				365	0–7–0
				366	0-5-0
	-			367	0-6-15
				368	0-1-0
				370	060
				373	0~6–0
				374	0-7-0
				386	07-0
				387	0-0-11
				3.38	0-0-10
,		Т	'otal	53	16-7-11
		,			(10-236) Acre. (4-1462) Hectares.

[No. O-140[6/21/84-GP]

का, आ. 3459 --- यतः केन्द्रीय सरकार की यह प्रतीत होता है कि लोकत्रित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-वरेली/जगदीशपूर पाइप लाइन तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल सथा प्राकृ(तक गैम आयोग द्वारा विछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ग्रैसी लौइनों को विछाने का प्रयोजन के लिए एतयद्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अजित करना आवश्यक है।

अतः अब पैट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में अपयोग के अधिकार का अर्जन) (अधिनियम, 1962) (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवस शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार करने का अपना आशय एनदद्वारा घोषित किया है।

ब्रगर्से कि, उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिक गैम आयोग बी-58/बी, अलीगज, लखनऊ-226020 य पी, को इस अधिमुचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फसा

अनुसूचो हाजिरा--बरेली--जगदीशपुर--पाइपला**इ**न

जिला	तहसील	परंगना	ग्राम	गाटा नं.		लिया गय रकबा वि,वि.वि	
1	2,	3	4	 5	,	_	6
रावबरेली	महाराज गंज	 सेमरौता	कडरिया	1	- 0	0	15
				4	0	1	10
	•			5	0	11	0
				. 6	0	15	0
				31	0	1	2
				32	0	2	0
				33	0	0	9
				34	0	9	10
				35	U	17	0
	,			40	0	13	0
	i			41	0	4	16
•				44	0	9	10
				48	1	6	0
				49	0	0	G
				50	0	1	Į
				51	0	18	0
				52	0	1	16
		*		53	0	1	10
			योग	18		14	5
				( 4	~ 19 (1. हैमर्ट		

सिं. O-14016/22/81-जी.पी.]

S.O. 3459.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hajira-Barcilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, H. B. J. Pipeline Project B-58/B Aliganj Lucknow 226020.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

INDEX
Hajira Barelly Jagdishpur Pipeline

District	Tahsil	Pargana	Village	Gattea No.	Area Acquirec B.B.B.
1	2	3	4	5	6
Raebareli	Maharaj	Semra-	Kararia	1	0-0-15
		uta.		4	0-1-10
	-			5	0-11-0
				6	0-15-0
•				31	0-1-2
			,	32	0-2-0
				33	0-0-9
				34	0910
				35	0 17 <b>0</b>
				40	0 13 0
				41	0 4 16
				44 .	09.0
				48	160
				49	<b>00</b> 6
•	ì			50	011
	ı			51	0 18 0
				52	0 1 16
,				53	0 1 10
		To	tal	18	6-14-5
					(4-195)
					Acre.
					(1-6993)
					Hectare.

[No. O-14016/22/84-GP]

का.आ. 3460----यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रवेश में हुजीरा-बरेली-जगदीशपुर. पाइप लाइन तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन सेल तथा प्राकृतिक गैन आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतदहारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवण्यक है ।

अतः अत्र पैट्रोलियम और खतिज पाइपलाइन (मूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) (अधिनियम, 1962) (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त णित्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिगार अजित करने का अपना आशय एतबद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबढ़ कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राक्कृतिक गैस आयोग बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020यू.पी. को इस अधिसुचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्विष्टता यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी भुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विक्रि व्यवसायी की मार्फत ।

		अनुसूच	ी ।						
हाजिर –श्ररेली–जगदीशपुर तक पाइप लाइर विछाने हेतु									
जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	अजित क्षेत्रफ एकड में				
1	2	3	4	5	(	 ;			
जालीन	जालीन	जालीन	इटवाकनार	183/1	0	0.5			
				184	0	04			
				211	0	65			
				212	0	58			
				210	0	04			
				209	1	20			
				208	0	04			
				250	0.	39			
				251	0	02			
				256	1	0 (			
				257	0	0:			
				260	0	4			
				261	0	0			
				262	0	2			
				263	0	4			
				264	0	6			
				266	0	1			
				268/1	. 0	2			
				281	0	7			
				313	0	12			

[सं. O-14016/30/84-जी.पी.]

S.O. 3460.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, H. B. J. Pipeline Project B-58/B Aliganj Lucknow (226020).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hazira-Bareilly-Jagdishpur Pineline.

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in Acre
1	2	3	4	5	6
Jalaun	Jalaun Jalaun	Itawa Kanar	183/1 184	0.09	

1	2	3	4	5	6
				211	0.65
				212	0.58
				210	0.04
				209	1.20
-				<b>20</b> 8	0.04
	•			250	0.39
				251	0.02
				256	1,00
				257	0.02
				260	0.48
				261	0.03
				262	0.27
		1		263	0.42
		•		264	0.63
				266	0.18
			,	268/1	0.24
				281	0.74
				313	0.12
<del></del>	~ <del>~~~</del> -		<del></del>		CIONA CDI

[No. O-14016/30/84-GP]

का. आ. 3461.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर पाइपलाइन तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा विछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतवहारा अनुसूची में बर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अजित करना आवश्यक है।

अतः अव पैट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50)' की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आशय एतदहारा धोपित किया है।

बर्गे कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति इस भूमि के नीने पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ 226020 यू० पी० को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर अवित विनिर्दिष्टता यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

धनुसूची हाजिरा—अरेली—जगदीशपुर तक पाइप लाइन विछाने हेतु

जिला	तहसील	परगना	प्राम	गाटा सं.	म्रजित क्षेत्रफल		
1	2	3	4	5		6	
जालौन	जासीन	जालौन जालौन	रसूलपुर	1	0	03	
				19	0	27	
				20	0	10	
				21	0	0:	
				160	0	0:	
				164	0	1,6	
				165	0	9;	
_				166	0	0;	

1	2	3	4	5		6		1	2	4	5	6
			<del></del>	167	0	03					167	0.03
				173	0	18		_			173	0.18
											174	0.10
				174	` 0	10					175	0.10
				175	0	10					176	0.49
				176	o o	49					151	1.15
				151	1	15					152	0.02
				152	0	02					147	0.03
				147	0	03					146	0.57
				146	0	87					229	0.03
											230	0.03
				229	0	03					242	0.31
				230	0	03					243	0.33
				242	0	31					244	0.03
				243	0	33					249	0.69
				244	0	03					250	0.03
											259	0.64
				249	0	69					260	0.57
				250	0	03					261	0.03
				259	0	64					264	, 0.83
				260	0	57					289	0.03
				261	0	03	-				290	0.05
				264	0	83					[No. O-1401	6/31/84-GPI

03

05

290 [सं. O-14016/31/84-जी०पी०]

289

S.O. 3461.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission:

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, it exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, H.B.J. Pipeline Project B-58/B Aliganj, Lucknow (226020);

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE) Hazira-Bareilly-Jagdishpur Pipeline

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in Acre
1	2	3	4	5	6
Jalaun	Jalaun	Jalaun	Rasulpur	1 .	0.03
			•	19	0.27
				20	0.10
				21	0.03
				160	0.03
	-			164	0.26
				165	0.93
				166	0.03

का.मा. 3462---यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोफहित में यह भाषभ्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगवीशपूर पाइप लाइन तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल सथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा विछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतवहारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार ग्रर्जित करना ग्रावश्यक है।

अतः अब पैट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के प्रधिकार का प्रजीन) (भ्रधिनियम, 1962) (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रयक्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का प्रधिकार प्रजित करने का प्रपना भाषाय एतदवारा घोषित किया है।

अशर्ते कि उपल भूमि में हितबड़ा कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस श्रायोग बी-58-बी, लखनऊ-226020 मू.पी. को इस अधिसूचन। की सारीखा से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

श्रीर ऐसा श्राक्षेप करने बाला हर व्यक्ति विनिर्विष्टता यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

ग्रनुमुची हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर तक पाइप लाइन बिछाने हेत्

जिला	तहसील	परगमा	ग्राम	गाटा सं .	ध्रा <sup>र्</sup> क्षेस एव	
1	2	3	4	5		6
जालोन	कोंच	कोंच	भौड़ा-पेड़ा	1	0	:
				2	0	
				5	0	
				6	0	
				17	0	

<del></del>	<del>=: '== = ===</del>	<del></del> -				<del></del>					
1	2	3	*4	5	6	1	2	3	4	5	6
			1.6					· -		16	0.60
			16	0	60					15	0.77
			15	0	77					19	0.01
			19	0	01			'		21	0.35
			21	0	35					22	0.96
			22	0	96					31	0.02
			31	0	02					43	0.06
			43	0	06					44	0.02
										79	0.11
			44	0	02					78	0.02
			79	0	11					77 ;	0,50
			78	0	02					76/1	0.08
			77	0	50					76/2	0.50
			76/1	0	08					65	0.10
			76/2	0		-	•			65/252	0.42
					50					66	0.08
			65	0	20					67	0.41
			65/252	0	42					59	0.01
			66	0	08					47	0.60
			<b>67</b>	0	41					46	0.04
			59	0	01		•			45	0.65
										18	0.01
			47	0	60				_	60	0.01
			46	0	04				[]	No. O-14016	/32/84-GP]
			45	0	65				_	-	
			18	0 ,	01	का.घा.	3463. <del>—</del> यतः	केन्द्रीय	सरकार य	को यह प्रतीत	होता है कि

60 सिं, O-14016/32/84-जी.पी.]

01

S.O. 3462.—Whereas it appears to the Central Governent that it is necessary in the public interest that for the asport of petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in tar Pradesh State Pipeline should be laid by the Oil an tural Gás Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laving ch pipeline, it is necessary to acquire the right of user in a land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section (1) of the Section 3 of the Petroleum and nerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the id) Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government eby declares its intention to acquire the right of user rein;

rovided that any person interested in the said land may, iin 21 days from the date of this notification, object to laying of the pipeline under the land to the Competent hority, Oil & Natural Gas Commission, H.B.J. Pipeline of the B-58/B Aligani, Lucknow (226020);

nd every person making such an objection shall also · specifically whether he wishes to be heard in person or egal practitioner.

**SCHEDULE** 

Mories Daveilly Inadishman Direction

trict	Tahsil	Pargan	a Village	Plot No.	Area in Acre
1	2	3	4	5	6
un	Konch	Konch	Khera	1	0.35
			Bora	2	0.18
			.*	5	0.01
				6	0.30
				17	0.55

लोकहित में यह श्रावश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली/अगदीशपुर पाइप लाइन तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैरा श्रायोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

श्रीर यतः प्रतीत होता है कि ऐसी साइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतदक्षारा ग्रनसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का प्रधिकार भ्रजित करना आवश्यक है।

श्रतः श्रव पैट्रोलियम भौर खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के ग्रधिकार का ग्रर्जन) (अधिनियम, 1962) (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उयाग का अधिकार अर्जित करने का अपना श्राणय एतदश्वारा घोषित किया है।

बगार्ले कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए प्राक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस प्रयोग बी-58/बी, प्रलीगंज, लखनऊ-2260 20 यू.पी. को इस भ्रधिमुचना की सारीख ने 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

ग्रीर यह ग्राक्षेप करनेयाला हर व्यक्ति विनिविष्टना यह भी कथन करेंगा कि क्या वह चाहना है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि अथवसायी की मार्फत ।

यन्युषी

जिला	तहसील	 परगना	ग्राम	नम्बर	स्तिया गया रक्तमा वि.सि.वि.		
1	3	3	4	5		. 6	3
	महाराजगंज	सेमरीता	कनकौपुर	139	0	3	8
	•			151	0	0	1
				153	0	1	0
	-			154	0	16	G

1	2		3	.1	5	5	6	1				3			<sup>3</sup>	, 		
रामबरेली	महाराजगं <del>ज</del>	—-— —- समरोता	कक्केंगुर	155	1	8	15			,					5 <b>7</b>		12	6
	•		J	159	0	5	5 5								59	0	7	0
				165	()	C	17								60	0	6	1,0
				166	1	7	6								56 185			1'0 1 0
				167	0	(1								_				
				168	1	1							यंग	•	27	10	6	14
				169	0	7	) 6 } 8									(6-	459	)
			-	187 188	Ü	,											एक	-
				190	0		7 10										-61	
				191	0		16 0									है	बटेय	र्स
				192	0	2	2 15						r				Δ	
				193	0	1	1 15						[स.	O-140	016/9	/84 <del>-</del> 3	नाः, प	भा .
				241	. 0	2	2 14					•.		1	<u> </u>	. 1	^	
				?12	0	٠.5	5 3			i3.—Wh it is пс								
				243	Ó	9	9 5	trans	ort o	[ petrole	eum f	rom ]	Hajira-E	larcilly	to J	agdis	hpi	ur
				244	0	(	3 4			esh Stat is Comm			Should	De Into	• by	me	OII	u,
				192/27			2 15					1.	- A .	at		_	£ 1.	
				57		1:		eurb		reas it								
				59	0					ibed in								
			,	60 =*a	0		6 R	N	ow. th	erefore,	in e	xercisa	e of th	ie pow	ers c	onfe	rre	đ
				56 185	0		5 10 1 10	sub-s	ection	(1) or	f the	Section	on 3 o	f the	Pe	trole	นกา	a
				107						ipelines , 1962								
			योग	27	1	0	6 14	hereb there		lares its	inter	ntion	to acqu	uire the	e rig	ht	of	υ
			,,,,	- '				incic	111,									
							591										-	
					`	एक	(59) •			that ar days fro								
					. (	एक	र 6159)	withi th <sub>e</sub> ] Auth	n 21 aying ority,	that ar days fro of the Oil & 8/B Al	om the pipelio Natur	e date ne une al Ga	of thi der the s Com	is notif land t mission	icatio to the ı, H.i	п, о̀ е <b>С</b> о	bjec mr	et ete
				139	(	एक   2-। हैपटे	र 6159) यर्म	withi the 1 Auth Proje	n 21 aying ority, ct B-5	days fro of the Oil & 8/B Al	om the pipelin Natur. iganj,	e date ne une al Ga Lucki	of thi der the is Com now (2	is notif land t mission 26020)	icatio to the i, H.i	п, о̀ е Со В.Ј.	bjec Pir	et ete eli
			,	139 151	0	एक 2- ( हैक्टे	र 6159) यर्म 3 8	withi th <sub>c</sub>   Auth Proje	n 21 aying ority, et B-3	days fro of the Oil &	om the pipelic Natur iganj, on ma	e date ne und al Ga Lucki	of thider the s Comnow (2	is notif land t mission 26020) an obje	icatio to the i, H.i i	n, o' e Co B.J.	bjeç omn Pir	et ete eli
				139 151 153	(	एक 2-1 हैक्टे	र 6159) यर्म	withi the 1 Auth Proje An state	n 21 sying ority, ot B-5 id eve specif	days from of the Oil & 88/B Al	om the pipelin Natur- iganj, on ma bether	e date ne und al Ga Lucki	of thider the s Comnow (2	is notif land t mission 26020) an obje	icatio to the i, H.i i	n, o' e Co B.J.	bjeç omn Pir	et ete eli
			,	151 153	0 0	एक 2-1 हैक्टे	र 6159) यर्ग 3 8 0 1	withi the 1 Auth Proje An state	n 21 sying ority, ot B-5 id eve specif	days from of the Oil & 8/8 All ry rersolically w	om the pipelin Natur- iganj, on ma bether	e date ne und al Ga Lucki iking he v	e of the der the s Comnow (2 such sishes to	is notif land t mission 26020) an obje	icatio to the i, H.i i	n, o' e Co B.J.	bjeç omn Pir	et ete eli
				151 153 154	0 0	एक 2-1 हैक्टे 0	र 6159) धर्म 3 8 0 1 1 0	withi the 1 Auth Proje An state	n 21 sying ority, ot B-5 id eve specif	days from of the Oil & 8/8 All ry rersolically w	om the pipelin Natur- iganj, on ma bether	e date ne und al Ga Lucki iking he v	of thider the s Comnow (2	is notif land t mission 26020) an obje	icatio to the i, H.i i	n, o' e Co B.J.	bjeç omn Pir	et ete eli
			,	151 153 154 155	0 0 0	एक 2- ( है क्टे	र 6159) धर्म 3 8 0 1 1 0 16 6 8 15	withi the 1 Auth Proje An state	n 21 sying ority, ot B-5 id eve specif	days from of the Oil & (8/B All All All All All All All All All Al	om the pipelin Natur. iganj, on ma hether	e date ne une al Ga I uck iking he v	e of the der the s Comnow (2 such sishes to	is notificated the land of the	icatio to the i, H.i i ection eard	n, o' e Co B.J.	bjeç omn Pir	et ete eli
			,	151 153 154 155 159	0 0 0 1 0	एक   2-4  हैक्टे	र 6159) यर्म 3 8 0 1 1 0 16 6 8 15 5 5	withi the 1 Auth Proje  An state by 16	n 21 aying ority, ct B-3 id eve specif	days fro of the Oil & (8/B Al ry rerso ically w ractition	om the pipelin Natur. iganj, on ma bether er.	e date ne une al Ga I uck king he v  IN really J	e of this der the is Comnow (2 such axishes to DEX agglishp	is notified in his home and a his	ication the think the thin	n, o'e Co B.J.	Pir Pir dl ersc	et peta eli ai on
			,	151 153 154 155 159 165	0 0 0 0 1 0 0 0	एक 2~ ( <del>है कटे</del> 0	प्र 6159) यर्म 3 8 0 1 1 0 16 6 8 15 5 5	withi the 1 Auth Proje An state	n 21 aying ority, ct B-3 id eve specif	days from of the Oil & (8/B All All All All All All All All All Al	om the pipelin Natur. iganj, on ma bether er.	e date ne und al Ga I uck king he v  IN really J	e of this der the is Comnow (2 such axishes to DEX agglishp	is notificated the land of the	ication the think the thin	n, o'e Co B.J. sha	bjecomn Pir Pir dll ersc	ai on
				151 153 154 155 159 165	0 0 0 0 1 0 0	एक 2-1 है बटे	ड़ (6159) यर्म 3 8 0 1 1 0 16 6 8 15 5 5 0 17 7 6	withi the 1 Auth Proje  An state by 16	n 21 aying ority, ct B-3 id eve specif	days fro of the Oil & (8/B Al ry rerso ically w ractition	om the pipelin Natur. iganj, on ma bether er.	e date ne und al Ga I uck king he v  IN really J	e of this der the is Comnow (2 such axishes to DEX agglishp	is notified in his home and a his	ication the think the thin	n, o'e Co B.J. sha in po	Pir Pir dl ersc	a a ire
			,	151 153 154 155 159 165 166	0 0 0 0 1 0 0 0	एक 2-1 है बटे	प्र 6159) यर्म 3 8 0 1 1 0 16 6 8 15 5 5	withi the 1 Auth Proje  An state by 16	n 21 aying ority, ct B-3 id eve specif	days fro of the Oil & (8/B Al ry rerso ically w ractition	om the pipelin Natur. iganj, on ma bether er.	e date ne une al Ga I uck king he w  [N. re:lly J gana V	e of this der the is Comnow (2 such axishes to DEX agglishp	is notified in his home of the his	ication the think the thin	n, o'e Co B.J. sha in po	bjecomno Pir Pir dl dl ersco	et beto beli ai on
				151 153 154 155 159 165 166 167	0 0 0 1 0 0 1 0	एक 2~ ( <del>है पटे</del> ( (	ह 6159) यर्म 3 8 0 1 1 0 16 6 8 15 5 5 0 17 7 6 0 4 1 1	withi the 1 Auth Proje  An state by 16	n 21 aying ority, ct B-3 dd eve specification iries	days fro of the Oil & 88/B Al ry perso ically w ractition  Haji	om the pipelin Naturiganj, on ma bether er.  Parg	e date ne une al Ga I uck lking he v  IN really J  gama V	e of thider the is Comnow (2 such it is is considered to it is is considered to it is is in the interest of th	is notified and the control of the c	ication the the thing is a section card	n, oo Co B.J. sha sha aa B	Are cqu	aire B.
				151 153 154 155 159 165 166 167 168	0 0 0 1 0 0 1 0 0	एक 2-1 हैक्टे	र 6159) यर्म 3 8 0 1 1 0 16 6 8 15 5 5 0 17 7 6 0 4 1 1 0 6	withi the 1 Auth Proje  An state by 16	n 21 aying ority, ct B-3 dd eve specification iries	days fro of the Oil & (8/B Al ry perso ically w factitions  Haji	om the pipelin Naturiganj, on ma hether er.  Parg	e date ne une al Ga I uck lking he v  IN really J  mrauta	e of thider the is Comnow (2 such it is is considered to it is is considered to it is is in the interest of th	is notifiand the provided in t	ication the the thing is a section card	n, oo Co B.J. Sha sha B	Aree equi.B	a ire
				151 153 154 155 159 165 166 167	0 0 0 1 0 0 1 0	एक 2-1 हैक्टे	ह 6159) यर्म 3 8 0 1 1 0 16 6 8 15 5 5 0 17 7 6 0 4 1 1	withi the 1 Auth Proje  An state by 16	n 21 aying ority, ct B-3 dd eve specification iries	days fro of the Oil & (8/B Al ry perso ically w ractitions  Haji  Tahsil	om the pipelin Naturiganj, on ma hether er.  Parg	e date ne une al Ga I uck lking he v  IN really J  mrauta	e of thider the der the second (2 such a sishes to describe the described by the described	is notified and the land the mission 26020) an object of be here.  No.  ey 139 151 153	ication the the thing is a section card	n, o'e Co B.J. Sha sha in po	Are cqu	ea ired B.
				151 153 154 155 159 165 166 167 168	0 0 0 1 0 0 1 0 0	एक   2 ( <del>है पटे</del>     (	र 6159) यर्म 3 8 0 1 1 0 16 6 8 15 5 5 0 17 7 6 0 4 1 1 0 6	withi the 1 Auth Proje  An state by 16	n 21 aying ority, ct B-3 dd eve specification iries	days fro of the Oil & (8/B Al ry perso ically w ractitions  Haji  Tahsil	om the pipelin Naturiganj, on ma hether er.  Parg	e date ne une al Ga I uck lking he v  IN really J  mrauta	e of thider the der the second (2 such a sishes to describe the described by the described	is notified land to mission 26020) an object of be here.  No	ication the the thing is a section card	shasin po	Arecause 3-8	ea ird B.
				151 153 154 155 159 165 166 167 168 169	0 0 0 0 1 0 0 1 0 0	एक   2( <del>है पटे</del>     0	र (6159) यर्म 3 8 0 1 1 0 16 6 8 15 5 5 0 17 7 6 0 4 1 1 0 6 3 8	withi the 1 Auth Proje  An state by 16	n 21 aying ority, ct B-3 dd eve specification iries	days fro of the Oil & (8/B Al ry perso ically w ractitions  Haji  Tahsil	om the pipelin Naturiganj, on ma hether er.  Parg	e date ne une al Ga I uck lking he v  IN really J  mrauta	e of thider the der the second (2 such a sishes to describe the described by the described	is notified land the	ication the the thing is a section card	sha sha sha o- o- o- o- o-	Are equi.B. 3-8	aird B.
				151 153 154 155 159 165 166 167 168 169 187	0 0 0 1 0 0 1 0 0 0 0 0	एक   2( <del>है पटे</del>     0	(6159) 24年 3 8 0 1 1 0 16 6 8 15 5 5 0 17 7 6 0 4 1 1 0 6 3 8 2 7 10	withi the 1 Auth Proje  An state by 16	n 21 aying ority, ct B-3 dd eve specification iries	days fro of the Oil & (8/B Al ry perso ically w ractitions  Haji  Tahsil	om the pipelin Naturiganj, on ma hether er.  Parg	e date ne une al Ga I uck lking he v  IN really J  mrauta	e of thider the der the second (2 such a sishes to describe the described by the described	is notified land to mission 26020) an object of be here.  No	ication the the thing is a section card	on, o'e Co B.J. Sha sha in po o o o o o	Are cqu3-81-681-55	alice B. 100 155
				151 153 154 155 159 165 166 167 168 169 187 188	0 0 0 1 0 0 1 0 0 0 0 0	एक 2-4 है बटे	(6159) 24年 3 8 0 1 1 0 16 6 8 15 5 5 0 17 7 6 0 4 1 1 0 6 3 8 2 7 10	withi the 1 Auth Proje  An state by 16	n 21 aying ority, ct B-3 dd eve specification iries	days fro of the Oil & (8/B Al ry perso ically w ractitions  Haji  Tahsil	om the pipelin Naturiganj, on ma hether er.  Parg	e date ne une al Ga I uck lking he v  IN really J  mrauta	e of thider the der the second (2 such a sishes to describe the described by the described	is notif land the lan	ication the the thing is a section card	n, o'e Cc B.J. Sha sha in po 0- 0- 0- 0- 0- 1-	ArecquB	a ire 10 15 17 16
				151 153 154 155 169 167 168 169 187 188 190	( 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0	एक 2-4 हैक्टे	ह 6159) सर्में 3 8 0 1 1 0 16 6 8 15 5 5 0 17 7 6 0 4 1 0 6 3 8 2 7 10 6 0 2 15	withi the 1 Auth Proje  An state by 16	n 21 aying ority, ct B-3 dd eve specification iries	days fro of the Oil & (8/B Al ry perso ically w ractitions  Haji  Tahsil	om the pipelin Naturiganj, on ma hether er.  Parg	e date ne une al Ga I uck lking he v  IN really J  mrauta	e of thider the der the second (2 such a sishes to describe the described by the described	is notif land the lan	ication the the thing is a section card	n, o'e Cc B.J. Sha sin po o o o o o o o o o	Arecquia.B	a ird B. 6 15 5 17 6 4
				151 153 154 155 159 165 166 167 168 169 187 188 190 191	0 0 0 0 1 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0	एक 2-4 हैक्टे	र 6159) सर्में 3 8 0 1 1 0 16 6 8 15 5 5 0 17 7 6 0 4 1 0 6 3 8 2 7 10 6 0 2 15 1 15	withi the 1 Auth Proje  An state by 16	n 21 aying ority, ct B-3 dd eve specification iries	days fro of the Oil & (8/B Al ry perso ically w ractitions  Haji  Tahsil	om the pipelin Naturiganj, on ma hether er.  Parg	e date ne une al Ga I uck lking he v  IN really J  mrauta	e of thider the der the second (2 such a sishes to describe the described by the described	is notif land that land the mission 26020) an object of be here. No	ication the the thing is a section card	n, o'e Cc B.J. Sha sha in po 0- 0- 0- 0- 0- 1- 0- 1- 0- 1-	Are cqu	aird B. 10 15 17 64 1
				151 153 154 155 165 166 167 168 169 187 188 190 191 192 193 241	00000000000000000000000000000000000000	एक 2( <del>हैक्ट</del> े	3 8 0 1 1 0 16 6 8 15 5 5 0 17 7 6 0 4 1 1 0 6 3 8 2 7 10 6 0 0 2 15 1 15 2 14	withi the 1 Auth Proje  An state by 16	n 21 aying ority, ct B-3 dd eve specification iries	days fro of the Oil & (8/B Al ry perso ically w ractitions  Haji  Tahsil	om the pipelin Naturiganj, on ma hether er.  Parg	e date ne une al Ga I uck lking he v  IN really J  mrauta	e of thider the der the second (2 such a sishes to describe the described by the described	is notificated in the control of the	ication the the thing is a section card	n, o'c Cc B.J. Sha sha in po 0- 0- 0- 0- 0- 1- 0- 1- 0-	Are cqu	a ire 15 17 64 1 6
				151 153 154 155 159 165 166 167 168 169 187 188 190 191 192 193 241 242	0 0 0 0 1 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0	एक 2~। <del>हैवटे</del>	र 6159) सर्मे 3 8 8 0 1 1 0 16 6 8 15 5 0 17 7 6 0 4 1 0 6 3 8 2 7 10 6 0 2 15 1 15 2 14 5 3	withi the 1 Auth Proje  An state by 16	n 21 aying ority, ct B-3 dd eve specification iries	days fro of the Oil & (8/B Al ry perso ically w ractitions  Haji  Tahsil	om the pipelin Naturiganj, on ma hether er.  Parg	e date ne une al Ga I uck lking he v  IN really J  mrauta	e of thider the der the second (2 such a sishes to describe the described by the described	is notificated in the control of the	ication the the thing is a section card	n, o'c Cc B.J. Sha sha in po 0- 0- 0- 0- 0- 1- 0- 0- 0- 0- 0- 0- 0- 0- 0- 0- 0- 0- 0-	Are cqu	a ire 15 17 64 16 8
				151 153 154 155 169 165 166 167 168 169 187 188 190 191 192 193 241 242	(	एक 2~। 2~। 0	(6159) 24年 3 8 0 1 1 0 16 6 8 15 5 5 0 17 7 6 0 1 1 0 3 8 2 7 10 6 3 8 2 7 10 6 11 5 2 14 5 3 9 5	withi the 1 Auth Proje  An state by 16	n 21 aying ority, ct B-3 id eve specification iries	days fro of the Oil & (8/B Al ry perso ically w ractitions  Haji  Tahsil	om the pipelin Naturiganj, on ma hether er.  Parg	e date ne une al Ga I uck lking he v  IN really J  mrauta	e of thider the der the second (2 such a sishes to describe the described by the described	is notificand in the second se	ication the the thing is a section card	0-000 000 000 000 000 000 000 000 000 0	Are equal	aire 8 6 1 5 1 7 6 4 1 6 8 2 10
				151 153 154 155 159 165 166 167 168 169 187 188 190 191 192 193 241 242		एक 2 ( है क्टे	(6159) 24年 3 8 0 1 1 0 16 6 8 15 5 5 0 17 7 6 0 4 1 0 6 3 8 2 7 10 6 0 2 15 1 15 2 14 5 3 9 5 0 4	withi the 1 Auth Proje  An state by 16	n 21 aying ority, ct B-3 id eve specification iries	days fro of the Oil & (8/B Al ry perso ically w ractitions  Haji  Tahsil	om the pipelin Naturiganj, on ma hether er.  Parg	e date ne une al Ga I uck lking he v  IN really J  mrauta	e of thider the der the second (2 such a sishes to describe the described by the described	is notificated in the control of the	ication the the thing is a section card	0-000 000 000 000 000 000 000 000 000 0	Arecquia.B.I16 -8 -5 -0 -1 -1 -0 -3 -8 -8 -8 -8 -8 -8 -8 -8 -8 -8 -8 -8 -8	a ire 15 17 64 1 6 8 2 10 5 0

6		5	4	3	2	1	6	5	4	3	2	1
10	<del></del>	0	102				2-14	0	241			
							-5-3	0	242			
5	6′	0	107			•	.9~5	0	243			
0	3	1	108				0-4	0	244			
							-2-15	0	192/273			
0	3	3	11	योग			-126	0	57			
L-969)		_	• •				-7-0	0	<b>5</b> 9			
	•						-6-8	0	60			
एक इ							15-10	0	56			
0-7944							-110	0	185			
<b>म्टेयर</b>	ę.				•				<del></del>			
							-6-14	1	27	Total		
गी.पी.	84-3	3/10/	O-1401	[सं.			<b>-45</b> 9)	(6		•		
							cre.	A				
							2-6159					
Gover	al C	Centr	to the C	appears	Whereas i	S.O. 3464	ectare)	I.				

[No. O-14016/9/84GP].

का.भा. 3464. यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह भाषस्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर पाइप लाइन तक पैट्रोलियम के परिवहत के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस भाषोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

श्रीर यतः प्रतीत होता है। कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतदहारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार स्रजित करना श्रावण्यक है।

ग्रतः ग्रब पैट्रोलियम भौर खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के श्रिधिकार का श्रर्जन) (श्रिधिनियम, 1962) (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त सिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का प्रधिकार ग्रजित करने का श्रपना ग्रागय एसदश्वारा घोषित किया है।

बगरों कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिकाने के लिए छाझेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग बी-58/बी, धलीगंज, लखनऊ-2260 22 यू.पी. को इस प्रधिसूचना की क्षारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

ग्रौर ऐसा भ्राक्षेप गरने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विश्वि व्यवसायी की मार्फत ।

ग्रनुसूची हाजिरा-बरेली-जगतीशपुर पाइपलाइम

जिला	तहसील	पर्गना	ग्राम	गाटा	नं.	लिया गया रकवा वि.वि.वि		
	2	3	4	5			6	
रायबरेली	महाराज गंज	सेमरौता	गंगापुर	66	0	0	5	
	•		_	68	0	7	0	
				69	0	8	10	
				70	0	) ;	3 0	
				71	0	5	10	
				72	0	1	5	
				75	0	5	0	
				76	0	0	15	

S.O. 3464.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Halira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, it exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, H.B.J. Pipeline Project B-58/B Aliganj, Lucknow (226020);

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

INDEX
Haiira Bareilly Jagdishpur Pine Line

District	Tahsil	Pargana	Village	Gatten No.	Area Acquired B.B.B.
1	2	3	4	5	6
Raebareli	Mahara	aj Scm-	Gangapur	66	0-0-5
	Ganj.	rauta.	•	68	0-7-0
			•	69	0-8-10
				<b>70</b> \	0-3-0
				71 `	0-5-10
				72	0-1-5
				75	0-5-0
				76	0-0-15
				102	0-3-10
				107	055
•				108	1-3-0
		-	Fotal	11	3-3-0
					(1-969)
					Acre.
					(0-7944)
			-		Hectare.

[No. O-14016/10/84-GP]

का. आ. 3465.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह प्रावश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा/वरेली/जगदीशपुर पाइप लाइन तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन तेम नथा प्राकृतिक गैम आयोग द्वारा विछाई जानी चाहिए।

भौर यतः प्रतीत होता है कि ऐसी साइनों को विछाने का प्रायोजन के लिए एतदक्कारा घनुसूची से विणित भूमि में उपयोग का प्रधिकार प्रजित करना प्रावक्यक है।

थतः श्रव पैट्रोलियम भीर खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के भिक्षार का धर्जन) (भ्रधिनियम, 1962) (1962 का 50) की धारा 3 की उपदारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उनमें उपयोग का श्रिष्ठकार भ्रष्ठित करने का भ्रपना श्राक्षय एतद्वारा घोषित किया है।

यशर्ते कि उक्त भूमि में हितबड़ कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए झालेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस झायोग थी-58/बी, भलीगंज, लखनऊ 2260 20 यू.पी. को इस प्रधिमूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

श्रीर ऐसा श्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्विष्टना यह भी कथन बरेग, कि क्या वह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

धनुसूची े हाजिरा–बरेशी–जगदीशपुर पाइपलाइन

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	नम्बर	लिया गया श्रेतफल बीघा में				
1	2	3	4	5		6			
<b>তম</b> ্বে	पुरवः	पुरबा	विशुन खेड़ा	5	0		0		
				6	0	9	0		
				7	0	2	0		
				9	0	8	()		
				10	0	11	0		
				11	0	1	0		
				17	0	2	0		
				18	0	12	0		
				20	0	16	0		
				21	0	8	0		
				22	0	0	5		
		योग		11		15 ीघा	-5		
					0.	942 कटेयर			

[सं. O--14016/11/84-जी. पी.]

S.O. 3465.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laving such pipeline, it is necessary to aquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and 975 GI/84-11

Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority. Oil & Natural Gas Commission, H.B.J. Pipeline Project B-58/B Aliganj, Lucknow (226020);

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

INDEX
Hajira Barelly Jagdispur Pipe Line

Dis- trict	Tahsil	Par- gana	Village	Gatta No,	Area ii	n Bigha	5
1	2	3	4	5		6	
Unnao	Purwa	Purwa	Vishun	5	0	6	0
			Khera	6	0	9	0
	•			7	0	2	0
				9	0	8	0
				10	0	11	0
				11	0	3	0
				17	0	2	0
				18	0	12	0
				20	0	16	0
				21	0	8	0
				22	0	0	5
			_	11	3	15	5
					Bighas		
						(0.9424 Hectare	

का.भा. 3466.----यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लाकहित में यह भाषश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जयटीशपुर पाष्टप लाईन तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाष्टपलाईन नेल तथा प्राकृतिक गैम भाषोग द्वारा विछाई जानी चाहिए।

भीर यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइन को विछाने का प्रयोजन के के लिए एकब्रित एतद्द्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपभोग का श्रवि-कार श्रुजित करना आवश्यक है।

ग्रतः ग्रव पेट्रोलियम भौर खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के प्रधिकार का अर्जन) (अधिनियम, 1962) (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवस्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का भ्रधिकार भ्रजित करने का भ्रपना भागय एतबुद्वारा घोषित किया है।

बमर्ते कि उन्न भूमि में हिसबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए माक्षेप मक्षम प्राधिकारी, नेस तथा प्राहृतिक गैस प्रायोग बी-58 बी, प्रशीगंज, सखनऊ-226020 यू.पी. को इस अधिस्चना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

ग्रीर ऐसा ग्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टता यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसार्दकी सार्फत।

,		च <b>नुसू</b> ची					
	į	हाजिरा-वरेली-क	गदीशपुर प	<b>इ</b> पलाइन			
जिला	तहमील	परगमा	ग्राम	नस्बर	क्षेत्र		
					मीग	ग	में
1	2	3	4	5		(	3
उन्हाब	पुरुषा	पुरक्षा	गोकल	234	0	0	15
		,	<del>पु</del> र	239	0	8	0
				240	0	17	0
				257/3	0	1	10
				259	1	2	0
				276	0	0	16
				281	0	0	3
				283	0	0	3
				284	0	1	0
				285	0	11	0
				<b>34</b> 6	0	0	7
				287	0	6	•
	1			298	0	5	12
				289	0	2	16
				242	0	4	10
		योग		15	4 बी	ा घा	12
				1.0			4.

[सं. घो-14016/12/84-जी. पी.]

S.O. 3466.-Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to aquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Phoelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, H.B.J. Pipeline Project B-58/B Aliganj, Lucknow (226020);

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

INDEX Hajira Barelly Jagdispur Pipe Line

District	Tahsil	Par- gana	Village	Gatta No.	Area i	Area in Bighas	
1	2	3	4	5		6	
Unnao	Purwa	Purwa	Gokul- pur	234 239 240	0 0 0	0 8 17	15 0 0

1	2	2	4	5		6	
 		**************************************	51 444 (* 1 4 pri)	257/3	Ó	1	10
				259	1	2	0
				276	0	0	16
				281	0	0	3
				283	0	0	3
				284	0	1	0
				285	0	11	0
				286	0	0	7
				287	0	6	0
				288	0	5	12
				289	0	2	16
				242	. 0	4,	10
 		<u> </u>	Total	15	4	1	12
					Bighas		
					1.0321		
		*			Hectare	5	
 		<del>, ,, , , , , , , , , , , , , , , , , ,</del>		ΓNo. (	D-14016/1	2/84—	GPI

का.चा. 3467 --- यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह भावश्यक है कि उस्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगवीश-पूर पाइप लाइन तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस श्रायोग द्वारा विछाई जानी चाहिए।

भौर यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइमों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतदुद्वारा भनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का श्रधिकार श्रर्जित करना भावत्रयक है ।

ब्रतः धन पेट्रोलियम भीर खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के प्रधिकार का ग्रर्जन) (मधिनियम, 1962) (1962 का 50) की घारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवस्त मिक्तियों का को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का ग्रधिकार ग्रजित करने का श्रपना भाशय एतदुधारा घोषित किया है।

बणर्ते कि उक्त भूमि में हिनबदा कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस भायांग बी-58 बी, भलीगंज, लखनऊ-226020 यू.पी. को इस भधिमूचना की तारीख से 21 के भीतर कर सकेगा।

श्रीर ऐसा भाक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिविष्टता यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उनकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि स्यवसाई की मार्फत।

भनुसूची हाजिरा-बरेली-जगवीशपुर पाइपलाइन

जिला	तहसील	पर्गना	ग्राम	नम्बर	क्षेत्र बी		फल में
1	2	3	4	5		-	6
उम्माव	उन्नाब	हर हा	टिकरी-	50	0	0	10
		*		49	I	9	10
	1			48	0	7	4
				47	0	1 3	7 0
				45	0	18	0
				42	0	ō	15
				36	0	4	11

1 , 2	3 4	5		6			1	2		3 4	5		6	
		89	1	8	0						42	0	0	15
		24	0	3	4						36	0	4	11
		91	0	4	4						89	1	8	C
		92	0	0	16						24	0	3	4
1		23	0	9	10						91 92	0 0	4 0	14
		22	0		16						23	0	9	16 10
		. 20	O.		15						22	ő	5	16
		18		13							20	Ō	1	15
					10						18	G	13	5
		17									17	0	10	10
		16	0	4	0				,		16	0	4	0
		15		12							15	0	12	3
		14	0	7	0						14	0	7	0
		8	3	11	15						8	3	11	16
		9	0	8	9						9 97	0 0	8 8	9 9
		97	0	8	9						139	0	12	12
		139	•	12	12						141	ŏ	3	10
		141	0	3	10					Total	24	14	 2	 9
	.a												Bighas	
	योग	24	Ą	1 2 गिषा								2.5730 Hectar		
				2-5' स्टेयर	730	-	<del></del>		,	<del></del>	Day:	O-14016	/10/04	

[सं. पो-14016/13/84-जी,पी.]

S.O. 3467.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to aquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, H.B.J. Pipeline Project B-58/B Aliganj, Lucknow (226020);

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

INDEX
Hajira Barelly Jagispur Pipe Line

District	rict Tahsil Par- gana 2 3		Village	Gatta No.	Area in Bighas	
1	2	3	4	5	6	
Unnao	Unnao	Haraha	Tikri	50	0 0	10
			Padb-	49	1 9	10
			bhata	48	0 7	4
				47	0 17	0
				45	0 18	0

भौर घतः प्रतित होता है कि ऐसी लाइनों को विछाने का प्रयोजन के लिए एतद्शारा धनुसूची में विणित भूमि में उपयोग का श्रविकार ग्रजित करना भवास्यक है।

धतः ग्रम पेट्रोलियम धौर खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के मधिकार का प्रार्थेंग) (प्रधिनियम, 1962) (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त मक्तियों का प्रयोग करने हुए केश्वीय सरकार ने उस में उपयोग का प्रधिकार ग्राजित करने का भ्रपना ग्रामय एतव्हारा घोषित किया है।

बंशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए घाक्षेप सवाम प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिंग गैस प्रायोग बी-58/बी, घलीगंज, लखनऊ-226020 यू.पी. को इस प्रधि-सूनमा की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

भौर ऐसा प्राक्षेप करने वाला हर अयक्ति विनिर्विष्टता यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी मुनवाई अयक्तिगत हो या किसी विधि अयवसाई की मार्कत।

> ममुसूर्या हाजिरा : बरेंली-अगदीगपुर पाइपलाइन

जिसा	तहसील	परगना	ग्राम	न <b>म्ब</b> र			रक <b>ा</b> , वि.
1	2	3	4	5 .	<del>,                                      </del>	6	<del></del>
राय बरेली	महाराज	इन्होना	सिठौली	25	0	19	5
	गंज			26	Û	16	10
				27	0	G	5

1	2	3 4	4 :	5		6	,			Hajira Ba	INDEX	dispur P	ine Line		
			28	3	0	3	15						<del></del>		
			29	)	0	1	16	Distric	t Tahsil	Par-	Village		Area ac	:quir <b>c</b> d	l
			3 (	)	0	1	10			gana		No.	B,B,B.		
			3.	1	0	4	15	1	2	3	4	5		6	
			5	)	0	1	10								
			5	3	1	16	15	Rae-	Maharaj	Inhauna	Sithauli	25	0	19	5
			6	1	0	3	10	bare <sup>t</sup> i	Gani			26	U	16	10
			6	5	0	2	10					27	0	6	5
			6		0	4	1.5				•	28 29	0 0	3	15 16
			6		0	3	0					30	0	1 1	10
			6		0	2	5			•		34	0	4	15
			6		0	4	8					50	0	i	10
			7.		1	15	10					58	1	16	15
			7:									64	0	3	10
					0	1	0					65	0	2	10
			79		1	U	10					66	0	4	15
			8		0	19	0					67	0	3	0
				3	0	18	10					68 60	0	2	5
			1	214	1	1	15					69 70	0 1	4 15	8 10
			1	216	0	2	0					71	. 0	13	0
			" 13	220	0	9	10					79	1	ō	10
			1 2	221	0	13	10					81	0	19	0)
			1 :	222	0	2	10					103	0	18	10
			1:	230	0	3	5					1214	1	1	15
				232	0	11	0					1216	?	2	0
				255	0	10	0					1220	0	9	10
				256	0	3	o					1221	0	13	10
												1222	0	2	10
					4	2	9					1230	0	3	5
		3	<b>हुल</b> : 2.9	1		3						1232	0	11	0
						858) एक						1255	0	10	0
					( 3-	-5874)हे	टियर					1256	0	3	0 
	<b></b>						<del></del> -				Total	29	14	3	9
,			r			14/84-जी.	-						(8-858) Aerels 3 -5874 Hectare	1	£
ment the	3468.—Wh at it is no t of petrol	cessary in	appears t	o th ic in	e Ce	ntral Go	overn- or the					[No.	Aerels	1 28.	

transport of petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to aquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, H.B.J. Pipeline Project B-58/B Aliganj, Lucknow (226020);

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

का.चा. 3469--यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह श्रावण्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर माइप साइन तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा

प्राकृतिक गैस प्रायोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

ग्रीर यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को विछाने का प्रयोज: के लिए एतद्हारा धनुसूची में वंणित भूमि में उपयोग का प्रक्षिकार धर्णित करना ग्रावश्यक है।

यतः यत्र पेट्रोलियम श्रीर खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के ग्रिधिकार का भर्जन) (भ्रिधिनियम, 1962) (1962 का 50) की धारा 3- की जपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आक्रय एतद्वारा थोषित किया है।

बगर्से कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई ध्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइए लाइन बिछाने के लिए प्राञ्जेप सक्षम प्राधिकारी तेल संधा प्राकृतिक गैस भायोग बी-58/बी, घलीगंज, लखनऊ-226020 यू.पी. को इस ग्रधिसूचना की तारीख से 21 बिन के भीतर कर सकेगा।

[भाग II	-अस्त्रण्ड ३ (	(ii)]					भारत का	राजपन्नः नवम्बर	3, 1984/	कातिकः ।	2, 1906				32 17
र्फ्रार ऐ करेगा कि	रेसा माधेप क्या वह क		-			_		1	2	3	4	. 5		6 	VICIO
विधि व्यवस				<b>3</b> 0		•		रायबरेली	महाराज	सेमरौता	जमुरावा	1881	o	11	10
									गंज		•	1887		9	10
		भन्	सूची									1888	0	. 3	0
	हार्र	जरा-बरेल	ो–जगदीश	पर पाइप	লেছেন							1889	Ü	9	10
	<u> </u>											1890	0	1	15
<del></del>			*****			,						1891	0	1	10
जिला	तहसील	परगना	प्राम	गाटा	लिया वि.		क्बा वि.					1893	0	5	10
				नम्बर	19,	19.	19.					1895	0	2	10
												1899	0	7	0
1	2	3	4	5		6						1900	O	3	. 0
				····								1902		1	10
रायबरेली	महाराज	सेमरौता	जमरावा	655	0	9	0					1904		5	10
	गंज		46									1905	0	13	0
				656	0	7	10					1907	0	1	10
				657	0	16	1.0					1908	0	12	10
				662	0	1	7					1910	()	2	5
				765	0	1	10					1914	0	10	10
				766	0	7	0					1915 1916	0	0 8	10 10
				767	ø	12	10					1917	0	3 /	15
				769	0	5	1.5					1919	0	1	10
				1723	0	11	0					1928	0	4	10
				1724	υ	2	0					1929	0	8	0
				1725	0	6	4					1931	0	2	10
				1726	0	18	10					1932	0	0	13
				1727	0	0	10					1933	0	11	10
				1728	0	6	0					1934	0	1	2
				1729	0	9	10					1792	0	0	2
				1738	0	15	10					1962	0	1	19
				1739	0	7	12					1866	0	U	2
				1747	0	4	10					1722	U	1	0
				1748	0	11	0								
				1749 1750	0 0	11 12	10 0				कुल	74	24	7	6
				1755	0	18	10							5~229)	
				1756	0	4	10							165)	
				1764	0	1 4	5				{∉.	मो-14	16/1	ऽ/ <b>अ.4—जो</b> .	.पी.]
				1793	0	5	5	S.O. 34	69.—Wi	nercas i	t appear	s to th	e Ce	ntral G	iov <b>e</b> rn-
				1794	0	2	o	ment that transport							
				1797	0	3	0	Uttar Pra							
				1798	0	7	5	Natural G							
				1799	0	8	0	And wh	arese ii	gnnone	s that f	or the	P\$171 **	nee of	lavino
				1800	0	6	0	such pipel	ine, it is	necessa	ry to acq	uire the	rìght	of user	in the
				1801	0	7	10	land descr							
				1802	0	2	0	Now. tl	herefore.	in exe	rcise of	the po	wers (	onferre	d by
				1829	0	6 .	10	aub-section	ı (1) of	the S	Section 3	of th	e Petr	oleum	and
				1830	U	8	0	Minerals J Land) Act	t, 1962	(50 o	f 1962),	, the (	Centra	l Gover	nment
				1831	0	5	10	hereby dec	clares its	s intent	ion to a	cquire	the r	ight of	user
				1832	0	16,	0	therein;							
				1833	0	5	0	Provided	that ar	iv perso	on intere	sted in	the s	aid land	l may.
				1834	0	13	0	within 21	days fro	om the	date of	this no	tificati	on, obje	ect to
				1867	0	7	0	the laying Authority,	Oil &	pipenne Natural	Gas Co	me iano mmissi	. ю () оп, Н	B.J. P	ipeline
				1869	0	7	0	Project B-	58/B Al	igan <del>j</del> , L	ucknow 2	226020.	•	-	
			•	1871	n n	1	10								, <b>v</b>
				1872 1880	0	9 8	0 10	And even			ing such he wishes				
													nearce	TII DCTR	

			INDEX					1	2	3	4	5		6	
												1907	0	1	10
	1.7	nilea Ray	relly Jagdis	nur Pire I	ine							1908	0	12	10
	1,1	ajii a Dai	City bugots	p								1910	0	2	5
					,							1914	0	10	10
	T-bail	Par-	 Village	Gattea	Атея	Acau	ired	•				1915	0	0	10
District	Tahsil	gana	4 mage	No.	11100	B.B.B.						1916	0	8	10
		84114		2.0.								1917	0	3	13
												1919 1 <b>92</b> 8	0 0	1 4	10 10
1	2	3	4	5		6						1929	0	8	1,
							_		•			1931	ő	2	10
Rue-	Maha-	Sem-	Jamu-	655	0	9	0	•				1932	Ô	0	1.
areli	raj	rauta	rawan	656	0	7	10					1933	0	11	1
	Ganj			657	0	16	10		4			1934	0	1	- 2
				662	0	1	7 10					1792	0	0	2
				765	0	1 7	0			,		1962	0	1	13
				766 767	0	.12	10					1866	0	0	2
				769	0	5	15					1722	0	1	1
				1723	0	11	0				Total	74	24	7	
				1724	ő	2	ō			i.	10141	/7	(15-229)		1
				1725	ō	6	4						Acre.	,	
				1726	0	18	10						(6-165)		,
				1727	0	0	10						Hectare	:_	
				1728	0	6	0			•••		•			
				1727	0	9	10					[No.	O-14016/1	5/84-	GP]
				1738	0	15	10								
				1739	0	7	12	arra in	Fa 2.480	112F- 32		er <b>a</b> ir er er	तीत होता है	دے	
				1747	0	4 11	10 0								
				1748 1749	0	11	10						ारेलीजगर्द		
				1750	Ö	12	o					लिए पाइपल	ा≰न तेल तः	या प्रा	कृतिव
				1755	Ö	18	10	गैस भायोग	द्वाराविष	श्राने जार्न	<b>गाहिए।</b>				
				1756	ō	4	10								
				1764	0	14	5	भौर :	यतः प्रतीत	न होता है	कि ऐसी	लाइनों को	विछाने का	प्रयोज	म र
				1793	0	5	5	লিত্ ত্রবুঞ্চ	ारा प्रनस्	भी में ध	णित भूमि ने	ं उपयोग म	त <b>प्रधिकार</b> ।	प्रजित	करश
				1794	0	2	0	<b>प्रावश्यक</b> है		•	•				
				1797	0	3	0		κ.				,		
				1798	0	7	5	ग्राजः ।	गर देवोदि	ਹਨ ਦੀਵ	स्रक्रिक गा	<del>गाःस्य</del> /	भूमि में उपय	<u> </u>	
				1799	0	8	0								
				1800	0	6	0	कारका ३	4999) 1	<b>414174</b> 4	, 1962	(1962 ক	<b>र</b> 50) की	धारा	3 4
				1801 1802	0	7 2	10 0						ते हुए केन्द्रीय		
				1829	Ö	6	10			ग्रिधिका	र माजत	करने का	घपना माश	य एत	व्द्वा
				1830	ŏ	8	0	मोवित कि	या है।						
				1831	0	5	10								
				1832	. 0	16	0	वशर्ते	कि उक्त	मृमि में	हितबड क	ोई व्यक्ति	उस भूमि के	नीचे	पाह
				1833	0	5	0						ुः पूरा । तेल <b>तथा</b> प्र		
			4	1834	0	13	0						्षी <sub>ः</sub> प्राप्ता		
			•	1867	0	7	0					∡००20 पू रिकर सके		. इस	A10
				1869	0	7	0	प्रयमा का	वाराषा ९	a 41 (	4म भा भ∤र	ार कर सक	PT 1		
				1871	0	1	10	, मौर	ऐसा माओ	प करने	वाला हर	न्यक्ति विश	निविष्टता य	ह भी	क्य
				1872	0	б	0						स्यक्तिगत ह		
				1880	0	9	10	विधि व्यवस			J.	3.714		, 11	
				1881 1887	0 0	11 9	10 10	ानाज न्यंगर	a 171 '	-11 47/1 1					
				1888	0	3	0					मग्रकी			
				1889	Ö	9	10				— ₩ ——	मुसूषी ————			
				1890	0	1	15		.,	जिरा-सरे	ली-जगद्दीणप	र पाइप ल	<del></del>	1	
				1891	ő	i	10								
				1893	o	5	10	जिला	तहसी	ल परग	ना ग्राम्	नंब'र	लिया गय		
				1895	0	2	10						वि० वि	[o	ৰি ০
				1800	^	-	۵			<del></del>					

0

5 13

गंज

महाराज सेमरौता हिलहा

रायब रेली

<del></del>	<del></del>		JO		<del>1</del>	<del></del>	
6	(	3		4	3	2	1
J	7	0	137	, . ,		,	
5	17	0	139				
0	3	0	144				
10	3	1	147				
0	12	0	232				
10	1	0	278				
0	3	0	275				
6	7	0	276				
2	2	1	277				
0	1	1	279				
0	2	0	280				
10	0	0	284				
10	6	0	285				
0	1	0	286				
0	1	0	138				
7	12	7	18	योग			
) एकड़	(4-761						
	9282)						

[सं० O - 140/2616/84-जी०पी०]

S.O. 3470.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hajira-Barellly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, it exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, H.B.J. Pipeline Project B-58/B Aliganj, Lucknow (226020);

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

INDEX

Hajira Barelly Jagdispur Pipe Line

District	Tahsil	Par- gana	Village	Gattea No.	Area A B.	.cquirec B.B.	d ·
1	2	3	4	5		6	
Rae-	Maha-	Sen-	Hilha	133	0	2	0
bareli	гај	rauta		134	0	11	0
	Ganj			135	0	11	0
	-			137	0	7	0
	,			139	0	17	5
				144	0	3	0
				147	1	3	10
				232	0	12	0
				278	0	1	10
				275	0	3	0
				276	0	7	0
				<b>27</b> 7	1	2	2
				279	1	1	0

1	2	3	.4	5			6
				280	0	2	0
				284	0	0	10
				285	0	6	10
				286	0	1	0
				138	0	1	0
			Total	18	7	12	7
					(4-761)		
					Acre		

[No. O-14016/16/84-GP]

का० मा० 3471.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह प्रावण्यक है कि मध्यप्रदेश राज्य में हजीरा से बरेली से जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाईप लाईन तेल तथा प्राकृतिक गस मार्थोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

भौर यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को विछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पादद चनुमूची में वर्णित भूमि में उपयोग का प्रक्रिकार प्रजित करना भावश्यक है।

भतः घव पेट्रोलियम श्रीर खनिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के श्राधिकार का धर्जुन) प्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्ष शिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का प्रधिकार श्रीजत करने का श्रपना भाजय एतवृक्षारा घोषित किया है।

बशतें कि उक्त भूमि में हितबढ़ कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाईप लाईन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस प्रायोग, एच॰ बी॰ जें॰ पाइप लाइन 83 मुभाष नगर साबेर रोइ, उज्जैन (स॰ प्र॰) 456001 को इस प्रधिमूचना की तारीख के 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

श्रीर ऐसा श्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यहंभी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

एक बीट जेट रीम पाईप क्याईन प्रोजेक्ट

प्राम सुन्दरागाद	प्तहसील बड़नगर ि	जेला—उज्जन राज्य (म०प्र०)	
	घ <b>गु</b> सूची		
घनुः %। 1	खास्य चं० 1	उपयोगं <b>मधिकार मजेंन का</b> क्षेत्र (हेवटसं में)	
1	2	3	
1-	302	0.220	
2.	301	0.420	
3.	305	0.700	
4.	268/1	0.110	
5.	262	0.120	

267/1

267/3

259/2

266

142]

143 J 141

139/1

6.

7.

9.

10.

11. 12. 0.250

0.070

0.080

0.730

0.380

0.220

0.030

1 2 3		" · · · · ·	HBJ GAS PIPE	LINE PRODUCT	
	138	0.120	VILLAGE SUNDA Tehsil ; Badnagar		Badnagar – Distt. : Ujjain
13.		0.120	RAE	SAD SCHI	EDULE
14	139/2	0.430	SI.	Survey No.	Area to be
1 5.	156		No.	barry 110.	Acquired for
1 G.	157	0.270			R.O.U. in
1 7.	80	0.070			Hecture
18.	8 2/2	0-110	1.	302	0.220
19.	83/3	0.220	2.	301	0.420
20.	83/2	0.100	3.	305	0.700
21.	8.5	0.370	4.	268/1	0.110
22.	100	0.400	5,	262	0.120
23.	99	0.030	6.	267/1	0.250
24.	414		7.	267/3	0.070
	415	0.590	8.	259/2	0.080
25.	417	0.170	9.	266 142 )	0.720
26.	420	0.640	10.	143	0.380
27/1	422	0.010	11,	141	0.220
	424	0.400	12.	139/1	0.030
<b>27/</b> 2		0.150	13.	<b>138</b> .	0.120
28	298		14.	139/2	. 0.430
29	304	0 100	15.	156	0.070
30.	313	0.060	16. 17.	157 80	0.270 0.070
31-	272/1	0.120	18,	82/2	0.110
3 2.	267/2	0,070	19.	83/3	0.220
33.	182	0,110	20.	83/2	0.100
34.	135	0,130	21.	85	0.370
35.	117	0.030	22.	100	0.400
36	114	0.160	23.	99	0.030
37.	7 2	0.030	24.	414	0.590
38.	81	0.040	25.`-	415 J 417	0.170
39	102 मी ∘	0.050	26.	420	0.640
	416	0.080	27./1	422	0.010
40.	418	0.010	27./2	424	0.400
41.		0.010	28.	298	0.150
4 2.	458/1		29.	304	0.100
43.	300	0.025	30.	313	0.060
44.	144	0.015	31. 32.	272/1 267/2	0.120
	<del>कु</del> ल क्षेत्रफल	8,690	33.	182	0. <b>070</b> 0.11 <b>0</b>
		 1 4 0 1 6/ <b>7</b> 0/ 8 4-जीं० पी०]	34.	135	0.130
	[40	TAUTOLINE GARAGE ALA	35.	117	0.030
50 2471 Where it appears to the Cantral Government			36.	114	0.160
S.O. 34/1.—	S.O. 3471.—Whereas it appears to the Central Government hat it is necessary in the public interest that for the trans-			72	0.030
port of petrole	um from Hajira-Barilly to	Jagdishpur in Madhya	38.	81	0.040
	pipeline should be laid	by the Oil & Natural	39.	102 Mt.	0.050
Gas Commissi	on.		40.	416	0.080
And wherea	is it appears that for	the pipeline of laying	41. 42.	418 458/1	0.010
such pipeline,	it is necessary to acquir	re the right of user in	42. 43.	300	0.190 0.025
the land described in the schedule annexed hereto;			44	144	0.023

Total Area 8.690 [No. O-14016/70/84-GP]

0.015

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroueum and Minerals (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent Authority Oil & Natural Gas Commission, HBJ gas pipe line, 83. Subash Nagar, Sanver Road, Ujjain (M. P.)

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner,

का० भा० 3472 -- यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह भावभ्यक है कि उत्तर प्रदेश में हमीरा--बरेली---अगदीशपूर भाइप लाइन तक पेट्रोलियम के भरिबहुन के निए पाइपलाइन तेल ज्ञा प्रकृतिक गैस प्रायोग द्वारा विश्वाई जानी चाहिए।

144

भीर यसः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतव्दारा प्रनुयुची में वर्णित भूमि में उपयोग का प्रधिकार प्रजित करना प्रायण्यक है।

भतः ग्रम पेट्रोसियम और ऋषिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के मधिकार का मजिन) मधिकियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्त गर्मितयों को प्रयोग कर हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का प्रविकार मजित करने का मपना माइय एतव्हारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त मूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस मूमि में भीचे पाइप साइन बिछाने के लिए मासीप सक्तम श्राधिकारी, तेल सथा प्राकृतिक गैस मायोग बी-58 बी, भनीगंज, स्वागऊ-226020 यू पी को इस मधि-सुचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

भीर ऐसा भाकीप करते वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह वाहता है के उसकी मुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायों की मार्फतः।

धनुसूची हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर तक पाइप लाइन विछाने हेतु

जिला	तहसीभ	परगना	ग्राम	गाटा सं	मजित क्षेत्रफ एकः	
1	2	3	4	5	6	<del></del>
वासीन	कोंच	कोंच	परधानी	264	0	02
				269	0	12
				270	1	40
				272	0	0 4
				273	0	01
				285	1	60
				287	0	02
				288	0	90
				289	0	6.5
				290	0	01
				296	0	02
				299	0	42
				300	0	26
				301	0	04
				302	0	15
				303	0	45
				309	0	90
				313	0	0.3
				314	0	22
				315	0	4.8
	•			316	0	60
				317	0	10
				318	0	20
				319	0	0
				335	0	0 2
				336	0	0
				300/350	0	0

[सं O 14016/72/84-जी पी ]

S.O. 3472.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hajira-Barilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

975 GI|84....12

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, H.B.J. Pipeline Project B-58/B Aligani, Lucknow 226020.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE
Hazira—arilly Jagdishpur Pipeline

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in Acre
1	2	3	4	5	6
Jalaun	Konch	Konch	Pardhani	264	0.02
				269	0.12
				270	1.40
				272	0.04
				273	0.01
				285	1.60
				287	0.02
				288	0.90
				289	0.65
				290	0.01
				296	0.02
				299	0.42
				300	0.26
,				301	0.04
				302	0.15
				303	0.45
				309	0.90
				313	0.03
				314	0.22
			•	315	0.48
				316	0.60
				317	0.10
			•	318	0.20
				319	0.01
				335	0.02
				336	0.05
				300/350	0.01

का०मा० 3473 — यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि सोकहित में यह भावश्यक है कि मध्य प्रदेश राज्य में हजीराँ से बरेसी से जगवीशपुर तक पेट्रोसियम के परिवहन के लिये पाईप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गस भायोग द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

[No. O-14016/72/84-GP]

ग्रीर यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्याबद्ध ग्रनुसूची में बर्णित भूमि में उपयोग का ग्राधिकार ग्राजित करना भावश्यक है।

ग्रतः ग्रव पेट्रोलियम ग्रीर खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के ग्राप्तिकार का ग्रार्जन) ग्राप्तिनयम, 1962 (1962 का 50) की घारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का ग्राप्तिकार ग्राजित करने का भ्रमना भाषाय एतदक्षारा ग्रोपित किया है।

बहार्ते कि उस्त भूमि में हिसबदा कोई व्यक्ति, उस भूमि के नी वे पाईप नाईन विद्याने के लिए माक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गुँस खाबोग, एच वी जैसे पाइप जाइन 83 सुमाय नगर सावेर रोड, उज्जैन (म॰प्र•) 458001 को इस प्रक्षिसूचना की तारीख के 21 विनों के चीतर कर सकेगा ।

भौर ऐसा घाओप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्विष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह यह भाइता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

एचं बी अं नेस पाईप लाईन प्रोजेक्ट

धनुकम 1	<b>य</b> सरा मं∘	उपयोग भधिकार मर्जन क
		क्षीक (हैक्टर्स में)
1.	276	0.679
2	274	0.042
3.	287	0,261
4	288	0.157
5.	273	0.470
6.	289	0.031
7.	270	0.105
8.	290	0.010
0.	272	0.209
10.	292	0.105
11.	231	0.050
1 2.	253/2	0,200
13.	241	0,146
14.	219	0.052
15.	240	0,157
16-	239	0,188
17.	212	0,105
18-	220	0.523
19.	222	0.177
20.	221	0.314
21.	218/2	0.300
22.	238	0.418
23.	237/1/1	0,470
24	237/2	
25.	401/1/2	0,261
26.	400	0.076
27.	402	0.031
28.	403/1	0.105
29.	232	0.470
30.	230/2	0.345
31.	218/1	0.300
32.	251	0.052
33.	252	0.010
34.	66/4	0.021
35.	213	0.031
36.	234/1	0.052
37.	256	0.010
	कुल क्षेत्र	6.933

[यं॰ Q-14016 73/84-जी॰ पी॰]

S.O. 3473.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hajira-Barilly to Jagdishpur in Madhya Pradesh State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the dote of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent Authority Oil & Natural Gas Commission, HBJ gas pipeline, 83, Subash Nagar, Sanver Road, Ujjain (M.P.)

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be hear in person or by legal practitioner.

### HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village Singwasa Tehsil : Guna Distt. : Guna

### **SCHEDULE**

Sl. Survey No. No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hectare
1. 276	0.679
2. 274	0.042
3. 287	0.261
4. 288	0.157
5. 273	0.470.
6. 289	0.031
<b>7.</b> 270	0.105
8. 290	0.010
9. 272	0.209
10. 292	0.105
11. 231	0.050
12. 253/2	0.200
13. 241	0.146
14. 219	0.052
15. 240	0.157
16. 239	0.188
17. 212	0.105
18. 220	0.523
19. 222	0.177
20. 221	0.314
21. 218/2	0,300
22. 238	0.418 0.470
23. 237/1/1	0.470
24. 237/2	0,261
25. 401/1/2 26. 400	0.076
27. 402	0.031
28. 403/1	0.105
29. 232	0.470
30. 230	0.345
31. 218/1	0.300
32. 251	0.052
33. 252	0.010
34. 66/4	0.021
35. 213	0.031
36. 234/1	0.052
37. 256	0.010

[No. O-14016/73/84-GP]

Total Area

6.933

का अभा 3474.— यत. केन्द्रीय सरकार को सह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह प्रावच्यक है कि मध्य प्रवेश राज्य में हजीरा से बरेली से जगवीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिय पाइप लाईन तेल तथा प्राकृतिक गैस भायोग द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

भीर यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को विछाने के प्रयोजन के सिये एतदपाबद्ध धनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का प्रक्रिकार वर्जित करना भावश्यक है।

धतः धव पेट्रोलियम धौर खनिज पाइप लाईन (भूमि में उपयोज के ध्रधिकार का धर्जन) स्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की ध्रारा 3 की उपधरा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सर-कार ने उसमें उपयोग का ध्रधिकार धर्जित करने का ध्रपना सामय एतद्-द्वारा घोषित किया हैं।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाईप लाईन बिछाने के लिए माक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक शैस म्रायोग, एव बी जे पाइप लाईन 83 सुषाय नगर सावेर रोड, उज्जेन (म॰प्र०) 458001 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

प्रीर ऐसा म्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिविष्टतः यह भी कवन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत हो सा किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

एच०बी०जे० नैस पाईप लाइन प्रोजेक्ट

पाम संबक्षा तहसील बदनावर जिला घार राज्य (भन्य प्रवेष)

भनु	सूपा

घनु० ५०	₩सरा नं०	उपयोग मधिकार भर्जन का
		भीव (हैक्टर्स में)
1	2	3
1.	92/1	1.126
2.	107	0.013
3.	126/1	0.506
4.	91/1/1	0.746
5.	9 1/1/2	0.557
6.	91/1/3	1.556
7.	241/1	0.278
8.	595/1	0.721
9.	591/1	0.584
10.	590	0.240
11.	589/2	0,114
1 2.	585/4	0.091
13.	385/5	0.226
14.	584	0.331
1 5.	583	0,065
16.	559/1/1	0.455
17-	576	0.078
18.	575	0.292
19.	574	0.278
20.	573	0.318
21.	579/1	0.013
22.	579/1/2	0.126
23.	572	0.013
24.	571	0.506
25.	580/1	0.734
26.	608/2	0.039
27.	569	0.089
28.	568	0.089

1	2	3
29.	709/1/1	1.517
30.	566	0.075
31	556/1	0 · 152
32.	751	0.152
33.	798/1	0.039
34.	770	0,202
3 5.	774	0.126
36.	776	0.187
37.	777	0,114
38.	780	0.392
39.	791	0.039
40.	792	0.025
41.	794	0.126
42.	949	0.025
43.	961	0.113
44	959	0.126
4.5-	960	0.078
46.	962	0.189
47.	956/2	0.266
	981/2	
48.	983	0,075
49.	982	0.130
50.	978	0.065
51.	984	0.039
52-	985	0.051
5 3.	986	0.114
54-	994/2	0.266
5 5-	995	0.025
56.	1040	0,253
57.	1036/2	0.051
`	1041/1	0.114
58.	1047/1	0.304
59.	1047/2	0.165
60.	- 1059	0.089
61.	1056	0.025
62.	1057	0.304
63.	1058	0.139
6 <b>4</b> .	1064	0.331
65.	1145	0.139
66,	1146	0.126
67.	1147	0.089
68.	1149	0.367
69.	1151/1	0.266
70.	1152	0.089
71	1153	0.039
7 2.	1151/2	. 0.202
	कुल क्षेत्रफल	17.987
		14016/76/84-जी पी]

[सं० O-14016/76/84-जी पी]

S.O. 3474.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hajira-Barilly to Jagdishpur in Madhya Pradesh State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule snnexed hereto:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Mine-

rals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land)
Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent Authority Oil & Natural Gas Commission, HBJ gas pipe line, 83 Subhash Nagar, Sanver Road, Ujjain (M.P.).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

### HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village : Sandala	Tehsil: Bandawar	Dist. : Dhar
	SCHEDULE	

Village : Sandala	Tehsil : Bandawar SCHEDULE	Dist. : Dhar
Sl. Survey No. No.		Area to be Acquired for R.O.U. in Hectare
1 2		3
1, 92/1	<del></del>	1.126
2. 107		0.013
3. 126/1		0.506
4. 91/1/1		0.746
5. 91/1/2		0.557
6. 91/1/3		1.556
7. 241/1		0.278
8. 595/1		. 0.721
9. 591/1		0.584
10, 590		0.2407
11, 589/2		0.114
12. 585/4		0.091
13. 585/5		0.226
14. 584		0.331
15. 583		0.065
16, 559/1/1		0.455
17. 576		0.078
18. 57 <i>5</i>		0.092
19. 574		0.278
20. 573		0.318
21. 579/1		0.013
22. 579/1/2		0.126
23. 572		0.01
24. 571		0.506
25. 570/I		0.734
26. 608/2		0.039
27. 569		0.089
28. 568		0.09
29. 709/1/1		1,58
30. 566		0.075
<b>31.</b> 556/1		0.152
<b>32</b> . 751		0.152
33. 798/1		0.039
34. 770		0.202
<b>35.</b> 774		0.126
36. 776		0.187
37. 777		0.114
38. 780		0.392
<b>39.</b> 791		0.039
40. 792		0.025
41. 794		0.126
<b>42</b> . 949		0.025
43. 961		0.113
44. 959		0.126
45. 960		0.078
46. 962		0.189
<b>47.</b> 956/2.		0.266
981/2		

1	2		3
48.	983		0.078
49.	982		0.130
50.	978		0.065
51.	984		0.039
52.	985		0.051
53.	986		0.114
54.	994/1		0.266
55.	995		0.025
56.	1040		0.253
<i>5</i> 7.	1036/2		0.051
	1041/1		0.114
58.	1047/1		0.304
59.	1047/2		0.165
60.	1059		0.089
61.	1056		0.025
62.	1057		0.304
63.	1058		0.139
64.	1064		0.331
65.	1145		0.139
66.	1146		0.126
67.	1147		0.089
68.	1140		0.367
69.	1151/1		0.266
70.	1152	,	0.089
71.	1153		0.039
72.	1151/2		0.202
		Total Area	17.987

[No. 0-14016/76/84-GP]

का॰ भा॰ 3475.—यतः केम्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोक-हित में यह प्रावश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-अग्रदीशपर पाइप लाइन तक पट्टोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस कायोग द्वारा विछाई जानी चाहिए।

भीर यत: प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को विष्ठाने का प्रयोजन के लिए एतदुशरा प्रनुसुची में बणित भूमि में उपयोग का धकिक्षार धक्रित करना भावश्यक है।

ग्रतः भव पेट्रोलियम भीर श्वानिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के भिकार का भर्जन) (मिधिनियम, 1962) (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदल शक्तियों को प्रयोग करते हुए केम्ब्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का मधिकार भाजित करने का भपना भागय एतव-द्वारा घोषित किया है।

बशर्त कि उन्त भिन में हितंबढ़ कीई व्यक्ति उस भिन के नीचे पाइप लाइम विकाने के लिए घाओप सक्षम प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिक गैस भागोग बी-58 बी भलीगंज लखनऊ-226020 यु पी० को इस भ्रधि-सूचना की सारीखा से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

भौर ऐसा भाक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टता यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसाई की मांफत।

पनुसूची

			• "			
जिला	तहसील	पर०	ग्राम	ाटा संख्या	लिया गया क्षे०फ०	विवरण
इटावा	घोरेया	भौरेया	गवल सिंह ससेमपुर			
				246	0	04
		-		293	0	88

2 3

0.39

0.76

0.12

0.03 0.28

0.19

0.45

0.02

0.05

0.60

0.02

0.32

0.44

0.02

0.21

5.54/2-242 Heetire

0.8

301

302

303

307

308 309

310

321 324

311

320

322

2

3

14

19

1

 2		3
296	0	03
298	0	01
299	O	5 7
300	0	01.
3 0 1	0	39
302	0	76
303	0	12
307	0	03
308	0	28
309	0	19
310	0	02
321	0	45
324	0	02
311	0	05
320	´ 0	60
322	0	02
1	0	32
2	0	44
3	0	02
14	0	21
19	0	08
मुलयोग 23 ह	एक ब कटोएयर	5.54 2-242

[सं॰ मा-14016/77/84-मो॰ पी॰]

S.O. 3475.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hazira in Gujarat State to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, H.B.J. Pipeline Project B-58 B Aliganj, Lucknow, U.P. (226020).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

### **ANNEXURE**

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area taken in acres	Remark
Etawah	Auraiya	Auraiya	Salem-	246	0.04	
			pur	293	0.88	
A.			Nawal	296	0.03	
			Singh	298 299	0.01 0.57	
			•	300	0.01	

भौद्र यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के निए एतब्कारा भ्रमुसूची में बणित भूमि में उपयोग का मधिकार मजित करना भावश्यक है।

मतः प्रब पेट्रोलियम भीर खिनिज, पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के प्रधिकार का धर्मन) (प्रधिनियम 1962) (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्त सन्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उन्न में उपयोग का प्रधिकार भिक्त करने का भपना भाजय एतथ्दारा भोषित किया है।

बंशतें कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए भाष्ट्रेप सक्षम प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिक गैस भाषोग बी-58/बी घलीगंज लखनऊ-226020 यू० पी० को इस प्रधि-सुचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

भीर ऐसा भाक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टता यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सूनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसाई की मार्फत।

मनुसुको

जिला	तहसील	पर०	याम	गाटा सं <b>०</b>	लियागया एकड़ में	धो ०५ ०
इटावा	मोरेया	प्रोरेया	मञ्जूपुर			
				65	0	08
				74	0	42
				76	0	74
				77	0	02
				80	. 0	62
				81	0	01
				82	0	23
				86	0	32
		,		. 87	0.	3-1

1	2	3	4	6	6		1	2	3 ,	4	5	6
·						01			-, <del></del>		105	0.01
				104	0						106	0.01
				105	0	01					107	0.11
				106	0	01					108	0.47
				107	0	11					113	0.12
				108	0	47					114	0.42
					0	12					116	0.54
				113							118	0.15
				114	0	42					117	0.02
				116	0	54					122	0.02
				118	0	15					123	0.81
				117	0	02					<b>2</b> 58	0.71
				122	0	02					270	0.46
											<b>272</b>	0.5
				123	0	81					274	0.31
				268	0	71					85	0.02
				270	0	46					109	0.36
				272	0	5						<del></del>
				274	0	31				Total	27	7.35/2.476 Hecto
				85	0	02						
				109	0	36				L	No. O-	-1401 <i>6</i> /78/84G

[सं० भी-14016/78/84-जी० पी०]

हेक्टेय र

S.O. 3476—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hazira in Gujarat State to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

बोग

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, H.B.J. Pipeline Project B-58|B Aligan, Lucknow, U.P. (226020).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

### ANNEXURE

ANNEXURE									
Distrcit	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Arca taken in acres	Re- marks			
Etawah	Auraiya	Auraiya	Madhup	ur 65	0.08				
				74	0.42				
	-			76	0.74				
				77	0.02				
				80	0.62				
				81	0.01				
				82	0.23				
				86	0.32				
				87	0.31				
_				104	0.01				

का॰ भा॰ 3477 — यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता कि लोक-हित में यह भावस्थक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली — जगदीशपुर पाइप लाइन क्षक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस भाषीग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

भौर यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को निष्ठाने का प्रयोजभ के लिए एतद्बारा अनुसूची में विशित भूमि में उपयोग का प्रधिकार अर्जित करना भावस्यक है।

भतः भव पेट्रोलियम भ्रौर खिनज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के मिक्कार का मर्जन) (मिक्षिनियम 1962) (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का मिक्कार भिजित करने का भ्रपना भागय एतद्वारा घोषित किया है।

बगर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए श्राक्षेप सक्षम प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिक गैस ग्रायोग थी-58 बी, ग्रलीगंज लखनऊ-2260 20 यू० पी० को इस प्रधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

भौर ऐसा भाक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट सह भी कथन करेगा कि क्या यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसाई की मार्फत।

			घनुस्			
जिला	तहसील	पर	प्राम	माटा सं०	लिया गया फ०एकड़ में	
इटावा	घोरेया	मोरेया	बसन्तपुर	99	0	06
				102	0	29
	i			103	0	12
				104	0	01
				. 106	0	27
		-		103	0	01
	-			112	Ó	21
				113	0	54
		-		114	0	09
	-			116	0	52

6	5	4	3	2	1	6		. 5	4	3	2	1
0.32	120				<del>,                                    </del>						<u> </u>	
0.01	143					35	0	117				
0.15	144					34	0	119				
0.01	146					52 .	. 0	120				
0.45	155				,	01	0	143				
0.15	156		•			15	0					
0.81	157							144				
0.25	181		,			01	0	146				
0.81	182	•				45	0	155				
1.75	183					15	0	156				
1.62	184					81	0	157				
2.35	185											
0.95	187					25	0	181				
2.48	191					81	O	182				
1 G21	192					75	1	183				
0.86	193					62	1	184				
0.22	2/3					35	2					
<del></del>	T 1 00	<b>.</b>						185				
17.41/7.04	Total 29	101				95	1	137				
Hecta						48	2	191				
14016/79/84-GP	[No. O-				<del></del>	21	1	192				
। होता है कि लोकहि	कार को यह प्रतीत	खीय सरकार	१८—सतः केर	<b>भा</b> र 347	का	86	0	193				
ार्याता वृत्ता सामार्य ।रेली से अगदीशपुर						22	0	2/3				
प्पाप्रसकृतिक पैस्						9 हेक्टर	1/7/04	ग 29 17.4				

[सं॰ O-14016/79/84-जी॰ पी॰]

S.O. 3477.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petrolium from Hazira Barielly to Jagdish-pur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, H.B.J. Pipeline Project, B-58/B Aliganj, Lucknow U.P. (226020). 83, Subhash Nagar, Sanver Road, Ujjain (M.P.).

And every person making such an objection shall, also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

A NINTEST ID 19

ANNEXURE										
District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area taken in acres	Re- marks				
1	2	3	4	5	6					
Etawah	Auraiya	Auriaya	Basantpur	- 99	0.06					
			_	102	0.29					
				103	0.12					
		1		104	0.01					
				106	0.27					
				108	0.01					
				112	0.21					
			•	113	0.54					
				114	0.09					
				116	0.52					
	. ,			117	0.35					
				119	0.34					

ही यह प्रतीत होता है कि लोकहित जीरा से बरेली से भगदीमपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस द्मायोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

भीर यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को विछाने के प्रयोजन के लिए एतद्रपावदा अनुसूची में बणित भूमि में उपयोग का अधिकार अजित

मतः मब पेट्रोलियम भौर खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के मधिकार का मर्जन) मधिनियम 1962 (1962 का 50) की 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त मन्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का प्रक्षिकार प्रजित करने का प्रथमा धाशय एतद-द्वारा घोषिस किया है।

बगर्ते कि उक्त मुमि में हित्बुद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाईप लाईन बिछाने लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिक. गैस मायोग ए. बी. जे. पाइप लाइन 83 सूभाष भगर साबेर रोड उज्जीन (भ० प्र०) 456001 की इस प्रधिसूचना की तारीख के 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

भीर ऐसा प्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टता यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि ध्यवसायी की मार्फत ।

एच० बी० जे० गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

प्राम	जियाजी तहसील खाचरीय गक्ष	जिला-उज्जैन राज्य (म० प्र०)
	प्रनुसूची	
भगुक०	<b>ब</b> सरा नं∘	उपयोग मधिकार मर्जन का क्षेत्र (हेक्टर्स में) ।
1.	1	0-094
2.	2	0-355
3.	· <b>3</b>	0-031
4.	4	0-569
5.	6	0-042
6.	41	0-533
7.	5 2	0~439
8.	60	0-125
	कुल <i>्डो</i> लफ <i>ल</i>	2-188
		[Ho-14016/80/84-Ho410]

S.O. 3478.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hajira-Barilly to Jagdishpur in Madhya Pradesh State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent Authority Oil & Natural Gas Commission, HBJ gas pipe line, 83 Subhash Nagar, Sanver Road, Ujjain (M.P.).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Villag	c : Jlyajigarh	Tehsil: Khachraud Distt.:	Ujjain
		\$CHEDULE	
S. No	Survey No.	Area to be a for R.O.U. ii	
1.	1		0.094
2.	2		0.355
3.	3	'	0.031
4.	4		0.569
5.	6	ь	0.042
6.	41		0.533
<b>7</b> .	52		0.439
_8.	60		0.125
		Total Area	2.188
	<del></del>	[No. O-14016/ 84~	GP]

नर्हे बिरुली, 18 स**बत्**बर, 1684

का. मा. 3479. — यहः केम्ब्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोक-हित में यह माक्स्यक है कि मध्यप्रदेश शाज्य में हजीरा से बरेशी से जग-बीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस भायोग द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

भौर यह यह प्रतीत होता है कि ऐसी भाइनों को विद्याने के प्रयोजन के शिये एतव्पायक अनुसूची में बिलित चूमि में उपयोग का अधिकार अणित करना आवश्यक है।

झतः सब पेट्रोलियम और खिनिय पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के सिंधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की झारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रथत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केम्ब्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का सिंधकार सर्जित करने का अपना झालय एतंदद्वारा घोषित किया है।

बंधर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन विद्याने के लिए झाक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस झायोग, एच. बी. जे. पाइप लाइन 83 सुभाव नगर सावेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) 456001 को इस झिस्सूचना की तारीख के 21 विनों के भीतर कर सकेगा।

भीर ऐसा बाक्षेप करने बाला हर व्यक्ति विनिर्विष्टत या यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह बाहता है कि या उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विद्वि व्यवसायी की मार्फत।

एक, बी, जे. गैस पाइप साइन प्रोजेक्ट

	स्राचरीय	
	धनुसूची	
भनुकम	वसरा नं.	उपयोग ग्रधिकार धर्जन का का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
1-	14/1	0.293
2.	44	0.084
3.	47	0.010
4.	49	0.125
5.	58	0.732
6.	50	0.063
7.	51	0.021
8.	52	0.334
9.	53	0.408
10-	54	0,230
11.	5.5	0.491
1 2-	56	0.031
1 3.	59	0.042
14.	60	0.136
1.5.	61	0.314
16.	62	0.115
17.	66	0.042
18.	6.5	0.031
19.	10-5	0.031
20.	106	0.251
21.	123 मी०	0.073
22.	125	0.031
23.	126	0.439
24.	1,27	0.073 0.052
25.	128	0.032
36.	131	0.042
27.	130	0.073
28.	1.68	0.73
29.	.173	0.084
30.	133 135	0.031
31.	180	0.178
32.	163	0,021
33.	170	0,031
34.	164	0.052
35.	165	0.125
36.	169	0.272
37.	171	0.168
38.	177	0.219
39.	180	0.972
40. 41	185	0.021
<b>41.</b> <b>42.</b>	192	0,010
	• • •	
43.	172	0.005

(村, 0~14016/87/84-明, 中.]

S.O. 3479.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hajira-Barilly to Jagdishpur in Madhya Pradesh State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent Authority Oil & Natural Gas Commission, HBJ gas pipe line, 83 Subhash Nagar, Sanver Road, Ujjain (M.P.).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village	: Khokari	Tehsil: Khachraud	Distt. Ujjait
		SCHEDULE	
S. No.	Survey No.	Area to R.O.L	be acquired ro
1.	14/1		0.293
2.	44 ·		0.084
3.	47		0.010
4.	49		0.125
5.	58		0.732
6.	50		0.063
7.	51		0.021
8.	52		0.334
9.	53		0.408
10.	54		0.230
11.	55		0.491
1 <b>2</b> .	56		0.031
13.	59		0.042
14.	60		0.13
15.	61		0.314
16.	62 66		0.11
17. 18.	65		0.042
19.	105		0.031 0.031
20.	106		0.25
21.	123M	•	0.07
22.	125		0.031
23.	126		0.43
24. 25.	127 128		0.073 0.053
<b>2</b> 6.	131		0.03
27.	130		0.04
28.	168		0.07
29.	173		0.21
30.	133		0.08
31. 32.	135 160		0.03
33.	163		0.17 0.02
34.	170		0.03
35.	164		0.05
36.	165		0.12
37.	169		0.27
38. 39.	171 177		0.16 0.21
40.	180		0.21
41.	185		0.97
42.	192		. 0.01
43.	172		0.00
	Total Area	1	7.04
_	<del></del>	[No. O-1	4016/87/84-GP

का. घा. 3480----यतः केन्द्रीय संरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह भावश्यक है कि मध्य प्रवेश राज्य में हुजीरा से बरेली से जगवीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस भायोग द्वारा विछाई जानी चाहिए।

ग्रीर यसः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को विछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पाबक अनुसूची में विशित भूमि में उपयोग का प्रविकाद प्रजित करना ग्रावश्यक है।

मतः मब पेट्रोलियम मौर खिनिज पाइप लाईन (भूमि में उपयोग के मिलियार का अर्जन) मिलियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का मिलियार भंजित करने का मपना भावय एतदद्वारा घोषित किया है।

वशर्ते कि उक्त भूमि में हितबब कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन विछाने के लिए धाक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस धायोग, एच. की. जे. पाइप लाइन् 83 सुभाव नगर सामेर रोड, उज्जैन (म. प्र.) 456001 को इस धिक्सूचना की तारीक के 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

ग्रीर ऐसा श्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्विष्टता यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

एक, बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

भनुसूची								
शनुकम <u>े</u>	खसरा नै.	उपयोग प्रक्षिकार धर्णन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)						
1	2	3						
1.	72	0.076						
2.	68	0.379						
3.	61/2	0.063						
4.	61/3	0.089						
5.	61/1	0.177						
6.	61/4	0.126						
7.	5 <b>5</b>	0.266						
8.	5 <b>6</b>	0.139						
9.	54	0.038						
10.	48	0.721						
11.	237/1	0,316						
1 2.	239	0,013						
13.	246	0.139						
14.	247	0.025						
15.	248	0.089						
17.	249	0,114						
18.	293/1/2	_ 0.367						
18]	294	0.038						
19.	381/1	0.203						
20.	474	0.038						
21.	473	0.063						
223	383	0.025						
23.	470	0.126						
24.	384	0.342						
25.	398/2	0.089						
26.	398/1/1	0.051						

	(पट्रोलियम विभाग)	
7.	399/1	0.063
8-	399/2	0.089
	400/	
9-	406	0.126
10.	401	0.114
1.	405	0.038
2.	404	0.063
3.	402	0.101
4.	403	0.126
35-	468/1/1	0.051
16.	412	0.038
17.	413/2	0.013
38.	413/3	0.025
39.	467/2	0.051
10.	760/412	0,063
11.	46 <b>A</b> /1	0.038
12.	465	0.266
13.	69	0.008
14.	293/2	0.025
15.	471	0,025
16.	411	0.010
17.	413/1	0,025
	कुल क्षेत्रफल :-	4.549

S.O. 3480.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hajira-Barilly to Jagdishpur in Madhya Pradesh State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent Authority Oil & Natural Gas Commission, HBJ gas pipe line 83, Subhash Nagar, Sanver Road, Ujjain (M.P.).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Villag	e : Bakhatpura	Tehsil: Badnawar Distt.: Dhar
		SCHEDULE
S.No.	Survey No.	Area to be acquired for R.O.U. in Hectare
1	2	3
1.	72	0,076
2.	68	0.079
3.	61/2	0.063
4.	61/3	0.089
5.	61/1	0.177
6.	61/4	0,126
7.	55 .	0.266

1	2.	3
8.	56	0.139
8. 9.	54	0.038
10.	48	0.721
11.	237/1	0.316
12.	239	0.013
13.	246	0.139
14.	247	0.025
15.	248	0.089
16.	249	0.114
17.	293/1/2	0.367
18.	294	0.038
19.	381/1	0.203
20.	474	0.038
21.	473	0.063
22.	383	0.025
23.	470	0.126
24.	384	0.342
25.	398/2	0.089
26.	398/1/1	0.051
27.	399/1	0.063
28.	399/2	0.089
	400	
29.	406	0.126
30.	401	0.114
31.	405	0.038
32.	404	0.063
33.	402	0.101
34.	403	0.126
35.	468/1/1	0.051
36.	412	0.038
37.	413/2	0.013
38.	413/3	0.025
39.	467/2	0.051 0.063
40.	760/412	0.038
41.	464/1	0.038
42.	465	0,208
43. 44.	69 293/2	0,008
	293/2 471	0,025
45. 46.	4/1 411	0.010
40. 47.	413/1	0.025
	Total Area	4.549

[No. O 14016/88/84-GP]

का. आ. 3481. -- यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है लोकहित में यह आवश्यक हैं कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर पाइप लाइन तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल सथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को विछाने का प्रयोजन के लिए एतद्दारा अनुसूची में वर्णित मूमि में उपयोग का अधिकार ऑजत करना आवशक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खिमज पाइपलाइम (भूमि में अपयोग के धारा अधिकार का अर्जन) (अधिनियम, 1962) (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा का (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों को प्रयोग करते हुए सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आश्य एत्वुदारा धोषित किया है।

बणतें कि उक्त भूमि में हितबत कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग धी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-2260 20 यू.पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

576 578

580

1-4-18 0-0-12 0-4-7

0-18-10

	्रोसा आक्षेप स्टिके					1	2	3	4	5		6
	1 किसी करेगा हो याविधि				उसकी सुनवाई	<b>ব</b> দ্ধাব	उन्नाव	हड़हा	हड्हा	1298	8	0-2-8
	. Q. 41 1410	1 244/11							_	1299	)	0-12-0
			<b>अ</b> ન્	सूची						1303	}	0-7-10
हारि	<b>तरा-बरेली-ज</b> गर्द	ोशपुर पा	दिप लाइ	न विछाने हेतु						1304	<b>,</b>	0-2-5
<u>जिला</u>		<u> </u>	ग्राम	गाटा सं.	अजित क्षेत्रफल					1305	i	0-18-0
191711	484141	17411	иіч	ગાહા લ.	जाजत जाझका वि.वि.वि.					1308		0-9-12
1	2	3	4	5	6					1357		0-1-10
	7577-	70-27		<u> </u>	0.19.19					1358		0-3-15
उप्राव	<b>বন্ধাৰ</b>	स्र≆हा	हड़हा	548 549	0-13-13 0-1-4					1359		1-0-0
					0-4-11					1360		0-12-0
				551						1361		0-3-10
				552	0-3-12					1362		1-3-2
				553 555	0-1-4 2-11-0					1365		1-0-B
				555						1366	3	0-4-1
				572 576	1-4-18					624	-	0-2-8
				576 578	0-0-12					550		1-3-0
					0-4-7					579		1-0-15
				580 581	0-18-10					647	<u> </u>	0-0-10
				614	1-16-0				[सं .	90-14	1016/93/84	-आरे.पी.]
				615	0-3-12 1-5-0						•	
				621	0-6-10	S O 34	01 W/har	and it se	meara t	a the C	Central Gov	/ernmen
						that it is	necessary	in the p	oublic in	iterest	that for th	e trans
				622	0-1-16	port of p	etroleum	from 1	Hajira-B	arcilly	to Jagdish	apur ir
				623	0-10-12		idesn State Bas Comm		ie silou:	ia ob	laid by th	e On a
				639 640	1-2-7							
					0-6-10						purpose C	
				643	0-1-8						the right of ted hereto	
				644	1-1-5							•
				645	0-0-5						owers conf	
				646	0-0-10						etroleum at User in th	
				<b>65</b> 0	0-11-15	Act, 1962	(50 of	1962) t	he Ce	ntral (	Governmen	t hereby
				655	0-0-5	declares i	ts intention	n to acc	quire th	e right	t of user th	herein;
				658	0-10-5	Provide	d that any	nerson.	interest	ed in	the said la	nd may
				659	0-2-10	within 21	days from	n the da	ate of t	his no	tification, o	object to
				661	0-18-0	Authority	Oil & No	ipciine i atural C	inder in Sas Con	ie iano imissio	d to the Co on, HBJ	ompeton ompeton
				662	0-8-0	line Proje	ct B-58/B	, Aligan	i, Luckn	ow2	26020.	Bao bib
				667	0-3-10	And ev	erv persor	ı makin	g such	an	objection si	hall also
				672	0-18-6	state speci	ifically wh	ether he	wishes	to	be heard in	n person
				6 <b>7</b> 3	0-3-15	or by lega	al practitio	ner.				
				675	1-0-8	Schedule	Hazira-	Donaille	Tondia	han-	· Con Di-	alia a
				685	0-19-16			<u>-</u>	<u>~</u>	<u> </u>	Gas Pip	
				686	1-2-16	District	Tahsil	Pargana	Village		Acquired	Re-
				689	0-2-14					No.	Ar <b>c</b> a in B.B.B.	marks
				728	0-3-0	4						
				729	0-16-0	1		3	4	5	6	7
				731	0-1-0	Unnao	Unnao	Harha	Harha	548 540	0-13-13	
				745	1-5-16					549 551	0-1-4 0-4 <b>-</b> 11	
				746	0-4-1					552	0-4-11	
				749	0-2-15					553	0-1-4	
				750	0-14-0					555	2-11-0	
				1288	0- <b>7</b> - 3					572	1-4-18	
					A + 7 A							

1289

1295

1296

0-17-2

**●-** 3**-** 0

0-19-16

		J GALL.		1111		
1	2	3	4	5	6	7
Unnao	Unnao	Harha	Harha	581	1-16-0	
				614	0-3-12	
			•	615	1-5-0	
				621	0-6-10	
				622	0-1-16	
				623	0-10-12	
				639	1-2-7	
				640	0-6-10	
				643	0-1-8	
				644	1-1-5	
				645	0-0-5	
				646	0-0-10	•
				650	0-11-15	
				655	0-0-5	
				658	0-10-5	
				659	0-2-10	
				661	0-18-0	
				662	0-8-0	
				667	0-3-10	
				672	0-18-6	
				673	0-3-15	
				675	1-0-8	
				685	0-19-16	
				686	1-2-16	
				589	0-2-14	
				728	0-3-0	
				729	0-16-0	
				731	0-1-0	
				745	1-5-16	
				746	0-4-1	
				749	0-2-15	
				750	0-14-0	
				1288	0-7-3	
				1289 1295	0-17-2	
				1296	0-10-16 0-3-0	
				1298	0-3-0	
				1299	0-12-0	
				1303	0-7-10	
				1304	0-2-5	
				1305	0-18-0	
				1308	0-9-12	
				1357	0-1-10	
				1358	0-3-15	
				1359	1-0-0	
				1360	0-12-0	
				1361	0-3-10	
				1362	1-3-2	
				1365	1-0-8	
			,	1366	0-4-1	
				624	0-2-8	
				550	1-3-0	
		•		579 647	0-1-15	
				647	0-0-10	
				INo.	O-14016/9	3 /84-G.P.

[No. O-14016/93/84-G.P.]

का. आ. 3482.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर पाइप लाइम तक पेट्रोलियम के पिण्यहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा विछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को विछाने का प्रयोजन के लिए एतद्द्रारा अनुसूची में वणित भूमि में उपयोग का अधिकार करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपसाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) (अधिनियम, 1962) (1962 का 50) की घारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आश्वय एतनुद्वारा घोषित किया है।

धगर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई ध्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक आयोग बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-2260 20 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर, व्यक्ति विनिर्विष्टता यह भी कथन करेगा कि क्या वह वाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या विधि व्यक्साई की मार्फत ।

अनुसूची हाजिंदा-वरेसी-जगदीशपुर पाइप लाइन विखाने हेतु

	मृत्राज्य रा-	वरला-ज	गपासपुर	परक्ष	প।ছণ	<b>ाथछा</b> न	₩.G
जिला	तहसील	परगना	प्राम	गाटा	सं ,	अजितः वि. वि	
1	2	3	4		5		6
उन्नाव	তন্ত্ৰ	हरहा	अचलगंज	189		0	- 1 4- 0
			सकोरा	188		0-	13-15
				182		0	- 16-0
				181		0	-0-10
				183		O	-0-15
				186		0-	18-10
				173		0	<u>- 15-0</u>
				172		0	-14-0
				171		0-	16-15
				166			0-5-0
				50			0-8-
				11			0-2-6
				12			0-3-6
				10			0-2-6
				9			0-2-0
				8		(	)- 0 <b>-</b> 1 (
				7		•	)- O- 1 (
				13		0-	17-1
				15		(	)- 2 <del>-</del> 1
				16			0-3-6
				36		0-	12-14
				34		(	-14-(
				26			1-8-0
				167		(	)-0-1 (
				6			0-0-9

[सं० भा-14016/94/84-जी.पी.]

S.O. 3482.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land).

Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelne under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Commission, HBJ gas pipe line, Project B-58/B, Aligani, Lucknow-226020.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Schedule

			Sortou	are		
	Hazir	a—Bareil	ly.—Jagd	lishpur	Gas	Pipeline
District	Tahsil	Pargana	Village	Plot	Acquired	Re-
				No.	Area in	marks
•					B.B.B.	
1	2	3	4	5	6	7
Unnao	Unnao	Harha	Achal-	189	0-14-0	
			ganj	188	0-13-15	
			Sakora	182	0-16-0	
				181	0-0-10	
				183	0-015	
				186	0-18-10	
				173	0-15-0	
				172	0-14-0	
				171	0-16-15	
				166	0-5-0	
				50	0-8-5	
				11	0-2-0	
				12	0-3-0	
				10	0-2-5	
				9	0-2-0	
				8	0-0-10	
				7	0-0-10	
				13	0-17-10	
				15	0-2-10	
				16	0-3-0	
				<b>3</b> 6	0-12-10	
				34	0-14-0	
				26	1-8-0	
				167	0-0-10	
				6	0-0-5	

[No. O-14016/94/84-GP]

का. मा. 3483.—-यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह मानस्यक है कि उत्तर प्रवेण में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर पाइप लाइन तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन नेल नया प्राकृतिक गैस भाषोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

भौर भतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइमों को विछाने का प्रयोजन के लिए एतदहारा धनुसूची में वर्णित भूमि उपयोग का धिकार प्रजित करना धावस्थक हैं।

म्रतः मज पेट्रोलियम भौर खानिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग-के मिश्रकार का मजैन) (प्रिविनियम 1962) (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त णक्तियों को प्रयोग करने छुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का प्रधिकार प्रजित करने का प्रपना मालय एतदहारा घोषित किया है।

बगर्ते कि उक्त भूमि में हितबड़ कोई व्यक्ति उस भूमि के भीचे पाइप साइन बिछाने के लिए प्राक्षेप सक्षम प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिक गैस प्रायोग बी-58 बी प्रालीगंज लाखनऊ-2260 20 यू.पी. को इस प्रधि-सूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा। मीर ऐसा श्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्विष्टता यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी गुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसाई की मार्फत ।

त्रनुसूची हाजिस-बरेली-जगवीगपुर पाइप लाइन बिछाने हेसु

 जिला			गाटा सं.	ग्राजित क्षेत्रफल वि.वि.वि.
ાગલા	तहसील	परगना ग्राम — ···	गाटा स. :	
1	2	3	4	5 6
उन्नाव	पुरवा	पुरवा पल्हरी	311	1-5-10
	7.	-	312	0-2-0
			315	0-14-0
			316	0-4-0
			349	1 - 6 0
			350	0- 1- 0
			382	0- 1- 0
			425	1-2-0
			423	1-4-0
			464	0-3-0
			465	0-8-0
			487	0-3-0
			499	0-16-0
			500	0- 9- 0
			502	0-13-0
			503	0-1-0
			504	0-3-10
			505	0-13-0
			506	0-1-10
			510	0-17-10
			511	0-12-0
			512	0-7-0
			513	0-1-0
			514	0-10-0
			520	0- 1 <i>6</i> - 0
			498	0− 0→ 5

[सं. 0-14016/95/84-जी.पी.]

S.O. 3483.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum, from Hazira—Bareilly to Jagdish pur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, H.B.J. Pipeline Project B-58/ Aliganj, Lucknow (226020), U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Scha	tH olute	zira —9at Gas Pipe		dishpu			
District	Tahsil	Pargana	Village	<u>.</u>			
1	2	3	4	5	6	7	8
Unnao	Purva	Purva	Palhari	311	1	5	10
				312	0	2	0
-				315	0	14	0
				316	0	4	0
				349	1	6	0
				350	0	1	0
				382	0	1	0
				425	1	2	0
				<b>42</b> 3	1	4	0
				464	0	3	0
				465	0	8	0
				487	0	3	0
				499	0	16	0
				500	0	9	0
				502	0	13	0
-				503	0	1	0
				504	_	3	10
				505	0	13	0
		•		506	0	1	10
				510 511	0	17 12	10 0
					-		
				512	0	7	0
•				513 514	0	1 10	0
•				520	0	16	0
				498	ŏ	0	5

[No. O-14016/95/84-GP]

का. आ. 2484 - - - यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह मावश्यक है कि मध्य प्रदेश राज्य में हजीरा से बरेली से जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस म्रायोग द्वारा बिछाई जानी चाहिय ।

ं भीर, यतः, यह प्रशीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एकदपाबढ़ धनुसूची में वर्णित धूमि में उपयोग का मधिकार मर्जित करना भावस्थक है।

धत, श्रव, पेट्रोलियम धौर खिनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के सिक्षितर का श्रर्जन) प्रिविनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त सिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का श्रिक्षितर श्रिजित करने का अपना श्रामय एतदहारा भोषित किया है।

बंशार्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी नेल तथा प्राकृतिक शैस श्रायोग एख. बी. जे. पाइप लाइन 83 मुआप नगर मंबिर रोड़, उज्जैन (म.प्र.) 456001 को इस प्रक्षिसूचना की तारीख के 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

भौर ऐसा भाक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिधिब्दतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहना है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या कसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

f

ग्राम रामा बालोवा तहसील खाचरौद	जिला-उज्जैन राज्य (म.प्र.)
<b>प्र</b> न्० ऋ० <b>ख</b> सरा नं. 1	उपयोग प्रधिकार प्रर्जन
•	- काक्षेस
•	(हैक्ट० में)
1 2	3 4
1. 445	0-899
2. 446	0-31

_	<del></del>	कुल क्षेत्रफल :	6-06
6.	466		0-501
5.	465		0-209
<u>.</u> 4.	462		0-345
3.	461/2		0-209
2.	461/1		0.052
1.	458		0-408
0.	456		0-010
9.	455		0-544
8.	453		0-042
7.	457		0-544
6.	463		0-188
5.	452		0-053
4.	451		1-097
3.	447		0-920
1	2		3 4

[सं. O-14016/104/84-जी.पी.]

S.O. 3484.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hazira Bareilly to Jadishpur in M. P. State Pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And, whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent Authority, Oil & Nautral Gas Commission, H.B.J. gas pipeline, 83, Subhash Nagar, Sanver Road, Ujjain (M.P.).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

### **SCHEDULE**

Village	Rama	Baloda	Tahsil	Khachraud	Distt.	Ujjain
Sl. Survey No.			Area to be			
No.					acc	quired
					for	R.O.U.
						in
					Н	octare
1. 44	5					0.899
2. 44	6					0.031
3. 44						0.920
4. 45	1					1.097
5. 45						0.063
6. 46						0.188
7. , 45	7					0.544 0.042
8. 45 9. 45						0.042
						0.010
10. 45 11. 45						0.408
	1/1					0.052
	1/2					0.209
14. 46	•					0.345
15, 46						2.209
16. 46						0.501
Tota	al Area					6.062
100	u Ajşa	·		[No. O-1	4016/10	

का.भा. 3485.—यतः, केन्द्रीय सरकारको यह प्रतीत होता है लोकहित में यह झावथ्यक है कि गुजरात राज्य में हजीग से बनेली से जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहत के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गेम भागोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

भौर, यतः, यह प्रतीत होता है कि ऐसीं लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदपाबद अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का ध्रिकार प्रजित करना आवश्यक है।

धनः, श्रमः, पेट्रोलियम भौर खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के प्रशिकार का श्रजेंन) प्रश्निनियम, 1962 (1962 का 50) को धारा 3 की उपधारा (1) धारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का धिकार अजित करने का श्रपना श्राश्मय एतदहारा घोषित किया है।

बंगर्से कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस मूमि के नीचे पाईपलाइन बिछाने के लिए माक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस मायोग, निर्माण भीर देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बडोदरा-9 को इस प्रधिसूचना की तारीखासे 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

भौर ऐसा भाक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी भुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फन।

हजीरा से **वरे**ली से जगवीमपुर तक पाइप लाइन विछाने के लिए

राज्य : गुजरात	जिलाः एवं तालुकाः भरुच	
	सर्वे नं .	• • • •
VIQ	सम्बद्धाः ————————————————————————————————————	है.भा.से.
1	2	3 4 5
कविया		
	516	0-18-40
	519	0-18-00
	518	0-64-00
	527	0-27-20
	530	0-32-00
	515	0-26-40
	514	0-04-00
	513	0-00-32
	कार्ट ट्रैक	0-18-40
	493	0-68-00
	459	0-15-20
	458	v-04-00
	457	0-07-20
	456	0-04-80
	460	<b>0-</b> 02-70
	453	0-37-60
	452	0-01-92
	440	<b>0</b> -08-80
	431	0-01-28
	J32	0-10-40

· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	<del></del>	
ī	2	3 4 5
	433	0 09-60
•	434	0-12-80
	435	0 36-00
	419	0-20-00
	418	0-28-80
	417	0-40-00
-	412	0-21-60
	411	0-14-40
	410	0-22-40
	398	0 <b>→</b> 3 <b>0− 4</b> 0
	396	0-36-00
,	कार्ट ट्रक	0-01-60
	397	0~01-92
	392	0-19-20

[सं. O-14016/109/84 जी.पी.]

एम . एम . श्रीनिवासन, उप सचिव

S.O. 3485.—Whereas it apears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petrolium from Hazira Bareilly to Jagdishpur in Gujarat State Pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And, whereas, it apears that for the purpose it laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of his notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent Authority. Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE Pipeline From Hajira—Bareilly—Jagdishpur

State : Gujarat	Distric	t &	Taluk	a : E	aruch
Village	Survey No.		Н	A	Ca.
1	2	•	- 3	4	
Kavitha	516		0	28	00
	519		0	18	40
	518		0	64	00
	527		0	27	20
	530		0	32	00
	515		0	26	40
	514		0	04	00
	513		0	00	- 32
	Cart track		0	18	40
	493		0	68	00
	459		. 0	15	20
	458		0	04	- 00

	— ·——-			
1	2	3	4	5
	457	0	07	20
	456	0	04	80
	460	0	02	70
	453	0	37	60
	452	0	01	92
	440	0	28	80
	431	0	01	28
	432	0	10	40
	433	0	09	60
	434	0	12	80
	435	0	36	00
	419	0	20	00
	418	0	28	80
	417	0	40	00
	412	0	21	60
-	411	0	14	40
	410	0	22	40
	398	0	30	40
	396	0	36	00
	Cart track	0	01	60
	397	0	01	92
	392	0	19	20

[No. O-14016/109/84-G.P.] M.S. SRINIVASAN, Dy. Secy.

### नई दिल्ली, 23 सितन्बर, 1983

का.मा. 3486—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह मावश्यक है कि गुजरात राज्य में सानन्द-65 से जी जी एस 1 सानन्द सक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाईपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस म्रायोग द्वारा विछाई जानी चाहिए।

और, यतः, यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों की विछाने के प्रयोजन के लिए एतदपावद अनुसूत्री में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार घर्जित करना आवश्यक है।

भतः, भवं, पट्रोलियम भौर खिभिंग पाईपलाइन (भूमि में उपयोग के प्रधिकार का प्रजैन) प्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की घारा 3 की उपधारा (II) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का प्रधिकार अजित करने का प्रपत्ता प्राणय एसवृद्वारा घोषित किया है।

बार्स कि उन्त भूमि में हितबद कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाईप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस मायोग, निर्माण भीर वैवाभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बडोदरा-9 की इस मधिसूचना की नारीज़ से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

भौर ऐसा भाक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्विष्टत: यह भी कथन करेगा कि क्या यह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

### **अनुसूची**

कूप नं, सानंद 65 से जी.जी. एस-1 मानंद नक पाइप लाइन विछाने के लिए

राज्य : गुजरात	जिला : मेहस	ाना ः	तालुकाः कलोल			
गांव	सर्वे नं,	हैक्टेयर	ए भार ई	सेन्टीयर		
1	2	3	4	5		
सानंद	7 2/ 1	0	04	00		
	7 2/ 1 कार्ट द्रेक	0	00	90		
	1/2	0	13	50		

2 3 5 0 17 5.5 253 o 11 252 5.5 242 05 0 247 0.1 3.5 0 0.3 246 245 n 10 7.8 0.4 50 214 216 97 217/1 $I_{-}\Omega$ 43 218/2()4218/ L 02 8.2 219/1 7.5 219/2 0.1 05

[सं. 12016/120/83-प्रोड.]

राजेन्द्र सिहं निर्देशक

New Delhi, the 23rd September, 1983

S.O. 3486.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the tarnsport of petroleum from Sandard-65 to OGS-I Sanand in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission;

And, whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, Makarpura Road; Vadodara (390 009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

### SCHEDULE

Pipeline from well No. Sanand 65 to GGS 1 Sanand State: Gujarat District: Mehsana Taluka: Kalol

Villago	Survey No.	Hectare	Are	Cen- tlar
Sanand	72/1	0	04	- 00
	Cart Track	0	00	90
	1/2	0	13	50
	253	0	17	55
	252	0	11	55
	242	0	04	05
	247	. 0	01	35
	246	0	03	30
	245	0	10	78
	214	0	04	50
	216	0	17	97
	217/1	0	04	43
	218/2	0	04	50
	218/1	0	02	82
	219/1	0	14	75
	219/2	ō	01	05

[No. 12016/120/83—Prod]

RAJENDRA SINGH, Director

# परमाणु उर्जा विश्वाग (परमाणु खनिज प्रभाग) हैदरावाद, 15 अक्षुबर, 1984

का. था. 3487-मैं. ग.य. गोखले. विष्ट प्रशासन एवं लेखां अधिकारी, परमाणु खनिज प्रभाग, हैंदराबाद एसद्द्वारा केन्द्रीय सिविज मेवाएं (अस्यायी मेवाएं) नियमावली 1965 के नियम 5 के उप नियम (1) के अन्तर्गत इस प्रभाग के अस्थायी हत्का बहुन चालक, श्री के. बाबू किणीय की मेवाएं 27 सितम्बर, 1984 के अपराहन से समाप्त करता हु।

> [सं. : प. ख. प्र./2/2997/80-प्रणासन] स.य. गोखने, वरिष्ठ प्रणासन एवं नेष्ठा अधिकारी

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY (Atomic Minerals Division) Hyderabad, the 15th October, 1984

S.O. 3487.—I. S. Y. Gokhale, Sr. Administrative and Accounts Officer, Atomic Minerals Division, Hyderabad hereby terminate the services of Shri K. Babu Kishore, a temporary Light Vehicle Driver of this Division with effect from the afternoon of September 27, 1984 in terms of sub-rule (i) of Rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules 1965.

[No. AMD/2/2997/80-Adm.] S. Y. GOKHALE, Sr. Adm. & Acctts. Officer

# सूचना और प्रकारण मंत्रालय नई दिल्ली, 16 अक्तूबर, 1984

का० जा० 3488.— वलिया अधिनियम 1952 (1952 का 37) का धारा 9 द्वारा प्रदत्त गिक्तयों का प्रयोग कर हुए, केन्द्रीय सरकार सभी दूरदर्शन कार्यक्रमों को उक्त अधिनियम के भाग 2 में फिल्मों के प्रमाणन से संबंधित उपबंधों तथा तदंगत बनाये गये नियमों से इस गर्त पर एतद्द्वारा छूट देती है कि कार्यक्रमों को टेलोकास्ट करते समय महानिदेशक, दूरदर्शन या संबंधित निदेशक, दूरदर्शन केन्द्र, सरकार द्वारा उक्त अधिनियम की धारा उख (2) के अन्तर्गत केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड को जारी किये गये फिल्म प्रमाणन संबंधों भागदिशी सिद्धांसों को ध्यान में रखेगा।

[फाइल संख्या 806/27/83-एफ (सी)] के० एस० वेंकटरामन, अवर सचिव

# MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING New Delhi, the 16th October, 1984

S.O. 3488.—In exercise of the powers conferred by section 9 of the Cinematograph Act 1952 (37 of 1952), the Central Government hereby exempts all Doordarshan Programmes from the provisions relating to certification of films in Part II of the said Act and the rules made thereunder subject to the condition that while clearing programmes for telecast, the Director General. Doordarshan or the concerned Director, Doordarshan Kendra, shall keep in view the film certification guidelines issued by the Central Government to the Board of Film Certification under section 5-B(2) of the said Act.

[File No. 806/27/83-F(C)] K, S, VENKATARAMAN. Under Secy.

### भौवहन और परिस्कृत संत्रालय

(परिवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 10 अन्त्बर, 1984

का० आ० 3489 — चूंकि श्री मोहन नायर की. जिन्हें नौवहन और परिवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष) मे अधिरुचना मं० का० आ० 2969 दिनाँक 10 अगस्त, 1982 द्वारा मुरगांव गांदी श्रम बोर्ड का सदस्य नियुक्त किया गया था, 2 जुलाई, 1984 को मृत्यु हो गयो।

और तूं(क उपन सदस्य की मृत्यु के कारण उक्त गोदी श्रम बॉर्ड में जगह खाला हुई है,

अतः केन्द्रीय सप्रकार गोदी श्रमिक (नियोजन का विनिमय) नियम, 1962 के नियम 4 के उपबंधों के अनुसरण में उक्त जगह को खाली अधिसूचित करती है।

[फाइल सं० एल०डी०जी०/6/84-यू०एस० (एल)]

सुदेश कुमार, अवर सचिव

### MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Transport Wing)

New Delhi the 10th October, 1984

S.O 3489.—Whereas Shri Mohan Nair who was appointed as a member of the Mormugao Dock Labour Board by the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing) No. S.O. 2969 dated the 10th August, 1982, expired on the 2nd July, 1984;

And whereas the vacancy has thus occurred on the said Dock Labour Board by the death of the said member;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of rule 4 of the Dock Workers (Regulation of Employment) Rules, 1962 the Central Government hereby notifies the said vacancy.

[F. No. LDG/6/84-US(L)] SUDESH KUMAR, Under Secy.

### संचार मंत्रालय

(डाक तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 19 प्रक्तूबर, 1984

का. आ. 3490:—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1980 द्वारा लागू किये गये भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खण्ड III के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेणक ने पिन्पलगांव टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 16-11-84 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[संख्या 5-7/84-थो.एच.बी.]

यो. रा. भसीन, सहायक महानिदेशक (पी. एच. बी.)

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(P&T Board)

New Delhi, the 19th October, 1984

S.O. 3490.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules. 1951, as introduced by S. O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specified 16-11-1984 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Pimpalgaon Telephone Exchange Maharashtra Circle.

[No. 5-7/84-PHB]

Y. R. BHASIN. Asatt. Director General (PHB)

### आदेण

## नई दिल्ली, 16 अक्तूबर, 1984

का० आ० 3491 — केन्द्रीय सरकार की राय है कि इसमें उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषय के बारे में मीमेंट कारपोरेणन ऑफ इंडिया के नियोजकों और (i) राजवन मीमेंट फैक्टरी, जिला सिरमुर, हिमाचल प्रदेश और (ii) बोकाजन सामेंट फैक्टरी, बोकाजन जिला कारबी, आँगलोंग, असम में कार्यरत उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

,और उक्त विवाद में राष्ट्रीय महत्व का प्रश्न अंतर्गस्त है और यह विवाद ऐसी प्रकृति का भी है जिसमें सीमेंट कार-पोरेशन ऑफ इंडिया के एक से अधिक राज्यों में स्थित औद्योगिक प्रतिष्ठानों की अभिरुचि होने या उनके इस विवाद से प्रभावित होने की संभावना है;

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि उक्त विवाद का राष्ट्रीय अधिकरण दारा न्यायनिर्णयन किया जाना चाहिए; असः अब केन्द्रीय सरकार:

- (i) औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7ख द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए एक राष्ट्रीय अधिकरण गठित करती है, जिसका मुख्यालय कलकता में होगा और न्यायमूर्ति श्री एम० पी० सिंह को इसका पीठासीन अधिकारी नियुक्त करती है; और
- (ii) उक्त अधिनियम की धारा 10 की उपधारा (1-क) द्वारा प्रदस्त मिक्तयों का प्रयोग करते हुए उक्त औद्यो-गिक विवाद को न्यायिनर्णयन के लिए उक्त राष्ट्रीय औद्योगिक अधिकरण को निर्दिष्ट करती है। उक्त अधिकरण उक्त अधि-नियम की धारा 10 की उप-धारा (2-क) के अनुसार, उक्त विवाद के विषय में अपना पंचाट छह माह की अविध के भीतर देगा।

### अनुसूचा

 क्था सर्मकार निम्नलिखित मत्तों की अवायगी पाने के लिए हकवार है:---

- (i) पर्वतिय प्रतिपूरक भत्ता, जहाँ कहीं भी लागू होता हो;
- (ii) तैनाती भत्ता, (उचित पदनाम के साथ);
- (iii) खनन कठिनाई भत्ता (खदान कर्मकारों के संबंध में)

[एस॰ 5103*2 | 5 |* 84-आई० एंड ई० (एस॰एस०)] थी० एस० एलावादी, संयुक्त सचिव

### ORDER New Delhi, the 16th October, 1984

S.O. 3491.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employer of Cement Corporation of India and their workmen at (i) Rajban Cement Factory, Diett. Sirmur, Himachal Pradesh and (ii) Bokajan Cement Factory, Bokajan, Distt. Karbi Anglong; Assam in respect of the matter specified in the schedule hereto annexed.

And whereas the said disputes involve a question of national importance and is also of such a nature that Industrial establishments of Cement Corporation of India situated in more than one State are likely to be interested in or affected by such disputes.

And whereas the Central Government is of opinion that the said disputes should be adjudicated by National Tribunal. Now, therefore the Central Government:—

- (i) In exercise of the powers conferred by Sec. 7B of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), hereby constitute a National Industrial Tribunal with Headquarters at Calcutta and appoints justice Shri M. P. Singh as its Presiding Officer, and
- (ii) In exercise of powers conferred by sub-sertion (IA) of Section 10 of the said Act, hereby refers the said industrial dispute to the said National Industrial Tribunal for adjudication. The said Tribunal shall submit its award in the said dispute within a period of 6 months in accordance with sub-section (2A) of section 10 of the said Act.

#### **SCHEDULE**

Whether the workers are entitled for the payment of the following allowances:

- (i) Hill compensatory allowance, wherever applicable.
- (ii) Place allowance (with proper nomenclature);
- (iii) Mining difficulties allowance (in respect of Quarry workers);

[No. L-51032/5/84-I&E (SS)]V. S. AJLAWADI, Jt. Secy.

# नई दिल्ली, 16 भक्तूबर, 1984

का० आ० 3492:--केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैंसर्स भारत प्रमीजन टून्स, 17/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, श्राजमाबाद, हैदराबाद-500020, श्रान्ध्र प्रदेश, नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक श्रौर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि श्रौर प्रकीर्ण उपबंध श्रधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागु किए जाने चाहिए।

भ्रतः केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रधिनियम, की धारा 1 की उपधारा 4 द्वारा प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त श्रधिनियम के उपबंध उक्त स्थापना को लागू करती है।

[सं. एस. 35019 (378)/84-पीएफ-2]

New Delhi, the 16th October, 1984

S.O. 3492.—Wherever it appears to the Central Governthat the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Bharat Precision Tools, 17/1 Industrial Area, Azamabad, Hyderabad-20; Andhra Pradesh have agreed that the proivsions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019/378/84-PF, III

का० ग्रा० 3493: -- केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स श्री मीनाक्षी बस सविस, दुरुगम रोड, कल्ला-कुरीची-600202, जिला साउथ ग्राएकाट, तमिलनाड, नामक स्थापन के सम्बद्ध नियाजक श्रीर कर्मचारयों की बहुसंख्या हा, बात पर सहमत हा गई है कि कर्मचारी भावष्य लिधि श्रीर प्रकीण उपबंध श्रीधनियम, 1952 (1932 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन का लागू किए जाने चाहए।

श्रतः केन्द्रीय तरकार, उक्त श्राधानयम की धारा 1 की उपधारा 4 द्वारा प्रवत्त शांकतथों का प्रयाग करते हुए उक्त श्राधानयम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करता है।

सि. एल-35019 (337/84-पी. एफ०-2]

S.O. 3493.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Shri Meenakshi Bus Service, Durugam Road Kallakurichi.606202, South Arcot District, Tamil Nadu, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

PNo. S-35019(337)/84-PF. IIJ

का. थ्रा. 3494: -- केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि भसंस कुमार प्रास्टेंससं, पारण्पालायम मंगलम रोड, तिरूप्र-638604, तिमलनाडू, नामक स्यापन से सम्बद्ध नियाजक थ्रीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कर्मचारी भविष्य निधि थ्रीर प्रकीण उपबंध ग्रधिन्यम्, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

ग्रतः कन्द्रीय सरकार, उक्त श्रिधिनियम की धारा 1 की उपधारी 4 द्वारा प्रदत्त सिक्तियों का प्रैयोग करते हुए उक्त श्रीधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं. एस-35019(335)/84-पी. एफ.-2]

S.O. 3494.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Shri Kumar Processors, Parappalayam Mangalam Road, Tiruppur-638604, Tamil Nadu have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(335)/84-P.F. II]

का. आ. 3495:--केन्द्रीय भरकार को यह प्रतीत होता है कि मैंनर्स एस. एस. मनियन एण्ड कंपनी, 188, एस. एच. रोड, कोयम्बट्रर-1, तिमलनाडुं नामक स्थापन के सम्बद्ध ानयोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भोवष्य निधि भौर प्रकीण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन का लाग किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रोय सरकार, उक्त श्रिधिनयम की धारा 1 की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शाक्तयों का प्रयोग करते हुए उक्त र्राधानयम के उपबंध उक्त स्थापन का लागू करती है '

[सं. एस-35019(336)/84-पी. एफ.-2]

S.O. 3495.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs, Shri S. S. Manian and Company 188 N. H. Road, Coimbatore-1, Tamil Nadu, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(336)/84-PF. II]

का. आ. 3496:-- केन्ग्रीय सरकार को यह प्रतील होता है कि मैसर्स पोलीकांट पैकेंजिंग इंडस्ट्रीज, 636, टी. एच. रोड, मद्रास-19, तिमलनाडु, तथा 5, टी. एच. रोड, मद्रास-17, पर स्थित इसके प्रशासन कार्यालय सहित नामक स्थापन के सम्बद्ध नियाजक ग्रीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हा गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि ग्रीर प्रकीण उपबध ग्रिधनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

ग्रतः केन्द्रीय संरकार, उक्त ग्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापना को सागु करती है।

[सं. एस-35019(334)/84- पी. एफ.-2]

S.O. 3496.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Shri Polycoat Packaging Industries, 636, T. H. Road, Madras-19, Tamil Nadu including its Administrative Office at 5, T. H. Road, Madras-17, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. \$-35019(334)/84-PF, II]

का. था. 3497:--केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि भें धर्स जैड-81 कूथूर का-श्रापरेटिव एग्रीकरूचरल, सर्विस मोसाइटी, कूथुर पोस्ट, थीरूवरूर तालुक, तन्जूर जिस्ट्रिक्ट, तमिलनाइ, नामक स्थापन के सम्बद्ध निमोजक भीर कर्म कारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्म बरो भविष्यान्ति भीर प्रकोण उपबंध अधिनयम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उकत स्थापन का लागू किए जाने चाहिए।

श्रतः केन्द्रीयं सरकारं, उक्तं श्रिधिनियमं की धारः 1 की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शांकतयों का प्रयोग करते हुए उक्त श्रिधिनियम के उनबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।
[सं. एक-35019(333)/84-पी. एफ-2]

S.O. 3497.—Whereas it apears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Shri Z. A. 81 Koothur Co-operative Agricultural Service Society, Koothur Post, Thiruvarur T K. Tanjore District, Tamil Nadu, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Misclaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(333)/84-PF. II]

का. श्रा. 3498:—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैंसर्स इलास्टोबेम प्राइवेट लिमिटेड, एम-2, इंडस्ट्रीयल एरिया, सानीपत, हरियाणा, नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक भीर कर्मच रियों की बहुतंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध श्रीध-नियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

श्रतः केन्द्रीय सरगार, उक्त श्रधिनियम की धारा 1 की उनधारा 4 द्वारा पदत्त गांक्तयों का प्रयाग करते हुए, उक्त प्रधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागु करतो है।

[सं. एस-35019 (375) / 84- वी. एफ.-2]

S.O. 3498.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messis. Shri Elastochem Private Limited, M-2, Industrial Area, Sonepat, Haryana, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishmest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019/375/84-PF, 11]

का. श्रा० 3499.—-केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैंसर्ग स्पैन्सर कंज्मर प्रोडक्टम एण्ड सर्विसिज लिमिटेड, 784 बी, येरावालम डाक्ष्मर मंगलिंगिर तालूक गुंटूर जिला आंध्र प्रदेश तथा 769, अन्ना सलाई, मद्रास 600002, स्थित इसके पंजीकृत कार्यालय सहित नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक ग्रीर कर्मचारियों की बहुमंख्या इस बात पर सहमत हा गई है कि कर्मचारी भविष्य निष्ध और प्रकार्ण उपवैध श्राधानयम, 1952 (1952 का 19) के उपवैध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए

भ्रतः केन्द्रीय सरकार उक्त श्राधानयम की धारा 1 की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शाक्तयों का प्रयोग करते हुए उक्त श्राधानयम के उपबंध उक्त स्थापन का लागू करता है।

[सं. एस-35019/(374)/84-पी. एफ.-2]

S.O. 3499.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Sirri Spencer Consumer Products and Service Limited, 784-B, Jerrabalem Post Office Mangalagiri TQ. Guntur District Andhra Pradesh including its Registered Office at 769, Annasalal. Madras, 600002 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019/374/84-PF. II]

का० आ० . 500.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स बैल क्लाथ सेंटर, 419, विश्वाजार स्ट्रीट सालेम-636001, तिमलनाडु, नागव स्थापन के सम्बन्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निर्धि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्ष स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

प्रतः केन्द्रोय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा । की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त प्रधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लोगू करती है।

[सं. एस-35019(372)/84-पी. एफ.-2]

S.O. 3500.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Vel Cloth Centre, 419, Big Bazar, Street, Salem-636001. Tamil Nadu have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(372)/84-PF. II]

का० आ० 3501.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैंसर्स गुरूदेव इंजीनियंत्रिम कम्पनी श्राज माबाद, इंडर्स्ट्रायल एरिया, हैदराबाद-500020, श्रान्ध्र प्रदेश नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भ्विष्य निधि श्रीर प्रकीर्ण उपबंध श्रिवियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन की लागू थिए जाने वाहिए।

म्रतः केन्द्रोय सरकार, उक्त माधानवम की धारा उपधार। 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उनबंध उक्त स्थापन की लाग करती है।

[सं.एस-35019(371)/84 पो. एफ .-2]

भारत -

S.O. 3501.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the em-comployees in relation to the establishment known as Messrs Gurudev Engineering Co. Azamabad, Industrial Area, Hyderabad-500320, have agreed that the provisions of the Employees Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

INo. S-35019(371)/84-PF, III

का० मा० 3502.--केन्द्रीय सरगार का यह प्रतीत होता है कि मैसर्स भैडिकान सो .-3, इंडस्ट्रीयल एस्टेट, कृष्णांगार-635001, तमिलनाड्, तथा गामती वैस्टबरो राई, ऊटा लमुण्ड 643001, तामलनाडु स्थित इसके प्रवान कार्यालय सहित नामक स्थापन से सम्बन्ध नियार्जक श्रीर कर्मचारियों की बह-संख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कमेचारा भविष्य निधि श्रीर प्रकोर्ण उपबंध श्राध(नसम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन का लाग् किए जाने चाहिए।

अपतः केन्द्राय सरमार, उक्त आधानियन को धारा 1 की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त मक्तियों का प्रयाग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करता है।

[सं. ए स. -35019(370)/84-पी. एक :-2]

S.O. 3502.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Med con Industries, C-3, Industrial Estate, Karishnagiri-635001, Tamil Nadu Including its Head Office at Gomathij Westburg Road, Octacamud-643001, Tamil Nadu have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment: made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred sub-Section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(370)/84-PF. II]

का० आ० 3503 --- केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि भैनर्स श्रोबराय एपारटमैटस मेंटेनेन्स भैनेजमेंट कमेटी, दिल्ली-54 नासक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक श्रीर कर्मजारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई कि कर्भनारी भविष्य निधि शौर प्रकीर्ण उपबंधगधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उकत स्थापन को लाग किए जाने चाहिए।

त्रतः केन्द्रोय सरकार, वन ग्रविनियम की धारा । की उपधारा 4 द्वाराप्रदस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध क्त स्थापन को लागू करती है।

[सं. एस-35019(365)/81-पी. एफ.-2]

one. 5503.—Whereas it appears to the Central ment that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Oberoi Apartments, Maintenance Management Committee, 2. Shamnath Marg, Delhi-54, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. \$-35019/365/84-PF. II]

का. भा. 3504. .-- केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि कर्नाटका इंजोनियरिंग इंटरप्र जिज, ''सी 26, इंडस्ट्रीयल एस्टेट, याच्यादी, मंगलीर-575008, वनदिका नाम ह स्थापन के सम्बद्ध नियोजक ग्रीर कर्मचारियों की बहसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भाषाय निधि श्रीर प्रकीर्ण उपबंध श्रीधानयम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन का लागु विए जाने चाहिए।

अतः भेदोय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शावतयो का प्रयोग करते हुए ३वट श्रार्धानयम के उपबंध उक्त रथापन को लागू करती है।

[सं. एस-35019(364)/84-पी. एफ.-2)]

S.O. 3504.--Whereas it appears to the Central Govern-S.O. 3304.—whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Karnataka Engineering Enterprises, C-26, Industrial Estate, Yeyyddi Mangalore-57008, Karnataka have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019/364/84-PF, 11]

यत. श्रा० 3505 .-- येन्द्रीय सरकार की यह प्रसीत होता है कि में यस पार्यती इडस्ट्रीज, अप, इंड्विट्रक पाला ग्राडंड, इन्दौर (सध्य प्रदेश) न भव स्थापन के नियोजक भीर नर्मनारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है ११ कर्मचारी भविष्य निधि श्रीर प्रकीर्ण श्रांधनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध स्थापन को लागू विए जाने चःहिएं।

श्रतः केन्द्रीय सरनार, उक्त श्रधिनियम की **धौरा** । की जपधारा 4 द्वारा प्रवत्त गवितयों का प्रयोग करते हुए जब्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं. एम-35019(363)/४८-पी. एफ. 2].

S.O. 3505.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Mossrs, Parwati Industries, 3-A, Industrial Estate, Polo Ground, Indore (M.P.) have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred sub-Section (4) of Section 1 of the said Act, the Cent Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(363)/84-PF. II]

का० श्रा० 3506.-- केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैंसर्स पंजाब डिगिटल इंड्ट्रीयल सिस्टमज लिमि-टेड, सी:.-30, इंड्स्ट्रीयल फंकिल प्वाईन्ट, मोहाली (रोपर) पंजाब, नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक श्रीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि श्रीर प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 कर 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लाग किए जाने चाहिए ।

श्रतः केन्द्रोय सरकार, उक्त श्राधानयम की धारा 1 की उनधारा 4 द्वारा प्रदत्त शांक्तयों का प्रयोग करते हुए उक्त श्रिधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं. एस-35019(262)/84-पी. एक .-2]

S.O. 3506.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Mossrs, Punjab Digital Industrial Systems Ltd., C-30, Industrial Focal Point Mohali (Ropar) Punjab have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(362)/84-PF. II]

का. आ. 3507. - केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैंसर्स प्रार. एन. सामी टैक्सटाइल भर्चेन्टस, 6 श्रीर 10 नैयना स्ट्रांट, श्रारी-632301, नार्थ श्रारकोट, डिस्ट्रिक्ट, तिमलनाडु नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भाविष्य निधि श्रीर प्रकीर्ण उपबंध श्राधितियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन की लागू किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त आधिनयम की धारा 1 की उपधारा 4 द्वारा प्रदेश पाक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त आधिनयम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।
[सं. एस-35019(340)/84-पी. एफ.-2]

S.O. 3507.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the mojority of the employees in relation to the establishment known as Messrs, R. N. Samy Textiles, Cloth Merchants, 6 and 10 Naima Street, Arani-632301, North Arcot District, Tamil Nadu have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(340)/84-PF. II]

का. आ. 3508. - केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स काली मैटीरियल हैंडलिंग सिस्टमस प्राइबेट लिमिटिड, 42/6-बी, मद्रास रोड, मेलाकावेरी-612002, कुम्बाकोणम, तमिलनाड, नामक स्थापन के सम्बद्ध नियाजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त आधानियम की धारा 1 की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुएं उक्त प्राधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती हैं।

सि. एम-35019(339)/84-पी. एफ.-2]

S.O. 3508.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs, Kali Material Handling Systems Private Limited, 42/6B, Madras Road, Melakeveri-612002. Kambakonam, Tamil Namhave agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(339)/84-PF. II]

का. श्रा. 3509: — केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैंसर्म दि सकरूर सुगर मिल्स एम्पलाईज कोग्रापरेटिय सोसाइटी लिमिटेड, पी-165, एन एच. एम. मिल्स कम्पाउंड, श्रारी श्रीर कन्डामंगलम पोस्ट, पांडिबेरी स्टेट, तमिलनाडु, नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक ग्रीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर महमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि ग्रीर प्रकीर्ण उपयंध ग्रधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

ग्रतः केन्द्रीय सरकार, उक्त ग्राधिनियम की धारा 1 की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त ग्राधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं. एस.-35019(338)/84 पी. एफ.-2]

S.O. 3509.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs, The Secrur Sugar Mills Employees' Cooperative Society Ltd., P. 165, N. H. S. Mills Compound, Ariours Kandamangalam, Post, Pondicherry State Tamil Nadu have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(338)/84-PF, III

-----

का. स्रा० 3510 — केन्द्रीय मरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसमें पंजाब ईडम्ट्रीयल सेफ्टी कीन्सिल, 538 फेज-1, मोहाली, रोपड़ पंजाब नामक स्थान सम्बद्ध, रें नियोजक सौर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि स्रौर प्रकीर्ण उपबंध स्थानियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

श्रप्तः केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रिधिनियम की धारा । की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त गिक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त श्रिधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं. एस-35019(373)/84-पी. एफ.-2]

S.O. 3510.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs, Punjab Industrial Safety Council, 538, Phase-I, Mohali Ropar Punjab have agreed that the provisions of the Employees Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

INO. S-35019/373/84-PF. 111

का. भ्रा० 3511:—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैंसर्स टैक्सटाइल सर्विसिज कार्पोरेशन, उद्यावरा, उद्गपी तालुक, की के. (कर्नाटक) नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक थौर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि श्रौर प्रकीर्ण उपबंध भिधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन की नागू किए जाने चाहिए।

श्रतः केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रिधिनियम की धारा 1 की उपधारा 4 द्वारा प्रवत्त गिक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं. एस-35019(369)/84-पी. एफ.-2]

S.O. 3511.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs, Textile Services Corporation, Udyavaru, Udipi Taluk, D. K. (Karnataka) have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(369)/84-PF. II]

का. धा० 3512:—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैं मर्स यूनीटूल्स, गोपाल बाग, श्रवनाणी रोड, कोयम्बटूर-641018, निमलनाडु, नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक धौर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि श्रीर प्रकीण उपबंध क्रधिनियम. 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

श्रतः केन्द्रीय सरकार उक्त ग्रधिनियम की धारा । की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त श्रधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं. एस-35019(368)/84-पी. एफ.-2]

S.O. 3512.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs, Unitools, Gopal Bagh, Avanashi Road, Coimbatore-641018, Tamil Nadu have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(368)/84-PF. II]

का. श्रा० 3513:—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स ए. कुमार एण्ड एसोसिएमन, 820, जोणी पथ, करोलबाग नई दिल्ली नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक श्रीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर महमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निश्चि श्रीर प्रकीण उपबंध श्रिधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए:

म्रतः केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रिधिनियम की घारा 1 की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त गिक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त म्रिधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[मं. एस-35019(366)/84-पी. एफ.-2]

S.O. 3513.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs A. Kumar and Associates, 820, Joshi Path Karol Bagh, New Delhi have agred that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(366)/84-PF. II]

का. ग्रा० 3514:—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सहकारी कार्य संस्था शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश मर्यादित, 89, नगर निगम रोड, इन्दौर मध्य प्रदेश नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक ग्रौर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्यं निधि ग्रौर प्रकीणं उपबंध ग्रिधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उकत स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

3244

भ्रतः केन्द्रीय सरकार उक्त श्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त श्रिधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती हैं।

[सं. एस-35019 (367) / 84-पी एफ.-2]

S.O. 3514.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sahekari Karya Sanstha Shiksha Vibhag M. P. Maryadit, 89, Nagar Nigam Road, Indore (M. P.), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019/367/84-PF. II]

का. श्रा० 3515 — केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मसर्स जी प्रिन्ट प्राइवेट लिमिटेड, गोपाल बाग, 317 अवनाणी रोड, कोयम्बटूर-641018, तिमिलनाडु नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक श्रीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि श्रीर प्रकीण उपबंध श्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

श्रतः केन्द्रीय सरकार उक्त उक्त ग्रिधिनियम की धारा 1 की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं. एस-35019(376)/84- पी. एफ.-2]

S.O. 3515.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs, G. Print Private Popal Bagh, 317. Avanashi Road, Coimbatore-641018, Tamil Nadu, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019/376/84-PF. II]

का. भ्रा. 3516:—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होना है कि मसर्स के सी हत्दर डायमण्ड हरवौरे रोड, 24, प्रगना (बेस्ट बंगाल) नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक श्रीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि श्रीर प्रकीण उपबंध ग्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

मतः केन्द्रीय सरकार उक्त श्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा 4 द्वारा प्रदल शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त श्रिधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[म एस-35017(68)/84-पी. एफ.-2]

S.O. 3516.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. K. C. Halder Diamond Harbour Road. 24-Parganas (West Bengal) have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[S-35017/68/84-PF.II]

का० ग्रा० 3517.— केन्द्रीय सरकार की यह प्रतीत होता है कि मसर्स सम्सपियर सारनी कोप्रेटिक हाउसिंग सोसाइटी निमिटेड, 11, गुरूसादे रोड, कलकता-19 नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक श्रीर कर्मचारियों को बहुसंख्या इस बात पर सहसत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि श्रार प्रकीर्ण उपबंध श्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उकत स्थापन को लागू किये जाने चाहिये।

श्रतः केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 1 की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शित्तयों का प्रयोग करते हुए उक्त श्रिधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35017(69)/84-पी०एफ०-2]

S.O. 3517.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Prakasika Ltd., Co-operative Housing Society Ltd. II, Gurusaday Road, Calcutta-19 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35017/69/84-PF.II]

का० आ० 3518 केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैंसर्स नाग बोटिंक्ग एण्ड पैकिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड सीटी सैंटर दुर्गापुर-9 श्रीरे आफिस तियोली कोर्ट, ब्लाक-11, दोशी मंजिल, प्लेट (III)ए बेलिगंज सर्कंलर रोड कलकसा-10 नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक श्रीर कर्मचारियों की बहुतंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य विधि श्रीर प्रकीर्ग उपबंध, श्रीधनियम, 1952(1952का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किये जाने वाहिये।

ग्रतः केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रिधिनियम की धारा 1 की उपधारा 4 द्वारा प्रदक्ष शक्तियीं का प्रयोग करते हुए उक्त ग्रिधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35017(67)/84-पी०एफ०-2]

S.O. 3518.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Nag Bottling and Packaging Co. Pvt. Ltd. (Factory) City Centre, Durgapurg and its office at Tivoli Court, Block A, 4th Floor, Flat-III IA, Ballygunge Circular Road have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35017/67/84-PF.II]

का० आ० 3519 केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स राम० एन प्रमाणिक एण्ड ग्रोदर्स, 3 धार० भार० रोड, कलकता-13 पिक्चम बंगाल) नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक ग्रौर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि ग्रौर प्रकीर्ण उपबंध ग्राधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये।

ग्रतः केन्द्रीय सरकार, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 1 की उपधारा 4 द्वारा प्रक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त ग्रिधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35017(70)/84-पी०एफ०-2]

S.O. 3519.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. M. N. Pramanik and Others, 3, R. R. Road, Calcutta-13, (West Bengal) have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies he provisions of he said Act to the said establishment.

[No. S-35017/70/84-PF.II]

का० म्रा० 3520 केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैससं प्रकाशिका लिमिटेड 3, रामानाथ मंजूमदार स्ट्रीट, कलकत्ता-9 नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक श्रौर कर्मचारियों की बहुसख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्नदारों भिंविष्य निधि श्रौर प्रकीर्ण उपबंध श्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये।

ग्रतः केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रधिनियम की घारा 1 की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त ग्रधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागी करती है।

[सं॰ एस-35017(71)/84-पी॰एफ॰-2]

S.O. 3520.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation o the establishment known as Messrs. Prakasika Ltd., 3, Ramanath Mazumdar Street, Calcutta-9 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35017/71/84-PF,II]

का० आ० 3521 केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैंसर्स ए०के० चटर्जी एण्ड बादसं 39-एल, सुरेत 975 GI|84—15 सरकार रोड, कलकता-10 नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध ग्रिधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये।

ग्रतः केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा 4 द्वारा प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त ग्रिधिनियम के उपबंध उक्त हस्थापन को लागू करती है।

S.O. 3521.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs, Brothers, 39-L, Suren Sarkar Road, Calcutta-10 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35017/73/84-PF.II]

का० घा० 3522 केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैंसर्स राजदा पी०एण्ड०पीठ कार्पोरेशन 1, प्रोय्यगर्डेस, चर्च स्ट्रीट कलकत्ता-1, ग्रौर खाखा सिन्हा लायबेरी रोड पटना-1, (बिहार) नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक भौर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि भौर प्रकीर्ण उपबंध ग्रिधिनयम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये।

मतः केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा-1 की उपधारा-4 द्वारा प्रदक्ष शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[संबंधा एस-35017/76/84-पी० एफ-2]

S.O. 3522.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Rajda P&P Corporation 1, Portuguese Church Street, Calcutta-1 including Branch at Sinha Library Road, Patna-800001 (Bihar) have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35017/76/84-PF.II]

का० ग्रा॰ 3523 कैन्द्रीय सरकार की यह प्रतीत होता है कि मैंसर्स बदवान डिस्ट्रिक फिस फार्मोईस डीक्लोपमेंट एजेंसी 66/1, ब्रियल ग्राउण्ड रोड, जिला बदेवान पश्चिम बंगाल नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक भीर कर्मचारियों की बहसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि ग्रीर प्रकीण उपबंध ग्रिधिनियम, 1952 (1952 का 19 के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये।

भ्रतः केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रिधिनियम, की घारा 1 की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त श्रिधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[संख्या एस-35017/77/84-पी० एफ-2]

S.O. 3523.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Burdwan District Fish Farmers Development Agency, 66/1, Burial Ground Road, P.O. and District Burdwan (West Bengal) have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35017(77)/84-PF.II]

का० न्ना० 3524—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स हिन्दुस्तात इंडस्ट्रीज कार्पोरेशन 2/9 एस० एन० राय रोड, कलकत्ता-38 ग्रौर प्रधान कार्यालय 10 जैकशन लेन, कलकत्ता-1 नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक ग्रौर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि ग्रौर प्रकीण उपबंध ग्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के अपबंध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये।

म्रतः केन्द्रीय सरकार, उक्त म्रिधिनियम की धारा 1 की अगधारा 4 द्वारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त म्रिधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं॰ एस॰-35017(78)/84-पी॰एफ.-2]

S.O. 3524.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Hindustan Industries Corporation 2/9, S. N. Roy Road, Calcutta-38 including Head Office at 10-Jackson Lane. Calcutta-1 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1932 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35017(78)/84-PF.II]

का०आ० 3525:—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सन्पूर्वन इंजीनियरिंग वर्कस 172/13, एम. एस. पालचौधरी लेन, हावड़ा, (पश्चिम बंगाल) और फैन्स्री पालटिकुड़ी बुकुलताला, हावड़ा (पश्चिम बंगाल) काउक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुने का इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी और अधिष्य निधि प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन की लागू किए जाने चाहिए।

जतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा-4 द्वारा प्रदत्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए उन्ह अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं. एस-35017(79)/84-पी,एफ. 2]

S.O. 3525.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs, Sanguine Engineering Works, 172/13, M. S. Palchowdhury Lane, Howrah (WB) including factory at Palticuri, Bukultala, (WB) have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35017(79) /84-PF.II]

का. आ॰ 3526.— केन्द्रीय सरकार की यह प्रतीत होता है कि मैसमें मेघालय टीम्बर प्रा. लिमिटेड 8 और 9, बैनिटिन्क स्ट्रीट कलकता—1 और शाखा कार्यालय 15 माईल पोस्ट, जी.एस. रोड पो. आफिस बर्नीहट (इस्ट खासी हिल्ज डिस्टेंक्ट) मेघालय स्टेट नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन की लागू करती है।

[सं. एस-35017(80)/84-पी.एफ. 2]

S.O. 3526.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs, Meghalaya Timber Pvt. Ltd., 8 and 9, Bentinck Street, Calcutta-1 including Branch Office at 15th Mile Post, G. S. Road, P.O. Burnihat (East Khasi Hills Distt.) Meghalaya State have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment

[No. S-35017(80)/84-PF.II]

का० आ० 3527:—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पंजाब प्रैस, 264 एम, बिपिन बेहारी गंगोली स्ट्रीट, कलकता—12, डब्ल्यू.बी.—16439, नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उनबंध उक्त स्थापन की लागू किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की घारा 1 की अपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन की लागू करती है।

[सं. एस-35017(81)/84-पी.एफ.-2]

S.O. 3527.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Puniab Press, 264-M Bipin Beharl Ganguli Street. Calcuttn-12 (WB/16439)

have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act. 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35017(81)/84-PF.II]

का जा 3528:—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स जावमेक इंजिन्यसं 27, एण्ड 2 बी, आपनगढ़, 7, बराइट स्ट्रीट कलकता—19, ऑर वनसे 13/27, सनकारों पारा रोड, कलकता—19 कीर क्यापन के सम्बद्ध नियानक और कर्मचारियों की बहुरांख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारों भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध जिल्लाम्म, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करतो है।

S.O. 3528.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Avomec Engineers, 2A, and 2B, Aapanghar, 7. Bright Street, Calcutta-19 including its works at 13/2A. Sankaripara Road, Calcutta-25 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35017(82)/84-PF.II]

का.आ. 3529:—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स बी. के. आर. साड़ी सेन्टर, बाजार स्ट्रीट पौल्लाको तिमलनाडु, नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारों भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की घारा 1 की उपवारा 4 द्वारा प्रदत्त गांक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपवंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

S.O. 3529.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs, V.K.R. Saree Centre, Bazar Street, Pollachi, Tamil Nadu have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019/377/84-PF. II]

नई दिल्ली, 19 अक्तूबर, 1984

का. जा. 3530:—केन्द्रीय सरकार की यह प्रतीत होता है कि मैंसर्स डायना केशमेंट्स, 46, नेत्सन में निका मुदालियर रीड, मद्रास-600029, तिमल नाडु नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निष्य और प्रकीण उपबंध धिमियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन की लागू किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उन्त जिधानियम की धारा-1 की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उन्त अधिनियम के उपबंध उन्त स्थापन की लागू करती है।

[स. एस-35019/388/84-पी.एफ.-2)]

New Delhi, the 19th October, 1984

S.O. 3530.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Diana Casements. 46, Nelson Manicaka Mudaliar Road, Madras-600029, Tamil Nadu have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(388)/84-PF.JI]

का. आ. 3531:—केन्द्रीय सरकार की यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पलास्टो रबर इंडस्ट्रीज 12/23, साउथ कूलिया रोड, बेलीघाटा, कलकत्ता—10 और यूनिट 21, चावलपट्टी रोड, कलकत्ता—10 नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपवंध विधिनयम, 1952 (1952 का 19) के उपवंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा-1 की उपधारा-4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन की लागू करती है।

[सं. एस-35017/85/84-पी.एफ.-2]

S.O. 3531.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Plasto Rubber Industries, 12/23, South Coolia Road, Beleghatta, Calcutta-10 and its unit at 21, Chaulpaty Road, Calcutta-10 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35017/85/84-PF-II]

का. अा. 3532:—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैंसर्स कोन्टीनेंटल स्टील स्टार 58/5 बी, बी.टी. रोड कासीपुर कलकता—2 एण्ड आफिस 4, नारायण प्रसाद बाबुलेन, कलकता—17 नामक स्थापन के साबद्ध नियोजक और कर्म- भारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की घारा 1 की उपघारा 4 द्वारा प्रदत्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंघ उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं. एस-35017(83)/84-पी.एफ.-2]

S.O. 3532.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Continental Steel Star, 58/58, B.T. Road, Cossipore, Calcutta-2 and office at 4, Naryan Prasad Babu Lane, Calcutta-7 have agreed that the provisions of the Employee's Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35017(83)/84-PF.II]

का. बा. 3533. केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मसर्स इंजीनियर्स प्रोडक्टस 14, रफी महमद किदबाई रोड़, कलकत्ता-55 नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक धौर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि भौर प्रकोण उपबध मधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

भत: केन्द्रीय सरकार, उक्त भिधिनियम की धारा 1 की उपधारा 4 द्वारा प्रदन्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं॰ एस॰ 35017/84/84 पी. एफ-2]

S.O. 3533.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Engineering Products, 14, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-55. have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the Act to the said establishment.

[No. \$-35017(84)/84-Pl'.II]

का. मा. 3534.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैससे काल सर्विसिज 1122, सालापोश रोड़, नियर करन्ज पोलिस स्टेशन, महमदाबाद (गुजरात) नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकोण उपबन्ध ग्रधि-नियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उवत स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

भतः केन्द्रीय सरकार, उक्त ग्रधिनियम की धारा 1 की . उपधारा-4 द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए उक्त ग्रिधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं॰ एस-35019/389/84-पी॰ एफ-2]

S.O. 3534.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Cal Services 1122, Salapose Road, Near Karanj Police Station, Ahmedabad (Gujarat) have agreed that provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the gaid establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(389)/84-PF.II]

का. शा. 3535.— केन्द्रीय सरकार की यह प्रतीत होती कि मसर्स गोल्डविन ट्रंडंस प्राइवेट जिमिटेड 22, महात्मा गांधी मार्ग लाजपत नगर, 4 नई दिल्ली-24, ग्रौर रजि. श्राफिस 6 सी, मिडलटन स्ट्रीट, 3 तिसरी मंजिल कलकत्ता-71 नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक ग्रौर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि भौर प्रकोण उपबंध ग्रिधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

भतः केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रिधिनियम की धारा 1 की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त मिनियों का प्रयोग करते हुए उक्त भिधिनियम के उपजन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं॰ एस॰ 35019 (379)/84 पी एफ-2]

S.O. 3535.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Goldwyn Traders Pw. Ltd., 22, Mahatma Gandhi Marg, Laipat Nagar-IV New Delhi-24 including Registered Office at 6-C, Middleton Street 3rd Floor, Calcutta-71 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(379) /84-PF.II]

का. भा. 3536 — केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स जे बी. लेखादिया लखा दियावादी, सिन्धी सेहरी, सलाबतपुरा सुरत (गुजरात) नामक स्थापन के सम्बन्द्र नियोजक भीर कर्मचारियों की बहसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि भीर प्रकोण उपबंध मधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

श्रत: केन्द्रोम सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा 4 द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन की लागू करती है।

[सं॰ एस. 35019(380)/पी एफ॰ 2]

S.O. 3536.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. J. B. Lekhadia, Lekhadia, Smdhi Sheri, Salatat Pura, Surat, (Gu,arat) have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, threfore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(380)/84-PF. II]

का भ्रा. 3537.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैंसर्स इंडस्ट्रीयल सिन्पोरिटी ट्रेनिंग एण्ड एमंपला भेंट एजेसी बादुबल्ला े बीन -23, कन्यानुर तालुक ऐरनाकुनम डिस्ट्रिंनट केरला गामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक भीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि भ्रीर प्रकीर्ण उपबंध प्रवित्यम, 1952 (1952 का 19) के उपवंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

स्रत : केन्द्रीय सरकार उक्त ग्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त श्रधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं॰ एस-35019(381)/84-पी एफ-2]

S.O. 3537.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Industrial Security Franing and Employment Agency, Uaduthala, Cochin 23, Kanayannur Taluk, Ernakulam District, Ke, ala have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (4) of Section I of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said esablishment.

[No. S-35019(381)/84-PF.II]

का. ग्रा. 3538.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसमें विजयलक्ष्मी केमिकल्स एव. ग्रो. नं. 4, सैिंकड लाईन बीच मद्रास-600001 ग्रीर नं 3, ग्रोरसी बिल्डिंग-II मंजिल, बीव्वीवकेट ग्राईनगर रोड़, बंगललीर 53 स्थित उसकी शाख सहित नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक ग्रीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि ग्रीर प्रकोण उपबंध ग्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

श्रत : केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रिधिनयम की धारा 1 की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त भ्रिधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं॰ एस 35019(382)/84-पी एफ-2]

S.O. 3538.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Vijayalakshmi Chemicals H.O. No. 4, Second Line Beach Madras-600001 and its branch at No. 3, Orrece Building, II Floor, B.V.K. lyangar Road, Bangalore-53 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

INo. S-35019(382)/84-PF.III

का. भ्रा. 3539.— केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मसर्स सर्वेवसं व्यूरा नं 179, लिधी चेटी स्ट्रीट मद्रास 6000.01, तमिल नाडु श्रीर श्रगन्तरापुर एण्ड विशाखापत्तनम स्थित उसकी शाखाओं सहित नाम स्थापन के सम्बद्ध नियोजन श्रीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि श्रीर प्रकीण उपबंध श्रिधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

श्रत: केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा -4 ब्रारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं॰ एस॰ 35019/383/84-पी एफ-2]

S.O. 3539.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in retaion o he esablishment known as Messrs. Serveyours Bureau No. 179, Lingli Chety Street, Madras-600001, Tamil Nadu meluding its branch at Anantapur P-Visakapatnam have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(383\/84-PF.II]

का॰ ग्रा. 3540.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मससं सी॰ ग्राई॰ सी॰ इंबस्टमेंट्स प्राइवेट लि., 210 सफाली सेंटर, नियर पालदी चार रास्ता प्राश्रम रोड़, श्रहमदाबाद नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक ग्रीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि ग्रीर प्रकेण उपबंध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

श्रत: केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रधिनियम की धारा-1 की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त श्रधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं. एस॰ 35019/384/84-पी एफ 2]

S.O. 3540.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. C.I.C. Investments Pvt. Ltd., 210-Shefali Centre, Near Paldi Char Rasta, Ashram Road, Ahmedabad have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(386)/84-PF. II]

का०आ० 3541 .—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसमें दी सहयोग कोआपरेटिय बैंक लि०, मिर्जापुर रोड़, अहमदाबाद-1 (गुजरात) नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उनबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 9) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अत: केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा-1 की उपधारा-4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं॰ एस॰ 35019/385/84 पी॰ एफ 2]

S.O. 3541.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messes. The Salyog Cooperative Bank Ltd., Mirzapur Road, Ahmedabad-1, Gujarat have agreed that the provisions of the Enployees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(385)/84-PF, II]

का० आ० 3542. केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स यूनि क्लोजर्स शैंड सं० 11, स्कीम,- III फैज-II अंग्वला इंडस्ट्रीयल एरिया, नई दिल्ली और रिज आफिस बी०— 157 ग्रेटर कैलाश-1 नई दिल्ली-48 नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारियों की भविष्य निधि और प्रकीण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा-1 की उपधारा-1 द्वारा प्रदत्त गिक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन की लागू करती है।

[सं॰ एस॰ 35019/386/84/पी॰ एफ॰-2)]

S.O. 3542.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messis. Uni Closures, Shed No. 11, Scheme-III, Phace-II, Okhla Industrial Area, New Delhi including Registered Office at B-157, Greater Kailash-I, New Delhi-48, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(386)/84-PF, 1I]

का० आ० 3543.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स इंडियन दीत सर्विस 16-ए फैन्डस कालोनी नई दिल्ली नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्म- चारियों. की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उनवंध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उनबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए

अत: केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा-1 की उपधारा-4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन की लागू करती है।

[सं॰ एस॰ 35019/387/85 पी॰ एफ-2]

S.O. 3543.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Indian Press Service, 16-A, Friends Colony, New Delhi have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. \$-35019(387)/84-PF. II]

का० भा० 3544.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि भैसर्स पव्लिक एम० एम० स्कृल राजा पार्क (रिकरनाजर्ड) डब्ल्यू, जैंड-4 नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि प्रकोर्ण और उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागुकिए जाने चाहिए।

अत: केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा-1 की उपध:रा-4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं॰ एस-35019/390/84/पी॰ एफ॰-2]

S.O. 3544.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. M. M. Public School (Recognised) WZ-4. Raja Park, Delhi-34 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(390)/84-PF. II]

# नई दिल्ली, 22 अक्तूबर, 1984

का०आ० 3545.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स दि आन्ध्रा बैंक फार्म से सिंवस को-आपरेटिय सोसाइटी लिमिटेड , ए० आर० नं० 103, कानेकल रयादुर्ग (तालूक) अनन्ता पुर (डिस्ट्रिक्ट) आन्ध्र प्रदेश नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई हैं कि कर्मचारी मिविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के अपबंध अक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की घारा-1 की उपधारा-4 द्वारा प्रदश्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन की की लागू करती है।

[सं. एस-35019/410/84-पी. एफ.-2]

#### New Delhi, the 22nd October, 1984

S.O. 3545.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. The Andhra Bank Farmer's Service Co-operative Society Ltd. A, R. No. 103, Kanekal, Anantapur (dist) Andhra Pradesh have agreed that the provisions of the employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section I of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019/410/84-PF. 1I]

का . बा. 3546 — केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सिलट्रेनिक्स (इंडिया) लिमिट्रेड्ड, प्लाट नं. 107, सिपकोट इंडस्ट्रियल कम्पलेक्स, होसूर-635126, तिमलनाडु नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्म-चारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्म-चारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध को लागू किए जाने नाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा-1 की उपधारा-4 द्वारा प्रदस्त यक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं. एस-35019 (425)/84-पो.एफ.-2]

S.O. 3546.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Siltronics (India) Ltd. Plot No. 107, Sipcot, Industrial Complex, Hosur-635126, Tamil Nadu have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Mis ellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(425)|84-PF.II]

का.आ. 3547. — केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स केरला स्टेट प्रोडिक्टिविटि को उसिल, एच. एम. टी. रोड, कालमसेरी, केरला और व्रिक्टिम क्विल्द्रम क्विलोन रोजनल ग्रांच म्यूजिययम बेन्स कम्प उण्ड, कोडियार (बो) व्रिकेन्द्रम-695003 और कन्नौर कालिकट रीजनल ग्रांच, केयर आफ स्टील इंडस्टीज केरला लि. ओमकर बिल्डिंग चेस्ती रोड, कालीकट-673001 स्थित उसकी ग्राखा सहित नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहु संख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रोय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा-4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन की लागू करतो है।

[सं. एस-35019(439)/84 भी.एफ.-2]

S.O. 3547.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Kerala State Productivity Council. H. M. T. Road, Kalamassery, Kerala and its branches at Trivandrum Quilon Regional branch museum-Banes Compound, Kowd'ar (B), Trivandrum-695003 and Cannore-Callicut Regional Branch, Clo Steel Industries Kerala Ltd, Omkar Buildings Cherootty Road, Calicut-673001 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Mis'ellaneous Provisions Act 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019/439/84-PF. II]

का०आ० 3548, — केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सिरिगरी ईण्डस्ट्रीज राइस मिल. पोस्ट ओदाराहटी-583235, टी०क्यू० गंगावती, डिस्ट्क्स राच्र, कर्नाटक नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजिक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा-1 की उपधारा-4 द्वारा प्रदत्त णक्तियों का वर्णन करते हुए उक्त अधिनियम उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है :

[सं॰ एस॰ 35019/408/84-पी॰एफ. -2)]

S.O. 3548.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messis. Sir ge i Industries Rice Mill, Post, Oddarahatti 583235, Tq. Gangavati District Raichur, Karnataka have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Mis. ellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019]408[84-PFII]

का ० आ ० 3 5 49 - केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स जीडी, इन्वेस्टमेंट्स प्राईवेट लिमिटेड, गोपाल बाग, अवनाशी रोड कोयम्बट्टर-641018, तमिल नाडु नामक स्थापन के सम्बद्ध नियाजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहनत हो गई है कि वार्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) उपबंध उक्त स्थापन को लाग किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा-1 की उपधारा -4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती।

[सं॰ एस-35019/409/84-पी. एफ.]

S.O. 3549.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Gedee Investments (P) Ltd., Gopal Bagh, Avanashi Road, Coimbato e-641018, Tam'l Nadu have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-33019/409/84-PF.II]

का०अ.० 3550.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स माइक्रोपैक लिमिटेड, प्लाट नं० 16, जिगानी इंडस्ट्रीयल एरिया, एनीकल तालुक बंगलीर डिस्ट्रिक, कर्नाटक, नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहपत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) उपबंध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उन्त अधिनियम की घारा-1 की अपवारा -4 द्वारा प्रदक्त मन्तियों का प्रयोग करते हुए अक्त अधिनियम के आबंध अक्त स्थापन को लागू करती है। [सं० एस-35019/392/84-पी० एफ०-2]

S.O. 3550.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Microgack Limited, Plot No. 16, Jagani Industrial Area, Anekal Talluk, Bangalore District Karnataka have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No.S-35019(392)/84-PF.II]

का०आ० 3551.—देश केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स दामनी ट्रेड्स 24-ए, शैं.क्स्पयर सारनी कलकता-17, और राजस्टर्ड धाफिस 40-काली क्रुड्ग टैगोर स्ट्रीट कलकता-70 और फैंक्ट्रो-30 सारानाला रोड कलकता-53 में स्थित नामक स्थापन के सम्बद्ध नियाजक और कर्मवारियों की बहु-संख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मवारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध जींधनियम 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सएकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त णिक्तयों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस- 35017/72/84-पी०एफ०-2]

S.O. 3551.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Damani Traders 24-A, Shakespeaer Sarani, Calcutta-17 including Registered Office at 40, Kali Krishna Tagore Street, Calcutta-70 and Factory at 30, Taratalla Road, Calcutta-53 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35017(72)/84-PF,II]

का०आ० 3552.—केन्द्रीय सरकार ो यह प्रतीत होता है कि मैसर्स आई०बी० कंगट्रक्शन, 22 के०जी० बोस सारनी, कलकता -85 नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निश्चि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा-4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

C

[सं० एस- 3501 7 ( 74) / 84-पी०एफ- 2]

S.O. 3552.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Mesers. I.B. Construction, 22, K.G. Bose Sarani, Calcutta-85 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35017(74)/84-PF.II]

का० आ० 3553.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स हिमालुक्स प्रा० लिमिटेड 47/2 बी, सुक्रांसिनी गाँगुली सारनी कलकता-25, नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने/ चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा 4 द्वारा प्रवत्त शिवतयों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है। [सं० एस-35017(75)/84-पी०एफ० 2]

S.O. 3553.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Himalux (P) Ltd., 43/2-B, Suhasini Ganguli Sarani, Calcutta-25 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35017(75)/84-PF.II]

का० आ० 3554—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सीधो मल ऐजंसी ए/6, कनाट प्लेस, नई दिल्ली-1 नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा-1 की उपधारा-4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्भापन को लागू करती है। [सं० एस-35019/391/84-पी०एफ०2]

S.O. 3554.—Whereas it appears to the Central Government and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should relation to the establishment known as Messrs. Sidho Mal Agencies, A/6, Connaught Place, New Delhi-110001 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(391)/84-PF.II]

का० आ० 3555—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स घीएक्वि इंडस्ट्रीज, 47, सिडको इंडस्ट्रीजल एस्टेट, कुरीची, कोडम्बट्र-641021, तिमलनाडु, नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी अविष्य निधि और प्रकीण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम, के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

# [सं॰ एस-35019 (442)/84-पी॰एफ॰-2]

S.O. 3555.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Vircom Industries, 47, Sideo Industrial Estate, Kurichi, Coimbatore-641021 Tamil Nadu have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(442)/84-PF.IT]

का० आ० 3556—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैंसर्स सर्विस केयर, नं. 160, कोडामबाकम हाई रोड, मद्रास-600034, तिमल नाडु नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक श्रोर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचा भिवष्य निधि श्रोर प्रकीर्ण उपबंध श्रधनयम. 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये।

ं भ्रतः केन्द्रीय सरकार, उक्त भ्रधिनियम की धारा-1 की उपधारा-4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त भ्रधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागु करती है।

S.O. 3556.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Service Care No. 160, Kodambakkam High Road, Madras-34, Tamil Nadu have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(419)/84/PF. II]

का० ग्रा० — केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि भ्रमरादीपम क्रिक वर्क्स, नं०-1 यादवा स्ट्रीट पूनामाली, मद्रास-600056 तिमलनाडु नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक ग्रीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहभन हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि ग्रीर प्रकीण उपबंध श्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किये जाने वाहिये।

श्रतः केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रिधिनियम की धारा । की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त मिन्त्यों का प्रयोग करते हुये उक्त ग्रिधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस० 35019 (443) / 84-पी. एफ-2]

S.O. 3557.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Amaradeepam Brick Works, No. 1, Yadava Street, Poonamalee, Madras-600056 Tamil Nadu have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(443)/84-PF.II]

का. थ्रा. 3558.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स थ्राटो कम इंजीनीयर्स, 41, कोरामंगला इंडस्ट्रीयल लेथाउट बंगलौर 560034, कर्नाटक नाम स्थापन के सम्बद्ध नियोजक भीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि थ्रीर प्रकीर्ण उपबंध श्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये।

म्रतः केन्द्रीय सरकार, उक्त म्राधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) बारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त मिश्रिमियम, के उपबंध उक्त स्थापन की लागू करती है।

[सं. एस-35019(444)/84-पी. एफ. 2]

S.O. 3558.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Auto Cum Engineers, 41, Koramangala Industrial Layout, Bangalore-560034, Karnaktaka have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(444)/84-PF.II]

का. आ. 3559— केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैंसर्स ही-टन-फोरगे 18, डी. एल. एफ. इंडस्ट्रीयल एरिया, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली—15 नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुमंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये।

ग्रतः केन्द्रीय सरकार् उक्त श्रिधिनियम, की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त भिक्तयों का प्रयोग करते हुये उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लॉगु करती है।

[सं० एस-35019(445)/84-पी. एफ.-2]

S.O. 3559.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messis. Hi-Ton-Forge, 18, D.L.F. Industrial Area, Najafgarh Road, New Delhi-110015 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19

of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(445)/84-PF.II]

का. आ. 3560—केन्द्रीय मरकार को यह प्रतीस होता है कि मैंसर्स रामू थियेट हू, एम.सी. रोड, अम्बूर, नार्थ आरकोट डिस्ट्रीक्ट, तमिलन। इनामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) प्रारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये उक्त श्रधिनियम के अपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है। [सं. एस. 35019(420)/84-पी. एक. 2]

S.O. 3560.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the macrity of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Ramu Theatre, M.C. Road, Ambur North Arcot, Distt., Tamil Nadu have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(420)/84-PF. II]

का. आ. 3561.— केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स जेड-577, पालाकुरिचि ऐगरीकलचरल सर्विस को-आपरेटिव सोसायटी लिमिटेड पालाकुरिची पी. ओ. नागापीरतम तालुक, तमिलनाडु नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक श्रीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि श्रीर प्रकीण उपबंध श्रीधनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये।

ग्रतः केन्द्रीय सरकार, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये उक्त ग्रिधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है। [सं. एस. 35019(421)/84-पी. एफ. 2]

S.O. 3561.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Palakkurichi Agricultural Service Co-operative Society Ltd., Palakkurichi Post Nagapattinam Taluk, Tamil Nadu have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act., 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019 (421)/84-PF-II]

का. ग्रा. 3562. — केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता हैं कि मैंसर्स गर्मीला मोटर्स, 12/203, मेडिकल कालेज रोड, मंगला-पूरम, थन्जावूर-613997, तिमलनाडु नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक श्रीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबंध श्रीधनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये।

ग्रतः केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रिधिनियम की धारा । की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त मित्तयों का प्रयोग करते हुये उक्त ग्रिधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है । [सं. एस-35019(423)/84-पी. एफ. 2]

S.O. 3562.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Sharmila Motors, 12/203, Medical College Road, Mangalapuram, Thanjavur-613997, Tamil Nadu have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(423)/84-PF II]

का. प्रा. 3563.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स बी. श्रीनिवास एंड कंपनी (एजेंसीज) 30, बी. बी. कोइल स्ट्रीट, पैरियामेट, मद्रास—3, तिमलनाडु, नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भ्विष्य निधि और प्रकीण उपबंध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लाग किये जाने चाहिये।

श्रतः केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त श्रधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।
[सं. एस-35019(424)/84-पी. एफ.2]
चित्रा चोपड़ा, निदेशक

S.O. 3563.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. V. Sreenivas & Co. 30, (Agencies) V. V. Koil Street, Periamet, Madras-3, Tamil Nadu have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(424)/84-PF.II] CHITRA CHOPRA, Director

New Delhi, the 20th October, 1984

S.O. 3564.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government bereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta in the industrial dispute

between the employers in relation to the management of CMD's Office of Eastern Coalfields Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 16th October, 1984.

#### CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL

#### CALCUTTA

Reference No. 40 of 1983

PARTIES:

Employers in relation to the management of CMD's Office of Eastern Coalfields Limited.

#### AND

Their workmen

PRESENT:

Mr. Justice M. P. Singh-Presiding Officer.

APPEARANCES:

On behalf of Management—Mr. N. R. Chatterjee, Deputy Personnel Manager.

On behalf of Union-Mr. S. Chatterjee, President of the union.

STATE: West Bengal.

INDUSTRY Coal

#### AWARD

By Order No. L-19012(139)/82-D.IV(B) dated 13th June, 1983 the Government of India, Ministry of Labour and Rehabilitation, Department of Labour referred the following dispute for adjudication:

"Whether action of the management of M/s, Eastern Coalfields Ltd. in reduction of the basic salary of Shri K, C, Laha, Clerk employed in CMD's Office Sanctoria from Rs. 746 (Rupees seven hundred and forty six only) per month to Rs. 717 (Rupees seven hundred and seventeen) per month w.e.f. March, 82 and ordering recovery of Rs. 1220.20 paise (Rupees one thousand two hundred and twenty and twenty paise) was legal and justified? If not, to what relief the workman is entitled to and from what date?"

2. The facts in brief are that Sri K. C. Laha was in clerical grade II in telecommunication department from some time in July 1978. He remained in that grade upto 31-12-1978. At that time his pay was 468 p.m. His annual increment was Rs. 23. It is his case that he had not received his annual increment, namely, Rs. 23 which he ought to have received on 1-1-1979. It, so happened that he was promoted from clerical grade II to grade I under office order dated 28-3-79 (Ext.M-3-W-8) with effect from 1-1-79. Admittedly he got the promotional increment of Rs. 29+1 with effect from 1-1-79, The further fact that happened was that the NCWA—II which was signed on 11 August 1979 became effective from 1-1-79 and under that agreement (Ext. M-4) the pay scale of the employees was revised. A new scale of pay of grade II clerks as per NCWA—II was Rs. 508-23-692-808 and that of grade I clerk was Rs. 572-29-804-35-944. In persuance of the implementation of the said wage agreement (Ext. M-4) K. C. Laha became first entitled on 1-1-79 to have revision of his wage in grade II which came to Rs. 600. He was also entitled to his fitment in grade I with effect from that very date because of his promotion. He became entitled to one promotional increment and as such his basic pay was fixed at Rs. 630 in clerk grade I with effect from 1-1-1979. That state of affairs continued for about 15 months, i.e. upto April 1980. On 30th April 1980 K. C. Laha made an application (Ext W-1) to the chief personnel officer, Sanctoria for re-fixation of pay expressing his grievance that he has lost the benefit of annual increment which was due on 1-1-1979 and normally to be effected from 1st March 1979 as per NCWA-II and that the promotion had not given him the normal benefit to the tune of one increment which was a must for fixation of his pay on promotion. He also said in that application that he was going to draw his annual increment after a lapse of about 28 months in view of the fact in the last time he had drawn his increment on 1-1-78. Thereafter a d

mistake or by inadvertence one increment was paid to Sri Laha on 1-3-1979 in grade I i.e. within three months of his getting promotion and on the basis of that wrong payment his basic pay was wrongly fixed at Rs. 659 with effect from 1-3-79 and hence it was a case of overpayment by mistake to Sri Laha. From the aforesaid facts it will appear that the main question to be determined is as to whether or not a mistake had been committed by the management in fixing the basic pay of Sri Laha at Rs. 659 with effect from 1-3-1979 in clerical grade-1. The answer to the issue in the schedule to the reference will depend upon a finding on this aspect of the case.

3. Sri S. Chatterice appearing for the union contended that the concerned workman Sri Laha had lost the benefit of his annual increment which was due to him on 1-1-79 and that the promotion had not given him his normal yearly benefit upto the tune of one increment which was a must for fixation of his pay on promotion. He submitted that if Sri Laha had not been promoted, his normal basic pay would stand at Rs. 623 with effect from 1-3-79 and thus the promotion had not given him the normal benefit of annual increment -his pay having been fixed only at Rs. 630 with effect from 1-1-79 ignoring his normal yearly increment of Rs. 23 which also was due on 1-1-79. In my opinion the grievance of the union is not genuine. Rs. 23 was the increment of the old scale under National Coal Wage Agreement-I when his pay was Rs. 468. That pay scale was revised and a new pay scale as above-mentioned came into existence. was revised I am of the opinion that the old increment of the old scale cannot be tagged to the new revised pay scale. The enhanced amount of the new increment (Rs. 29) was payable hanced amount of the new increment (Rs. 29) was payable in March or September under NCWA-II and the next due date as per decision of JBCCI was 1-1-1980 (see Ext. M-14). It is thus clear that no increment was payable on 1st March 1979. Realising difficulty in its way the union argued that no increment whatsoever was paid to the concerned workman on 1-3-79. The argument is not sound. The management of the ECL clearly stated in para 4(5) of their written statement dated 11th August 1963 that wrongly due to inadventence. Sei Laba was given enother increment in grade Lea tence Sri Laha was given another increment in grade I as on 1-3-79 within 3 months of receipt of one increment in grade I and thereby his basic pay was wrongly raised to Rs. 659 per month in place of Rs. 630 per month. There is no denial of this fact in the written statement of the union dated 19-9-83. The union's written statement is silent on this point. This fact therefore shall be deemed to have been admitted by the union under the law of pleading. In other words it must be held that another increment of Rs. 29 words it must be held that another increment of Rs. 29 (besides the promotional increment) was paid to the concerned workman, namely to Sri K. C. Laha on 1-3-79. I have already referred to the decision of the JBCCI (Ext. M-14 dated 22 June 1980). In clause 5 of annexure B to Ext. M-14 it is clearly stated that the next increment will be due on 1-1-1980. Sri S. Chatterjee for the union submitted that the matter had not gone to JBCCI. His submission is not correct. Annexure B to Ext. 14 is the decision of is not correct. Annexure B to Ext.-14 is the decision of JBCCI. Ext. M-8 and M-10 also go to show that the matter was decided by the JBCCI. I may also refer to the fact that 59 other employees were promoted on the same date (1-1-79) along with Sri Laha and their pay was correctly fixed and none of them made any grievance on that score. Grievance, if any, was made by three workmen. M. C. Ghosh, B. M. Banerjee and N. B. Mondal by filing a representation (Ext. M-5) dated 23 October 1981 claiming the same increment as given to Sri Laha. This put the management on enquiry into the matter and then the mistake was discovered.

- 4. Sri S. Chatterjee next referred to 4.3.2 of NCWA-II and contended that under that clause the due date of payment of the increment was 1-3-1979. In the first instance he argued that no increment was paid to the concerned workman on 1-3-79. I have already said that he is wrong to say so. Any way clause 4.3.2 of NCWA-II relates to annual increment to be sanctioned to the wage board staff in normal cases and is not applicable to an employee who is promoted. In case of promotion the decision of JBCCI will govern the case. The argument to this effect, thus fails.
- 5. Sri S. Chatterjee for the union next argued that no notice was given to the concerned workman about the reduction in his basic pay and that section 9A was not complied with. In my opinion the argument is misconceived. It is true that the schedule to the reference speaks of reduction

of basic salary of Sri Laha from Rs. 746 to Rs. 717 with effect from March 1982 but the word 'reduction' is to be understood in the context of the facts of this case. There can be actual reduction in the basic pay of an employee and we can say that the pay has been reduced but there can be another situation also. If the basic pay has been wrongly fixed due to mistake and there has been over-payment of the increment and if it is then corrected then also we can say that the amount has been reduced but this reduction is not in actual sense of the term 'reduction but simply because there was a mistake. Every authority has inherent power to correct a mistake which is apparent on the face of the record. The order of reference is to be construed reasonably and not pidementally. In the present case I think that it is a clear case of over-payment of autother increment by mistake to the concerned workman on 1-3-79. No service condition therefore was changed and section 9A is not attracted. I may mention that section 9A has not been pleaded by the union and I think rightly. The contention of Sri S. Chatterjee is rejected.

6. Sri S. Chatterjee next relied heavily on Ext. W-4 dated 25 August 1980 relating to arrear payment which is a memo issued by the chief of the telecommunication department. As this document is the sheet anchor of the case of the union. I would like to quote it in full.

#### MEMO

(Telecommunication Deptt.)

Ref. No. ECL/C-2(D)/PRS-3/1427

Dated 25-8-80

Sub.—Arrear Annual Increment due for 1979 in respect of Sri K. C. Laha 1st Gr. Clerk.

- (1) Please find enclosed a pay roll amendment advice form in respect of Sri K. C. Laha U/Man No. 46144, 1st Grade Clerk of this Department which he had not earned his annual increment from 1st January, 1979.
- (2) His basic was fixed as per N.C.W.A. II of Rs. 630 from 1st January'79 without considering his normal yearly increment. He is entitled to get his normal increment from 1st January'79 and his basic would be Rs. 659 w.e.f. 1st January'79. Further he has earned one increment from 1st January'30 and basic would be Rs. 688 instead of Rs. 659.
- (3) Amounting of arrear increment will be showing in August'80 combined sheet from 1st January'79 to 31st June, 1980 in the basic adjustment column by putting \* + Mark @ Rs. 29 per month for 19 months.
- (4) The amendment may please be effected in the month of August'80.

Sd/-

(I. Jayakaran)

Chief of Telecommunication.

In my view this merely represents the opinion of the chief of the telecommunication department and cannot be held to be conclusive. It is not known under what circumstances this memo was issued. The union have not clarified the position either by adducing evidence on this point or otherwise. I may refer to the endorsement of the chief of the telecommunication made on Ext. M-7 as deposed to by MW-1 A. K. Bhattacharya which is as under:—

"Case forwarded this being a neculiar problem for applicant. This case may please be referred to JBCCI for ruling."

There is also another remark on Ext. W-1, Srl Laha has said about it which is as below:—

"This case of annual increment which may be decided at your end please"

- 7. Sri N. R. Chatterjee for the management raised a point of locus standi of the present union, namely, West Bengal Colliery Mazdoor Congress (HMS). He raised this preliminary point in the written statement also. My attention was drawn to the management's petition file on 7th November 1938 before this Tribunal calling for the following documents:—
  - Membership Register of the union in respect of the workmen employed at C.M.D's Office Establishment.
  - (ii) The Resolution Book of the union showing its competence to raise the instant dispute.
  - (iii) The subscription receipt counterfoils in respect of the members in relation to the workmen of Q.M.D's Office establishment.
  - (iv) The office copy of the union's Annual Return in Form-I under the Trade Unions Act, 1926.

He contended that the onus was on the union to prove their locus standi and this they have not done. In my opinion this contention also has substance. The union have filed only one document, namely, Ext. W-6 a subscription receipt from Sri K. C. Laha dated 5-3-83, no other document has been filed. Even the concerned workman Sri Laha (WW-1) has said in his cross-examination that he has no document to show that he became a member of this union prior to 25th March 1983. Neither the President of the union has been examined to prove their locus standi. According to the decision in Deepak Industries Ltd. Vs. State of West Bengal, 1975. Lab. IC 1153 the onus is on union to establish their locu standi by producing relevant evidence and this has no locus standi. The present union, namely, the West Bengal Colliery Mazdoor Congress (HMS) have no locus standi to represent the concerned workman. It follows that there was no industrial dispute to be referred to and the reference must held to be incompetent.

. 8. Even on merits of the case my concluded award is that the action of the management of M/s. Eastern Coalfields Ltd. in reduction of the basic salary of Sri K. C. Laha, clerk employed at CMD's office Sanctoria from Rs, 746 (Rupees seven hundred and forty-six only) per month to Rs. 717 (Rupees seven hundred and seventeen) per month w.e.f. March, 82 and ordering recovery of Rs. 1220.20 paise (Rupees one thousand two hundred and twenty paise) was legal and justified. It follows that the workman is not entitled to any relief.

Dated, Calcutta,

29th September, 1984.

M. P. SINGH, Presiding Officer [No. L-19012(139)/82-D.IV (B)]

S. S. MEHTA. Desk Officer

# नई दिल्ली, 20 अक्तूबर, 1984

का. आ. 3565— उत्प्रवास श्रीवित्यम, 1983 (1983 का 31) की धारा 5 के साथ पिटत 3 द्वारा प्रदत्त यिक्तयों का प्रयोग करते हुए, केन्वीय सरकार, श्रम विभाग के अवर सचिव, श्री राजीत मिल्ल को 22 अक्टूबर, 1984 से अगले आदेश जारी होने तक उत्प्रवासी संरक्षी-1, बम्बई के सभी कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती है।

[सं. ए-22012/3/84-एमीग्रेशन-2]

नवेद मसूद, अवर सचिव

New Delhi, the 20th October, 1984

S.O. 3565.—In exercise of the powers conferred by section 3 read with section 5 of the Emigration Act 1983 (31

of 1983), the Central Government hereby authorises Shri Rajeet Mitter, Under Secretary, Department of Labour to perform all functions of Protector of Emigrants-I, Bombay with effect from 22nd October, 1984, till further orders.

[No. A/22012/3/84-Emig. II]

NAVED MASOOD, Under Secy.

New Delhi, the 22nd October, 1984

S.O. 3566.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Industrial Tribunal Madras in the industrial dispute between the employers in relation to the management of India Cements Ltd., Sankarnagar and their workmen, which was received by the Central Government on the 16th October, 1984.

### BEFORE THIRU K. S. GURUMURTHY.

B. A., B. L.,

PRESIDING OFFICER,

INDUSTRIAL TRIBUNAL, TAMIL NADU.

#### MADRAS.

(Constituted by the Central Government) Friday, the 28th day of September, 1984.

Industrial Dispute Nos. 17 of 1984, 32 of 1984 and 36 of 1984.

(In the mater of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the Management of India Cements Limited, Sankarnagar, Tirunelveli District.)

#### BETWEEN

The workmen represented by

The President,

Tinnevelly Taluk National General Workers Union.

Thalaiyuthu, Sankarnagar Post Office,

Pin 627357, District Tirunelveli.

AND

The General Manager,

India Cements Limited,

Post Office Sankarnagar,

District Tirunelveli.

#### REFERENCES

Order No. 'L-29011/79/83-D. III(B), Ministry of Labour & Rehabilitation, dated 3-4-1984, Government of India, (In I.D.No. 17/1984).

Order No. L-29012(68)/83-D. III(B). Ministry of Labour & Rehabilitation, dated 3-4-1984, Government of India. (In I.D. No. 32/1984).

Order No. L-29011/76/83-D. III(B), Ministry of Labour & Rehabilitation, dated 23-4-1984, Government of India. (In I. D. No. 36/1984).

These disputes coming on for final hearing on Monday, the 17th day of September, 1984 upon perusing the references, claim statments and all other material papers on record and upon hearing the arguments of Thiru K. S. Narayana, Advocate appearing for the workmen in all the disputes and of Thiru S. Jayaraman for the Management in all the disputes and both parties having filed memorandum of settlement in all the three disputes and recording the same,

this Tribunal made the following common.

#### AWARD

These are three industrial disputes raised by the Union, namely, Tinnevelly Taluk National General Workers Union, Tirunelveli representing the workmen employed in the Respondent Management India Cements Limited, Sankarnagar.

- (2) In I. D. No. 17 of 1984 the dispute related to the withdrawal of one of the two helpers by the Management. The dispute in I. D. No. 32 of 1984 related to the termination of the services of two watchmen, while the distpute in I. D. No. 36 of 1984 related to the question whether the individuals mentioned in the reterence were only casual employees and the termination of their services without adhering to the provisions of law y the Management is vailed and if not to what relief they are entitled.
- (3) The parties appeared through their respective counsel after receipt of notice of these disputes pending before this Tribunal. The Union in all the three disputes filed claim statements.
- (4) The matter was pending for some time. Today, the Union representing the workmen in each industrial dispute and the Management in each of these three industrial disputes represented by counsel have filed a joint memo stating that the disputes in all the three matters had been settled by the parties. They have also enclosed the settlement in each industrial dispute signed by the Management and the representatives of the Union. The counsel appearing on either side states that the terms of these settlements are very reasonable, fair and just.
- (5) So far as the dispute in I. D. No. 17 of 1984 is concerned, the Union has agreed not to press the claim. As has been earlier indicated the dispute relates to the withdrawal of one of the two helpers. Perhaps the Union has felt that to press for the reinstatement or provision of one more helper may not to quite reasonable considering the financial impact.
- (6) Regarding the dispute in J.D. No. 32 of 1984, the two individuals were held unfit on medical grounds. However after negotiation the Management on compassionate grounds has agreed to place one of the two, in charge of the lands in various places belonging to the Company on a consolidated remuncration of Rs. 300 per mensem. So far as other individual is concerned the Management has agreed to appoint one of his dependants. The Union had appreciated the gesture shown by the Management and has felt that it would not be reasonable to pursue the dispute any more and therefore on such concession made by the Management the Union had agreed not to press for any relief in I.D. No. 32 of 1984.
- (7) So far as the dispute in I.D. No. 36 of 1984 is concerned the Management has agreed as per the terms of settlement to provide employment to five persons. Accepting this offer of the Management to appoint these persons mentioned in the settlement, the Union has agreed to withdraw its claim in I.D. No. 36 of 1984.
- (8) I do not consider that there is any ground or justification to say that these terms of settlement are unfair or unjust. Accepting the terms of settlement to be fair and just I record the settlement in each industrial dispute. An award is passed in terms of the settlement in each industrial dispute.
- (9) The result in the claim in I.D. No. 17 of 1984 will stand rejected and the claim of the Union in I.D. Nos. 32 and 36 of 1984 is also rejected as being not pressed in view of the award in terms of the settlement. An Award is passed accordingly. There will be no order as to costs.

Dated, this 28th day of September, 1984.

K. S. GURUMURTHY, Indudstrial Tribunal

#### ANNEXURE

Dated 24-9-1984

(See Rule 58)

Memorandum of Settlement arrived at under Section 18(1) of the Industrial Disputes Act, 1947 at Sankarnagar, Tirunelveli District on 24-9-1984 between the Management of India Cements Ltd., Sankarnagar and Tirunelveli Taluk National General Workers Union, Regd. No. 155/TIN., Sankarnagar.

#### PRESENT

Representing Management:

- 1. Sri G. Ramji, General Manager, The India Cements Ltd
- Sri K. Kannabiran, Chief Mines Superintendent, The India Coments Ltd.,
- 3. Sri S. Cyril Susairaj, Personnel Officer, The India Cements Ltd.

Representing Workmen; Union.

- Sri S. S. R. L. Pandian, President, Tirunelveli Taluk, National General, Workers Union. Regd. No. 155/TIN.
- Sri P. Nainar Thevar, General Secretary, Tirunelveli Taluk, National General, Workers Union, Regd. No. 155/TIN.

## SHORT RECITAL OF THE CASE

Tirunelveli Taluk National General Workers Union raised some disputes and after failure of conciliation, 3 disputes have been referred under Section 10(1) of the I.D. Act, 1947. The 3 cases have come up before the Industrial Tribunal and numbered as I.D. No. 17/84, 32/84 and 36/84. Talks were held between the Management and Union to settle the issue amscably out of Court. Finally an amicable settlement reached between the Management and the Union. The terms of settlement as follows:—

#### TERMS OF SETTLEMENT

1, Reg. I.D. No. 17/84—Withdrawal of one helper provided to assist the Wagon Drill Operator.

The Union has agreed not to press the claim and agreed to winddraw their claim in this case.

2. Reg. I.D. No. 32/84—Termination of M/s. Paramasivam Chettiar and Sri V. Durairaj Thevar, Casual Watchmen.—Both these Watchmen were found medically unfit. Therefore it is not possible to consider providing job for these persons. However, in order to maintain good relationship with the Union, the Company has agreed to employ the wards of the watchmen provided they are medically fit and after assessing their suitability. Sri Paramasivam Chettiar's son is stated to be qualified in Automobile Mechanic and if he is found suitable he will be taken as Machinery Attendant or in any other post commensurate with his suitability. In the case of ward of the other watchman Sri V. Durairaj Thevar, since he is unfit to take up any job being physically handicapped, the watchman himself will be absorbed to look after the lands in various places of the Company on a consolidated remuneration of Rs. 300 per mensem. The Union agreed not to press further in this matter and agreed

to withdraw their claim in this case and not to press for any relief, in respect of these two persons.

- I.D. No. 36/84.
   (a) Reg. termination of services of 24 persons.
  - (b) (i) Regularisation of services of six workmen employed in Geological Section.
    - (ii) Promotion of Sri Muniyandi as Wagon Drill Operator.
  - (a) As regards the issue of non-employment of 24 persons, Management explained that they were not employed by the Management directly in the company and no employer-employee relationship is prevailing between the Management of India Cements Ltd. and these 24 workmen. Hence considering the cases of these workmen would not arise and the Management is also not bound to consider their case.
  - (b) (i) Sri P. Asthi is already employed as a Mazdoor in Talaiyuthu Limestone Mines. Sri K. Muthu who is working as a Casual worker will be appointed as a Mazdoor in loading gang in the permanent category. The other three persons (viz) (1) Sri P. Balakrishnan (2) Sri A. Krishnan and (3) M. Peer Mohindeen will be appointed as Mazdoors in any of the Mines of India Cements Ltd., Sri S. Thangaraj will be taken as a helper in Wagon Drill Operation.
  - (b) (ii) Regarding promotion of Sri Muniyandi, it has been agreed to review the interview papers to assess his suitability. If he is having requisite qualification, his case will be considered for promotion.

However, as a gesture of goodwill and to maintain good relationship with the union the company agrees to provide employment to the following persons, out of the 24 persons, as Mazdoors in Loading in any one of the Mines in the India Cements Ltd.

- 1. Sri M. Peer Moideen
- 2. " K. Muthupandi
- 3. "S. Baskar
- 4. "S. Lakshmanan
- 5. "K. Arumugham.

With this the union agreed not to press any claim/relief in the above case and agreed to withdraw all their claims in I.D. No. 36/84.

#### Representing Management:

- (Sd) G. Ramji, General Manager.
- (Sd) K. Kannabiran,
   Chief Mines Superintendent.
- 3. (Sd) S. Cyril Susairaf,
  Personnel Officer.

Representing Workmen: Union.

 (Sd) S. S. R. D. Pandian, President of the Tirunelveli
 Taluk National General
 Workers Union, Regd. No. 155/TIN.  (Sd) P. Nainar Thevar, General Secretary of the, Tirunelveli Taluk National, General Workers Union, Read. No. 155/TIN.

#### WITNESS:

- 1. (Sd) G. Sorna Thevar
- 2. (Sd) P. Chandresekaran.

K. S. GURUMURTHY, Industrial Tribunal [No. L-29012(68)/83-D. III(B)] NAND LAL, Under Secy.

# केन्द्रीय प्रत्यका कर बोर्ड नई विल्ली, 8 जून, 1984

आय कर

का. आ. 3567—अतः, आयकर अधिनियम, 96 (1961 का 43) की घारा 121 की उपधारा (1) दारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने कर्नाटक I और II के आयकर आयुक्तों के समवर्ती केतिथिकार आयकर आयुक्त (जाँच), बंगलीर की प्रदत्त किये हैं, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड धारा 121 की उपधारा (2) दारा प्रदम्म शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतदवारा निवेश देता है कि इस के साथ संलग्न अनुसूची के स्तम्भ (1) में विनिर्दिष्ट आयकर आयुक्त, जिसका प्रधान कार्यालय उक्त अनुसूची के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट है, उक्त अ अनुसूचीके स्तम्भ (3) में यथाउल्लिखित मामले अथवा मामलों की श्रीणयों के संबंध में कार्य नहीं करेंगें।

## अनसची

	6 ,		
भायकर <mark>आयुक्</mark> त	प्रधान कार्यालय	क्षेत्राधिकार	_ <u>-—</u> ,
1	2	3	
(जौच) बंगलौर	वंगलौर	क. आयकर	 आयुक्त,

कर्नाटक I और II क्षेत्राधिकार अंतर्गत आने क्षेत्रों में मर्वेक्षण परिणामतः आय विवरणियाँ टाखिल की जाती हैं अथवा आय की वे विवर-णियाँ पहलो दाखिल की जाती है और जहाँ 1-12-79 के बाद ए मी विवरणियः को गई हैं और जिन नामलों में धारा 139 (2) के अधीन नोटिस जारी किए गए हैं। · **2** 

तथापि कंपिनयों,
न्यासों, वेतन भोगी
कर-निर्धारितियों के
संबंध में क्षेताधिकार
अब से पहले की तरह जथात् संबंधित क्षेत्रीय
आयकर आयुक्त में ही
निहित रहेंगे।

ख. परन्तु ऐसी सभी विवरणियों पर जिन्हें पहली 15-6-1984 या उसके बाद दाखिल किया जाना है तथा जिनमें कोई कर निर्धा-रण नहीं किया गया है तथा/अथवा जिनमें **धारा** 139(2) 148 अंतर्गत नोटिस जारी नहीं किये गये हैं स्तम्भ 1 में उल्ल-ख्रित आयकर आयुक्त जौच का क्षेत्राधिकार समाप्त हो जाएगा।

- ग. १. जाँच परिमण्डल, बंगलौर।
- सर्वेक्षण परिमण्डल-1, बंगलौर।
- 3. सर्वेक्षण परिमंडल-II, बंगलौर।
- घ . आयकर आयुक्स,
  कर्नाटक 1 तथा 2, बंगलीर
  के क्षेत्रा-धिकार के अंतर्गत
  आने वाले क्षेत्रों के
  संबंध में सर्वेक्षण की
  सामान्य णिक्तयाँ बंगलीर
  शहर की सीमा के अंतर्गत
  इस्तेमाल की जा रही हों।

यह अधिसूचना 15-6-1084 से लागू होगी।  $\left[ \dot{\pi} : 5860 \left( \dot{\pi} : \dot{\pi} : 187 / 16 / 84 - \dot{\pi} : \dot{\pi} : \left( \dot{\pi} : I \right) \right]$  आर. के. तिवारी, अवर मचिव

# CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES New Delhi, the 8th June, 1984 (INCOME TAX)

S.O. 3567.—Whereas in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 121 of the I.T. Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes have conferred

on the Commissioner of Income-tax, Investigation Bangalore, jurisdiction concurrent with those of the Commissioners of Income-tax, Karnataka-I and II the Central Board of Direct Taxes in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 121, hereby directs that the Commissioner of Income-tax specified in Col. (1) of the Schedule hereto annexed with headquarters specified in Col. (2) thereof shall alone perform functions in respect of such cases or classes of cases as are referred to in Col. 3 of the said schedule and the Commissioners of Income-tax, Karnataka-I & II shall not exercise over the cases or classes of cases as are referred to in Col. (3) of the said schedule.

#### **SCHEDULE**

Commissioner of He dquarter Jurisdiction
Income-Tax

1 2 3

((investigation), Bangalore A. All cases where returns of Bangalore.

Bangalore are filed as a result

income are filed as a result of survey or where such returns of income are those filed for the first time in the areas comprised the jurisdiction over Commissioners of Income-tax, Karnatake-I & II and where such returns are filed after 1-12-79 and in cases where notices under sec. 139(2) are issued. However, in respect of companies trusts, salt ried assesses the jurisdiction will

continue to vest as hitherto

before viz. with the con-

cerned territorial commis-

sioner of Income-tex.

- B. However the jurisdiction in respect of all returns filed for the first time on or after 15-6-1984 and where no assessment has been made and or notices under section 139 (2)/148 have not been issued will cease to lie with the C-I-T-, investigation mentioned in Col. 1.
- C. 1. Investigation Circle, Bangalore.
  - 2. Survey Circle-I, Bangalore
  - 3. Survey Circle-II, Bangalore.
- D. Genzral power of survey in respect of areas comprised in the jurisdiction of the Commissioners of Income-tax, Karntaka-I & U. Bangalore, subject to such powers being exercised within the limits of Bangalore city

This notification shall take effect from 15-6-1984.

[No. 5860 (F. No. 187/16/84-IT(AI) R.K. TEWARI, under Secy